सूर्योदय 6:29 सूर्यास्त 6:30

आज का तापमान

शिमला	05.0 न्यू	19.0 अधि
धर्मशाला	08.0 न्यू	20.0 अधि

बाजार

सेंसेक्स	75,502
निफ्टी	23,408
सोना 1,56,350	चांदी 2,53,550

www.anantgyaan.in

अनंत ज्ञान

आरएनआई नं. HPHIN/25/A0284 | कांगड़ा | मंगलवार, 17 मार्च 2026 | 4 चैत्र, विक्रमी संवत 2082 | वर्ष 3, अंक 77, कुल पृष्ठ 14 | मूल्य : 5 रुपए | डाक पंजीकरण संख्या : HP/DO/DEHRA/01/2026-2028 follow us on: 8894521702

न्यूज शॉर्ट्स

हरदीप पुरी की बेटी ने किया 10 करोड़ की मानहानि का केस

एजेंसी, नई दिल्ली। केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप पुरी की बेटी ने जेफरी एपस्टीन से संबंध जोड़ने वाली सामग्री को हटाने के लिए दिल्ली उच्च न्यायालय में 10 करोड़ रुपए का मानहानि का मुकदमा दायर किया है। मंत्री हरदीप पुरी की बेटी हिमायनी पुरी ने आरोप लगाया है कि कई ऑनलाइन पोस्ट में झूठा दावा किया गया है कि उनका एपस्टीन या उसकी आपराधिक गतिविधियों से वित्तीय या नेटवर्क संबंध था। हिमायनी ने दिल्ली उच्च न्यायालय में मानहानि का मुकदमा दायर कर ऑनलाइन समाचार रिपोर्टों, पोस्ट, वीडियो और अन्य सामग्री को हटाने की मांग की है। (अनंत ज्ञान)

ओडिशा में हॉस्पिटल में आग, 10 मरीजों की मौत

एजेंसी, कटक। ओडिशा में कटक के श्रीराम चंद्र भांजा मेडिकल कॉलेज अस्पताल में रविवार रात करीब 3 बजे आग लग गई। हादसे में 10 मरीजों की मौत हो गई है। इनमें से 7 ने मौके पर ही दम तोड़ दिया, 3 की मौत इलाज के दौरान हुई। आग पहली मंजिल पर ट्रॉमा केयर के आईसीयू में लगी थी। यहां करीब 23 मरीज भर्ती थे। उन्हें बचाने में अस्पताल के कम से कम 11 कर्मचारी झुलस गए। अनुमान है कि आग शॉर्ट सर्किट से लगी थी। ओडिशा सीएम मोहन चरण मांझी सुबह घायलों को देखने के लिए हॉस्पिटल पहुंचे। उन्होंने मृतकों के परिवारों को 25-25 लाख रुपए मुआवजा देने का ऐलान किया है। साथ ही हादसे की हाई लेवल जांच का आदेश दिया है। (अनंत ज्ञान)

भारत में एक साल में बढ़ गए 24 अरबपति

एजेंसी, नई दिल्ली। फोर्ब्स वर्ल्ड्स बिलियनेयर्स 2026 लिस्ट के मुताबिक भारत में एक साल के अंदर 24 अरबपति बढ़े हैं। इनकी संख्या 2025 से बढ़कर 229 हो गई है। देश के चौथे सबसे अमीर लक्ष्मी मित्तल की संपत्ति में इस साल सबसे तेज उछाल देखा गया। उनकी कंपनी आर्सेलरमित्तल के शेयरों में 80% से ज्यादा की तेजी आने से उनकी कुल दौलत 31 अरब डॉलर, यानी 2.87 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच गई है। पिछले एक साल में उनकी संपत्ति में 20 अरब डॉलर, यानी 1.85 लाख करोड़ रुपए का इजाफा हुआ है। इस हिसाब से मित्तल ने सालभर हर दिन औसतन 274 करोड़ रुपए की रिकॉर्ड कमाई की है। (अनंत ज्ञान)

हेमकुंड साहिब के 23 मई को खुलेंगे कपाट

एजेंसी, चमोली। हेमकुंड साहिब के कपाट 23 मई को खुलेंगे। हेमकुंड साहिब प्रबंधन ट्रस्ट के अध्यक्ष नरेंद्र जीत सिंह बिंद्रा ने मुख्य सचिव आनंदवर्धन से आगामी तीर्थयात्रा सीजन की तैयारियों पर चर्चा के लिए मुलाकात की। विस्तृत विचार-विमर्श और मौसम स्थितियों का आकलन करने के बाद दोनों पक्षों ने पवित्र गुरुद्वारा हेमकुंड साहिब के कपाट शनिवार, 23 मई को खोलने पर आपसी सहमति व्यक्त की है। हेमकुंड साहिब प्रबंधन राज्य सरकार के समन्वय में इस यात्रा का संचालन करता है। (अनंत ज्ञान)

बिहार में एनडीए ने सभी 5 राज्यसभा सीटें जीतीं

एजेंसी पटना। बिहार, हरियाणा और ओडिशा की 11 राज्यसभा सीटों के लिए सोमवार को मतदान हुआ। एनडीए ने बिहार की सभी पांचों राज्यसभा सीटों पर जीत दर्ज की है। बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने ऐलान किया है। इस जीत के साथ मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और बीजेपी अध्यक्ष नितिन नवीन राज्यसभा पहुंच गए हैं। तीनों राज्यों में कुल 14 उम्मीदवार मैदान में हैं। ओडिशा में काउंटिंग जारी है। हरियाणा में राज्यसभा चुनाव के लिए मतदान के दौरान दो कांग्रेसी विधायकों के वोटों पर आपत्ति के बाद काउंटिंग रोक दी गई। बीजेपी के गौरव गौतम और किशन बेदी ने इन दोनों वोटों पर आपत्ति जताई। (अनंत ज्ञान)

अंदर के पन्नों पर पढ़ें

- सीएम सुक्खू ने आय बढ़ाने व कटौती पर दिया जोर -पेज 3
- एक वर्ष में 18,700 शिकायतें, 132 करोड़ रुपए की ठगी -पेज 4
- राणा कपड़े बदलने की तरह बदलते हैं पार्टी: सुमन भारती -पेज 6
- अखाड़ों की कुश्तियां और पशु व्यापार की पुरानी परंपरा -पेज 10
- अवैध कटान पर दोषियों को बचाने में लगी सरकार : डॉ. बिंदल -पेज 12

बाजार में आएंगे डेयरी के हिम ब्रांड : सीएम

सुक्खू सरकार ने दूध उत्पादन बढ़ाने को राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड के साथ किए तीन समझौते

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, शिमला। प्रदेश में डेयरी क्षेत्र को सशक्त बनाकर किसानों की आय बढ़ाने की दिशा में सरकार ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। राज्य सरकार और राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी) के बीच तीन अहम समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए हैं। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू की उपस्थिति में हुए इन समझौतों का उद्देश्य दुग्ध उत्पादन, प्रसंस्करण और विपणन व्यवस्था को आधुनिक बनाना तथा किसानों को पारदर्शी और समय पर भुगतान सुनिश्चित करना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार डेयरी उत्पादों को अब हिम ब्रांड के तहत बाजार में बेचेगी। सरकार की प्राथमिकता गांवों की अर्थव्यवस्था को मजबूत करते हुए किसान के हाथ में सीधे पैसा पहुंचाना है। सीएम सुक्खू ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के विभिन्न स्थानों पर मिल्क प्रोसेसिंग यूनिट स्थापित करने पर आने वाले समय में 300 करोड़ खर्च करेगी।

समझौते के तहत कांगड़ा जिले में नई मिल्क यूनियन का गठन किया जाएगा, जिसमें कांगड़ा, ऊना, हमीरपुर और चंबा जिलों को शामिल किया गया है। इससे दुग्ध संग्रहण, प्रसंस्करण और विपणन व्यवस्था को व्यापक आधार मिलेगा। कांगड़ा जिले के ढगवार में लगभग 250 करोड़ की लागत से 1.50 लाख लीटर प्रतिदिन क्षमता वाला आधुनिक स्वचालित दुग्ध प्रसंस्करण संयंत्र स्थापित किया जा रहा है, जिसकी क्षमता भविष्य में तीन लाख लीटर प्रतिदिन तक बढ़ाई जा सकेगी।

समझौते के दूसरे चरण में जिला सिरमौर के नाहन और सोलन जिले के नालागढ़ में 20-20 हजार लीटर प्रतिदिन क्षमता के दो दूध प्रसंस्करण संयंत्र स्थापित किए जाएंगे। इसके अलावा हमीरपुर जिले के जलाड़ी और ऊना जिले के झलेड़ा में भी समान क्षमता के दो दुग्ध अभिशीतन केंद्र स्थापित होंगे। इन परियोजनाओं से दुग्ध संग्रहण और भंडारण व्यवस्था को मजबूत आधार मिलेगा और दूरदराज क्षेत्रों के किसानों को भी डेयरी नेटवर्क से जोड़ने में मदद मिलेगी।

राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड के साथ आयोजित बैठक की अध्यक्षता करते हुए मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू। अनंत ज्ञान

◆ **कहा- मिल्क प्रोसेसिंग यूनिट स्थापित करने पर खर्च किए जाएंगे 300 करोड़ रुपए**

दूध खरीद मूल्य बढ़ाकर किसानों को दी राहत

मुख्यमंत्री ने कहा कि हिमाचल प्रदेश दूध खरीद पर सबसे अधिक समर्थन मूल्य देने वाला देश का पहला राज्य बन गया है। राज्य सरकार ने गाय के दूध का खरीद मूल्य 32 रुपए से बढ़ाकर 51 रुपए प्रति लीटर तथा भैंस के दूध का मूल्य 47 रुपए से बढ़ाकर 61 रुपए प्रति लीटर कर दिया है। दुग्ध प्रोत्साहन योजना के तहत दूध संग्रहण केंद्र तक स्वयं दूध पहुंचाने पर प्रति लीटर तीन रुपए का अतिरिक्त प्रोत्साहन भी दिया जा रहा है, जबकि परिवहन अनुदान में भी वृद्धि की गई है।

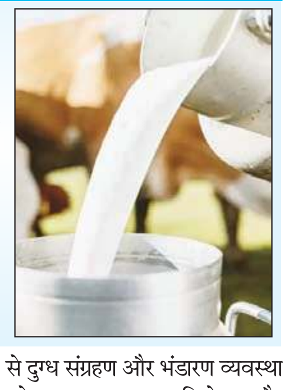

कहा-डिजिटल प्रणाली से पारदर्शी बनेगा दुग्ध प्रबंधन

मुख्यमंत्री ने कहा कि डेयरी क्षेत्र में पारदर्शिता और दक्षता बढ़ाने के लिए मिल्क फेड में उद्यम संसाधन योजना सॉफ्टवेयर लागू किया जाएगा। इसके माध्यम से दूध संग्रहण, गुणवत्ता परीक्षण, उत्पादन, भंडारण और वितरण से जुड़ी पूरी व्यवस्था का डिजिटल प्रबंधन संभव होगा। इससे दूध उत्पादक किसानों का रिकॉर्ड व्यवस्थित रहेगा और उन्हें समय पर भुगतान सुनिश्चित किया जा सकेगा। साथ ही उत्पादन प्रबंधन, स्टॉक नियंत्रण और आपूर्ति श्रृंखला की निगरानी अधिक प्रभावी बनेगी।

आउटसोर्स कर्मियों के मामले में टालमटोल पर सरकार को जुर्माना

अनंत ज्ञान

पुष्पेंद्र, शिमला। हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट ने आउटसोर्स कर्मचारियों की सेवाओं से जुड़े मामलों की सुनवाई को बेवजह टालने की कोशिश करने पर राज्य सरकार पर 20 हजार रुपये की कॉस्ट लगाई है। अदालत ने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय द्वारा इन मामलों का शीघ्र निपटारा करने का आग्रह किया गया है, लेकिन राज्य सरकार अंतिम सुनवाई से बचने का प्रयास कर रही है। इसलिए सरकार पर यह जुर्माना लगाया गया है, जिसे आईजीएमसी के पुअर पेशेंट ट्रीटमेंट फंड में जमा करवाना होगा।

◆ **हिमाचल हाईकोर्ट ने लगाई 20 हजार रुपए की कॉस्ट**

हाईकोर्ट की खंडपीठ ने राज्य सरकार को पहले ही शपथपत्र दायर कर यह बताने के निर्देश दिए थे कि क्या किसी विभाग में आउटसोर्स कर्मियों की सेवाओं को जारी रखने से संबंधित कोई नीति अभी भी लागू है। साथ ही प्रत्येक विभाग में नियुक्त आउटसोर्स कर्मचारियों की नियुक्ति की तारीख और उनकी वर्तमान सेवा स्थिति का पूरा विवरण देने को कहा गया था। सुनवाई के दौरान सरकार की ओर से इस संबंध में अतिरिक्त समय मांगा गया, जिस पर अदालत ने कड़ी नाराजगी जाहिर की। खंडपीठ ने स्पष्ट किया कि यदि अगली सुनवाई तक मांगी गई जानकारी पेश नहीं की गई तो अदालत रिकॉर्ड पर उपलब्ध दस्तावेजों के आधार पर ही मामले का निपटारा कर सकती है। अदालत ने सरकार के इस रवैये को टालमटोल करार देते हुए कहा कि न्यायिक प्रक्रिया में अनावश्यक देरी स्वीकार्य नहीं है।

जेएनएनयूआरएम बसों के संचालन पर रोक से हाईकोर्ट का इनकार

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला। हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट ने जवाहर लाल नेहरू शहरी नवीकरण मिशन के तहत चल रही बसों के संचालन पर फिलहाल रोक लगाने से इनकार कर दिया है। न्यायालय ने मामले की अगली सुनवाई से पहले केंद्र सरकार, राज्य सरकार और हिमाचल पथ परिवहन निगम को नोटिस जारी करते हुए चार सप्ताह के भीतर जवाब दाखिल करने के निर्देश दिए हैं। यह याचिका जिला कांगड़ा प्राइवेट बस ऑपरेटर्स वेलफेयर सोसाइटी की ओर से दायर की गई थी, जिसमें आरोप लगाया गया है कि जेएनएनयूआरएम योजना के तहत बसों का संचालन निर्धारित नियमों के अनुरूप नहीं किया जा रहा।

मिडिल-ईस्ट में जारी जंग के बीच एलपीजी लेकर भारत पहुंचा 'शिवालिक' जहाज

शिप पर लदी है 32.4 लाख घरेलू सिलेंडर जितनी गैस

एजेंसी, नई दिल्ली

अमेरिका-इसराइल और ईरान के बीच जारी जंग के बीच एलपीजी कैरियर जहाज शिवालिक कतर से गैस लेकर भारत पहुंच गया है। यह जहाज सोमवार शाम 5 बजे गुजरात के मुंद्रा पोर्ट पर पहुंचा। यह जहाज 14 मार्च को होर्मुज स्ट्रेट पार कर भारत की ओर रवाना हुआ था। मिडिल-ईस्ट में जारी संघर्ष के बीच यह भारत पहुंचने वाला पहला एलपीजी जहाज है। शिवालिक जहाज पर करीब 46 हजार मीट्रिक टन एलपीजी लदी है, जो लगभग 32.4 लाख घरेलू गैस सिलेंडरों के बराबर बताई जा रही है।

केंद्रीय शिपिंग मंत्रालय के मुताबिक दो और जहाज कल भारत पहुंच रहे हैं। पहला जहाज नंदा देवी करीब 46 हजार टन एलपीजी लेकर आ रहा है, वहीं दूसरा जहाज जग लाडकी करीब 81 हजार टन कच्चा तेल लेकर आ रहा है। (अनंत ज्ञान)

मोबाइल फोन न मिलने पर 13 वर्षीय किशोर ने लगाया फंदा

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, बिलासपुर। जिला बिलासपुर में मोबाइल फोन को लेकर हुए पारिवारिक विवाद ने एक मासूम की जिंदगी छीन ली। 13 वर्षीय किशोर द्वारा फंदा लगाकर आत्महत्या करने की घटना ने पूरे क्षेत्र को झकझोर कर रख दिया है। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतक की पहचान सचिन (13) पुत्र सतवीर सिंह के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि परिवार मूल रूप उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद जिले का रहने वाला है और फिलहाल बिलासपुर क्षेत्र में रह रहा था। घटना वाले दिन सचिन अपनी माता से मोबाइल फोन देने की जिद कर रहा था। उस समय उसकी परीक्षाएं चल रही थीं। पढ़ाई पर ध्यान देने की सलाह देते हुए उसकी माता ने मोबाइल देने से मना कर दिया। मोबाइल न मिलने से नाराज होकर सचिन कुछ देर बाद अपने कमरे में चला गया। काफी समय तक जब वह कमरे से बाहर नहीं आया तो परिजनों को चिंता हुई। जब उन्होंने कमरे में जाकर देखा तो सचिन फंदे से लटका हुआ था। परिजनों ने तुरंत उसे नीचे उतारा और उपचार के लिए जिला अस्पताल बिलासपुर ले गए, लेकिन वहां मौजूद चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। थाना सदर पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी।

◆ **मां ने पढ़ाई का हवाला देकर नहीं दिया था फोन**

राज्यसभा में एलपीजी संकट पर हुआ हंगामा

एजेंसी, नई दिल्ली। बजट सत्र के दूसरे फेज में सोमवार को लोकसभा में पहली बार प्रश्नकाल बिना किसी हंगामे के पूरा हुआ। इधर राज्यसभा में एलपीजी सिलेंडर के संकट को लेकर हंगामा हुआ। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने राज्यसभा में कहा कि पेट्रोलियम मंत्री ने लोकसभा में दावा किया कि एलपीजी की कोई कमी नहीं है, लेकिन जमीनी हकीकत सरकारी दावों को गलत साबित कर रही है। अगर सरकार समय रहते इंतजाम कर लेती, तो हालात इतने खराब नहीं होते। इस पर भाजपा सांसद जेपी नड्डा ने खड़गे को टोका। उन्होंने कहा कि कांग्रेस आपदा में भी राजनीति कर रही है। इसके बाद भी खड़गे ने बोलना जारी रखा। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि कांग्रेस नेता जवाब नहीं सुनते है, अपनी ही बात रखते हैं। (अनंत ज्ञान)

मौसम ऊंचे क्षेत्रों में बर्फबारी, मैदानों में रुक-रुककर बारिश

प्रदेश में 20 तक बरसते रहेंगे बादल

अनंत ज्ञान

सत्यदेव भारद्वाज, शिमला। हिमाचल प्रदेश में 20 मार्च तक मौसम के खराब बने रहने का अनुमान है। इस दौरान ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी और मैदानों में बारिश होने की संभावना है। 19 मार्च को कुल्लू, कांगड़ा और चंबा जिलों में भारी वर्षा व हिमपात की संभावना जताई गई है, जबकि कुछ स्थानों पर तेज हवाओं के साथ ओलावृष्टि को लेकर चेतावनी भी जारी की गई है। सोमवार को राजधानी शिमला समेत कई जिलों में घने बादलों के कारण अचानक अंधेरा छा गया और लोगों को दिन में ही लाइटें जलानी पड़ीं।

राज्य के ऊंचे इलाकों में बर्फबारी और निचले क्षेत्रों में रुक-रुककर हो रही बारिश ने मौसम को पूरी तरह सर्द बना दिया है। जानकारी के अनुसार, शिमला शहर में दोपहर करीब तीन बजे अचानक घने बादल छा गए और कुछ ही मिनटों में पूरा शहर अंधेरे में डूब गया। हालात ऐसे बने कि सड़कों पर चल रहे वाहनों को हेडलाइटें जलानी पड़ीं। कई इलाकों में ओलावृष्टि भी हुई, जिससे सड़कें सफेद चादर की तरह ढक गईं और कुछ स्थानों पर वाहनों की रफ्तार थम गई।

बर्फबारी में फंसे सैलानी भूखे-प्यासे काटी रात

कुल्लू जिले में अटल सुरंग और धुंधी क्षेत्र के आसपास भारी बर्फबारी के चलते रविवार को सैकड़ों वाहन बर्फ में फंस गए। बताया जा रहा है कि करीब एक हजार से अधिक वाहन साउथ पोर्टल के पास बर्फ और फिसलन के कारण रुक गए थे। हिमाचल पुलिस और सीमा सड़क संगठन की टीमों ने पूरी रात राहत और बचाव अभियान चलाकर वाहनों और उनमें सवार लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला। कई पर्यटकों को रात गाड़ियों में ही गुजारनी पड़ी। सैकड़ों सैलानी अटल टनल के भीतर और साउथ पोर्टल में भूखे प्यासे फंसे रहे। इन लोगों ने भूखे प्यासे पूरी रात गाड़ियों में ही गुजारी है। यह सभी वाहन पिछले कल रविवार को लाहौल से मनाली की तरफ निकले थे।

खराब खाद्य सामग्री पर होगी सख्त कार्रवाई

उपायुक्त अनुपम कश्यप ने खाद्य वितरण व्यवस्था में गुणवत्ता व पारदर्शिता को लेकर दिए सख्त निर्देश

अनंत ज्ञान

शिमला में सार्वजनिक वितरण प्रणाली समिति की बैठक की अध्यक्षता करते उपायुक्त। अनंत ज्ञान

सत्यदेव भारद्वाज, शिमला। जिला शिमला में सार्वजनिक वितरण प्रणाली को अधिक प्रभावी, पारदर्शी और गुणवत्तापूर्ण बनाने के लिए प्रशासन ने सख्त कदम उठाने के संकेत दिए हैं। उपायुक्त अनुपम कश्यप ने स्पष्ट कहा कि आम जनता और बच्चों तक पहुंचने वाली खाद्य सामग्री की गुणवत्ता से किसी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। उन्होंने डिपो धारकों, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और मिड-डे मील से जुड़े कर्मचारियों को निर्देश दिए कि खाद्यान्न का उचित भंडारण सुनिश्चित किया जाए, ताकि खाद्य वस्तुएं खराब न हों और लोगों तक सही गुणवत्ता का राशन पहुंचे। यदि कहीं भी खराब खाद्य सामग्री पाई जाती है तो उसकी सूचना तुरंत संबंधित विभाग को दी जाए, ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके।

उपायुक्त अनुपम कश्यप ने यह बातें सोमवार को यहां आयोजित जिला स्तरीय सार्वजनिक वितरण प्रणाली समिति की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए कही। बैठक में विभाग की त्रैमासिक गतिविधियों और राशन वितरण व्यवस्था की विस्तृत समीक्षा की गई। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि उचित मूल्य की दुकानों में खाद्य वस्तुओं का भंडारण व्यवस्थित तरीके से किया जाए और वितरण प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की अनियमितता को बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उपायुक्त ने यह भी कहा कि जिले में लोगों को मिलने वाले राशन की निरंतर आपूर्ति बनी रहनी चाहिए, ताकि किसी भी उपभोक्ता को परेशानी का सामना न करना पड़े।

बैठक में जानकारी दी गई कि शिमला जिले में वर्तमान में 627 उचित मूल्य की दुकानों के माध्यम से विभिन्न श्रेणियों के उपभोक्ताओं को राशन उपलब्ध करवाया जा रहा है। इनमें 348 सहकारी सभाएं, 234 व्यक्तिगत डिपो, दो महिला मंडल, दो ग्राम पंचायतें और खाद्य आपूर्ति निगम की 41 दुकानें शामिल हैं। दिसंबर 2025 से फरवरी 2026 के बीच जिले में 5525 क्विंटल चीनी, 32456 क्विंटल चावल, 57648 क्विंटल गेहूं का आटा, 8251 क्विंटल दालें, 2260 क्विंटल आयोडाइज्ड नमक और 5,12,038 लीटर खाद्य तेल वितरित किया गया। इसी अवधि के दौरान विभाग द्वारा 1362 निरीक्षण किए गए, जिनमें पांच दुकानों में अनियमितताएं पाए जाने पर 5910 रुपये का जुर्माना लगाया गया। होटल और ढाबों में घरेलू गैस सिलेंडर के उपयोग के तीन मामलों में 9000 रुपये का जुर्माना वसूला गया, जबकि 11 उचित मूल्य की दुकानों द्वारा प्राधिकरण का नवीनीकरण न कराने पर 44 हजार रुपये की प्रतिभूति राशि जब्त कर सरकारी कोष में जमा करवाई गई।

84,636 परिवारों को कवर करने का लक्ष्य

बैठक के बाद जिला स्तरीय सतर्कता समिति की समीक्षा बैठक भी आयोजित की गई, जिसमें राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2013 के प्रभावी क्रियान्वयन पर चर्चा की गई। बताया गया कि जिले में इस अधिनियम के तहत 84,636 परिवारों को कवर करने का लक्ष्य निर्धारित है, जिनमें 72,147 ग्रामीण और 12,849 शहरी परिवार शामिल हैं। अब तक 66,230 परिवारों का चयन किया जा चुका है, जबकि 18,406 परिवारों का चयन किया जाना शेष है। बैठक में जिला नियंत्रक खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले नरेंद्र धीमान ने विभिन्न मदों की जानकारी प्रस्तुत की। इस अवसर पर अतिरिक्त उपायुक्त सचिन शर्मा, जिला कार्यक्रम अधिकारी आईसीडीएस ममता पॉल सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे।

चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों का सेवानिवृत्ति आयु विवाद पहुंचा सुप्रीम कोर्ट, कल होगी सुनवाई

अनंत ज्ञान

- आम लोगों को भी कार्यवाही में भाग लेने का अवसर
- राज्य सरकार को सार्वजनिक सूचना जारी करने के निर्देश

सत्यदेव भारद्वाज, शिमला। हिमाचल प्रदेश में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति आयु को लेकर चल रहा महत्वपूर्ण विवाद अब देश की सर्वोच्च न्यायिक संस्था के समक्ष निर्णायक चरण में पहुंच गया है। इस मामले से संबंधित विशेष अनुमति याचिकाएं सर्वोच्च न्यायालय में विचाराधीन हैं और 17 मार्च, 2026 को इन पर सुनवाई निर्धारित की गई है। राज्य के उच्च शिक्षा निदेशालय द्वारा जारी बयान में बताया गया है कि यह मामला स्टेट ऑफ हिमाचल प्रदेश एवं अन्य बनाम सत्य देवी शीर्षक से दर्ज है, जो प्रदेश के हजारों कर्मचारियों से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दे को सामने लाता है।

दरअसल यह विवाद हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय के 28 मई 2024 के उस निर्णय से जुड़ा है, जिसमें चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति आयु 58 वर्ष से बढ़ाकर 60 वर्ष किए जाने से संबंधित विषय पर आदेश पारित हुआ था। इस निर्णय के बाद राज्य सरकार ने सर्वोच्च न्यायालय में विशेष अनुमति याचिकाएं दायर कीं। इन याचिकाओं के साथ जुड़े अन्य मामलों को भी सर्वोच्च न्यायालय ने एक साथ सुनवाई के लिए स्वीकार किया है, जिससे यह मामला प्रशासनिक और कानूनी दृष्टि से काफी महत्वपूर्ण बन गया है।

सर्वोच्च न्यायालय ने 20 जनवरी 2026 को मामले की सुनवाई करते हुए राज्य सरकार को निर्देश दिए कि लंबित याचिकाओं की जानकारी आम जनता तक पहुंचाने के लिए समाचार पत्रों के माध्यम से सार्वजनिक सूचना प्रकाशित की जाए। न्यायालय का उद्देश्य यह है कि यदि कोई व्यक्ति या पक्ष इस मामले की कार्यवाही में भाग लेना चाहता है, तो वह विधिसम्मत आवेदन प्रस्तुत कर सके और न्यायिक प्रक्रिया में अपनी बात रख सके।

उच्च शिक्षा निदेशालय के अनुसार सर्वोच्च न्यायालय ने स्पष्ट किया है कि इन विशेष अनुमति याचिकाओं को 17 मार्च को सूचीबद्ध किया जाएगा। इसी क्रम में न्यायालय के निर्देशों के अनुपालन में यह प्रेस विज्ञप्ति जारी की गई है, ताकि संबंधित सभी पक्षों और आम नागरिकों को इस महत्वपूर्ण मामले की जानकारी मिल सके और आवश्यक होने पर वे न्यायालय की कार्यवाही में शामिल होने के लिए आवेदन कर सकें।

शिमला में पत्रकार से धक्का-मुक्की पर बवाल, पुलिस की कार्रवाई पर उठे सवाल

अनंत ज्ञान

- हरियाणा के कांग्रेस विधायकों की कवरेज के दौरान हुई घटना

ब्यूरो, शिमला। शिमला में हरियाणा के कांग्रेस विधायकों की मौजूदगी के बीच एक पत्रकार के साथ धक्कामुक्की का मामला सामने आने के बाद राजनीतिक और पत्रकारिता जगत में हलचल मच गई है। कुफरी के समीप एक प्रतिष्ठित होटल के बाहर रिपोर्टिंग कर रहे पत्रकार को पुलिस अधिकारी द्वारा हटाने की कोशिश किए जाने का वीडियो सामने आने के बाद इस घटना को लेकर तीखी प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है। पत्रकार संगठनों ने इस घटना को लेकर गहरी नाराज़गी जताई और इसे पत्रकारिता के कर्तव्यों में हस्तक्षेप बताया।

जानकारी के अनुसार हरियाणा में राज्यसभा चुनाव के मद्देनज़र कांग्रेस ने अपने कई विधायकों को शिमला में ठहराया हुआ है। रविवार को ये सभी विधायक मुख्यमंत्री के साथ दोपहर भोज के लिए कुफरी स्थित होटल पहुंचे थे। इसी दौरान सड़क किनारे खड़े होकर रिपोर्टिंग कर रहे पत्रकार को एक पुलिस अधिकारी ने वहां से हटाने का प्रयास किया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार पत्रकार ने कहा कि वह केवल अपना पेशेवर दायित्व निभा रहे हैं, लेकिन इसके बावजूद उन्हें धक्का देकर वहां से हटाने की कोशिश की गई, जिससे मौके पर तनाव का माहौल बन गया।

सीएम से मिला पत्रकारों का प्रतिनिधिमंडल

घटना के बाद सोमवार को पत्रकारों के प्रतिनिधिमंडल ने सचिवालय में मुख्यमंत्री से मुलाकात कर मामले पर कड़ा विरोध दर्ज कराया। मुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया कि घटना की पूरी रिपोर्ट ली जाएगी और भविष्य में ऐसी स्थिति नहीं बनने दी जाएगी। वहीं विपक्ष ने भी इस मुद्दे को लेकर सरकार को घेरा है और इसे प्रेस की स्वतंत्रता पर हमला बताते हुए जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

शिमला में पीक आवर्स के ट्रैफिक जाम से निपटने को पुलिस की नई रणनीति

सुबह व शाम सड़कों पर बढ़ाई निगरानी

अनंत ज्ञान

पीक आवर्स के दौरान यातायात व्यवस्था संभालते पुलिस कर्मी। अनंत ज्ञान

ब्यूरो, शिमला। शिमला शहर में पीक आवर्स के दौरान बढ़ते ट्रैफिक जाम से राहत दिलाने के लिए जिला पुलिस ने नई व्यवस्था लागू की है। कार्यालयों और विद्यालयों के समय सुबह तथा शाम को सड़कों पर वाहनों का दबाव अचानक बढ़ जाने से कई प्रमुख मार्गों पर जाम की स्थिति बन जाती है। इसी समस्या को ध्यान में रखते हुए पुलिस प्रशासन ने यातायात प्रबंधन को अधिक सुदृढ़ और प्रभावी बनाने के लिए विशेष निगरानी व्यवस्था शुरू की है, ताकि शहर में वाहनों की आवाजाही सुचारू बनी रहे और लोगों को अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े।

पुलिस अधिकारियों द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार अब शहर के सभी थाना प्रभारी व्यस्त समय में स्वयं सड़कों पर मौजूद रहकर यातायात व्यवस्था संभाल रहे हैं। प्रतिदिन सुबह लगभग 9 बजे से 10:30 बजे तक तथा शाम 4:30 बजे से 6 बजे तक यह विशेष निगरानी की जा रही है। इस दौरान पुलिस अधिकारी ट्रैफिक कर्मियों के साथ मिलकर प्रमुख मार्गों पर यातायात संचालन का निरीक्षण कर रहे हैं, ताकि जाम की स्थिति बनने से पहले ही उसे नियंत्रित किया जा सके।

पुलिस प्रशासन ने विशेष रूप से उन स्थानों पर अतिरिक्त निगरानी बढ़ाई है जहां अक्सर बॉटलनेक की स्थिति बनती है और वाहनों की लंबी कतारें लग जाती हैं। इन क्षेत्रों में थाना प्रभारी स्वयं ट्रैफिक पुलिस के साथ समन्वय स्थापित कर यातायात को व्यवस्थित कर रहे हैं। पुलिस का कहना है कि इस पहल से न केवल शहर में ट्रैफिक व्यवस्था बेहतर होगी बल्कि स्थानीय लोगों और पर्यटकों को भी सुरक्षित और सुगम यात्रा का अनुभव मिलेगा। साथ ही प्रशासन ने नागरिकों से भी अपील की है कि वे यातायात नियमों का पालन कर पुलिस का सहयोग करें।

ठेकेदारों के लंबित भुगतान के लिए सरकार ने जारी किए 500 करोड़ रुपए: नरेश चौहान

अनंत ज्ञान

- वित्तीय अनुशासन के साथ विकास कार्यों को दी जा रही गति

ब्यूरो, शिमला। प्रदेश में विकास कार्यों की रफ्तार बनाए रखने और ठेकेदारों के लंबित भुगतानों को निपटाने की दिशा में राज्य सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। मुख्यमंत्री के प्रधान सलाहकार (मीडिया) नरेश चौहान ने बताया कि सरकार ने 1 मार्च तक के बकाया भुगतान के निपटान के लिए 500 करोड़ रुपए जारी कर दिए हैं। इस निर्णय से विभिन्न निर्माण कार्यों से जुड़े ठेकेदारों को राहत मिलने के साथ-साथ प्रदेश में विकास परियोजनाओं की गति को भी मजबूती मिलेगी।

नरेश चौहान ने सोमवार को शिमला में मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि राज्य सरकार वित्तीय अनुशासन के साथ काम कर रही है और प्रदेश के विकास कार्यों में किसी प्रकार की बाधा नहीं आने दी जाएगी। उन्होंने बताया कि इससे पहले भी सरकार द्वारा इसी उद्देश्य के लिए 250 करोड़ रुपए जारी किए जा चुके हैं, ताकि निर्माण कार्यों से जुड़े लोगों को समय पर भुगतान मिल सके। उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि प्रदेश की वित्तीय स्थिति को लेकर लगातार अनावश्यक टिप्पणियां की जा रही हैं। विपक्ष को केवल आलोचना करने के बजाय सरकार के साथ सहयोगात्मक रवैया अपनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि जब हिमाचल प्रदेश के हितों से जुड़े मुद्दे उठाने की जरूरत होती है, तब विपक्ष की चुप्पी कई सवाल खड़े करती है और प्रदेश की जनता इसका जवाब जरूर मांगेगी।

केंद्र से हिमाचल को अभी तक नहीं मिली आपदा सहायता राशि

नरेश चौहान ने कहा कि आपदा के दौरान प्रधानमंत्री द्वारा हिमाचल प्रदेश के लिए 1500 करोड़ रुपए की सहायता की घोषणा की गई थी, लेकिन यह राशि अब तक राज्य को प्राप्त नहीं हुई है। उन्होंने बताया कि कांग्रेस सांसद रजनी पाटिल ने संसद में इस मुद्दे को उठाया, जबकि प्रदेश के भाजपा सांसदों ने आरडीजी बंद किए जाने और वित्तीय सहायता जैसे महत्वपूर्ण विषयों को नहीं उठाया। उन्होंने कहा कि आरडीजी बंद होने के बावजूद राज्य सरकार वित्तीय स्थिति को मजबूत बनाने और विकास कार्यों को निरंतर जारी रखने के लिए आवश्यक निर्णय ले रही है।

टीबी मुक्त अभियान में शिमला को मिली बड़ी उपलब्धि

सभी मरीजों को मिली न्यूट्रिशन किट

अनंत ज्ञान

- क्षय रोग उन्मूलन समिति की बैठक में दी जानकारी

ब्यूरो, शिमला। राजधानी शिमला में क्षय रोग उन्मूलन अभियान को लेकर स्वास्थ्य विभाग ने महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। जिला में टीबी से ग्रसित सभी मरीजों को निक्षय मित्र सहयोग के तहत न्यूट्रिशन किट वितरित कर दी गई है, जिससे मरीजों के उपचार में पोषण संबंधी सहयोग सुनिश्चित किया जा सके। उपायुक्त अनुपम कश्यप की अध्यक्षता में आयोजित जिला क्षय रोग उन्मूलन समिति की बैठक में टीबी मुक्त भारत अभियान, पोर्टेबल हैंड हेल्ड एक्स-रे सुविधा तथा उपचार कार्यक्रमों की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की गई। बैठक में बताया गया कि टीबी नियंत्रण के लिए जिला में लगातार व्यापक प्रयास किए जा रहे हैं, जिसके सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं।

उपायुक्त अनुपम कश्यप ने बैठक के दौरान कहा कि जिला में टीबी से ग्रसित सभी मरीजों को न्यूट्रिशन किट उपलब्ध करवाई गई है, जिसमें उच्च प्रोटीन युक्त खाद्य सामग्री शामिल रहती है, ताकि मरीजों को शीघ्र स्वस्थ होने में सहायता मिल सके। उन्होंने कहा कि टीबी जैसी बीमारी के उपचार में पोषण और सामुदायिक सहयोग की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। उपायुक्त ने यह भी बताया कि वर्ष 2025 के दौरान टीबी निवारक उपचार की शुरुआत के मामले में शिमला जिला प्रदेश में अग्रणी रहा है। राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत निर्धारित लक्ष्यों के मुकाबले जिला ने उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है और एचआईवी परीक्षण, मधुमेह परीक्षण तथा उपचार सफलता दर में भी संतोषजनक प्रगति दर्ज की गई है। बैठक में जानकारी दी गई कि टीबी मुक्त भारत 2.0 अभियान के तहत जिला की 141 ग्राम पंचायतों को टीबी मुक्त घोषित किया गया है, जिनमें 23 पंचायतों को स्वर्ण, 34 को रजत और 84 को कांस्य श्रेणी में रखा गया है। आगामी 24 मार्च को विश्व टीबी दिवस के अवसर पर गेयटी थिएटर में जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, जिसमें स्वर्ण श्रेणी की पंचायतों के सचिवों को सम्मानित किया जाएगा, जबकि रजत और कांस्य श्रेणी की पंचायतों को खंड स्तर पर सम्मानित किया जाएगा। बैठक में जिला को पूर्ण रूप से टीबी मुक्त बनाने के लिए सभी विभागों और सामाजिक संगठनों के सहयोग से व्यापक अभियान चलाने पर भी जोर दिया गया।

2030-31 तक 350 लाख टन दलहन उत्पादन का लक्ष्य, केंद्र ने दी जानकारी

अनंत ज्ञान

- डॉ. सिकंदर ने संसद में उठाया दलहन की एमएसपी खरीद व आत्मनिर्भरता का मुद्दा

ब्यूरो, शिमला। राज्यसभा सांसद एवं भाजपा के प्रदेश महामंत्री डॉ. सिकंदर कुमार ने संसद में दलहन की न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर खरीद और दलहन उत्पादन में आत्मनिर्भरता से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दे को उठाया। उन्होंने कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय से पूछा कि फरवरी 2026 में भारतीय राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन संघ की व्यापक समीक्षा के दौरान एमएसपी पर दलहन की मजबूत और पारदर्शी खरीद सुनिश्चित करने के लिए क्या निष्कर्ष सामने आए और सरकार ने इस दिशा में कौन-कौन से रणनीतिक कदम उठाए हैं। सिकंदर ने यह भी जानना चाहा कि वर्ष 2030-31 तक 350 लाख टन दलहन उत्पादन के लक्ष्य को हासिल करने के लिए दलहन में आत्मनिर्भरता मिशन के तहत क्या प्रगति हो रही है। साथ ही उन्होंने फसल कटाई के बाद होने वाले नुकसान को कम करने के लिए बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के उपायों के बारे में भी जानकारी मांगी।

कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री भागीरथी चौधरी ने सदन को बताया कि दलहन की खरीद की प्रगति की नियमित रूप से केंद्रीय नोडल एजेंसियों और नेशनल कोऑपरेटिव कंज्यूमर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड के साथ समीक्षा की जाती है। उन्होंने कहा कि किसानों को उचित मूल्य दिलाने और देश को दाल उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से केंद्रीय नोडल एजेंसियां पंजीकृत किसानों से तुअर, उड़द और मसूर जैसी प्रमुख दलहनों की खरीद कर रही हैं।

उन्होंने बताया कि रबी 2026-27 खरीद सत्र के दौरान नेफेड और एनसीसीएफ के माध्यम से अब तक करीब 1.5 लाख दलहन उत्पादक किसानों का पंजीकरण किया जा चुका है। इसके अलावा केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 1 अक्तूबर 2025 को 11,440 करोड़ रुपये के वित्तीय परिव्यय के साथ छह वर्षों की अवधि के लिए 'दलहन में आत्मनिर्भरता मिशन' को मंजूरी दी है। इस मिशन के तहत वर्ष 2025-26 से 2030-31 के बीच देशभर में 1000 दलहन प्रसंस्करण इकाइयों की स्थापना का लक्ष्य रखा गया है, ताकि फसल कटाई के बाद होने वाले नुकसान को कम किया जा सके और किसानों को अपनी उपज बेहतर दाम पर बेचने का अवसर मिल सके। प्रधानमंत्री किसान संपदा योजना के तहत 23 दलहन प्रसंस्करण इकाइयों को मंजूरी दी गई है, जिनमें से 18 परियोजनाएं पूरी हो चुकी हैं। इनकी कुल लागत 315.88 करोड़ रुपए है और इससे प्रतिवर्ष 4.44 लाख मीट्रिक टन प्रसंस्करण क्षमता विकसित होगी।

आनी और करसोग टीम बनी संयुक्त विजेता

वन-डे इंटर कॉलेज फैकल्टी क्रिकेट चैंपियनशिप का किया आयोजन

रामपुर में वन-डे इंटर कॉलेज फैकल्टी क्रिकेट चैंपियनशिप का आयोजन किया गया। अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान

आत्मा सिंह, रामपुर बुशहर। रामपुर के राजकीय महाविद्यालय के मैदान में वन-डे इंटर कॉलेज फैकल्टी क्रिकेट चैंपियनशिप का आयोजन जीबी पंत मेमोरियल राजकीय महाविद्यालय रामपुर के आईक्यूएसी, शारीरिक शिक्षा विभाग तथा रोड सेफ्टी क्लब के संयुक्त तत्वावधान में किया गया।

इस प्रतियोगिता का उद्देश्य विभिन्न महाविद्यालयों के अध्यापकों के बीच खेल भावना, सहयोग और आपसी सौहार्द के साथ-साथ यातायात सुरक्षा को भी बढ़ावा देना था। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में राजकीय महाविद्यालय रामपुर बुशहर के प्राचार्य डॉ. पंकज बासोतिया उपस्थित रहे।कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में राजकीय महाविद्यालय निरमंड के प्राचार्य डॉ. कुलजीत सिंह उपस्थित रहे।

इस प्रतियोगिता के आयोजन सचिव डॉ. विद्या बंधु नेगी के संयोजन में किया गया। प्रतियोगिता में करसोग, आनी, निरमंड, रिकांगपिओ व राजकीय महाविद्यालय सिराज लंबाथाच व स्थानीय महाविद्यालय की दो टीमों ने भाग लिया। सभी टीमों ने मैदान में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए खेल भावना और अनुशासन का परिचय दिया और अंततः फाइनल मैच राजकीय महाविद्यालय आनी और राजकीय महाविद्यालय करसोग के बीच खेला जाना था, लेकिन वर्षा के कारण मैच पूर्ण नहीं हो पाया और रद्द करना पड़ा। इसके पश्चात आयोजन समिति के निर्णय के अनुसार दोनों टीमों आनी कॉलेज व करसोग कॉलेज को संयुक्त विजेता घोषित किया गया। पूरे टूर्नामेंट में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए मैन ऑफ द सीरीज प्रो. वीरेन को चुना गया।

लोकसभा में गूंजी पहाड़ी राज्यों के लिए अलग पर्यावरण नीति की मांग

अनंत ज्ञान

- सांसद कश्यप ने केंद्र से मांगी पहाड़ी राज्यों के लिए व्यावहारिक पर्यावरण नीति

ब्यूरो, शिमला। भाजपा के लोकसभा सांसद सुरेश कश्यप ने लोकसभा में प्रश्नकाल के दौरान पहाड़ी राज्यों के लिए अलग पर्यावरण नीति बनाए जाने की आवश्यकता का मुद्दा प्रमुखता से उठाया। उन्होंने पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय से पूछा कि हिमाचल प्रदेश सहित अन्य पर्वतीय राज्यों में तेजी से बढ़ते पर्यटन, औद्योगिक गतिविधियों, आधारभूत ढांचे के विस्तार और अपशिष्ट प्रबंधन की चुनौतियों के बीच पर्यावरण संरक्षण के लिए केंद्र सरकार क्या विशेष कदम उठा रही है और क्या इन राज्यों के लिए अलग तथा व्यावहारिक पर्यावरण नीति बनाने पर विचार किया जा रहा है।

सांसद के प्रश्न के उत्तर में केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने बताया कि भारतीय हिमालयी क्षेत्र देश की पारिस्थितिक व्यवस्था के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह क्षेत्र न केवल पहाड़ी इलाकों में रहने वाले लोगों के लिए जीवन समर्थन प्रणाली प्रदान करता है, बल्कि देश के मैदानी क्षेत्रों की बड़ी आबादी के लिए जल, जैव विविधता और पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने में भी अहम भूमिका निभाता है। उन्होंने कहा कि जीबी पंत राष्ट्रीय हिमालयी पर्यावरण संस्थान द्वारा हिमालयी क्षेत्रों में वायु, जल और ध्वनि की गुणवत्ता सहित पर्यावरणीय स्थितियों का निरंतर अध्ययन किया जा रहा है। मंत्री ने बताया कि पर्यावरण प्रभाव आकलन प्रक्रिया, वन संरक्षण से जुड़े नियम, वन्यजीव संरक्षण अधिनियम तथा संवेदनशील क्षेत्रों में विकास गतिविधियों के लिए निर्धारित मानकों के माध्यम से पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने का प्रयास किया जा रहा है। इसके साथ ही राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम, अपशिष्ट प्रबंधन और सतत पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए भी विभिन्न योजनाएं लागू की गई हैं।

विरोध: दूध भुगतान में देरी और लंबित मांगों को लेकर उत्पादकों ने जताया रोष

दूध उत्पादकों ने एनएच किया चक्का जाम

अनंत ज्ञान

दूध उत्पादक विरोध-प्रदर्शन करते हुए। अनंत ज्ञान

आत्मा सिंह, रामपुर शहर। दत्तनगर में सोमवार को दूध उत्पादकों ने अपनी मांगों को लेकर जोरदार प्रदर्शन करते हुए मिल्क प्लांट के समीप एनएच पर चक्का जाम किया। हिमाचल दूध उत्पादक संघ के बैनर तले आयोजित इस प्रदर्शन में उत्पादकों ने दूध के भुगतान में देरी और अन्य लंबित मांगों को लेकर रोष जताया। दूध उत्पादकों का कहना है कि वे अपनी समस्याओं को लेकर कई बार संबंधित विभाग से लिखित और मौखिक रूप से संपर्क कर चुके हैं, लेकिन अब तक उनकी मांगों पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। इससे उन्हें आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है और परिवार का भरण-पोषण करना भी मुश्किल हो गया है।

संघ के प्रतिनिधियों ने बताया कि सबसे बड़ी समस्या दूध के भुगतान में हो रही देरी की है। कई बार उत्पादकों को दो से तीन महीने बाद भुगतान मिलता है। उन्होंने मांग की कि दूध का भुगतान हर महीने की 10 तारीख से पहले डीबीटी के माध्यम से किया जाए। इसके अलावा सभी दुग्ध सहकारी समितियों में दूध की गुणवत्ता जांच के लिए आधुनिक मशीनें उपलब्ध कराने और पहले से स्थापित मशीनों को सुचारू रूप से चलाने की भी मांग उठाई गई। उत्पादकों ने सभी सोसाइटियों में अच्छी गुणवत्ता वाला पशु आहार नियमित रूप से उपलब्ध कराने की आवश्यकता पर भी जोर दिया।

संघ ने मिल्क प्लांट और सभी चिलिंग सेंटरों में खाली पड़े पदों को जल्द भरने की मांग की। साथ ही चिलिंग सेंटर केपू और यूनिट-1 दत्तनगर को तुरंत चालू करने की भी मांग की गई, ताकि गर्मियों में दूध खराब होने से बचाया जा सके। इसके अतिरिक्त सभी चिलिंग सेंटरों में दूध की गुणवत्ता जांच के लिए आधुनिक और तेज मशीनें लगाने, पशु औषधालयों में खाली पदों को भरने और उन्नत किस्म का सीमन उपलब्ध कराने की मांग भी उठाई गई। दूध उत्पादकों ने यह भी कहा कि दूध की बाल्टियों को मिल्क प्लांट और चिलिंग सेंटर से साफ करके वापस दिया जाए तथा दूध परिवहन करने वाली गाड़ियों का भुगतान भी समय पर किया जाए।

हिमाचल की जनता को गुमराह कर रही कांग्रेस सरकार: त्रिलोक कपूर

अनंत ज्ञान

- विकास कार्यों को छिपाने का लगाया आरोप

ब्यूरो, शिमला। भाजपा के वरिष्ठ प्रवक्ता त्रिलोक कपूर ने मुख्यमंत्री के मीडिया सलाहकार पर तीखा हमला करते हुए आरोप लगाया कि वे प्रदेश की जनता को गुमराह करने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान कांग्रेस सरकार अपनी नाकामियों को छिपाने के लिए पूर्व भाजपा सरकार पर बेवजह आरोप लगाने की राजनीति कर रही है। कपूर ने कहा कि यदि प्रदेश में विकास कार्यों का आकलन किया जाए तो वर्ष 2017 से 2022 के दौरान जयराम ठाकुर के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार ने निवेश और विकास के क्षेत्र में कई ऐतिहासिक पहलें की थीं, जिनका लाभ प्रदेश को लंबे समय तक मिल सकता था।

त्रिलोक कपूर ने कहा कि वर्ष 2019 में आयोजित 'राइजिंग हिमाचल ग्लोबल इंवेस्टर्स मीट' प्रदेश के इतिहास की सबसे बड़ी निवेश पहल थी। इस दौरान कुल 603 एमओयू पर हस्ताक्षर हुए थे, जिनकी अनुमानित निवेश राशि लगभग 92,439 करोड़ रुपए थी। उन्होंने बताया कि इन समझौतों में एग्रीबिजनेस, विनिर्माण और औषधि उद्योग, पर्यटन और आतिथ्य क्षेत्र, नागरिक उड्डयन, जलविद्युत व नवीकरणीय ऊर्जा, वेलनेस व आयुष, आवास एवं शहरी विकास तथा सूचना प्रौद्योगिकी और इलेक्ट्रॉनिक्स सहित आठ प्रमुख क्षेत्रों को शामिल किया गया था। कपूर ने कहा कि केवल आईटी क्षेत्र में ही 14 एमओयू किए गए थे, जिनकी अनुमानित निवेश राशि 2,833 करोड़ रुपये थी, जबकि पर्यटन नीति 2019 के तहत होटल परियोजनाओं, वेलनेस सेंटर और केबल कार परियोजनाओं के लिए भी कई महत्वपूर्ण समझौते हुए थे। उन्होंने बताया कि मार्च 2022 में सोलन जिले के नालागढ़ में स्थापित मेडिकल डिवाइस पार्क के लिए उद्योग विभाग ने निवेशकों के साथ 810 करोड़ रुपये के 15 एमओयू किए थे, जिससे प्रदेश में फार्मा और मेडिकल उपकरण उद्योग को मजबूती मिलने की उम्मीद थी।

सीएम ने आय बढ़ाने व कटौती पर दिया जोर

सुक्खू 21 मार्च को पेश करेंगे हिमाचल का चौथा बजट, आर्थिक चुनौतियों के बीच सरकार के लिए बड़ी परीक्षा

अनंत ज्ञान

सत्यदेव भारद्वाज, शिमला। हिमाचल की सियासत और अर्थव्यवस्था के लिए आने वाला बजट सत्र बेहद अहम माना जा रहा है। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू 21 मार्च को अपना चौथा बजट पेश करने जा रहे हैं, ऐसे में सरकार के सामने बढ़ते कर्ज, सीमित संसाधनों और चुनावी वादों के बीच संतुलन बनाने की बड़ी चुनौती खड़ी है। राजनीतिक तौर पर भी यह बजट सरकार की प्राथमिकताओं और आर्थिक प्रबंधन की दिशा तय करेगा, जिस पर विपक्ष की भी पैनी नजर रहेगी।

शिमला में सीएम सुखविंद्र सिंह सुक्खू विभागीय बैठक की अध्यक्षता करते हुए। अनंत ज्ञान

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने वित्त वर्ष 2026-27 के बजट को अंतिम रूप देने के लिए शिमला में विभागीय अधिकारियों के साथ विस्तृत बैठक की। बैठक में राज्य की आय बढ़ाने के उपायों, अनावश्यक खर्चों में कटौती और विभिन्न विभागों से प्राप्त प्रस्तावों पर गंभीरता से चर्चा की गई। विभागीय सचिवों और अधिकारियों ने अपनी-अपनी योजनाओं व वित्तीय जरूरतों को बैठक में रखा, जिसके आधार पर बजट भाषण को अंतिम रूप दिया गया। सरकार का प्रयास है कि सीमित संसाधनों के बावजूद विकास कार्यों की गति को बनाए रखा जाए और प्रदेश की वित्तीय स्थिति को संतुलित किया जाए।

राज्य में इस समय गंभीर आर्थिक दबाव से गुजर रहा है। राज्य पर एक लाख करोड़ रुपए से अधिक का कर्ज हो चुका है, जबकि केंद्र सरकार द्वारा दी जाने वाली लगभग दस हजार करोड़ रुपए की राजस्व घाटा अनुदान (आरडीजी) भी बंद हो चुकी है। इसके अलावा जून 2022 के बाद से करीब तीन हजार करोड़ रुपए का जीएसटी मुआवजा भी नहीं मिल रहा है। यही नहीं, केंद्र ने राज्यों की ऋण लेने की सीमा भी सकल घरेलू उत्पाद के पांच प्रतिशत से घटाकर तीन प्रतिशत कर दी है। इन परिस्थितियों में सरकार के लिए विकास योजनाओं को गति देना और वित्तीय अनुशासन बनाए रखना एक बड़ी चुनौती बन गया है।

बजट सत्र का दूसरा चरण कल से

हिमाचल प्रदेश विधानसभा के बजट सत्र का दूसरा चरण 18 मार्च से शुरू होने जा रहा है, जिसमें कुल 13 बैठकें प्रस्तावित हैं। इसी सत्र के दौरान 21 मार्च को मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू वित्त वर्ष 2026-27 का बजट सदन में पेश करेंगे। माना जा रहा है कि सरकार इस बजट के माध्यम से आय के नए स्रोत तलाशने, राजकोषीय घाटे को नियंत्रित करने और चुनावी घोषणाओं को आगे बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण फैसले ले सकती है।

सरकारी संस्थानों में छात्रों से अवैध वसूली का खुलासा

प्रदेश के तेलका कॉलेज में ऑडिट रिपोर्ट ने खोली अनियमितताओं की परतें

अनंत ज्ञान

◆ यूनिवर्सिटी डेवलपमेंट फंड में दोबारा वसूली

◆ छात्राओं से ट्यूशन फीस व अन्य निधियों में भी गड़बड़ी

सत्यदेव भारद्वाज, शिमला। हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले के तहसील सलूणी स्थित राजकीय महाविद्यालय तेलका में वित्तीय अनियमितताओं का बड़ा मामला सामने आया है। शिमला स्थित राज्य लेखा परीक्षा विभाग की रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि महाविद्यालय प्रशासन ने कई वर्षों तक छात्रों से विभिन्न निधियों के नाम पर नियमों के विपरीत राशि वसूली। जून 2017 से मार्च 2025 तक की अवधि के अंकेक्षण में यह भी पाया गया कि कुछ शुल्क ऐसे भी लिए गए जो नियमानुसार केवल एक बार लिए जाने चाहिए थे, जबकि छात्रों से बार-बार वसूले गए।

ऑडिट रिपोर्ट के अनुसार हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय की 11 जुलाई 2016 की अधिसूचना के तहत यूनिवर्सिटी डेवलपमेंट फंड पूरे डिग्री पाठ्यक्रम के दौरान केवल एक बार ही लिया जाना चाहिए। इसके बावजूद महाविद्यालय प्रशासन ने कुछ छात्रों से यह शुल्क दोबारा वसूल लिया। जांच के दौरान करीब 26 हजार रुपए की अधिक और अनधिकृत वसूली का मामला सामने आया, जबकि नमूना अंकेक्षण में लगभग 15 हजार रुपए की वसूली को सीधे तौर पर अनियमित पाया गया। इससे संस्थान की वित्तीय व्यवस्था और नियमों के पालन पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

रिपोर्ट में यह भी सामने आया कि गृह परीक्षा निधि के अंतर्गत करीब 18,760 रुए की अतिरिक्त वसूली की गई। वहीं छात्राओं से 900 रुपए की ट्यूशन फीस ली गई, जबकि राज्य सरकार के आदेशों के अनुसार छात्राओं से ट्यूशन फीस नहीं ली जानी चाहिए। इसके अलावा वर्ष 2017-18 से 2024-25 तक रेड क्रॉस निधि के नाम पर 25,020 रुपए वसूले गए, जबकि सरकार द्वारा अधिसूचित छात्र निधियों की सूची में इस निधि का उल्लेख ही नहीं है। एनसीसी विंग महाविद्यालय में सक्रिय न होने के बावजूद एनसीसी फंड के नाम पर भी 6,710 रुपए की वसूली की गई।

फीस लेने के बावजूद नहीं मिले पहचान पत्र

अंकेक्षण के दौरान एक और चौंकाने वाली बात सामने आई। महाविद्यालय प्रशासन ने पिछले आठ वित्तीय वर्षों में छात्रों से पहचान पत्र प्रिंट करवाने के नाम पर कुल 7,410 रुपये की राशि वसूली, लेकिन एक बार भी पहचान पत्र छपवाए नहीं गए। वर्ष 2017-18 से 2024-25 तक लगातार यह राशि ली जाती रही, मगर छात्रों को इसका लाभ नहीं मिला। इसे छात्र कल्याण के प्रति महाविद्यालय प्रशासन की गंभीर लापरवाही माना जा रहा है। विभाग के उपनिदेशक अनिल कुमार मेहरा की निगरानी में तैयार इस रिपोर्ट में निर्देश दिए गए हैं कि संबंधित मामलों में नियमानुसार कार्रवाई की जाए और आंतरिक निगरानी व्यवस्था को मजबूत बनाया जाए, ताकि भविष्य में ऐसी अनियमितताओं की पुनरावृत्ति न हो।

हिमाचल में आगामी पंचायत चुनावों को लेकर तैयारियां तेज

प्रदेश में 25 मार्च तक जारी करें रोस्टर

अनंत ज्ञान

◆ वार्डों के पुनर्सीमांकन का कार्य तीन दिनों में होगा पूरा

ब्यूरो, शिमला। हिमाचल प्रदेश में आगामी पंचायत चुनावों की तैयारियां तेज हो गई हैं। राज्य सरकार ने सभी जिलों के उपायुक्तों को निर्देश जारी किए हैं कि वे अपने-अपने जिलों में पंचायत चुनावों के लिए आरक्षण रोस्टर तैयार कर 25 मार्च तक जारी करें। इसके लिए पहले चरण में वार्डों के पुनर्सीमांकन का कार्य तीन दिनों के भीतर पूरा करने को कहा गया है। प्रशासनिक स्तर पर यह प्रक्रिया तेज कर दी गई है ताकि समय रहते सभी औपचारिकताएं पूरी कर चुनाव कार्यक्रम तय किया जा सके। रोस्टर जारी होने के बाद पंचायत चुनावों के लिए आरक्षण की स्थिति स्पष्ट हो जाएगी और आगे की चुनावी प्रक्रिया को अंतिम रूप दिया जाएगा।

इसी प्रक्रिया के तहत प्रदेश सरकार ने पंचायतों के पुनर्गठन को भी अंतिम रूप दे दिया है। सरकार द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार प्रदेश में 64 नई पंचायतों का गठन किया गया है, जिसके बाद हिमाचल प्रदेश में पंचायतों की कुल संख्या बढ़कर 3,773 हो गई है। इससे पहले प्रदेश में 3,577 पंचायतें कार्यरत थीं। प्रशासनिक सुविधा और ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर विकास कार्यों को ध्यान में रखते हुए यह पुनर्गठन किया गया है। पंचायतों के पुनर्गठन के दौरान कुछ बदलाव भी किए गए हैं। जानकारी के अनुसार 46 पंचायतों को समाप्त कर उन्हें नगर पंचायतों में शामिल किया गया है, जिसके बाद नई संरचना के अनुसार ही पंचायत चुनाव कराए जाएंगे। अब प्रदेश में कुल 3,773 पंचायतों में ही चुनाव आयोजित किए जाएंगे। इसके साथ ही जिला परिषद, पंचायत समिति, पंचायत प्रधान और वार्ड सदस्यों के पदों के लिए आरक्षण का निर्धारण रोस्टर के माध्यम से किया जाएगा।

पंचायतीराज विभाग के अधिकारियों का कहना है कि चुनाव प्रक्रिया को समयबद्ध ढंग से पूरा करने के लिए सभी जिलों से जरूरी दस्तावेज 31 मार्च तक राज्य निर्वाचन आयोग को भेजे जाएंगे। इसके बाद राज्य निर्वाचन आयोग पंचायत चुनाव कार्यक्रम घोषित करने की दिशा में आगे बढ़ेगा। विभाग का कहना है कि सुप्रीम न्यायालय के निर्देशों के अनुसार चुनाव प्रक्रिया को निर्धारित समय के भीतर पूरा करना आवश्यक है, इसलिए अब प्रशासनिक स्तर पर सभी औपचारिकताओं को तेजी से पूरा किया जा रहा है।

बड़सर कांग्रेस में कभी भी आ सकता भूचाल

पांच कद्दावर नेता पार्टी छोड़ने को तैयार

अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान एक्सक्लूसिव

◆ पंचायती चुनाव से पहले कांग्रेस-भाजपा दोनों में बगावत के संकेत

एसके ठाकुर, बड़सर। बड़सर कांग्रेस में भी आजकल सब कुछ ठीक नहीं चल रहा। पंचायती चुनाव का बिगुल बज चुका है। ऐसे में अगर बड़सर कांग्रेस में कोई बड़ी हलचल होती है तो नुकसान तो कांग्रेस का ही होगा। जिला हमीरपुर में मुख्यमंत्री का अपना वर्चस्व है। अगर यहां कांग्रेस पार्टी में कोई हलचल होती है या फिर कोई डैमेज पार्टी को होता है तो इसके लिए सुई तो मुख्यमंत्री की तरफ ही घूम सकती है।

सूत्रों के अनुसार बड़सर कांग्रेस में लगता है कि अंतर्कलह चरम पर पहुंच गई है। बड़सर कांग्रेस के पांच कद्दवार नेता कभी भी कांग्रेस पार्टी को बाय-बाय कर सकते हैं। हलचल शुरू हो गई है अब डैमेज कंट्रोल कैसे किया जाए यह तो कांग्रेस जाने। परंतु जो सूचना मिल रही है इसमें कांग्रेस के चार बड़े नेता व एक बीडीसी मेंबर कभी भी पार्टी छोड़ सकते हैं। इसी के साथ लगभग 150 से लेकर 200 तक कार्यकर्ता भी कांग्रेस छोड़कर भाजपा का दमन थामने को तैयार बैठे हैं हालांकि यह भी सूचना है कि भाजपा में भी ढटबाल क्षेत्र से कुछ कद्दवार नेता यह कहते भी सुने गए हैं कि पार्टी में अगर मान सम्मान ही नहीं होगा और हर व्यक्ति से यह सुनने को मिलेगा कि आप कौन हैं तो ऐसी पार्टी में रहने का भी कोई औचित्य नहीं बनता है यह भी जानकारी है कि भाजपा के लोग भी तीसरे मोर्चे की ओर जाने के लिए तैयार बैठे हैं।

खतरा दोनों पार्टियों के लिए बराबर बना हुआ है। अब कुछ समय बाद पंचायती चुनाव होने हैं, 2027 में विधानसभा चुनाव है तो अब देखना है कि कांग्रेस ऑल्टो में पैक होती है या फिर वोल्वो में भरकर विधानसभा पहुंचती है या तो अभी सब कुछ भविष्य के गर्भ में छिपा हुआ है, लेकिन आने वाले चुनावों में स्थिति दोनों पार्टियों के लिए दिल की धड़कनें तेज करने वाली ही लग रही है।

तेज रफ्तार टेंपो ट्रैवलर की टक्कर से बुजुर्ग की मौत

अनंत ज्ञान, अंब/ऊना। जिला ऊना के अंब क्षेत्र में रविवार देर शाम एक दर्दनाक सड़क हादसे में 77 वर्षीय बुजुर्ग हुक्म चंद की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, हीरा नगर क्षेत्र में तेज रफ्तार टेम्पो ट्रैवलर ने उन्हें जोरदार टक्कर मारी। बुजुर्ग को गंभीर हालत में 108 एंबुलेंस से सिविल अस्पताल अंब ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। हादसे के बाद वाहन चालक ने कुछ क्षण के लिए वाहन रोका और फिर मौके से फरार हो गया। पुलिस ने अज्ञात चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। डीएसपी अंब अनिल पटियाल ने बताया कि आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज की मदद से फरार चालक की पहचान कर उसे गिरफ्तार किया जाएगा। पुलिस ने आम लोगों से अपील की है कि यदि किसी के पास इस हादसे से संबंधित जानकारी हो, तो वह तुरंत पुलिस को सूचित करें, ताकि दोषी चालक के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा सके।

संस्कृति को आगे बढ़ाने में युवाओं की भूमिका अहम: कविंद्र गुप्ता

अनंत ज्ञान

◆ बीएचयू में भारत विमर्श कार्यक्रम का उद्घाटन, शिक्षा व नशामुक्त भारत पर जोर

◆ 2047 तक विकसित भारत के संकल्प में युवाओं की सक्रिय भागीदारी जरूरी

ब्यूरो, शिमला। उत्तर प्रदेश के बनारस हिंदू विश्वविद्यालय में आयोजित भारत विमर्श कार्यक्रम के उद्घाटन अवसर पर राज्यपाल कविंद्र गुप्ता ने कहा कि किसी भी राष्ट्र की वास्तविक शक्ति उसकी सांस्कृतिक जड़ों में निहित होती है और उस संस्कृति को आगे बढ़ाने में युवाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि जब युवा अपनी परंपराओं, मूल्यों और राष्ट्रीय चेतना से जुड़ते हैं, तभी राष्ट्र का भविष्य मजबूत और उज्ज्वल बनता है। कार्यक्रम का आयोजन दिवि वेलफेयर फाउंडेशन, काशियाना फाउंडेशन, सामाजिक विज्ञान संस्थान तथा काशी हिंदू विश्वविद्यालय स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय पीठ के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। राज्यपाल ने कहा कि काशी केवल एक शहर नहीं, बल्कि ज्ञान, साधना और संस्कृति की शाश्वत राजधानी है। उन्होंने 'भारत विमर्श' को एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय पहल बताते हुए कहा कि इसका उद्देश्य युवाओं, शिक्षाविदों व समाज के विभिन्न वर्गों के बीच राष्ट्र, संस्कृति और समाज से जुड़े मुद्दों पर सार्थक संवाद स्थापित करना है।

राज्यपाल ने कहा कि शिक्षा केवल ज्ञान प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण, नैतिक मूल्यों और सामाजिक जिम्मेदारी की मजबूत आधारशिला है। उन्होंने कहा कि 'शिक्षा और नशामुक्त भारत—2047 के विकसित भारत की ओर' विषय आज के समय में अत्यंत प्रासंगिक है। यदि देश की युवा पीढ़ी शिक्षित, जागरूक और नशामुक्त बनेगी तो निश्चित रूप से भारत का भविष्य सुरक्षित और सशक्त होगा। इस अवसर पर बीएचयू के कुलपति अजीत चतुर्वेदी सहित कई शिक्षाविदों और विशिष्ट अतिथियों ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

अनुराग ने लोकसभा में उठाया हमीरपुर के कम क्रेडिट-डिपॉजिट अनुपात का मुद्दा

अनंत ज्ञान

◆ वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सुधारात्मक कार्रवाई का दिया आश्वासन

हमीरपुर। हमीरपुर संसदीय क्षेत्र से सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने लोकसभा में हमीरपुर जिले में बैंकों द्वारा कम ऋण वितरण का मुद्दा उठाया। उन्होंने बताया कि जिले का क्रेडिट-डिपॉजिट अनुपात केवल 23.39 प्रतिशत है, जो देश में सबसे कम में से एक है। इसका अर्थ है कि जिले के लोग बैंकों में पर्याप्त जमा कर रहे हैं, लेकिन ऋण की पर्याप्त सुविधा नहीं मिल रही। इस वजह से स्थानीय किसान, युवा, छोटे उद्यमी और स्वरोजगार से जुड़े लोग वित्तीय अवसरों का पूरा लाभ नहीं उठा पा रहे हैं। उन्होंने केंद्र सरकार से हिमाचल जैसे पर्वतीय क्षेत्रों में संस्थागत ऋण तक पहुंच बढ़ाने व रोजगार व स्वरोजगार के अवसर बढ़ाने के लिए उठाए जा रहे कदमों के बारे में जानकारी मांगी।

उन्होंने ऋण वसूली न्यायाधिकरणों में लंबित मामलों और देरी की समस्या पर भी ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण ने बड़े ऋण मामलों में सुधार किया है, लेकिन छोटे ऋण मामलों के निस्तारण में अभी भी समय अधिक लगता है। उन्होंने इन न्यायाधिकरणों की कार्यक्षमता बढ़ाने और प्रक्रियाओं को तेज करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

इस पर केंद्रीय वित्त एवं कॉरपोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि क्रेडिट-डिपॉजिट अनुपात में क्षेत्रीय असंतुलन एक वास्तविक चुनौती है। उन्होंने बताया कि पिछले तीन वर्षों से सरकार और बैंकों के सहयोग से इस असंतुलन को दूर करने के प्रयास किए जा रहे हैं। बैंकों को उद्योग संगठनों और स्थानीय संस्थाओं से जोड़कर ऋण वितरण बढ़ाने का मार्गदर्शन दिया जा रहा है। वित्त मंत्री ने आश्वस्त किया कि आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाए जा रहे हैं और ऋण वसूली न्यायाधिकरणों की कार्यक्षमता सुधारने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

बजट से पहले प्रदेश के पेंशनरों ने भरी हुंकार

लंबित देनदारियों के भुगतान की उठाई मांग, शिमला में किया जोरदार प्रदर्शन

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, शिमला। हिमाचल प्रदेश के पेंशनरों ने अपनी लंबित वित्तीय देनदारियों और अन्य मांगों को लेकर सोमवार को राजधानी शिमला में जोरदार प्रदर्शन किया। संयुक्त संघर्ष समिति के आह्वान पर बड़ी संख्या में पेंशनर उपायुक्त कार्यालय के बाहर एकत्रित हुए और सरकार से बजट से पहले उनकी समस्याओं के समाधान की मांग की। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि लंबे समय से पेंशनरों के कई वित्तीय लाभ लंबित पड़े हैं, जिससे उन्हें आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। पेंशनरों ने सरकार से अपील की कि आगामी बजट में उनकी मांगों को प्राथमिकता देते हुए लंबित देनदारियों के भुगतान के लिए पर्याप्त प्रावधान किया जाए।

शिमला में मांगों को लेकर प्रदर्शन करते पेंशनर्स। अनंत ज्ञान

प्रदर्शन के दौरान पेंशनरों ने उपायुक्त के माध्यम से मुख्यमंत्री को एक ज्ञापन भी सौंपा। ज्ञापन में वर्ष 2026-27 के बजट में पेंशनरों के बकाया वित्तीय लाभों के भुगतान के लिए स्पष्ट और पर्याप्त प्रावधान करने की मांग की गई है। संघर्ष समिति के पदाधिकारियों ने कहा कि पेंशनरों ने अपने जीवन का बड़ा हिस्सा सरकारी सेवा में बिताया है और अब बुढ़ापे में उन्हें अपने ही अधिकारों के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है।

उन्होंने कहा कि यदि समय रहते उनकी समस्याओं का समाधान नहीं किया गया तो पेंशनरों को मजबूर होकर आंदोलन को और व्यापक रूप देना पड़ेगा। समिति के अतिरिक्त महासचिव भूप राम वर्मा ने कहा कि पेंशनरों की यह लड़ाई किसी राजनीतिक विचारधारा से नहीं जुड़ी है, बल्कि यह उनके अधिकारों और सम्मानजनक जीवन से संबंधित है। उन्होंने मुख्यमंत्री से आग्रह किया कि बजट पेश करते समय पेंशनरों की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए लंबित देनदारियों के भुगतान को प्राथमिकता दी जाए। वर्मा ने यह भी कहा कि कर्मचारियों और पेंशनरों के मुद्दों पर संयुक्त परामर्श समिति (जेसीसी) की बैठक लंबे समय से नहीं बुलाई गई है, जिससे कई अहम मुद्दे अधर में लटके हुए हैं।

मांगें न मानने पर आंदोलन तेज करने की चेतावनी दी

संघर्ष समिति ने चेतावनी दी कि यदि आगामी बजट में पेंशनरों की मांगों की अनदेखी की गई तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। उन्होंने बताया कि सोमवार को प्रदेश भर के जिला मुख्यालयों में धरना-प्रदर्शन किए गए हैं। यदि सरकार जल्द ठोस कदम नहीं उठाती है तो 30 मार्च को शिमला में राज्य स्तरीय रैली आयोजित कर विधानसभा का घेराव किया जाएगा। समिति ने स्पष्ट किया कि पेंशनरों के हितों की रक्षा के लिए उनका संघर्ष तब तक जारी रहेगा, जब तक सरकार उनकी लंबित मांगों को पूरा नहीं कर देती।

तीन साल बाद भी कई योजनाएं अधूरी प्रदेश सरकार दे जवाब : जयराम ठाकुर

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, शिमला। शिमला में प्रदेश की राजनीति एक बार फिर बजट घोषणाओं को लेकर गर्मा गई है। पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने सुक्खू सरकार पर तीखा हमला करते हुए आरोप लगाया है कि सत्ता में आने के तीन वर्ष बीत जाने के बाद भी कांग्रेस सरकार अपने पहले बजट की कई महत्वपूर्ण घोषणाओं को जमीन पर उतारने में विफल रही है। उन्होंने कहा कि सरकार ने विधानसभा के भीतर बड़े-बड़े वादे किए, लेकिन उनमें से कई योजनाएं अब भी कागजों में ही सीमित हैं। जयराम ठाकुर ने मुख्यमंत्री से मांग की कि चौथा बजट पेश करने से पहले वह पिछले तीन बजटों में की गई घोषणाओं की स्थिति स्पष्ट करें और जनता को बताएं कि जिन योजनाओं का बजट में प्रावधान हुआ था, उनका क्रियान्वयन क्यों नहीं हो सका।

नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि सरकार ने बजट और चुनावी भाषणों के बीच का अंतर ही भुला दिया है। उनके अनुसार कांग्रेस ने चुनाव के दौरान गारंटी के नाम पर महिलाओं से और बजट घोषणाओं के माध्यम से विद्यार्थियों से बड़े वादे किए, लेकिन अब उन पर कोई ठोस प्रगति दिखाई नहीं देती। उन्होंने कहा कि पहले बजट में 20 हजार मेधावी छात्राओं को इलेक्ट्रिक स्कूटी के लिए 25 हजार रुपए की सब्सिडी देने की घोषणा की गई थी, लेकिन आज तक यह योजना धरातल पर नजर नहीं आती। इसी तरह प्रदेश में छह ग्रीन कॉरिडोर बनाने की घोषणा की गई, जबकि दूसरी ओर इलेक्ट्रिक चार्जिंग पर छह रुपये प्रति यूनिट पर्यावरण उपकर लगा दिया गया, जो सरकार की नीतियों में विरोधाभास को दर्शाता है। जयराम ने कहा कि सरकार ने हर विधानसभा क्षेत्र में आदर्श स्वास्थ्य संस्थान खोलने, चंबा, नाहन और हमीरपुर में पैट स्कैन सुविधाएं शुरू करने, किसानों, बागवानों, खिलाड़ियों और जनजातीय क्षेत्रों के लोगों के लिए कई योजनाओं की घोषणा की थी, लेकिन उनमें से अधिकांश योजनाएं फाइलों से बाहर नहीं निकल पाई हैं।

शिमला में 24×7 जल परियोजना में लाएं तेजी : विक्रमादित्य

शहरी विकास मंत्री ने विभिन्न पहलुओं पर की चर्चा, पाइपलाइन बिछाने व सड़क बहाली के दिए निर्देश

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, शिमला। शिमला शहर को स्थायी और सुचारु जल आपूर्ति उपलब्ध कराने के उद्देश्य से चल रही 24×7 प्रेशराइज्ड जल आपूर्ति परियोजना की प्रगति को लेकर सोमवार को एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। शहरी विकास एवं नगर नियोजन मंत्री विक्रमादित्य सिंह की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में परियोजना के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की गई और अधिकारियों को कार्य में तेजी लाने के स्पष्ट निर्देश दिए गए। बैठक में शिमला के विधायक हरीश जनारथा, शहरी विकास विभाग के प्रधान सचिव देवेश कुमार, महापौर सुरेंद्र चौहान, उपमहापौर उमा कौशल सहित एसजेपीएनएल, टाटा कंसल्टेंसी और सूएज कंपनी के प्रतिनिधि भी मौजूद रहे।

समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते मंत्री विक्रमादित्य सिंह। अनंत ज्ञान

भूकंपीय क्षेत्र को देखते हुए बरतें तकनीकी सावधानी

बैठक में परियोजना के तहत नए जल टैंकों के निर्माण को लेकर भी चर्चा की गई। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि शिमला के भूकंपीय जोन में स्थित होने के कारण सभी टैंकों और अन्य संरचनाओं के निर्माण में विशेष तकनीकी सावधानियां बरती जाएं। मंत्री ने कहा कि परियोजना के तहत बनने वाली सभी संरचनाएं मजबूत, सुरक्षित और दीर्घकालिक रूप से टिकाऊ होनी चाहिए, ताकि भविष्य में शहर की जल आपूर्ति व्यवस्था पर कोई प्रभाव न पड़े।

सतलुज के पानी को संजौली तक पहुंचाने की तैयारी

बैठक के दौरान यह भी जानकारी दी गई कि सतलुज नदी का पानी कल संजौली क्षेत्र तक पहुंचाया जाएगा, जिसे शिमला के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में देखा जा रहा है। विधायक हरीश जनार्था ने एसजेपीएनएल और सूएज की टीमों को निर्देश दिए कि परियोजना कार्यों को तय समयसीमा के भीतर पूरा करने के लिए कार्य की गति और समन्वय को और मजबूत किया जाए।

बैठक के दौरान सूएज कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रश्मि रंजन ने परियोजना के अंतर्गत चल रहे निर्माण कार्यों और पाइपलाइन बिछाने की गतिविधियों को लेकर विस्तृत प्रस्तुति दी। उन्होंने बताया कि शहर के विभिन्न क्षेत्रों में पाइपलाइन नेटवर्क बिछाने का कार्य तेजी से आगे बढ़ रहा है और कई स्थानों पर निर्माण कार्य अंतिम चरण में पहुंच चुका है। प्रस्तुति के माध्यम से परियोजना की वर्तमान स्थिति, आगामी चरणों और संभावित चुनौतियों के बारे में भी जानकारी साझा की गई।

मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने बैठक के दौरान सड़क बहाली की प्रक्रिया, पाइपलाइन नेटवर्क के विस्तार और निर्माण कार्यों में उपयोग की जा रही सामग्री की गुणवत्ता के संबंध में अधिकारियों से विस्तृत जानकारी प्राप्त की। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि पाइपलाइन बिछाने के बाद सड़कों की बहाली निर्धारित मानकों के अनुसार और समयबद्ध ढंग से की जाए, ताकि आम नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

उपलब्धि अढ़ाई महीनों में ही 100 से अधिक उन्नत प्रक्रियाएं सफलतापूर्वक पूरी की

एम्स बिलासपुर ने रचा चिकित्सा का नया इतिहास

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, बिलासपुर। ऑल इंडिया इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसस बिलासपुर के रेडियोलॉजी विभाग ने चिकित्सा क्षेत्र में एक उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करते हुए मात्र अढ़ाई महीनों में 100 से अधिक उन्नत इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी प्रक्रियाएं सफलतापूर्वक पूरी कर ली हैं। इस उपलब्धि ने न केवल एम्स बिलासपुर की चिकित्सा क्षमताओं को नई पहचान दी है, बल्कि हिमाचल व आसपास के राज्यों के मरीजों के लिए आधुनिक और न्यूनतम इनवेसिव उपचार सुविधाओं के द्वार भी खोल दिए हैं।

एम्स बिलासपुर के डॉक्टरों की टीम। अनंत ज्ञान

इन प्रक्रियाओं में सिर से लेकर पैरों तक की विभिन्न वैस्कुलर और नॉन-वैस्कुलर इंटरवेंशन शामिल हैं। विशेषज्ञों की टीम ने स्ट्रोक से पीड़ित मरीजों में कैरोटिड आर्टरी स्टेंटिंग, जटिल परिधीय धमनियों के उपचार, एंबोलाइजेशन, इंटरवेंशनल ऑन्कोलॉजी से जुड़ी टीएसीई प्रक्रिया, बिलियरी स्टेंटिंग तथा गंभीर पेरिफेरल आर्टेरियल डिजीज से ग्रस्त मरीजों में अंग बचाने वाली एंडोवैस्कुलर प्रक्रियाएं भी सफलतापूर्वक की हैं। इसके अलावा वैरिकोज वेन्स के उपचार के लिए ईवीएलए व आरएफए जैसी आधुनिक तकनीकों का भी नियमित रूप से उपयोग किया जा रहा है। विभाग की बड़ी उपलब्धियों में एक जटिल ऑर्बिटल एथेरेक्टॉमी प्रक्रिया भी शामिल है, जो एक ऐसे मरीज में की गई जिसमें सुपरफिशियल फेमोरल आर्टरी और एक्सटर्नल इलिएक आर्टरी में गंभीर कैल्सीफाइड ब्लॉकेज थे। यह अत्याधुनिक तकनीक उन जटिल धमनियों के इलाज में उपयोग की जाती है, जिनका उपचार सामान्य तरीकों से संभव नहीं होता।

उल्लेखनीय है कि ऑल इंडिया इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसस ऋषिकेश के बाद उत्तर भारत के सरकारी अस्पतालों में इस प्रकार की प्रक्रिया के शुरुआती उदाहरणों में यह भी शामिल है। इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी आधुनिक चिकित्सा की ऐसी शाखा है जिसमें इमेज-गाइडेड तकनीकों के माध्यम से बिना बड़ी सर्जरी के जटिल बीमारियों का इलाज किया जाता है। इन प्रक्रियाओं में छोटे चीरे, कम अस्पताल में भर्ती अवधि और तेजी से रिकवरी जैसी सुविधाएं मरीजों को मिलती हैं।

रेडियोडायग्नोसिस विभाग के प्रमुख डॉ. नरवीर चौहान के नेतृत्व में विभाग लगातार नई उपलब्धियां हासिल कर रहा है। एम्स बिलासपुर के कार्यकारी निदेशक ले जनरल डॉ. दलजीत सिंह के मार्गदर्शन में इंटरवेंशनल रेडियोलॉजिस्ट डॉ . रेशम ठाकुर इन जटिल प्रक्रियाओं को अंजाम दे रहे हैं, जिन्हें डॉ. लोकेश राणा व डॉ. वरुण बंसल का सहयोग प्राप्त है।

संस्थान आने वाले समय में इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी सेवाओं को और विस्तार देने की दिशा में भी कार्य कर रहा है। इसके तहत उन्नत बाइप्लेन डीएसए मशीन की स्थापना, समर्पित स्ट्रोक इंटरवेंशन सेवाओं की शुरुआत तथा डीएम इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू करने की योजना है।

'ऊर्जा 2026' ज्योतिष सम्मेलन में जवाली के ज्योतिषी पंडित विपन सम्मानित

'ऊर्जा 2026' ज्योतिष सम्मेलन किया आयोजित। अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान

जवाली। चंडीगढ़ सेक्टर 24 होटल पार्क व्यू में रविवार को ज्योतिष प्रांगण की अध्यक्ष व उनकी टीम द्वारा 'ऊर्जा 2026' ज्योतिष सम्मेलन का आयोजन किया।

इस अवसर पर सभी ने अपने विचार व ज्योतिष शोध पर चर्चा की और अपने ज्योतिषीय अनुभव प्रदान किए। इस अवसर पर मुख्यातिथि पंजाब के महामहिम राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने जवाली के प्रसिद्ध ज्योतिषी पंडित विपन शर्मा को उनके ज्योतिष क्षेत्र में सराहनीय कार्य करने के लिए अवॉर्ड फॉर एक्सीलेंस इन अकल्ट साइंस स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर कैप्टन लेखराज, अनिल वत्स, अजय बांभी, इंद्रजीत सिंह, ज्योति गर्ग, रविंदर शर्मा, अर्श आदि गणमान्य उपस्थित रहे। पंडित विपन शर्मा ने कहा कि महामहिम राज्यपाल की ओर से सम्मानित होना अपने और अपने क्षेत्र के लिए गौरव की बात है। इसके लिए ज्योतिष प्रांगण की अध्यक्ष पूनम शर्मा और उनकी टीम का धन्यवाद करते हैं।

धर्मशाला में पेंशनरों ने किया प्रदर्शन

लंबित वित्तीय लाभों की मांग को लेकर प्रदेश सरकार पर साधा निशाना

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, धर्मशाला। प्रदेश पेंशनर्स संयुक्त संघर्ष समिति के बैनर तले सोमवार को जिला मुख्यालय धर्मशाला में पेंशनरों ने अपनी लंबित वित्तीय मांगों को लेकर विशाल रैली निकाली। उपायुक्त कार्यालय के समीप प्रदर्शन करते हुए धरना-दिया।

रैली का नेतृत्व समिति के राज्य चेयरमैन सुरेश ठाकुर ने किया, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला कांगड़ा के संयोजक रविंद्र सिंह राणा ने की। इस दौरान बड़ी संख्या में एकत्र हुए पेंशनरों ने राज्य सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए लंबित देनदारियों का शीघ्र भुगतान करने की मांग उठाई। प्रदर्शन में करीब 2500 से 3000 पेंशनर्स ने भाग लिया। पेंशनरों ने आरोप लगाया कि सरकार उनके वर्षों से लंबित वित्तीय लाभों के प्रति उदासीन रवैया अपना रही है। उन्होंने कहा कि एक जनवरी 2016 से 31 जनवरी 2022 के बीच सेवानिवृत्त कर्मचारियों को संशोधित ग्रेच्युटी, कम्यूटेशन और लीव इनकैशमेंट का भुगतान अभी तक नहीं किया गया है। इसके अलावा छठे वेतन आयोग के एरियर की शेष राशि भी अब तक जारी नहीं की गई है।

धर्मशाला में मांगों को लेकर प्रदर्शन करते पेंशनर्स। अनंत ज्ञान

कहा- मांगें न मानी तो आंदोलन होगा तेज

जिला संयोजक रविंद्र सिंह राणा ने भी सरकार के रवैये की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि यदि पेंशनरों की मांगों को जल्द पूरा नहीं किया गया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। इस अवसर पर विभिन्न पेंशनर संगठनों के पदाधिकारियों और प्रतिनिधियों ने भी सभा को संबोधित किया और सरकार से पेंशनरों की लंबित देनदारियों का शीघ्र समाधान करने की मांग की।

एचआरटीसी पेंशनर्स को पहली को मिले पेंशन

हिमाचल पथ परिवहन निगम के पेंशनरों को हर माह की पहली तारीख को नियमित रूप से पेंशन देने की मांग की। इसके अलावा पुलिस पेंशनरों के बच्चों को सेना की तर्ज पर सुविधाएं और शिक्षण संस्थानों व सरकारी सेवाओं में आरक्षण देने की मांग भी उठाई गई। समिति के राज्य चेयरमैन सुरेश ठाकुर ने कहा कि पेंशनरों ने 30 से 40 वर्षों तक पूरी निष्ठा के साथ सेवाएं दी हैं, लेकिन सेवानिवृत्ति के बाद उन्हें अपने ही अधिकारों के लिए सड़कों पर उतरना पड़ रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार आर्थिक संकट का हवाला देकर पेंशनरों के भुगतान टाल रही है, जबकि दूसरी ओर अनावश्यक खर्चों में कटौती नहीं की जा रही है।

पेंशनर्स के मेडिकल बिल कई साल से लंबित

प्रदर्शनकारियों ने कहा कि पेंशनरों के चिकित्सा बिलों का भुगतान भी कई वर्षों से लंबित है, जबकि कई पेंशनर्स गंभीर बीमारियों से जूझ रहे हैं और इलाज पर लाखों रुपए खर्च कर चुके हैं। उन्होंने 13 प्रतिशत महंगाई भत्ता और राहत राशि सहित कई महीनों के एरियर का भुगतान शीघ्र करने की मांग भी उठाई। पेंशनरों ने हिमकेयर जैसी कैशलैस चिकित्सा सुविधा से वंचित रखने पर भी नाराजगी जताई।

इंदु ने किया पठानकोट-मंडी फोरलेन निर्माण कार्य को तेज करने का आग्रह

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, धर्मशाला। राज्य सभा सांसद इंदु गोस्वामी ने केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्रालय से पठानकोट-मंडी फोरलेन निर्माण कार्य को जल्द पूरा करने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि यह सड़क मार्ग राष्ट्रीय सुरक्षा के लिहाज से अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि इसके पूरा होने से पठानकोट और मंडी के बीच की दूरी 219 किलोमीटर से घटकर 171 किलोमीटर रह जाएगी और यह मार्ग चंडीगढ़-मनाली राष्ट्रीय राजमार्ग से जुड़ जाएगा। इससे सेना को लेह जाने के लिए एक वैकल्पिक और सुरक्षित मार्ग मिलेगा।

सांसद गोस्वामी ने बताया कि इस राष्ट्रीय राजमार्ग के निर्माण से कांगड़ा, चंबा, पालमपुर, डलहौजी और मंडी के पर्यटक स्थलों तक पहुंचने के लिए पर्यटकों को सुगम यातायात सुविधा मिलेगी, जिससे इस क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि वर्तमान में इस मार्ग से औसतन छह लाख पर्यटक यात्रा करते हैं, जबकि निर्माण के बाद दस लाख पर्यटकों के इस मार्ग का उपयोग करने की संभावना है।

इंदु गोस्वामी ने यह भी बताया कि रजोल से ठानपुरी और परौर से पधर तक 80 किलोमीटर के खंडों के निर्माण कार्य के लिए डीपीआर (डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट) अब तक तैयार नहीं की गई है, जिससे कार्य में देरी हो सकती है। इस पर हर्ष मल्होत्रा ने कहा कि राजोल से ठानपुरी खंड की डीपीआर अंतिम चरण में है और परौर से चौंतड़ा के लिए नया कंसल्टेंट तैनात किया गया है, जिससे जल्द डीपीआर तैयार कर ली जाएगी।

अवैध खनन पर ट्रक, पोकलेन और ट्रैक्कर को किया जब्त

अनंत ज्ञान

इंदौरा। पुलिस जिला नूरपुर के कुलभूषण वर्मा द्वारा अवैध खनन के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत विभिन्न पुलिस टीमों ने सघन चेकिंग और गश्त के दौरान कार्रवाई की। पुलिस थाना डमटाल के वारिखड्ड क्षेत्र में एक ट्रक (नंबर पीबी-35--4289) को अवैध खनन सामग्री के परिवहन में संलिप्त पाया गया और वाहन चालक द्वारा वैध दस्तावेज प्रस्तुत न करने पर माइनिंग चालान किया गया। पुलिस पोस्ट ढांगूपीर ने गश्त के दौरान एक ट्रैक्टर को अवैध खनन में शामिल पाया और माइनिंग एक्ट के तहत उसे जब्त कर दिया, जबकि पुलिस पोस्ट कोटला ने पोकलेन मशीन को अवैध खनन में संलिप्त पाए जाने पर जब्त किया गया। एएसपी नूरपुर धर्मचंद वर्मा ने पुष्टि करते हुए कहा कि अवैध खनन के खिलाफ पुलिस का अभियान जारी रहेगा और संलिप्त व्यक्तियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

स्कूलों पर तालाबंदी कर छात्रों का भविष्य दांव पर लगा रही सरकार : बिक्रम

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, धर्मशाला। पूर्व उद्योग मंत्री बिक्रम ठाकुर ने धर्मशाला से जारी बयान में मुख्यमंत्री सुक्खु के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि प्रदेश सरकार के फैसले हिमाचल के भविष्य और आम जनता दोनों के साथ अन्याय कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि एक ओर सरकार स्कूलों को मर्ज कर और कई स्थानों पर तालाबंदी कर छात्रों का भविष्य दांव पर लगा रही है, वहीं दूसरी ओर बसों में मिलने वाली सुविधाओं और रियायतों को बंद कर जनता पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ डाला जा रहा है। पूर्व की सरकारों ने, चाहे वह कांग्रेस रही हो या भाजपा, हमेशा यह प्रयास किया कि दूरदराज के गांवों तक शिक्षा की लौ जल सके।

इसी सोच के तहत गांव-गांव में स्कूल खोले गए। छात्रों को बसों में रियायतें दी गईं और प्रदेश की शिक्षा दर बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयास किए गए। लेकिन वर्तमान कांग्रेस सरकार इन सभी प्रयासों को कमजोर करने में लगी हुई है। स्कूलों को बंद करना या मर्ज करना केवल एक प्रशासनिक फैसला नहीं बल्कि हजारों बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ है। पहाड़ी क्षेत्रों में बच्चों को पहले ही कई किलोमीटर दूर स्कूल जाना पड़ता है। ऐसे में नजदीकी स्कूल बंद करना और बसों की सुविधाओं को कम करना सीधे तौर पर गरीब और मध्यम वर्ग के परिवारों के बच्चों की पढ़ाई पर चोट है।

बिक्रम ठाकुर ने कहा कि हिमाचल पथ परिवहन निगम की स्थिति को सुधारने के बजाय सरकार ने उसे और बदहाल कर दिया है। कर्मचारियों को समय पर वेतन और भत्ते न मिलना भी सरकार की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े करता है। उन्होंने सीएम से मांग की कि तुरंत स्कूल बंद करने और उन्हें मर्ज करने के फैसले पर पुनर्विचार किया जाए।

एबीवीपी ने एचपीयू वीसी को सौंपा ज्ञापन

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय क्षेत्रीय केंद्र मोहली (धर्मशाला) में सुविधाओं के अभाव को लेकर सोमवार को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की स्थानीय इकाई ने एचपीयू शिमला कुलपति प्रो. महावीर सिंह को एक ज्ञापन सौंपा। विद्यार्थी परिषद का कहना है कि लंबे समय से परिसर में बुनियादी सुविधाओं की कमी है, जिससे विद्यार्थियों को पढ़ाई और सामान्य जीवन में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। विद्यार्थी परिषद की मुख्य मांगों में छात्रों के लिए छात्रावास (हॉस्टल) की व्यवस्था और कैंपस आने-जाने के लिए दो स्थायी बसें उपलब्ध कराना शामिल है। इसके अलावा, छात्रों ने परिसर की सुरक्षा के लिए चारदीवारी बनाने, जर्जर भवनों की मरम्मत और खेल के मैदान के निर्माण की जरूरत पर जोर दिया है। आधुनिक शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए पूरे कैंपस में हाई-स्पीड वाई-फाई, स्मार्ट क्लास रूम और लॉ विभाग के छात्रों के लिए मूट कोर्ट की मांग भी प्रमुखता से उठाई गई है। ज्ञापन में गर्ल्स कॉमन रूम, सैनिटरी पैड वेंडिंग मशीन और उचित पार्किंग व्यवस्था की मांग की गई है। साथ ही, पुस्तकालय के आधुनिकीकरण और कैंपस में आधे अधूरे पड़े ऑडिटोरियम व स्टेज के काम को जल्द पूरा करने का आग्रह किया गया है।

सुख आश्रय योजना के तहत जिले में 878 लाभार्थियों को 2 .24 करोड़ विवाह अनुदान वितरित : एडीसी

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, धर्मशाला। मुख्यमंत्री सुख आश्रय योजना एवं मुख्यमंत्री सुख आश्रय कोष के अंतर्गत जिला स्तरीय समिति की बैठक सोमवार को उपायुक्त कार्यालय धर्मशाला में आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता एडीसी कांगड़ा विनय कुमार ने की।

इस योजना के तहत पात्र बच्चों को 27 वर्ष तक वित्तीय और सामाजिक सहायता प्रदान की जाती है, जिसमें उच्च शिक्षा के लिए ट्यूशन फीस, छात्रावास, मेस शुल्क, प्रतियोगी परीक्षा कोचिंग, भूमि आवंटन, गृह निर्माण सहायता और विवाह अनुदान शामिल हैं। विनय ने बताया कि कांगड़ा जिले में अब तक 878 लाभार्थियों की पहचान की गई है, और विभिन्न घटकों के तहत उन्हें सहायता दी जा रही है। योजना के अंतर्गत 127 लाभार्थी 27 वर्ष की आयु पूरी कर चुके हैं। अब तक 193 लाभार्थियों को उच्च शिक्षा, कौशल विकास, और व्यावसायिक शिक्षा के लिए सहायता में 63.80 लाख रुपए की मदद दी गई है, जबकि 6 लाभार्थियों को प्रतियोगी परीक्षा कोचिंग के लिए 4.43 लाख रुपये की सहायता प्रदान की गई है। इसके अलावा, 23 स्टार्टअप लाभार्थियों को 32.20 लाख रुपए, 113 विवाह अनुदान लाभार्थियों को 2.24 करोड़ रुपए, और गृह निर्माण के लिए 136 लाभार्थियों को 1.36 करोड़ रुपये की सहायता दी गई। इस अवसर पर जिला स्तरीय समिति द्वारा उच्च शिक्षा के दो, व्यावसायिक शिक्षा के एक, विवाह अनुदान के एक, गृह निर्माण के 21 तथा स्टार्टअप के पांच मामलों को अनुमोदन प्रदान किया गया। इसके अतिरिक्त उच्च शिक्षा के 21, व्यावसायिक शिक्षा के दो तथा विवाह अनुदान के 11 मामलों को पूर्व कार्योत्तर स्वीकृति प्रदान की गई। इन सभी मामलों पर कुल 28.75 लाख रुपए की राशि स्वीकृत की गई।

धर्मशाला में हुई जिलास्तरीय समिति की बैठक। अनंत ज्ञान

साइबर ठगी के लगातार बढ़ते जा रहे मामले, अपराधी अपना रहे नए-नए तरीके

एक वर्ष में 18,700 शिकायतें, 132 करोड़ की ठगी

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश में साइबर अपराध के मामले लगातार बढ़ते जा रहे हैं। वर्ष 2025 के दौरान राज्य में ठगी से संबंधित 18 हजार 700 शिकायतें दर्ज की गईं, जिनमें करीब 132 करोड़ रुपए की ठगी हुई है।

बढ़ते मामलों को देखते हुए भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी), नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) और पुलिस विभाग की ओर से जागरुकता अभियान शुरू किया गया है। इसी कड़ी में एनएसई और सेबी की ओर से वित्तीय साक्षरता पर एक जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन पुलिस अधीक्षक कार्यालय कांगड़ा में किया गया। कार्यक्रम में पुलिस विभाग की ओर से एएसपी बीर बहादुर सिंह मौजूद रहे। वहीं सेबी के नॉर्दर्न रीजन के क्षेत्रीय निदेशक विजयंत कुमार वर्मा और एनएसई के चीफ मैनेजर विवेक दुआ ने भी भाग लिया।

पुलिस ने सेबी व एनएसई के सहयोग से शुरू किया जागरूकता अभियान। अनंत ज्ञान

साइबर अपराध में लगातार हो रही वृद्धि : एएसपी

एएसपी बीर बहादुर ने कहा कि वर्तमान समय में साइबर अपराध और ऑनलाइन फ्रॉड के मामलों में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। अपराधी नए-नए तरीके अपनाकर लोगों को अपने जाल में फंसा रहे हैं। उन्होंने बताया कि कारोबारी, सेवानिवृत्त अधिकारी और आम लोग भी इन ठगी के मामलों का शिकार बन रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज के समय में स्टॉक मार्केट, निवेश और पैसे दोगुने करने जैसे झांसे देकर करोड़ों रुपए की ठगी की जा रही है। ऐसे में पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को भी इन तरीकों की पूरी जानकारी होना जरूरी है, ताकि आम लोगों की आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

आर्थिक सुरक्षा के लिए सेबी का गठन : विजयंत

सेबी के क्षेत्रीय निदेशक विजयंत कुमार वर्मा ने कहा कि लोगों की आर्थिक सुरक्षा के लिए सेबी का गठन किया है। उन्होंने बताया कि सेबी और पुलिस विभाग मिलकर धोखाधड़ी के मामलों को रोकने के लिए काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि साइबर अपराधी निवेश और ट्रेडिंग के नाम पर पैसे दोगुने करने का लालच देकर लोगों से बड़ी ठगी कर रहे हैं। ऐसे में लोगों को जागरूक करना बेहद जरूरी है, ताकि वे इस तरह के फ्रॉड से बचें।

आरडीजी का रोना रोकर नाकामियां छिपा रही कांग्रेस सरकार : परमार

अनंत ज्ञान

◆ **बोले- सीएम अब पत्रकारों की आवाज दबाने पर उतारू**

राकेश डोगरा, डरोह। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं सुलह के विपिन सिंह परमार ने प्रदेश सरकार पर जोरदार हमला बोला है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में कांग्रेस सरकार अपनी प्रशासनिक विफलताओं, आर्थिक कुप्रबंधन और गलत नीतियों को छिपाने के लिए तरह-तरह के बहाने बना रही है।

उन्होंने कहा कि राजस्व घाटा अनुदान (आरडीजी) का मुद्दा उठाकर कांग्रेस सरकार प्रदेश की जनता को गुमराह करने की कोशिश कर रही है। सच्चाई यह है कि प्रदेश की आर्थिक बदहाली के लिए स्वयं कांग्रेस सरकार की नीतियां जिम्मेदार हैं। परमार ने कहा कि कांग्रेस सरकार आज जिस आर्थिक संकट का रोना रो रही है, उसकी असली वजह केंद्र सरकार नहीं बल्कि प्रदेश सरकार का कमजोर वित्तीय प्रबंधन, अनुभवहीन निर्णय और बिना संसाधनों के की गई घोषणाएं हैं। परमार ने कहा कि कांग्रेस नेताओं द्वारा लगातार आरडीजी का मुद्दा उछालना केवल राजनीतिक नाटक है। कांग्रेस सरकार के पास न तो दूरदृष्टि है और न ही प्रदेश के आर्थिक भविष्य को मजबूत बनाने की कोई ठोस योजना। परमार ने हाल ही में पत्रकार के साथ हुई घटना पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि यह सरासर दादागिरी और लोकतांत्रिक मूल्यों का खुला उल्लंघन है। पत्रकार वहां सामान्य रूप से अपनी ड्यूटी निभाते हुए रिपोर्टिंग कर रहे थे, लेकिन पुलिस कर्मियों द्वारा उनके साथ जिस प्रकार बदसलूकी की गई और अनावश्यक दबाव बनाने की कोशिश की गई, वह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण और निंदनीय है। उन्होंने मुख्यमंत्री सुक्खू पर सवाल उठाते हुए कहा कि आखिर मुख्यमंत्री इतने विचलित और तनाव में क्यों दिखाई दे रहे हैं। परमार ने कहा कि क्या अब प्रदेश में पत्रकारों को सड़क किनारे खड़े होकर रिपोर्टिंग करने का भी अधिकार नहीं रहेगा?

रक्षा मंत्रालय व विदेश मंत्रालय ने स्प्रिंग डेल स्कूल के प्रधानाचार्य को प्रदान किया सम्मान प्रशस्ति पत्र

हिंदी ओलंपियाड को सफलतापूर्वक आयोजित करने में विशिष्ट योगदान देने के लिए नवाजा। अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान

जवाली। स्प्रिंग डेल कॉन्वेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल जवाली के प्रधानाचार्य डॉ. राजीव सिंह निरयाल को रक्षा मंत्रालय व विदेश मंत्रालय भारत सरकार की ओर से हिंदी ओलंपियाड को सफलतापूर्वक आयोजित करने में विशिष्ट योगदान देने के लिए प्रधानाचार्य सम्मान प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया।

हिंदी ओलिंपियाड फाउंडेशन द्वारा स्प्रिंग डेल कॉन्वेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल जवाली में अंतरराष्ट्रीय हिंदी ओलंपियाड प्रतियोगिता ली गई थी। इसमें स्प्रिंग डेल स्कूल जवाली के लगभग 45 बच्चों ने भाग लिया था। इस प्रतियोगिता में बच्चों को रक्षा मंत्रालय व विदेश मंत्रालय भारत सरकार द्वारा स्वर्ण पदक, रजत पदक, कांस्य पदक तथा प्रशंसनिय पत्र प्रदान किए गए। अंतरराष्ट्रीय हिंदी ओलंपियाड प्रतियोगिता सफल करवाने में विशिष्ट योगदान देने पर स्प्रिंग डेल कॉन्वेंट स्कूल के अध्यापक अश्विनी कुमार को भी रक्षा मंत्रालय व विदेश मंत्रालय भारत सरकार द्वारा प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। स्कूल के अध्यक्ष डॉक्टर राजेंद्र, एमडी पवन चौधरी तथा अन्य कमिटी मेंबर्स ने इस उपलक्ष पर स्कूल के प्रधानाचार्य डॉ राजीव सिंह निरयाल को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह जवाली सिटी के लिए बहुत बड़ी उपलब्धि है, कि रक्षा मंत्रालय व विदेश मंत्रालय भारत सरकार द्वारा स्प्रिंग डेल स्कूल जवाली के प्रधानाचार्य, अध्यापक तथा बच्चों को पुरस्कृत किया गया।

पठानकोट में बढ़ी ठंड, 24 घंटे में 15 एमएम बारिश रिकॉर्ड

अनंत ज्ञान, पठानकोट। पठानकोट में अब बारिश के बाद सर्दी का मौसम लौट आया है। बीते 24 घंटे के दौरान 15 एमएम बारिश रिकॉर्ड की गई है। हवाएं चलने से ठंड भी तेज हो गई है। अधिकतम तापमान 8 डिग्री गिरकर 20.1 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 13.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। तेज हवाएं चलने के कारण ठंड बढ़ गई है। लोगों ने ठंड से बचने के लिए गर्म कपड़ों का सहारा लिया। फरवरी के बाद अब जिले में मार्च के पहले पखवाड़े में भी बारिश रिकॉर्ड की गई है। अमूमन पठानकोट में 1 मार्च से 15 मार्च के बीच 35 एमएम बारिश रिकॉर्ड की जाती है, जबकि वर्तमान में सिर्फ 15 एमएम बारिश रिकॉर्ड की गई है, जोकि सामान्य से 60 फीसदी कम बारिश है।

इसके चलते फसलों को भी नुकसान पहुंच रहा है। मौसम विभाग ने बताया कि पश्चिमी विक्षोभ उत्तरी पंजाब और उसके आसपास के इलाकों में बना हुआ है। 16 मार्च को पूरा दिन पठानकोट के कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश, गरज व 30-40 किलोमीटर की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना है। मौसम विभाग ने बारिश और तेज हवाएं चलने को लेकर येलो अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के मुताबिक, 17 और 18 मार्च को जिले में कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। 19 और 20 मार्च को जिले में अलग-अलग स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश, गरज व 30-40 किलोमीटर की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना जताई है।

सौगात उपमुख्य सचेतक ने धारकंडी क्षेत्र में विकास परियोजनाओं के लोकार्पण व शिलान्यास किए

16.43 करोड़ से बनेगी कनोल-मोर्छ सड़क: पठानिया

अनंत ज्ञान

कोहली, शाहपुर। शाहपुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक एवं उपमुख्य सचेतक केवल सिंह पठानिया ने धारकंडी क्षेत्र में करोड़ों रुपए की विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास कर क्षेत्र के विकास को नई गति प्रदान की।

उन्होंने कुल 22.35 करोड़ रुपए की विभिन्न योजनाओं का शुभारंभ किया। पठानिया ने 16.43 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाली कनोल-लग बतूनी-मोर्छ सड़क के निर्माण कार्य का भूमि पूजन किया। लगभग 10 किलोमीटर लंबी इस सड़क के निर्माण से क्षेत्र के सैकड़ों परिवारों को बेहतर आवागमन सुविधा मिलेगी। उन्होंने भनाला से रूलेड सड़क पर 1.91 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाले 30 मीटर लंबे पुल का शिलान्यास किया। वहीं, 3.74 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित ब्रहाल पुल पर बने 50 मीटर लंबे पुल का लोकार्पण भी किया। पठानिया ने 27.41 लाख रुपए की लागत से बने 25 केवीए विद्युत वितरण उपकेंद्र, लग बतूनी का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि इस उपकेंद्र के शुरू होने से क्षेत्र की विद्युत व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ होगी तथा लोगों को बिजली संबंधी समस्याओं से राहत मिलेगी। पठानिया ने कहा कि धारकंडी क्षेत्र में विभिन्न विभागों के माध्यम से लगभग 65 करोड़ रुपए के विकास कार्यों को गति दी जा रही है, जिनका सीधा लाभ क्षेत्र के सैकड़ों परिवारों को मिलेगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में आधारभूत ढांचे को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है तथा विकास कार्यों में धन की कोई कमी नहीं आने दी जाएगी।

भनाला-रूलेड सड़क पर पुल का शिलान्यास किया। अनंत ज्ञान

विवाह समारोह में जनसमस्याएं निपटाईं

अनंत ज्ञान, शाहपुर। उपमुख्य सचेतक केवल सिंह पठानिया का भी अपना एक अलग ही अंदाज है। भले ही परिस्थितियां कैसी भी हों, वो जनता का दर्द व उनकी समस्या के समाधान के लिए अपना दायित्व कभी नहीं भूलते। बात एक दिन पूर्व एक विवाह समारोह की है, जहां केवल पठानिया पहुंचे तो वर बधू को आशीर्वाद देने के लिए थे, लेकिन इसके उपरांत बातचीत के दौरान स्थानीय लोगों ने अपनी कुछ समस्याएं भी पठानिया के समक्ष रख डाली और पठानिया ने भी अपने चिरपरिचित अंदाज में बिना कोई वक्त गंवाए मौके पर ही इन समस्याओं का समाधान भी उसी वक्त करवा दिया। ठारू पंचायत के टुंडू गांव निवासी हरबंश जम्वाल ने बताया कि पठानिया टुंडू में शेर सिंह के बेटे रोहित जमवाल की शादी पर वर-वधू को आशीर्वाद देने के लिए आए हुए थे तो उनके समक्ष क्षेत्रवासियों ने मांग रखी कि उन्हें कृषि विभाग की ओर से कोई भी सहयोग नहीं मिल रहा है उनके यहां भारी मात्रा में हल्दी की पैदावार हुई थी लेकिन संबंधित विभाग ने बार बार बोले जाने के बावजूद न तो उनकी हल्दी उठाई ना ही उनके साथ ढंग से बात यहां तक कि सी एम हेल्प लाइन पर भी शिकायत की गई, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। पठानिया ने त्वरित कार्रवाई करते हुए अधिकारियों को सख्त आदेश दिए परिणामस्वरूप अगले ही दिन कृषि विभाग के उच्चाधिकारियों की एक टीम ने टुंडू गांव में पहुंचकर ग्रामीणों की समस्या जानी और भविष्य में कोई भी कोताही न होने का विश्वास दिलाया।

पुलिस ने किए 114.2 ग्राम चरस के साथ दो आरोपी गिरफ्तार

डमटाल में चरस के साथ गिरफ्तार किए आरोपी। अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान

अशोक ठाकुर, इंदौरा। पुलिस जिला नूरपुर की सीआईए टीम को बड़ी सफलता हाथ लगी है। सीईए पुलिस टीम गश्त व नशा विरोधी अभियान के दौरान सूचना मिली कि दो लोग एनएच-44 के पास एक्साइज बैरियर भदरोया के समीप सड़क किनारे बैठे हुए हैं तथा उनके पास एक कैरी बैग में भारी मात्रा में चरस मौजूद है और बेचने की फिराक में हैं। पुलिस टीम ने स्वतंत्र गवाहों को साथ लेकर मौके पर दबिश दी। मौके पर दो संदिग्ध व्यक्ति बैठे हुए पाए गए।

पूछताछ करने पर उन्होंने अपनी पहचान बलदेव (44) पुत्र नंद लाल निवासी गांव मकण, डाकघर सनवाल, तहसील चुराह जिला चंबा तथा जीत (40) पुत्र लोभी निवासी गांव मकण, डाकघर सनवाल, तहसील चुराह जिला चंबा के रूप में बताई। पुलिस टीम ने जब कैरी बैग की तलाशी ली गई, उसमें 114.2 ग्राम चरस बरामद हुई। पुलिस थाना डमटाल में आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस जिला नूरपुर ने जनता से अपील की कि नशे के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान में सहयोग करें तथा किसी भी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें। इसकी पुष्टि एएसपी धर्म चंद वर्मा ने की।

बर्फबारी से धौलाधार का शृंगार...

हिमाचल में मौसम का अद्भुत नजारा देखने को मिल रहा है। पिछले हफ्ते जहां गर्मी की वजह से पंखे चल रहे थे, वहीं, दो दिनों से लगातार हुई बर्फबारी और बारिश ने अचानक पारा गिरा दिया है और ठंड फिर बढ़ा दी है। लोग गर्म कपड़े पहनने पर मजबूर हुए हैं। एक तरफ जहां प्रकृति ने पहाड़ों का मनमोहक शृंगार किया, तो वहीं दूसरी तरफ वनों में लगी आग भी बुझ गई है, धूल-मिट्टी के गुबार शांत हो गए हैं, जिससे पूरे प्रदेश का वातावरण स्वच्छ हो गया है। ताजा बर्फबारी से धौलाधार पर्वत चांदी की तरह दमकने लगा है, जिसकी सुंदरता देखते ही बन रही है। इस खूबसूरत नजारे को निहारने के लिए पर्यटक धर्मशाला और मैक्लोडगंज की ओर खिंचे चले आ रहे हैं।

बर्फबारी के बाद खिली धूप चांदी सा चमका धौलाधार

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, धर्मशाला। बारिश और बर्फबारी के बाद सोमवार शाम को खिली धूप में धौलाधार पर्वत चांदी सा चमक उठा। रविवार के बाद सोमवार को भी कांगड़ा घाटी में लगातार दूसरे दिन भी निचले क्षेत्रों में बारिश और पहाड़ियों पर बर्फबारी का दौर जारी रहा। हालांकि चार-पांच दिन पहले लोग गर्म कपड़ों को छोड़कर गर्मियों का एहसास कर रहे थे, लेकिन दो दिन की बारिश ने लोगों को फिर से गर्म कपड़े निकालने को मजबूर कर दिया।

लंबे ड्राई स्पेल के बाद रविवार को धर्मशाला क्षेत्र में हल्की बूंदाबांदी ने थोड़ी ही हुई, लेकिन तेज गर्मी से राहत दी। दूसरे दिन सुबह से शुरू हुई बारिश से तापमान में गिरावट दर्ज की गई। इस बार गर्मियों में पानी की किल्लत की आशंकाओं को लेकर बारिश जारी रहने से कुछ हद तक विराम लगेगा, जिससे आम लोगों को राहत मिलेगी। मौसम के बदले हुए रूख के कारण मार्च माह में ही पड़ रही तेज गर्मी से लोगों को राहत मिली है। हालांकि सुबह से दोपहर तक बारिश के बाद दोपहर बाद बारिश का क्रम टूट गया, लेकिन मौसम के मिजाज को देखते हुए संभावना बनी रही। किसानों व बागवानों के लिए बारिश लाभकारी बताई जा रही है, वहीं लंबे समय से बारिश न होने के चलते पेयजल योजनाओं के प्रभावित होने की आशंका से चिंतित जल शक्ति विभाग को भी राहत मिली है।

हैप्पी बर्थडे

बड़ूही (ऊना) के माधव चोपड़ा को जन्मदिवस पर 'अनंत ज्ञान' परिवार की ओर से हार्दिक शुभकामनाएं।

बर्थडे व सालगिरह के फोटो भेजें

बर्थडे हो या शादी की सालगिरह। आपकी खुशियों में हम भी हैं शामिल। अपना फोटो अनंत ज्ञान में प्रकाशित करवाने के लिए नाम और पते सहित व्हाट्सऐप नंबर 88945-21702 पर भेजें।

आपदा से निपटने को हर जिले में खुलेंगे आपदा रिलीफ स्टोर

एचपीयू शिमला के धर्मशाला रीजनल सेंटर में अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आगाज

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश में आपदाओं से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए राज्य सरकार हर जिले में स्टेट डिजास्टर रिलीफ स्टोर (एसडीआरएफ) स्थापित करेगी। इन स्टोरों में आपदा के समय प्रभावित लोगों को तुरंत राहत पहुंचाने के लिए आवश्यक सामग्री उपलब्ध रहेगी। साथ ही राज्य में 70 हजार लोगों को सिविल डिफेंस सेवाओं के लिए तैयार करने का लक्ष्य रखा गया है। यह जानकारी स्टेट डिजास्टर रिस्पांस फोर्स (एसडीआरएफ) की महानिदेशक आईपीएस सतवंत अटवाल त्रिवेदी ने दी। वह हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय (एचपीयू) के क्षेत्रीय केंद्र खनियारा, धर्मशाला में आयोजित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में मुख्य वक्ता के रूप में संबोधित कर रही थीं। सम्मेलन का विषय कंटेम्परेरी इश्यू एंड चैलेंजेज इन डिजास्टर मैनेजमेंट था। कार्यक्रम में एचपीयू के कुलपति प्रो. महावीर सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

70 हजार लोगों को सिविल डिफेंस के लिए प्रशिक्षित किया जाएगा। अनंत ज्ञान

हिमाचल में बादल फटने की घटनाएं बढ़ीं

सतवंत अटवाल त्रिवेदी ने कहा कि राज्य में बादल फटने की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। हाल ही में आपदा के दौरान एसडीआरएफ और पुलिस के जवान 52 दिन तक थुनाग क्षेत्र में लगातार तैनात रहे, जहां हालात बेहद चुनौतीपूर्ण थे। उन्होंने बताया कि राज्य में आपदाओं से निपटने के लिए अब तक तीन लाख लोगों को प्रशिक्षण दिया जा चुका है, जबकि आने वाले समय में 70 हजार लोगों को सिविल डिफेंस सेवाओं के लिए प्रशिक्षित करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिए समाज के हर वर्ग की भागीदारी जरूरी है। उन्होंने कहा कि हर पंचायत में मौजूद आपदा मित्रों को भी सक्रिय किया जा रहा है, ताकि आपदा के समय जमीनी स्तर पर तुरंत सहायता मिल सके।

राहत सामग्री की उपलब्धता होगी सुनिश्चित

डीजी एसडीआरएफ सतवंत अटवाल त्रिवेदी ने बताया कि हर जिले में स्थापित होने वाले एसडीआरएस में आपदा की स्थिति में डिग्निटी किट उपलब्ध कराई जाएगी। इन किटों में भोजन, पानी, गर्म कपड़े, दवाइयां और अन्य आवश्यक सामग्री शामिल होगी, ताकि प्रभावित लोगों को तुरंत सहायता मिल सके। राज्य में 32 प्रतिशत लोगों को डिजास्टर मैनेजमेंट हेल्पलाइन नंबर की जानकारी नहीं है, जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में यह आंकड़ा 37 प्रतिशत तक है। ऐसे में लोगों को जागरूक करना भी बेहद जरूरी है।

जलवायु परिवर्तन से बढ़ रही आपदाएं

हिमाचल में जलवायु परिवर्तन के कारण मौसम में तेजी से बदलाव देखने को मिल रहा है। शिमला और धर्मशाला जैसे क्षेत्रों में समय से पहले गर्मी पड़ रही है, जिसका असर खेती और बागवानी पर भी पड़ रहा है। उन्होंने बताया कि हिमालयी क्षेत्र में पहले लगातार बारिश होती थी, लेकिन अब अत्यधिक भीड़ और पर्यावरणीय दबाव के कारण नई समस्याएं सामने आ रही हैं। इससे राज्य को हर साल करोड़ों रुपये का नुकसान और जनहानि भी झेलनी पड़ रही है।

हिमालयी क्षेत्रों में कम हो रही बर्फबारी पिघल रहे ग्लेशियर : प्रो. महावीर

एचपीयू के कुलपति प्रो. महावीर सिंह ने कहा कि हिमाचल के हिमालयी क्षेत्रों में बर्फबारी कम हो रही है और ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं, जो चिंता का विषय है। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय में आपदा प्रबंधन को मजबूत करने के लिए पांच नए सेंटर स्थापित किए गए हैं। इनमें डिजास्टर मैनेजमेंट, ग्रीन एनर्जी, साइबर, इंडियन नॉलेज सिस्टम और अन्य विषय शामिल हैं। इन केंद्रों से छात्र कभी भी जुड़ सकते हैं। उन्होंने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का उपयोग भी डेटा के आधार पर आपदा प्रबंधन में किया जाना चाहिए। साथ ही छात्रों को मोबाइल की लत से दूर रहकर स्वस्थ जीवनशैली अपनाने की सलाह दी। कुलपति ने क्षेत्रीय केंद्र खनियारा में बड़े हॉल और ऑडिटोरियम के निर्माण की योजना बनाने की भी बात कही।

एसओएस विज्ञान पेपर पर धर्मशाला बोर्ड का स्पेशल पहरा

बोर्ड परीक्षा में ओएमआर का खेल, एक छोटी सी चूक और उड़ जाएंगे अंक

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड ने मार्च 2026 की परीक्षाओं को पूरी तरह पारदर्शी और त्रुटिहीन बनाने के लिए मिशन मोड में काम शुरू कर दिया है। बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने स्पष्ट संदेश दिया कि परीक्षाओं की शुचिता से कोई समझौता नहीं होगा। इस बार बोर्ड का विशेष ध्यान +2 राज्य मुक्त विद्यालय नियमित एवं डायरेक्ट विज्ञान विषयों पर है। इन परीक्षाओं के लिए प्रश्न-पत्र वितरण की प्रक्रिया को अत्यंत संवेदनशील मानते हुए बोर्ड ने हाई अलर्ट जारी किया है और केंद्र अधीक्षकों को नियमों का सख्ती से पालन करने के निर्देश दिए हैं।

डॉ. राजेश शर्मा ने प्रेस वक्तव्य में कहा कि प्लस टू एसओएस डायरेक्ट विज्ञान की परीक्षा एक विशेष श्रेणी की प्रक्रिया है। इसके लिए सभी केंद्र अधीक्षकों और उपकेंद्र अधीक्षकों को निर्देशित किया गया कि वे प्रश्न-पत्र वितरण से संबंधित पूर्व में जारी किए गए दिशा-निर्देशों का सूक्ष्मता से अध्ययन करें। डॉ. शर्मा ने साफ किया कि परीक्षा केंद्रों पर इन नियमों का अक्षरशः अनुपालन सुनिश्चित किया जाए, ताकि वितरण के दौरान किसी भी प्रकार की तकनीकी बाधा या प्रशासनिक चूक की संभावना को शून्य किया जा सके। इस बार की परीक्षा में सबसे बड़ा बदलाव और चेतावनी बहुविकल्पीय प्रश्नों को लेकर है। बोर्ड ने कड़े शब्दों में स्पष्ट किया है कि एमसीक्यू के उत्तर केवल और केवल ओएमआर शीट पर ही मान्य होंगे। यदि कोई परीक्षार्थी ओएमआर शीट के बजाय मुख्य उत्तरपुस्तिका के किसी अन्य भाग में उत्तर अंकित करता है या वहां टिक लगाता है, तो ऐसे उत्तरों के लिए शून्य अंक प्रदान किए जाएंगे। इसकी समस्त जिम्मेदारी स्वयं परीक्षार्थी की होगी। परीक्षा स्टाफ को निर्देश दिए गए हैं कि वे पेपर शुरू होने से ठीक पहले हर छात्र को इस नियम से स्पष्ट रूप से अवगत करवाएं।

अब नहीं करना होगा उत्तरकुंजी का इंतजार

अब परीक्षार्थियों को अपनी उत्तर कुंजी के लिए लंबा इंतजार नहीं करना होगा। संबंधित विषयों की परीक्षा संपन्न होने के मात्र 48 घंटे के भीतर आधिकारिक उत्तर कुंजी बोर्ड की वेबसाइट पर अपलोड कर दी जाएगी। इस पहल का मुख्य उद्देश्य छात्रों को उनके प्रदर्शन का तुरंत और सटीक अंदाजा देना है, जिससे वे स्वयं अपने उत्तरों का मिलान कर पारदर्शिता का अनुभव कर सकें।

◆ **डायरेक्ट विज्ञान के प्रश्न पत्र वितरण पर अतिरिक्त सतर्कता के आदेश**

न्यूज ब्रीफ

तेज रफ्तार गाड़ी ने मारी टक्कर, महिला घायल

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला। धर्मशाला के कचहरी चौक में बगली के एक चालक ने तेज रफ्तार और लापरवाही से गाड़ी चलाते हुए एक वाहन को टक्कर मार दी। हादसे में वाहन में सवार धर्मशाला की महिला घायल हो गई, जिन्हें इलाज के लिए टांडा मेडिकल कॉलेज भेजा गया। आरोपी चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस थाना धर्मशाला ने मामला दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है। आरोपी चालक पवन कुमार के वाहन को टक्कर मारने के बाद फरार हो गया था। पुलिस ने मोटर वाहन अधिनियम और भारतीय दंड संहिता के तहत मामला दर्ज किया है। वाहन को सीज करने की कार्रवाई की जा रही है।

टीजीटी की बैचवाइज भर्तियां शुरू करे सरकार

अनंत ज्ञान, कांगड़ा। कांगड़ा के बीएड टेट पास बेरोजगार कांगड़ा में इकट्ठे हुए और सरकार से मांग की कि शिक्षा विभाग जल्द से जल्द टीजीटी की बैच वाइज भर्तियां शुरू की जाएं। कांगड़ा बेरोजगार की यूनियन के सदस्य संजीव, सुदेश, अनिल, अजय, मोहित, शर्मिला, सोनिया, कंचन आदि मौजूद रहे। इसके उपरांत सभी बेरोजगारों ने शाहपुर के विधायक केवल सिंह पठानिया से मुलाकात की। उन्होंने विधायक से आग्रह किया कि सरकार, शिक्षा विभाग में जल्द से जल्द टीजीटी की बैच वाइज भर्तियां शुरू करे, जिससे कि बीएड टैट पास बेरोजगार 20-25 सालों से रोजगार की आस में बैठे हैं उन्हें भी सरकारी स्कूलों में अपनी सेवाएं देने का मौका मिल सके।

माकपा का जन आक्रोश जत्था पहुंचा धर्मशाला

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी मार्क्सवादी (सीपीएम) का जन आक्रोश जत्था सोमवार को धर्मशाला के कचहरी पहुंचा, जिसका नेतृत्व राज्य सचिवालय सदस्य राकेश सिंघा और जनरल सेक्रेटरी संजय चौहान ने किया। बारिश के कारण जनसभा वाल्मीकि मंदिर के हाल में आयोजित की गई। राकेश सिंघा ने केंद्र सरकार की नीतियों पर विरोध जताते हुए महंगाई, बेरोजगारी, सार्वजनिक संस्थाओं के निजीकरण और श्रमिकों के अधिकारों में कमी की बात की। उन्होंने 24 मार्च को दिल्ली के रामलीला ग्राउंड में होने वाली जनसभा में भाग लेने का आह्वान किया।

दैहण में रास्ता रोककर की मारपीट, मामला दर्ज

राकेश डोगरा, अनंत ज्ञान, डरोह। पुलिस थाना भवारना के अधीन 15 मार्च को दैहण शिव मंदिर के पास राहुल निवासी गांव खास दैहण तहसील पालमपुर ने पंकज कुमार निवासी दैहण का रास्ता रोककर इसके साथ गाली गलौच, मारपीट की व उसे जान से मारने की धमकी दी । इस संदर्भ आरोपी के विरुद्ध मामला दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है।

सरघुणी में 6000 मिलीलीटर देसी शराब बरामद

अनंत ज्ञान, डरोह। पुलिस थाना भवारना के अंतर्गत सरघुणी में दुर्गा चंद निवासी गांव सरघुणी डाकघर कौना तहसील थुरल के पास से 6,000 मिलीलीटर देसी शराब बरामद की है। इस संदर्भ में आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर तहकीकात शुरू कर दी है।

चनौर लक्ष्मी नारायण मंदिर में भंडारे कल

पिंकी, अनंत ज्ञान, डाडासीबा। चनौर स्थित लक्ष्मी नारायण मंदिर में 18 मार्च को विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा, जिसे चलाली पंचायत और आसपास के गांवों के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। इस भंडारे में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए बुधवार सुबह 11 बजे चलाली बस स्टैंड से चनौर मंदिर के लिए बस की व्यवस्था की गई है। पूजा-अर्चना के बाद भंडारा आरंभ होगा। आयोजक रवि शर्मा ने क्षेत्रवासियों और श्रद्धालुओं से इस धार्मिक आयोजन में भाग लेने और प्रसाद ग्रहण करने का आह्वान किया।

सारनु में संत निरंकारी सत्संग का आयोजन

कोहली, अनंत ज्ञान, शाहपुर। शाहपुर के संत निरंकारी सत्संग भवन सारनु में सोमवार को शिमला से आए महात्मा विजय कुमार की उपस्थिति में विशाल सत्संग आयोजित हुआ। सत्संग के दौरान महात्मा ने भक्ति पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जब जिज्ञासु पूर्ण सतगुरु की शरण में समर्पित होता है, तभी ब्रह्म ज्ञान की प्राप्ति संभव होती है। उन्होंने कहा कि परमात्मा के दर्शन केवल पूर्ण सतगुरु के माध्यम से होते हैं। महात्मा ने उदाहरण के तौर पर बताया कि जैसे हर चीज को स्थिर रखने के लिए आधार की आवश्यकता होती है, वैसे ही सृष्टि का आधार भी प्रभु निरंकार है।

श्रमिकों की मांगों को लेकर ट्रेड यूनियन को-ऑर्डिनेशन सेंटर ने खोला मोर्चा

जिला प्रशासन के माध्यम से पीएम और सीएम को ज्ञापन भेजा। अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, धर्मशाला। ट्रेड यूनियन को-ऑर्डिनेशन सेंटर ने देश और प्रदेश के लाखों श्रमिकों की समस्याओं को लेकर सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। यूनियन ने डीसी के माध्यम से प्रधानमंत्री और हिमाचल के मुख्यमंत्री को एक मांग पत्र भेजा, जिसमें मजदूरों और कर्मचारियों की 19 मुख्य परेशानियों को तुरंत हल करने की अपील की गई है। सरकारी कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन योजना को तुरंत बहाल, ईपीएस-95 के तहत आने वाले करीब 82 लाख बुजुर्गों की पेंशन बढ़ाकर कम से कम 5,000 महीना करने की मांग की। यूनियन का कहना है कि बढ़ती महंगाई को देखते हुए ईएसआई और ईपीएफओ के लिए वेतन की सीमा को भी बढ़ाना जरूरी है ताकि ज्यादा लोग सामाजिक सुरक्षा का लाभ ले सकें।

आशा व आंगनबाड़ी वर्कर्स व मिड-डे मील कर्मियों को मिले न्यूनतम मजदूरी

आशा वर्कर्स, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और मिड-डे मील बनाने वालों को तय न्यूनतम मजदूरी देने, ऑनलाइन डिलीवरी करने वाले (गिग वर्कर्स), बीड़ी मजदूर, घरों में काम करने वाले लोग और निर्माण कार्यों में लगे मजदूरों को भी सरकारी बीमा और पेंशन योजनाओं का लाभ दिया जाए। लेबर कोर्ट में सालों से लटके हुए केसों का फैसला 6 महीने के भीतर किया जाए। साथ ही, हिमाचल प्रदेश निर्माण श्रमिक कल्याण बोर्ड में पिछले 3 सालों से फंसे हुए मजदूरों के दावों (क्लेम) को तुरंत पास किया जाए।

81 शराब ठेकों की ई-ऑक्शन आज

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला। कांगड़ा जिले में शराब ठेकों की ऑनलाइन नीलामी विभाग के लिए चुनौती बन गई है। चार प्रयासों के बावजूद, शराब ठेके बिक्री के लिए नहीं बिक पाए हैं। 14 मार्च को हुई ऑनलाइन नीलामी में विभाग को एक भी आवेदन नहीं मिला। कुल 348 शराब ठेकों में से 81 ठेके अभी तक नहीं बिक पाए हैं, जिससे विभाग की चिंता बढ़ गई है। 3 मार्च को 31 शराब यूनिटों के लिए नीलामी की गई, जिसमें से केवल 16 यूनिटों के लिए आवेदन आए थे। 6 और 12 मार्च की नीलामी में भी कई ठेके नहीं बिक पाए। अब 17 मार्च को पांचवीं बार नीलामी की प्रक्रिया शुरू की जाएगी, जिसमें कुल 81 ठेकों की नीलामी की जाएगी। उधर, उप-आयुक्त आबकारी विभाग कांगड़ा प्रेम सिंह कैथ ने बताया कि कांगड़ा जिले की कुल 31 में से नहीं बिक पाई 8 शराब यूनिटों की नीलामी की प्रक्रिया 17 मार्च को होगी, जिसमें 81 ठेकों के लिए ई-ऑक्शन की जाएगी।

महानिदेशक कारागार ने किया जिला कारागार धर्मशाला का निरीक्षण

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला। महानिदेशक कारागार एवं सुधारात्मक सेवाएं हिमाचल प्रदेश अभिषेक त्रिवेदी ने सोमवार को लाला लाजपत राय जिला एवं मुक्त सुधार गृह धर्मशाला का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कारागार में संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं तथा सुधारात्मक गतिविधियों की जानकारी प्राप्त की। महानिदेशक ने कारागार परिसर का निरीक्षण करते हुए वहां की व्यवस्थाओं की समीक्षा की तथा कैदियों के पुनर्वास और सुधार से जुड़ी गतिविधियों का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने कारागार में तैनात अधिकारियों और कर्मचारियों को व्यवस्थाओं को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। निरीक्षण के दौरान महानिदेशक ने कैदियों से भी बातचीत की तथा उनकी समस्याओं को सुना। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि कैदियों की समस्याओं का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जाए और उन्हें सुधारात्मक गतिविधियों में सक्रिय रूप से जोड़ा जाए ताकि वे समाज की मुख्यधारा में पुनः स्थापित हो सकें। इस अवसर पर हिमकारा योजना के बारे में जिला जन संपर्क अधिकारी धर्मशाला द्वारा तैयार की गई एक डॉक्यूमेंट्री भी प्रदर्शित की गई, जिसमें कारागार में चल रही विभिन्न गतिविधियों और सुधारात्मक प्रयासों को दर्शाया गया। निरीक्षण के दौरान उनके साथ डीआईजी उत्तरी रेंज सौम्या सांबशिवन तथा अधीक्षक कारागार धर्मशाला विकास भटनागर भी उपस्थित रहे।

बस्सी गांव में बनेगा शहीद दिलबाग सिंह का स्मारक

अनंत ज्ञान, डाडासीबा। देहरा उपमंडल के बस्सी गांव के वीर सपूत शहीद दिलबाग सिंह सपेहिया की स्मृति में अब उनके पैतृक गांव में शहीद स्मारक बनाया जाएगा। इस लंबे समय से चली आ रही मांग को लेकर परिवार को आखिरकार सफलता मिल गई है। सांसद अनुराग ठाकुर ने स्मारक निर्माण के लिए दो लाख रुपए की पहली किस्त जारी की है।

दिलबाग सिंह 1968 में भारतीय सेना की 16 डोगरा रेजिमेंट में भर्ती हुए थे और करीब तीन दशक तक देश सेवा की। 2 फरवरी 1995 को जम्मू-कश्मीर के अखनूर सेक्टर में ऑपरेशन रक्षक के दौरान आतंकवादियों से मुठभेड़ करते हुए शहीद हो गए। उनके परिवार ने कई बार प्रशासन से ज्ञापन दिया था, लेकिन ठोस कदम नहीं उठाए गए थे। हाल ही में विधायक विक्रम ठाकुर के समर्थन के बाद सांसद ने स्मारक के लिए फंड जारी किया। परिवार इस कदम से भावुक और गर्वित है।

बैरु गांव में दबिश देकर पुलिस को मिली बड़ी कामयाबी

घर से 1 किलो 603 ग्राम चूरा, 79 ग्राम चरस और 12,550 रुपए कैश बरामद

अनंत ज्ञान

ज्वालामुखी। ज्वालामुखी में पुलिस ने नशे के खिलाफ छेड़े गए नशामुक्त अभियान को लेकर बड़ी कामयाबी हासिल की है। थाना प्रभारी संदीप पटियाल के नेतृत्व में ज्वालामुखी पुलिस टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर ज्वालामुखी के साथ लगते बैरु गांव में एक घर में दबिश दी।

पुलिस की टीम ने छापेमारी के दौरान घर से 1 किलो 603 ग्राम चूरा/पत्तिया (सुल्फा), 79 ग्राम चरस और 12,550 रुपए कैश बरामद किया। इसके अलावा 868 ग्राम कैनाबिस पत्ते भी इस नशे की खेप में शामिल थे, उसे पुलिस ने अपने कब्जे में लिया है। पुलिस ने मामला दर्जकर आरोपी हरिश डोगरा पुत्र बिशंबर दास डोगरा, निवासी ज्वालामुखी को गिरफ्तार कर लिया है। मामले की पुष्टि एस पी देहरा मयंक चौधरी ने की है। यही नहीं आरोपी के घर से पुलिस ने इलेक्ट्रॉनिक तराजू एक ऐसा वजन मापने का उपकरण है, जो भार को मापने के लिए सेंसर का उपयोग करता है, वह भी बरामद किया है। ऐसे में यह अंदेशा लगाया जा रहा है कि आरोपी इस नशे की खेप का व्यापार भी करता था। बहरहाल पुलिस की मामले को लेकर छानबीन जारी है। जानकारी के अनुसार, पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि 45 वर्षीय हरीश डोगरा ने अपने आवास पर मादक पदार्थ रखे हैं। सूचना के आधार पर ज्वालामुखी पुलिस ने उक्त व्यक्ति के आवास पर दबिश दी और यहां रखी नशे की खेप बरामद की।

जिला पुलिस देहरा ने आम जनता से अपील की है कि नशे से संबंधित किसी भी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि की सूचना वह तुरंत नजदीकी पुलिस थाना को दें, ताकि नशे के विरुद्ध चलाए जा रहे इस अभियान में पुलिस का सहयोग करते हुए अपने क्षेत्र को नशामुक्त बनाने में वह भी सक्रिय भूमिका निभाएं।

सया देहरा विधायक बोलीं- 200 कनाल कृषि भूमि को सिंचाई सुविधा से जोड़ा

कमलेश ने किया सूक्ष्म सिंचाई योजना का उद्घाटन

अनंत ज्ञान

शिव गुलेरिया, देहरा। विधायक कमलेश ठाकुर ने सोमवार को मेहवा पंचायत में एकीकृत विकास परियोजना (विश्व बैंक पोषित) कांगड़ा स्थित धर्मशाला की ओर से निर्मित सूक्ष्म सिंचाई योजना मेहवा का उद्घाटन किया। जनसमूह को संबोधित करते हुए विधायक ने कहा कि इस परियोजना पर लगभग 77 लाख रुपए की राशि व्यय की गई है, जिससे क्षेत्र के किसानों को सिंचाई की बेहतर सुविधा उपलब्ध होगी। उन्होंने बताया कि इस योजना के माध्यम से लगभग 200 कनाल कृषि भूमि को सिंचाई सुविधा से जोड़ा गया है, जिससे क्षेत्र के करीब 30 परिवार प्रत्यक्ष रूप से लाभान्वित होंगे। उन्होंने कहा कि सूक्ष्म सिंचाई जैसी योजनाएं किसानों की कृषि उत्पादकता बढ़ाने और जल संरक्षण को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। कमलेश ने बताया कि पिछले तीन वर्षों में ग्राम पंचायत मेहवा में लगभग 3.49 करोड़ रुपए के विकास कार्य विभिन्न योजनाओं के माध्यम से करवाए गए हैं। इन कार्यों में बुनियादी ढांचे के विकास, कृषि सुविधाओं के विस्तार और पर्यावरण संरक्षण से जुड़े कई महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट शामिल हैं। इससे पूर्व विधायक कमलेश ठाकुर ने एनडीआरएफ के अंतर्गत गलुआ में 15 लाख रुपए की लागत से बनने वाले संपर्क मार्ग गुग्गा मंदिर से हरिजन बस्ती सड़क के निर्माण कार्य का भूमि पूजन किया। इस अवसर पर उन्होंने लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि सड़क निर्माण के साथ-साथ नालियों का निर्माण तथा जल की उचित निकासी की व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाए। परियोजना के अंतर्गत 33 परिवारों को अनुदान राशि भी प्रदान की गई, जिससे उन्हें आजीविका और कृषि गतिविधियों को सुदृढ़ करने में सहायता मिली है।

गलुआ में संपर्क मार्ग का भूमि पूजन भी किया। अनंत ज्ञान

पंचायत में विकास कार्यों का भी किया निरीक्षण

विधायक कमलेश ने एकीकृत विकास परियोजना के अंतर्गत ग्राम पंचायत मेहवा में किए गए कार्यों का निरीक्षण किया। इन कार्यों में पौधरोपण, भूमि कटाव संरक्षण, लैंटाना उन्मूलन, जल निकासी लाइन निर्माण, बावड़ी और तालाब निर्माण, जल संरचना डैम, जल भंडारण टैंक, सूक्ष्म सिंचाई के तहत पुल और पाइपलाइन बिछाने, पैदल मार्ग और पैदल पुल निर्माण जैसी योजनाएं शामिल हैं। इन कार्यों से क्षेत्र के किसानों और ग्रामीणों को प्रत्यक्ष लाभ मिल रहा है, साथ ही कृषि गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा। विधायक ठाकुर ने परियोजना अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि शेर लोहारा क्षेत्र में बनी पुली के पास ढंगे जल्दी लगाए जाएं, ताकि संरचना सुरक्षित रह सके। उन्होंने यह भी कहा कि परियोजना के पूर्ण होने के बाद ग्रामीणों को आश्वस्त किया जाए कि भविष्य में किसी भी मरम्मत की आवश्यकता होने पर विभाग इसे तुरंत समाधान करेगा।

न्यूज ब्रीफ

किसानों को प्राकृतिक खेती के लिए किया प्रेरित

एसके ठाकुर, अनंत ज्ञान, बड़सर। कृषि विभाग विकास खंडी बिझड़ी की ओर से जोड़े अंब पंचायत में किसान गोष्ठी के आयोजन किया गया। इसमें कांग्रेस नेता सुभाष ढटवालिया ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। कार्यक्रम में विभाग के अधिकारियों द्वारा किसानों को प्राकृतिक खेती करने के लिए प्रोत्साहित किया गया एवं वहां उपस्थित किसानों को हिमभोग मक्की का आटा के साथ-साथ बीज एवं पौधे वितरित किए गए। इस कार्यक्रम में डिप्टी डायरेक्टर आत्मा प्रोजेक्ट राजेश कुमार शर्मा एवं स्थानीय लोगों में कुलदीप सिंह डोगरा, कर्मचंद, वार्ड मेंबर प्रकाश चंद शर्मा, प्रदीप कुमार, बलदेव ठाकुर, पवन शर्मा, केवल कृष्ण शर्मा आदि मौजूद रहे।

अभिषेक मिस्टर और शिक्षा बनी मिस फेयरवेल

अनंत ज्ञान, धनेटा। धनेटा कॉलेज में फेयरवेल पार्टी का आयोजन किया गया। बीए द्वितीय वर्ष के स्टूडेंट्स की ओर से फेयरवेल अभिषेक गुलेरिया व मिस फेयरवेल तन्वी, बीकॉम से अभिषेक गुडू को मिस्टर फेयरवेल व शिक्षा को मिस फेयरवेल व मिस चार्मिंग कोमल मिस्टर हैंडसम डिंपल को चुना गया। द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों की ओर से तृतीय वर्ष के स्टूडेंट्स के लिए चाय व मिष्ठान का भी आयोजन किया गया। कॉलेज प्राचार्य नीलम कुमारी ने विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य की कामना की।

वर्धमान ग्रुप में आईटीआई हमीरपुर के 6 युवाओं का चयन

अनंत ज्ञान, हमीरपुर। टेक्सटाइल क्षेत्र की कंपनी वर्धमान टैक्सटाइल्स लिमिटेड की इकाई ऑरो टैक्सटाइल्स ने सोमवार को राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) हमीरपुर में कैंपस इंटरव्यू आयोजित किए। इस इंटरव्यू में विभिन्न ट्रेडों के कुल 98 अभ्यर्थियों ने भाग लिया। कंपनी की टीम के सदस्य अनुज त्रिवेदी और अक्षय कुमार ने अभ्यर्थियों के साक्षात्कार लिए। साक्षात्कार के बाद कंपनी ने 6 अभ्यर्थियों का चयन कर उन्हें ज्वॉइनिंग लेटर प्रदान किए। चयनित उम्मीदवारों को प्रशिक्षण अवधि के दौरान लगभग 12,750 रुपए मासिक स्टाइपेंड मिलेगा। चार से पांच माह के प्रशिक्षण के बाद कार्य दक्षता के आधार पर उन्हें हेल्पर के पद पर करीब 18,433 रुपये मासिक वेतन दिया जाएगा। संस्थान के प्रधानाचार्य सुभाष चंद शर्मा ने शुभकामनाएं दीं।

निजी स्कूलों की मान्यता के लिए आवेदन तिथि बढ़ी

अनंत ज्ञान, हमीरपुर। प्रारंभिक शिक्षा उपनिदेशक कमल किशोर भारती ने बताया कि शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए हमीरपुर जिले के निजी स्कूलों की मान्यता के नवीनीकरण और वर्ष 2026-31 तक नई मान्यता के लिए ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ाकर 30 मार्च कर दी गई है। सभी आवेदन केवल ऑनलाइन माध्यम से वेबसाइट एमर्जिंग हिमाचल डॉट एचपी डॉट जीओवी डॉट इन पर ही स्वीकार किए जाएंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि ऑफलाइन आवेदन स्वीकार नहीं होंगे। प्री-प्राइमरी से पांचवीं तक के स्कूल आवेदन बीईईओ को, जबकि पहली से आठवीं या छठी से आठवीं तक के स्कूल उपनिदेशक कार्यालय को ऑनलाइन भेजेंगे। बिना मान्यता प्रमाण पत्र वाले स्कूलों पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

विद्यार्थियों को एआई तकनीक से करवाया अवगत

अनंत ज्ञान, हमीरपुर। प्रदेश तकनीकी विश्वविद्यालय हमीरपुर में बीटेक, एमटेक और एमसीए के विद्यार्थियों के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) विषय पर जागरुकता सत्र आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को एआई तकनीक और इसके कार्य करने के तरीके से अवगत कराना था। विशेषज्ञों ने रोबोट मॉडल के माध्यम से जनरेटिव एआई के कार्य करने की प्रक्रिया समझाई। इस अवसर पर अधिष्ठाता शैक्षणिक डॉ. राजेश शर्मा और टीपीओ डॉ. अनामिका रांगड़ा ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों को नई तकनीक और नवाचार से जोड़ने में सहायक होते हैं।

आरसेटी के प्रशिक्षण कार्यक्रमों का उठाएं लाभ

अनंत ज्ञान, हमीरपुर। पंजाब नेशनल बैंक ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरसेटी) में सोमवार को मोमबत्ती बनाने का दस दिवसीय प्रशिक्षण शिविर शुरू हुआ। शुभारंभ अवसर पर पंजाब नेशनल बैंक के सर्कल कार्यालय हमीरपुर की मुख्य प्रबंधक पारुल उपाध्याय मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। उन्होंने कहा कि यह प्रशिक्षण उन्हें स्वयं का रोजगार शुरू करने और आर्थिक रूप से सशक्त बनने में मदद करेगा। उन्होंने बैंक की विभिन्न ऋण व जमा योजनाओं तथा सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का लाभ उठाने की अपील भी की। संस्थान के निदेशक अजय कुमार कतना ने बताया कि यह प्रशिक्षण पूरी तरह निशुल्क है।

हमीरपुर में होगा सैन समाज का सम्मेलन आयोजित

अनंत ज्ञान, हमीरपुर। अखिल भारतीय सैन समाज के वरिष्ठ कार्यकर्ताओं की एक आवश्यक बैठक प्रदेश अध्यक्ष रसील सिंह मनकोटिया की अध्यक्षता में गोशाला परिसर, जमली धाम में सोमवार को संपन्न हुई। बैठक में निर्णय लिया गया कि इस वर्ष प्रदेश स्तर का सैन समाज सम्मेलन हमीरपुर में आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में समाज के किसी देशभक्त को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया जाएगा। इसे सफल बनाने के लिए विभिन्न समितियां बनाई जाएंगी, जिनका समग्र दायित्व प्रदेश अध्यक्ष रसील सिंह मनकोटिया को सौंपा गया। बैठक में जिला कांगड़ा, बिलासपुर, मंडी, ऊना और हमीरपुर के कई वरिष्ठ सदस्य उपस्थित रहे।

भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष सुशील सोनी के पिता का निधन

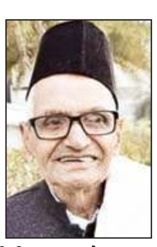

अनंत ज्ञान, हमीरपुर। भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष सुशील सोनी के पिता लाला जगदीश चंद सोनी का सोमवार को देहांत हो गया। लाला जगदीश चंद सोनी पिछले एक महीने से अस्वस्थ चल रहे थे, उनका इलाज एम्स में चल रहा था। सोमवार को अचानक उनकी तबीयत खराब हुई और परमपिता परमात्मा के चरणों में लीन हो गए। भाजपा शहरी निकाय प्रकोष्ठ हिमाचल प्रदेश के संयोजक अजमेर ठाकुर, जिला संयोजक पूर्व कर्मचारी संघ सतीश गौतम, संयोजक जिला शहरी निकाय संयोजक जोगिंद्र बल्ला, सह संयोजक शहरी निकाय हमीरपुर अनिल सोनी, शहरी निकाय प्रकोष्ठ सह संयोजक हिमचाल प्रदेश वीना कपिल, सह संयोजक पंचायत राज हिमाचल प्रदेश रमेश चंद शर्मा, जिला संयोजक शिक्षक प्रकोष्ठ हिमाचल प्रदेश यशवीर जम्वाल, एडवोकेट दिनेश ठाकुर लीगल सैल भाजपा, डॉ सुशील शर्मा पूर्व पार्षद सह संयोजक शहरी निकाय हमीरपुर ने सुशील सोनी के पिता निधन पर शोक व्यक्त किया है और परिवार के प्रति अपनी संवेदनाएं प्रकट की है तथा सोनी परिवार को इस दुख की घड़ी को सहन शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की है। अंतिम संस्कार मंगलवार 10 बजे गसोती में किया जाएगा।

हमीरपुर में पेंशनर्स का धरना- प्रदर्शन

कहा- देनदारियों का बजट में प्रावधान करे सरकार, अन्यथा 30 मार्च को होगा विस का घेराव

अनंत ज्ञान

गांधी चौक में धरना-प्रदर्शन करते पेंशनर्स। अनंत ज्ञान

विक्रम ढटवालिया, हमीरपुर। हमीरपुर के गांधी चौक पर सोमवार को हिमाचल प्रदेश पेंशनर्स संयुक्त संघर्ष समिति के आह्वान पर जिले के पेंशनरों ने जनवरी 2016 से देय संशोधित वेतनमान तथा पेंशन के एरियर का भुगतान न किए जाने के विरोध में धरना-प्रदर्शन किया। वहीं, डीसी के माध्यम से प्रदेश सरकार को ज्ञापन भेजकर मांग की कि उनकी देनदारियों का आगामी बजट में प्रावधान किया जाए, अन्यथा 30 मार्च को प्रदेश भर के हजारों पेंशनर्स विधानसभा का घेराव करेंगे।

धरना-प्रदर्शन को संबोधित करते हुए सभी विभागों के प्रतिनिधियों ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा पेंशनरों के वर्षों से लंबित संशोधित वेतनमान तथा पेंशन का एरियर, संशोधित ग्रेच्युटी, लीव एनकैशमेंट, काम्युटेशन पेंशन तथा मेडिकल बिलों का भुगतान न किए जाने से लाखों पेंशनरों में अत्यधिक रोष एवं आक्रोश व्याप्त है। धरना-प्रदर्शन में संयुक्त संघर्ष समिति के अध्यक्ष मनोहर ठाकुर, उपाध्यक्ष रमेश रणौत व होशियार सिंह, महासचिव यशबीर जम्वाल, वित्त सचिव विनोद शर्मा, प्रेस सचिव राज कुमार हमीरपुरी, उप महासचिव देश राज भरवाल, अतिरिक्त महासचिव मनोहर लाल, मुख्य संगठन सचिव तिलक राज शर्मा, संयुक्त सचिव मलकीयत पठानिया, राकेश पठानिया, प्रदीप ठाकुर व राजेश, संगठन सचिव किशोरी लाल, सतीश कुमार, ओम प्रकाश, विजय ठाकुर व मनोहर जायसवाल आदि पेंशनर्स सम्मिलित हुए। संघर्ष समिति के प्रदेश उपाध्यक्ष दिलीप सिंह ढटवालिया ने कहा कि सरकार अपने खर्चे तो कम कर नहीं रही, उल्टे पेंशनर्स के हकों को रोक रहा है, यह बिल्कुल गलत है। ऐसा बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं होगा। अब पेंशनर्स एकजुट हो चुके हैं और अपने संघर्ष को अंजाम तक पहुंचाने के लिए यदि सरकार ने उनकी मांगें नहीं मानी तो 30 मार्च को विधानसभा का घेराव करने में कोई भी चूक नहीं होगी। कर्मचारी नेता अजमेर ठाकुर का कहना था कि सरकार के खर्च लगातार बढ़ रहे हैं, लेकिन पेंशनर्स के लिए उसके पास अलग-अलग तरह के बहाने हैं। यह नीति बिल्कुल भी बर्दाश्त करने योग्य नहीं है। अब पेंशनर्स आर पार की लड़ाई लड़ने के लिए तैयार हो चुके हैं, क्योंकि सरकार अपने खर्चे तो कम कर नहीं रही उल्टे उन्हें सबक सिखा रही है कि वित्तीय स्थिति खराब है।

प्रदीप ने एमसीए में 9.8 सीजीपीए के साथ हासिल किया स्वर्ण पदक

परिजनों के साथ प्रदीप सिंह। अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, हमीरपुर। जिले के प्रतिभाशाली छात्र प्रदीप सिंह ने केंद्रीय विश्वविद्यालय हिमाचल से मास्टर ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशन्स (एमसीए) में 9.8 सीजीपीए प्राप्त कर स्वर्ण पदक हासिल किया है। यह सम्मान उन्हें विश्वविद्यालय के 9वें दीक्षांत समारोह में भारत के उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन द्वारा प्रदान किया गया। प्रदीप सिंह ने अपनी सफलता का श्रेय विश्वविद्यालय प्रशासन, अपने शिक्षकों, माता और बहन के निरंतर समर्थन को दिया। उन्होंने बताया कि अपने पिता स्वर्गीय राजेश कुमार के निधन के बाद आर्थिक मुश्किलों का सामना करते हुए भी उन्होंने अपने लक्ष्य को कभी छोड़ा नहीं।प्रदीप की माता सपना देवी एक सरकारी विद्यालय में मल्टी टास्क वर्कर के रूप में कार्यरत हैं, जबकि बहन शिया ठाकुर इंडिया पोस्ट में ब्रांच पोस्ट मास्टर के पद पर कार्यरत हैं। प्रदीप ने शैक्षणिक स्वर्ण पदक को गर्व और सम्मान का विषय बताया।

बारिश से होली मेला ग्राउंड चौगान बना दलदल, दुकानदार परेशान

अनंत ज्ञान, सुजानपुर। सुजानपुर के होली मेला ग्राउंड में लगातार दो दिनों से हो रही बारिश ने मेले में आए दुकानदारों के अरमानों को धो दिया है। रविवार से शुरू हुई बारिश सोमवार तक जारी रही, जिससे मेला ग्राउंड की स्थिति दलदल जैसी हो गई है।

बारिश के कारण जगह-जगह कीचड़ जमा हो गया है और लोग मेला ग्राउंड में जाने से बच रहे हैं। बाहर से आए दुकानदारों के अनुसार, शनिवार को मेला ग्राउंड में भारी भीड़ उमड़ी थी और रविवार को भी दोपहर तक मौसम साफ होने पर भीड़ लगी रही, लेकिन दोपहर बाद से रुक-रुक कर बारिश ने माहौल को खराब कर दिया। सोमवार को बारिश ने मेला ग्राउंड को पूरी तरह प्रभावित किया, जिससे लोग मेला में आने से परहेज करने लगे। इसके साथ ही बारिश ने क्षेत्र में ठंड भी बढ़ा दी है, जिससे लोग गर्म कपड़े पहनने लगे हैं। पिछले 15 दिनों से बढ़ी गर्मी के बाद बारिश ने ठंड का असर और बढ़ा दिया। मेला ग्राउंड में दुकानदारों का कहना है कि बारिश के कारण उनकी बिक्री पर भी असर पड़ा है।

कश्मीर और नुग्रां गांव में सड़क निर्माण का विवाद सुलझा अधिकारियों से मिला आश्वासन

अनंत ज्ञान, गलोड़। गलोड़ क्षेत्र के कश्मीर और नुग्रां गांव के लोगों ने शुक्रवार को सड़क पर चल रहे निर्माण कार्य को रोककर और सड़क पर बैठकर सरकार और लोक निर्माण विभाग के खिलाफ सांकेतिक धरना प्रदर्शन किया था।

जब अधिकारियों को इस धरने के बारे में पता चला, तो उन्होंने मीडिया के माध्यम से लोगों को आश्वासन दिया कि उनकी जायज मांग सोमवार को सुनी जाएगी। सोमवार को भारी बारिश के बावजूद लोक निर्माण विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों से उनकी समस्याएं सुनीं।

धनेटा लोक निर्माण विभाग के सहायक अभियंता अमन कुमार ने सड़क को ऊंचा करने और डंगे लगाने का आश्वासन दिया। पूर्व प्रधान सुरजीत कुमार ने भी भूमि के मुद्दे पर सहमति जताई, जिससे दोनों गांवों के लोग राहत महसूस करते हुए अधिकारियों का धन्यवाद किया। इस मौके पर समाजसेवी ध्रुव सिंह राणा, पवन कुमार भाटिया, गायक हंस राज, और अन्य लोग भी उपस्थित थे।

हिम अकादमी स्कूल विकासनगर में 10 दिवसीय कोचिंग कैंप शुरू

खेल, नृत्य तथा कला से संबंधित गतिविधियां आयोजित होंगी। अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान

हमीरपुर। हिम अकादमी पब्लिक स्कूल विकास नगर में सोमवार से 10 दिवसीय कोचिंग कैंप का शुभारंभ किया गया। शिविर में तीसरी से नौवीं कक्षा तक के विद्यार्थियों के लिए खेल, एटीएल (अटल टिंकरिंग लैब), संगीत, नृत्य तथा कला से संबंधित गतिविधियों का आयोजन किया गया है। इस अवसर पर विद्यालय की समन्वयक मनीषा मारवाह का गर्मजोशी से स्वागत किया गया।

विद्यार्थियों द्वारा कैंप प्रतिज्ञा का पाठ किया गया तथा समन्वयक ने अपने प्रेरणादायक संबोधन से विद्यार्थियों को प्रोत्साहित किया। इसके पश्चात प्रशिक्षकों और कोचों के मार्गदर्शन में विभिन्न कौशल विकास गतिविधियों की शुरुआत की गई। यह कोचिंग कैंप विद्यार्थियों में रचनात्मकता, शारीरिक क्षमता, नवाचार और सर्वांगीण प्रतिभा के विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित किया गया है। इस अवसर पर विद्यालय परिवार ने इस पहल को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी शिक्षकों, कर्मचारियों तथा प्रबंधन का आभार व्यक्त किया।

विधायक सुरेश कुमार ने किया कंज्याण स्कूल का निरीक्षण

अनंत ज्ञान, भोरंज। राजकीय प्राथमिक विद्यालय कंज्याण का विधायक सुरेश कुमार ने निरीक्षण किया। उन्होंने विद्यालय की व्यवस्थाओं और शैक्षणिक गतिविधियों की जानकारी ली तथा शिक्षकों से संवाद कर शिक्षा व्यवस्था को और बेहतर बनाने पर चर्चा की। निरीक्षण के दौरान विप्लव ठाकुर और रेणु ठाकुर ने समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए मुख्यमंत्री राहत कोष के लिए 51,000 रुपए की राशि का चेक विधायक को भेंट किया। उन्होंने कहा कि विपदा की घड़ी में जरूरतमंद लोगों की सहायता के लिए आगे आना हमारी देवभूमि की समृद्ध दान परंपरा का परिचायक है और समाज में सहयोग की भावना को मजबूत करता है। विधायक नरे ठाकुर परिवार द्वारा जनहित में किए गए इस सराहनीय कार्य और उदारता के लिए उनका हृदय से आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि उनका यह निस्वार्थ योगदान आपदा प्रभावितों और समाज के वंचित वर्गों के उत्थान में अत्यंत सहायक सिद्ध होगा। उन्होंने कहा कि उन्हें गर्व है कि भोंरज क्षेत्र के लोग एक-दूसरे की सहायता और सहयोग के लिए सदैव आगे रहते हैं।

◆ **ठाकुर परिवार ने राहत कोष के लिए 51,000 का चेक किया भेंट**

मनिहाल में महिला मंडल सम्मान समारोह में बांटी स्टील की थालियां

मनिहाल में महिला मंडल सम्मान समारोह आयोजित। अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान

सुजानपुर। सुजानपुर विधानसभा क्षेत्र की मनिहाल पंचायत में सर्व कल्याणकारी ट्रस्ट की ओर से महिला मंडल सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में ट्रस्ट के संस्थापक एवं पूर्व विधायक राजेंद्र राणा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर 6 महिला मंडलों को 101 स्टील की थालियां, 101 स्टील के गिलास और 2-2 स्टील के पानी के जग भेंट कर सम्मानित किया गया।

ट्रस्ट द्वारा यह सम्मान समारोह लगातार आठवीं बार आयोजित किया जा रहा है। राणा ने कहा कि इस पहल की शुरुआत लगभग 25 वर्ष पहले समाज सेवा और जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से की गई थी। उन्होंने कहा कि महिलाएं समाज की रीढ़ होती हैं और उनके सशक्तिकरण के बिना समाज का समग्र विकास संभव नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि सामाजिक दृष्टि से सुजानपुर पहला ऐसा विधानसभा क्षेत्र बनेगा, जहां सभी महिला मंडलों को स्टील की थालियां प्रदान की जाएंगी। ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष अभिषेक राणा ने कहा कि कई बार लोग ऐसी पहलों को छोटी मुहिम समझते हैं, लेकिन हर बड़ा बदलाव छोटे प्रयासों से ही संभव होता है।

राजपूत महासभा ने स्कूली बच्चों को वर्दियां देने में जातीय भेदभाव का लगाया आरोप

अनंत ज्ञान, हमीरपुर। जिला राजपूत सभा ने प्रदेश सरकार द्वारा सरकारी स्कूलों के विद्यार्थियों को वर्दी के लिए दी जा रही 600 रुपए की सहायता राशि में कथित जातीय भेदभाव का कड़ा विरोध किया है। सभा का कहना है कि वर्तमान व्यवस्था में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग और छात्राओं को यह राशि प्रदान की जा रही है, जबकि सामान्य वर्ग के विद्यार्थियों को इससे वंचित रखा जा रहा है। सभा के पदाधिकारियों का कहना है कि इस व्यवस्था से सामान्य वर्ग के बच्चे अपने आप को उपेक्षित महसूस कर सकते हैं और उनमें हीन भावना पैदा हो सकती है। राजपूत महासभा के महासचिव जोगिंदर ठाकुर, राजपूत कल्याण सभा के महासचिव अजय रानोथ, संयुक्त सचिव विनोद ढडवाल, वित्त सचिव रविंद्र सकलानी आदि संयुक्त बयान में कहा कि जाति के आधार पर अलग-अलग प्रावधान किए जाने से अन्य वर्गों के छात्रों में भी अनावश्यक सामाजिक विभाजन की भावना बढ़ने की आशंका है। सभा ने प्रदेश सरकार से मांग की है कि वर्दी राशि से जुड़े जाति आधारित आदेशों को वापस लेकर बिना किसी भेदभाव के सभी विद्यार्थियों को यह सुविधा प्रदान की जाए, ताकि समाज में समानता और समरसता का संदेश जाए।

राणा कपड़े बदलने की तरह बदलते हैं पार्टी: सुमन भारती

अनंत ज्ञान

प्रेसवार्ता करते सुमन भारती और अन्य नेता। अनंत ज्ञान

ब्यूरो, हमीरपुर। जिला कांग्रेस के नेताओं ने सुजानपुर के पूर्व विधायक राजेंद्र राणा और उनके परिवार पर जबरदस्त हमला किया है। कांग्रेस के नेताओं ने कहा कि कपड़े बदलने की तरह राजेंद्र राणा पार्टियां बदलने के माहिर हो चुके हैं। उन्होंने कांग्रेस को तो धोखा दिया ही, वे सभी को धोखा देने में इतने निपुण हो गए हैं, जिस कारण सुजानपुर की जनता को भी हमेशा बेवकूफ बनाने में उन्होंने कोई कोर कसर नहीं छोड़ी।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में जिला कांग्रेस के अध्यक्ष सुमन भारती, कांग्रेस नेता नरेश ठाकुर, अजय शर्मा, राजेश आनंद और राजू चौधरी सहित कई नेता मौजूद थे। उन्होंने कहा कि जिस व्यक्ति ने पंजाब में सुपरवाइजर पद की नौकरी से अपना करियर शुरू किया हो उसके पास करोड़ों की धाम दौलत ऐसे कैसे आ सकती है। बेटे की शादी में दो-दो चार्टर इस्तेमाल किए गए हों। उन्होंने कहा कि बुड बिल्ला मामले पर उन्हें जनता को सफाई देनी चाहिए। वे कभी इधर तो कभी उधर जहां भी जाते हैं छुरा घोंपने हैं। कांग्रेस ने उन्हें ही नहीं पूरे परिवार को सब कुछ देने का प्रयास किया, लेकिन वे कांग्रेस के भी नहीं बने, अब भाजपा में हैं तो वहां भी वे उसी नीति के घोड़े पर सवार हैं। यह पूछे जाने पर कि बुड विला का मामला तो बहुत पहले का है और उसके बाद प्रदेश में कांग्रेस की दो सरकारें भी बनी। क्या यदि कोई सरकार को भ्रम था तो उसकी जांच नहीं हो सकती थी, राजेंद्र राणा को जनता के सामने स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए।

मुख्यमंत्री के राजनीतिक सलाहकार सुनील शर्मा बिट्टू पर भी राजेंद्र राणा बेवजह के आरोप लगा रहे हैं, क्या किसी को मकान बनाने का अधिकार नहीं है? राणा से पूछना जरूरी है क्या? राणा के इन आरोपों को लेकर कांग्रेस पार्टी चुप नहीं बैठेगी और इस मामले को लेकर जो भी जरूरी होगा अब कदम उठाएगी।

ढटबाल क्षेत्र में आंधी-बारिश से गेहूं की फसल को नुकसान

अनंत ज्ञान

बड़सर। विधानसभा बड़सर के ढटबाल क्षेत्र में पिछले कई दिनों से सूखा पड़ा था, जिससे किसान चिंता में थे। हालांकि, मौसम में अचानक बदलाव और बारिश ने किसानों को सूखे से राहत दी, लेकिन तेज आंधी और तूफान से गेहूं की तैयार खड़ी फसल को भारी नुकसान पहुंचा है। सोमवार को आई तेज हवाओं और बारिश ने कई खेतों में खड़ी गेहूं की फसल को जमीन पर गिरा दिया, जिससे किसानों की चिंताएं और बढ़ गई हैं। किसानों का कहना है कि लंबे समय से बारिश न होने के कारण खेतों में नमी की कमी थी, और फसलों पर इसका प्रतिकूल असर पड़ रहा था। हल्की बारिश से उम्मीद जगी थी कि फसलें स्वस्थ होंगी, लेकिन तेज हवाओं और ओलावृष्टि ने स्थिति को बिगाड़ दिया। कई किसानों ने बताया कि आंधी के कारण फसल पूरी तरह झुक गई है, जिससे उत्पादन में कमी आने की संभावना है। स्थानीय किसानों ने प्रशासन और कृषि विभाग से प्रभावित क्षेत्रों का आकलन कर उचित मुआवजे की मांग की है, ताकि नुकसान की भरपाई की जा सके। मौसम के बदलते मिजाज ने क्षेत्र के किसानों की चिंता और बढ़ा दी है।

परेशानी बारिश ने खोली सड़क निर्माण कार्य और विभाग की कार्यप्रणाली की पोल

भरेड़ी में बारिश से सड़क पर जलभराव

अनंत ज्ञान

बारिश से सड़क पर जलभराव होने से राहगीर और वाहन चालक हो रहे परेशान। अनंत ज्ञान

भोरंज। उपमंडल भोरंज के तहत बस्सी से तत्ताहर जाने वाली सड़क पर भरेड़ी कस्बे में हल्की सी बारिश के बाद ही जलभराव की समस्या सामने आ गई। खासकर स्कूल के मुख्य गेट के पास, जहां पेवर ब्लॉक लगाए जाने प्रस्तावित हैं, वहां पानी जमा हो गया। इससे राहगीरों और वाहन चालकों को आवागमन में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

ग्रामीणों का कहना है कि थोड़ी सी बारिश ने ही सड़क निर्माण कार्य और संबंधित विभाग की कार्यप्रणाली की पोल खोल कर रख दी है। लोगों का आरोप है कि यदि समय रहते यहां पेवर ब्लॉक लगा दिए जाते और जल निकासी की उचित व्यवस्था होती, तो इस तरह की स्थिति पैदा नहीं होती। पानी भरने के कारण स्कूली बच्चों, अभिभावकों, दुकानदारों और स्थानीय निवासियों को आने-जाने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों और दुकानदारों में पम्मी कुमार, विपन कुमार और विक्की सहित अन्य लोगों ने लोक निर्माण विभाग से जल्द से जल्द इस समस्या का समाधान करने की मांग की है।

लोक निर्माण विभाग के कनिष्ठ अभियंता प्रवीण कुमार ने बताया कि संबंधित स्थान का निरीक्षण किया गया है और जल्द ही वहां पेवर ब्लॉक लगाने का कार्य शुरू कर दिया जाएगा। उन्होंने आश्वासन दिया कि विभाग की ओर से जल्द कार्रवाई करते हुए सड़क को दुरुस्त किया जाएगा, जिससे लोगों को हो रही परेशानी से राहत मिल सके।

जनगणना की प्रक्रियाओं को गहनता से समझें सभी प्रभारी अधिकारी: अभिषेक

अनंत ज्ञान

हमीरपुर। हमीरपुर जिले में जनगणना-2027 की सभी प्रक्रियाओं को सुचारु रूप से संपन्न कराने के लिए प्रशासन ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। सोमवार को हमीर भवन में जिले के सभी उपमंडलों के जनगणना चार्ज अधिकारियों के लिए तीन दिवसीय कार्यशाला आरंभ हुई। कार्यशाला में एसडीएम, तहसीलदार, नायब तहसीलदार, नगर निगम हमीरपुर और अन्य शहरी निकायों के वरिष्ठ अधिकारी तथा उनके अधीनस्थ कर्मचारी भाग ले रहे हैं। एडीसी एवं जिला जनगणना अधिकारी अभिषेक गर्ग ने कहा कि जनगणना महत्वपूर्ण कार्य होगा।

उन्होंने कहा कि पूरी प्रक्रिया में चार्ज अधिकारियों की मुख्य जिम्मेदारी रहेगी, इसलिए सभी अधिकारी और कर्मचारी जनगणना से जुड़ी प्रक्रियाओं को गहराई से समझें, ताकि इस कार्य को बिना किसी त्रुटि के पूरा किया जा सके। जिलास्तर पर उपायुक्त को प्रधान जनगणना अधिकारी और एडीसी को जिला जनगणना अधिकारी नियुक्त किया है। उपमंडल, तहसील, उपतहसील, नगर निगम और अन्य शहरी निकायों के स्तर पर भी जनगणना चार्ज अधिकारियों की नियुक्ति की गई है। उन्होंने बताया कि भारत की यह 16वीं जनगणना पूरी तरह डिजिटल होगी। इसके लिए सेल्फ एन्यूमरेशन पोर्टल के माध्यम से लोग स्वयं भी अपनी जानकारी ऑनलाइन दर्ज कर सकेंगे। इसके अलावा मोबाइल आधारित डाटा संग्रहण ऐप और जियो-टैगिंग की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी। साथ ही सीएमएमएस पोर्टल के माध्यम से अधिकारी हर समय जनगणना की प्रगति पर नजर रख सकेंगे। जनगणना की प्रक्रिया दो चरणों में पूरी होगी। पहले चरण में 12 मई से 11 जून तक मकानों और भवनों की लिस्टिंग की जाएगी, जबकि दूसरा चरण फरवरी 2027 में शुरू होगा, जिसमें जनसंख्या से जुड़े सामाजिक और आर्थिक आंकड़े एकत्र किए जाएंगे।

चंबा में बारिश व बर्फबारी से जनजीवन प्रभावित

दो दिनों से जिला चंबा में रुक-रुक कर हो रही बारिश के बाद ऊंचाई वाले क्षेत्रों में ताजा बर्फबारी दर्ज की गई। अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान

चंबा। पिछले दो दिनों से जिला चंबा में रुक-रुक कर हो रही बारिश के बाद ऊंचाई वाले क्षेत्रों में ताजा बर्फबारी दर्ज की गई है। पर्यटक स्थल डलहौजी, खज्जियार, जोत, चुराह तथा जनजातीय क्षेत्र भरमौर और पांगी घाटी में देर रात से बर्फबारी होने के कारण तापमान में भारी गिरावट आई है।

इसके चलते जहां एक ओर ठंड बढ़ गई है। वहीं, दूसरी ओर आम लोगों का जनजीवन भी प्रभावित हो गया है। मिली जानकारी के अनुसार डलहौजी, खज्जियार, कालाटॉप व लकड़मंडी क्षेत्रों में करीब आधा फुट से लेकर एक फुट तक बर्फबारी हुई है। वहीं, चुराह घाटी, जनजातीय क्षेत्र

◆ डलहौजी, खज्जियार, कालाटॉप व लकड़मंडी में करीब आधा फुट से लेकर एक फुट तक बर्फबारी

भरमौर, होली व पांगी घाटी की ऊंची पहाड़ियों पर एक से डेढ़ फुट तक बर्फबारी होने की खबर है। बारिश और बर्फबारी के चलते कई सड़क मार्ग भी प्रभावित हुए हैं। चंबा-जोत-चुवाड़ी मार्ग, चंबा-भांदल-लंगेरा मार्ग तथा चंबा-तीसा मार्ग पर यातायात बंद हो गया है। सड़कों पर अधिक फिसलन होने के कारण बस चालकों ने भी एहतियात के तौर पर अपने वाहनों को सुरक्षित स्थानों पर खड़ा कर दिया है, ताकि किसी प्रकार की अनहोनी घटना से बचा जा सके। वहीं, मौसम में आए इस बदलाव से तापमान में काफी गिरावट दर्ज की गई है। हालांकि, किसानों व बागवानों में इस बारिश और बर्फबारी को लेकर खुशी का माहौल देखा जा रहा है। उनका कहना है कि इससे आने वाले समय में पानी की समस्या से राहत मिलेगी व खेतीबाड़ी के साथ-साथ सेब की फसल के लिए भी यह मौसम लाभदायक साबित होगा।

मौसम विभाग के अनुसार, आने वाले कुछ दिनों तक क्षेत्र में बारिश व बर्फबारी का सिलसिला जारी रहने की संभावना है, जिससे ठंड का असर अभी बना रह सकता है।

16 से 19 मार्च तक मौसम खराब रहने की चेतावनी

अनंत ज्ञान, चंबा। जिला चंबा में आगामी दिनों में मौसम के खराब रहने की संभावना को देखते हुए प्रशासन ने लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है। हिमाचल प्रदेश सरकार को भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) से प्राप्त जानकारी के अनुसार 16 मार्च से 19 मार्च तक जिले में तेज हवाएं, वर्षा, ओलावृष्टि तथा कुछ स्थानों पर भूस्खलन की स्थिति बन सकती है। मौसम विभाग द्वारा जारी चेतावनी के अनुसार 16, 17 व 18 मार्च को जिले में येलो अलर्ट घोषित किया गया है, जबकि 19 मार्च को ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। ऑरेंज अलर्ट के दौरान भारी वर्षा, तेज तूफान, ओलावृष्टि और बादल फटने जैसी घटनाओं की आशंका जताई गई है। जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, चंबा ने संभावित खतरों को देखते हुए आम नागरिकों से विशेष सावधानी बरतने की अपील की है। प्रशासन ने लोगों को नदी-नालों, पहाड़ी ढलानों व भूस्खलन संभावित क्षेत्रों डुसे दूर रहने की सलाह दी है। इसके अलावा खराब मौसम के दौरान अनावश्यक यात्रा से बचने तथा बच्चों और बुजुर्गों का विशेष ध्यान रखने को कहा गया है। प्रशासन ने पशुपालकों से भी अपील की है कि वे अपने मवेशियों को सुरक्षित स्थानों पर रखें। किसी भी आपात स्थिति में तुरंत प्रशासन से संपर्क करने और प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करने की सलाह दी गई है। जिला प्रशासन ने मौसम और आपदा संबंधी सटीक जानकारी प्राप्त करने के लिए लोगों से सचेत मोबाइल ऐप डाउनलोड करने की भी अपील की है। किसी भी आपात स्थिति में नागरिक जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के हेल्पलाइन नंबर 98166-98166, 01899-226950 या टोल फ्री नंबर 1077 पर संपर्क कर सकते हैं।

पर्यटक बर्फबारी का ले रहे आनंद

अजीत सिंह, अनंत ज्ञान, डलहौजी। पर्यटन नगरी डलहौजी में मौसम ने अचानक यू-टर्न ले लिया है। मार्च महीने में हुई बर्फबारी ने एक बार फिर ठंड का अहसास बढ़ा दिया है। सोमवार सुबह से ही डलहौजी और आसपास के इलाकों में हल्की से मध्यम बर्फबारी दर्ज की गई, जिससे पूरा क्षेत्र सफेद चादर से ढक गया। मिली जानकारी के अनुसार डलहौजी के ऊपरी क्षेत्रों में लगभग आधा फुट के करीब बर्फबारी दर्ज की गई, जबकि शहर में करीब 3 से 4 इंच तक बर्फ गिरने की सूचना है। अचानक हुई इस बर्फबारी के कारण तापमान में गिरावट आ गई और लोगों को एक बार फिर गर्म कपड़ों के साथ-साथ अलाव और हीटर का सहारा लेना पड़ रहा है। वहीं, दूसरी ओर इस बर्फबारी से पर्यटक काफी उत्साहित नजर आए। मार्च महीने में बर्फबारी का आनंद लेने के लिए पर्यटक विभिन्न व्यू प्वाइंट व सड़कों पर बर्फ के साथ फोटो और वीडियो बनाते दिखे। स्थानीय पर्यटन कारोबार से जुड़े लोगों का कहना है कि इस बर्फबारी से पर्यटन कारोबार को भी लाभ मिलने की उम्मीद है। मौसम में आए इस बदलाव के चलते क्षेत्र में ठंड एक बार फिर बढ़ गई है, इंदौर से आए पर्यटको को डलहौजी में बर्फबारी का जो खुशनुमा एहसास हुआ वह उन्ही कहीं और पर्यटक स्थल में नहीं मिला।

चंबा साहित्यिक उत्सव में गूंजी चुराह घाटी की विरासत

अनंत ज्ञान

चंबा। गवर्नमेंट पोस्ट ग्रेजुएट कॉलेज चंबा द्वारा आयोजित चंबा साहित्यिक उत्सव के दौरान चुराह घाटी के इतिहास, संस्कृति और सामाजिक जीवन पर एक महत्वपूर्ण व्याख्यान आयोजित किया गया। इस अवसर पर प्रसिद्ध समाजशास्त्री एवं लेखक डॉ. दुनी चंद ने अपने शोधपरक विचार प्रस्तुत करते हुए चुराह घाटी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, सांस्कृतिक विरासत और सामाजिक संरचना पर विस्तार से प्रकाश डाला। डॉ. दुनी चंद ने कहा कि चुराह घाटी चंबा जिले का एक प्राचीन और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध क्षेत्र है, जहां की लोक परंपराएं, रीति-रिवाज और जीवनशैली सदियों से स्थानीय पहचान का महत्वपूर्ण हिस्सा रहे हैं।

उन्होंने बताया कि इस क्षेत्र का इतिहास अत्यंत विशिष्ट रहा है और यहां की संस्कृति में लोकगीत, लोकनृत्य, पारंपरिक त्योहारों तथा स्थानीय बोली का विशेष महत्व है। उन्होंने चुराह घाटी के सामाजिक जीवन का उल्लेख करते हुए कहा कि यहां के लोग सरल, परिश्रमी और अपनी परंपराओं से गहराई से जुड़े हुए हैं। सामुदायिक एकता, आपसी सहयोग और सांस्कृतिक मूल्यों ने इस क्षेत्र की सामाजिक संरचना को सुदृढ़ बनाए रखा है। कार्यक्रम में उपस्थित विद्यार्थियों, साहित्यकारों और शोधकर्ताओं ने डॉ. दुनी चंद के विचारों को ध्यानपूर्वक सुना और उनके शोध कार्य की सराहना की। इस अवसर पर चुराह घाटी से संबंध रखने वाले प्रसिद्ध कवि केआर सोनी और महाराज सिंह परदेसी ने भी अपनी कविताओं के माध्यम से चुराह घाटी की सुंदरता, प्रकृति और सांस्कृतिक पहचान का भावपूर्ण परिचय करवाया। उनकी कविताओं ने श्रोताओं को चुराह की प्राकृतिक सुंदरता, लोक जीवन और परंपराओं से रूबरू कराया। हाल ही में डॉ. दुनी चंद ने चुराह घाटी पर एक पुस्तक लिखी है, जिसका शीर्षक 'चुराहः एक अनदेखी घाटी' है। यह पुस्तक अमेज़न मंच पर भी उपलब्ध है। इस पुस्तक में चुराह घाटी के इतिहास, संस्कृति, भूगोल, कृषि और सामाजिक जीवन का विस्तृत वर्णन किया गया है। यह सत्र चंबा साहित्यिक उत्सव 2026 के प्रमुख आकर्षणों में से एक रहा।

न्यूज ब्रीफ

पड्डल मैदान के पास युवक से चिट्टा बरामद

अनंत ज्ञान, मंडी। थाना सदर मंडी पुलिस टीम ने गश्त व मादक पदार्थों की तलाश के दौरान पड्डल ग्राउंड के अंतिम छोर पर स्थित बॉटनी ब्लॉक के पास एक युवक से चिट्टा बरामद किया है। पुलिस के अनुसार गश्त के दौरान अर्शप्रीत सिंह पुत्र दीपक सिंह निवासी कोट खालसा, गुरु नानक पुरा रोड, नजदीक होली सिटी पब्लिक स्कूल, अमृतसर (पंजाब) की तलाशी लेने पर उसके कब्जे से करीब चार ग्राम चिट्टा बरामद हुआ। पुलिस ने आरोपी को नोटिस देकर शर्तों से पाबंद करते हुए रिहा किया है तथा मामले की आगामी जांच जारी है। मामले की पुष्टि एसपी मंडी विनोद कुमार ने की है।

मजदूरों पर डंडों से हमला, दो लोगों पर मामला दर्ज

अनंत ज्ञान, सरकाघाट। थाना धर्मपुर के तहत सिद्धपुर क्षेत्र में छह मजदूरों पर डंडों से हमला करने का मामला सामने आया है। पुलिस के अनुसार यह मामला नवीन कुमार की शिकायत पर दर्ज किया गया है। शिकायत में बताया गया कि सिद्धपुर में उसके यहां कार्यरत छह मजदूरों पर सुरेश कुमार तथा अभिषेक कुमार ने लकड़ी के डंडों से हमला कर दिया। इस हमले में मजदूरों के सिर और हाथ-पैरों में चोटें आई हैं। आरोप है कि हमलावरों ने मजदूरों को जान से मारने की धमकी भी दी। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर आगामी जांच शुरू कर दी है। मामले की पुष्टि एसपी मंडी विनोद कुमार ने की है।

टिहरा में मीट की दुकान से अवैध शराब बरामद

अनंत ज्ञान, सरकाघाट। पुलिस चौकी टिहरा क्षेत्र में एक मीट की दुकान से अवैध शराब बरामद होने का मामला सामने आया है। पुलिस को सूचना मिली थी कि बलवीर सिंह पुत्र डोडा राम निवासी लगयार, डाकघर टिहरा, तहसील धर्मपुर अपनी मीट की दुकान से अवैध शराब बेच रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस ने दुकान पर छापा मारा। तलाशी के दौरान दुकान से छह बोतल देसी शराब (मार्का ऊना नंबर 1) बरामद की गई। पुलिस ने इस संबंध में मामला दर्ज कर लिया है तथा मामले की आगामी जांच जारी है। मामले की पुष्टि एसपी मंडी विनोद कुमार ने की है।

चंबा में 500 पेंशनर्स का प्रदर्शन, 14 सूत्री मांगों पर सरकार को चेतावनी

अनंत ज्ञान

चंबा। अपने अधिकारों के लिए संघर्षरत पेंशनर्स ने सोमवार को जिला मुख्यालय चम्बा के ऐतिहासिक चौगान नंबर-2 में एकजुटता और दृढ़ संकल्प की मिसाल पेश की।

हिमाचल प्रदेश पेंशनर संयुक्त संघर्ष समिति यूनिट जिला चंबा के आह्वान पर आयोजित विशाल सांकेतिक धरना-प्रदर्शन और रैली में भारी बारिश के बावजूद लगभग 500 से अधिक पेंशनरों ने भाग लेकर सरकार तक अपनी आवाज पहुंचाई। विभिन्न विभागों, निगमों, बोर्डों, कॉरपोरेट सेक्टर, शहरी निकायों और विश्वविद्यालयों के पेंशनर कल्याण संघों से जुड़े पेंशनरों ने 14 सूत्रीय मांगों को तुरंत पूरा करने की आवश्यकता पर जोर दिया। पेंशनरों ने प्रदेश सरकार से आग्रह किया कि वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट में इन मांगों को शामिल किया जाए और जिला प्रशासन के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन प्रेषित किया। पेंशनर जीवनभर सेवा देने के बाद सम्मानजनक जीवन के हकदार हैं, इसलिए उनकी मांगों को नजरअंदाज करना उचित नहीं होगा। पेंशनरों ने चेतावनी दी कि यदि उनकी जायज मांगों पर शीघ्र निर्णय नहीं लिया गया तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा। धरना-प्रदर्शन में पेंशनर कल्याण संघ चंबा के कार्यकारी अध्यक्ष लेख राज ठाकुर, महासचिव सुरिंदर गुप्ता, महामंत्री तजवीज सिंह पठानिया, सम्मानित सदस्य देवी लाल ठाकुर और हेम राज ठाकुर सहित अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहे।

पेंशनर महासंघ चंबा इकाई के अध्यक्ष अशोक कुमार शर्मा, संयुक्त सचिव लेख राज धीमान, जिला अध्यक्ष बजीर सिंह यादव, उपाध्यक्ष रोशन लाल शर्मा आदि ने सक्रिय भागीदारी निभाई। वन, स्वास्थ्य, पुलिस, बिजली बोर्ड, जल शक्ति, परिवहन सेवा, कॉरपोरेट सेक्टर सहित दूरदराज क्षेत्रों से आए पेंशनर्स व मातृशक्ति ने विपरीत मौसम के बावजूद रैली में भाग लेकर कार्यक्रम को ऐतिहासिक बना दिया।

बनीखेत मंडल में '1 बूथ 10 यूथ' अभियान की समीक्षा बैठक आयोजित

युवाओं को संगठन मजबूती का दिया संदेश

अनंत ज्ञान

बनीखेत। भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) द्वारा संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत बनाने के उद्देश्य से डलहौजी विधानसभा क्षेत्र के बनीखेत मंडल में '1 बूथ 10 यूथ' अभियान की समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में कार्यकर्ताओं को आगामी चुनावों और संगठनात्मक गतिविधियों को लेकर विस्तृत दिशा-निर्देश दिए गए।

बैठक की अध्यक्षता भाजयुमो मंडल अध्यक्ष अमित शर्मा ने की। उन्होंने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि संगठन की मजबूती बूथ स्तर से ही शुरू होती है व युवाओं की सक्रिय भागीदारी से ही पार्टी की विचारधारा को घर-घर तक पहुंचाया जा सकता है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से '1 बूथ 10 यूथ' अभियान को पूरी गंभीरता से लागू करने और हर बूथ पर सक्रिय युवा टीम तैयार करने का आह्वान किया। बैठक में बनीखेत मंडल के प्रभारी व भाजयुमो जिला

'1 बूथ 10 यूथ' की समीक्षा बैठक में मौजूद कार्यकर्ता। अनंत ज्ञान

सोशल मीडिया संयोजक (चंबा) अमित शर्मा 'अब्बू शर्मा' विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने कार्यकर्ताओं को सोशल मीडिया की बढ़ती भूमिका के बारे में बताते हुए कहा कि डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से पार्टी की नीतियों और उपलब्धियों को अधिक प्रभावी ढंग से जनता तक पहुंचाया जा सकता है। उन्होंने युवाओं से सोशल मीडिया पर सक्रिय रहकर संगठन की आवाज को मजबूत बनाने का आह्वान किया। इस अवसर पर सह-प्रभारी संजय राजपूत भी मौजूद रहे। उन्होंने संगठनात्मक गतिविधियों को लेकर अपने विचार साझा किए व कार्यकर्ताओं को बूथ स्तर पर समन्वय व अनुशासन बनाए रखने की सलाह दी। बैठक में '1 बूथ 10 यूथ' अभियान के तहत प्रत्येक बूथ पर 10 समर्पित युवाओं की टीम की सक्रियता की समीक्षा की गई। साथ ही आगामी कार्यक्रमों व अभियानों को सफल बनाने के लिए रणनीतिक चर्चा भी की गई। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने कहा कि संगठन की असली शक्ति उसके बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं में निहित होती है। '1 बूथ 10 यूथ' का संकल्प डलहौजी विधानसभा में संगठन को नई ऊर्जा और मजबूती प्रदान करेगा।

सरकाघाट कॉलेज की सुरक्षा दीवार को नुकसान, मामला दर्ज

अनंत ज्ञान, सरकाघाट। सरकाघाट थाने में राजकीय महाविद्यालय सरकाघाट की सुरक्षा दीवार को नुकसान पहुंचाने, कॉलेज परिसर की भूमि पर अतिक्रमण करने तथा जल आपूर्ति पाइपलाइन को क्षति पहुंचाने के आरोप में मामला दर्ज किया गया है। यह मामला रिखी राम पुत्र महंत राम निवासी गांव कराड़ी, डाकघर पपलोग, तहसील सरकाघाट, जिला मंडी, जो वर्तमान में प्राचार्य राजकीय महाविद्यालय सरकाघाट हैं, उसकी शिकायत पर दर्ज किया गया। शिकायत में बताया गया है कि अज्ञात लोगों द्वारा कॉलेज की सुरक्षा दीवार को नुकसान पहुंचाया गया तथा परिसर की भूमि पर अतिक्रमण करने के साथ-साथ जल आपूर्ति पाइपलाइन को भी क्षति पहुंचाई गई। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर आगामी जांच शुरू कर दी है। मामले की पुष्टि एसपी मंडी विनोद कुमार ने की है।

स्मार्ट मीटर नहीं, जनता पर 'स्मार्ट लूट' का प्लान

चंबा में मार्क्सवादी पार्टी का सरकार पर हमला, 24 मार्च दिल्ली रैली के लिए जनआह्वान

अनंत ज्ञान

चंबा। भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) जिला चंबा द्वारा सोमवार को जनता के ज्वलंत मुद्दों को लेकर एक जोरदार जनसभा आयोजित की गई। पार्टी ने पहले विशाल प्रदर्शन व रैली का कार्यक्रम तय किया था, लेकिन भारी बारिश के कारण रैली स्थगित करनी पड़ी व कार्यक्रम को जनसभा के रूप में आयोजित किया गया।

इसके बावजूद सभा में महिलाओं, किसानों व मजदूरों की बड़ी भागीदारी देखने को मिली व पूरा माहौल जनसंघर्ष के नारों से गूंजता रहा। यह जनसभा 24 मार्च को दिल्ली के रामलीला मैदान में होने वाली विशाल राष्ट्रीय रैली के समर्थन में चलाए जा रहे 'जन आक्रोश जत्था अभियान' के तहत आयोजित की गई। सभा की अध्यक्षता राज्य कमेटी सदस्य सुदेश ठाकुर ने की, जबकि मुख्य वक्ताओं के रूप में पार्टी के राज्य सचिवालय सदस्य कुशाल भारद्वाज और प्रेम गौतम ने संबोधित किया। अपने संबोधन में कुशाल भारद्वाज ने केंद्र की मोदी सरकार पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि सरकार योजनाबद्ध तरीके से देश के सार्वजनिक क्षेत्र को निजी कंपनियों और अपने करीबी कॉर्पोरेट घरानों के हाथों सौंपने में लगी है। उन्होंने कहा कि बिजली क्षेत्र के निजीकरण की तैयारी के तहत स्मार्ट बिजली मीटर लगाए जा रहे हैं, जो आम जनता की जेब पर अतिरिक्त बोझ डालने का माध्यम बनेंगे।

उन्होंने आरोप लगाया कि हिमाचल प्रदेश को मिलने वाली राजस्व घाटा अनुदान (आरडीजी) ग्रांट को केंद्र सरकार ने समाप्त कर दिया है, जिससे प्रदेश की वित्तीय स्थिति पर गहरा असर पड़ा है और जनता को मिलने वाली सुविधाओं में कटौती का खतरा पैदा हो गया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के मौजूदा वित्तीय संकट के लिए केंद्र सरकार की गलत और भ्रष्ट नीतियां जिम्मेदार हैं। कुशाल भारद्वाज ने यह भी कहा कि केंद्र सरकार मनरेगा कानून को कमजोर करने की दिशा में काम कर रही है। नई योजनाओं के जरिए केंद्र अपनी हिस्सेदारी कम कर रहा है व ग्रामीण रोजगार की गारंटी को धीरे-धीरे खत्म करने की कोशिश की जा रही है, जिससे गांवों की अर्थव्यवस्था पर गंभीर असर पड़ेगा।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि प्राकृतिक आपदा के समय हिमाचल प्रदेश, विशेष रूप से मंडी जिले की जनता को केंद्र सरकार ने लगभग अकेला छोड़ दिया। उन्होंने कहा कि मंडी की सांसद भले ही एक अच्छी कलाकार हों, लेकिन वे जनता की सच्ची हितैषी साबित नहीं हुई हैं। वहीं, प्रेम गौतम ने कहा कि कृषि क्षेत्र में विदेशी कंपनियों के प्रवेश, वन संरक्षण कानून 1980 में संशोधन तथा आपदा प्रभावितों और भूमिहीनों के पुनर्वास के मुद्दों पर केंद्र सरकार की नीतियां पूरी तरह जनविरोधी हैं। उन्होंने हिमाचल में आपदा प्रभावित परिवारों को बसाने के लिए जमीन उपलब्ध करवाने की मांग उठाई। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा लाए गए चार लेबर कोड मजदूरों के अधिकारों को कमजोर कर उन्हें बंधुआ मजदूरी जैसी स्थिति की ओर धकेलने का काम कर रहे हैं।

वक्ताओं ने कहा कि स्मार्ट मीटर लगाने की योजना दरअसल मोदी सरकार का अपने कॉर्पोरेट मित्रों को फायदा पहुंचाने और आम जनता से अतिरिक्त वसूली करने का 'ओवर-स्मार्ट प्लान' है, जिसका सीपीआई(एम) गांव-गांव जाकर पर्दाफाश कर रही है। सभा को संबोधित करते हुए जिला सचिव नरेंद्र ने 24 मार्च को दिल्ली के रामलीला मैदान में होने वाली विशाल राष्ट्रीय रैली में बड़ी संख्या में भाग लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि चंबा से भी सैकड़ों लोग इस रैली में भाग लेंगे और इसके लिए आने वाले दिनों में गांव-गांव व्यापक जनसंपर्क अभियान चलाया जाएगा।

मोटरसाइकिल की टक्कर से महिला व युवक घायल

अनंत ज्ञान, मंडी। थाना बल्ह के तहत भंगरोटू स्कूल के सामने एक मोटरसाइकिल की टक्कर से एक महिला व एक युवक घायल हो गए। शिकायतकर्ता बालक राम पुत्र नागर सिंह निवासी गांव सैहल, डाकघर पैड़ी, तहसील बल्ह ने बताया कि मोटरसाइकिल नंबर एचपी-82ए-4108 के चालक ने तेज रफ्तार व लापरवाही से वाहन चलाते हुए सड़क पार कर रही शंकरी देवी (62 वर्ष) तथा सड़क किनारे चल रहे एक लड़के को टक्कर मार दी। दुर्घटना के बाद मोटरसाइकिल चालक मौके से फरार हो गया। हादसे में घायल दोनों लोगों को उपचार के लिए मेडिकल कॉलेज नेरचौक पहुंचाया गया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर मोटरसाइकिल चालक की तलाश शुरू कर दी है तथा मामले की जांच जारी है। मामले की पुष्टि एसपी मंडी विनोद कुमार ने की है।

ग्रामीणों ने डीसी को ज्ञापन सौंपा और तूर पंचायत के समर्थन में उठाई आवाज

3 दिन में समाधान नहीं, तो आत्मदाह करने को होंगे मजबूर

अनंत ज्ञान

चंबा। विकास खंड मैहला की ग्राम पंचायत ब्रेही के पुनर्गठन को लेकर शुरू हुआ विवाद अब गंभीर टकराव का रूप लेता नजर आ रहा है। सोमवार को बड़ी संख्या में ग्रामीण भाजपा के वरिष्ठ नेता व अधिवक्ता जय सिंह के नेतृत्व में डीसी मुकेश रेपसवाल से मिले व उन्हें एक संयुक्त ज्ञापन सौंपा।

ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि प्रशासनिक स्तर पर तूर पंचायत के सर्वसम्मत फैसले को नजरअंदाज कर जबरन गदियाड़ा पंचायत थोपने की कोशिश की जा रही है। ग्रामीणों ने डीसी को बताया कि 17 नवंबर 2024 को आयोजित ग्राम सभा में गांव के लोगों ने सर्वसम्मति से नई पंचायत तूर के गठन का प्रस्ताव पारित किया था। उनका कहना है कि भौगोलिक परिस्थितियों, दूरियों और प्रशासनिक सुविधा को देखते हुए तूर पंचायत ही क्षेत्र के लोगों के लिए सबसे उपयुक्त है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि 22 दिसंबर, 2024 को बुलाई गई ग्राम सभा में निर्धारित कोरम ही पूरा नहीं था, जो नियमों के

डीसी चंबा के साथ जय सिंह व पंचायत ब्रेही के निवासी। अनंत ज्ञान

अनुसार किसी भी निर्णय को अमान्य बना देता है। इसके बावजूद कुछ लोगों और अधिकारियों ने कथित रूप से सरकार को गुमराह कर गदियाड़ा पंचायत के गठन का प्रस्ताव आगे बढ़ा दिया। ग्रामीणों का कहना है कि यह न केवल नियमों का उल्लंघन है, बल्कि ग्राम सभा की लोकतांत्रिक भावना के साथ भी खिलवाड़ है। मामले की गंभीरता को देखते हुए डीसी मुकेश रेपसवाल ने ग्राम पंचायत ब्रेही के सचिव और संबंधित जनप्रतिनिधियों को कारण बताओ नोटिस जारी कर जवाब मांगा है, ताकि पूरे प्रकरण की सच्चाई सामने आ सके। इस बीच अधिवक्ता जय सिंह ने डीसी कार्यालय में मीडिया से बातचीत करते हुए प्रशासन और सरकार को खुली चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि यदि तीन दिनों के भीतर इस मामले पर समाधान नहीं हुआ, तो वह ग्राम पंचायत ब्रेही के निवासियों और उनके परिवार के साथ डीसी कार्यालय के बाहर आत्मदाह करने के लिए मजबूर होंगे। जय सिंह ने कहा, 'अगर जनता की आवाज को इसी तरह दबाया गया तो यह लोकतंत्र के लिए शर्मनाक होगा। अगर तीन दिन में न्याय नहीं मिला तो आत्मदाह की पूरी जिम्मेदारी जिला प्रशासन और प्रदेश सरकार की होगी।' डीसी कार्यालय परिसर में इस दौरान ग्रामीण मौजूद रहे और उन्होंने प्रशासन से निष्पक्ष निर्णय लेने की मांग की।

एफसीए के अंतर्गत लंबित मामलों का निर्धारित समय में किया जाए निपटारा

अनंत ज्ञान

चंबा। उपायुक्त मुकेश रेपसवाल ने कहा कि विभिन्न विकासात्मक परियोजनाओं के तहत एफसीए (वन संरक्षण अधिनियम) अनुमति मामलों की प्रक्रिया में तेजी लाने को लेकर सभी संबंधित विभागों के अधिकारी समन्वय आधारित गतिविधियों को सुनिश्चित बनाएं।

उपायुक्त एफसीए के अंतर्गत वन मंडल चुराह में कार्यान्वित की जा रही विभिन्न विकासात्मक परियोजनाओं से संबंधित अनुमति मामलों की प्रगति की समीक्षा के लिए आयोजित बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। डीसी ने उपनिदेशक उच्च शिक्षा को शिक्षण संस्थानों के भवन निर्माण के लिए एफआरए (वन अधिकार अधिनियम) के तहत अनुमति मामलें तैयार करने को निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि सभी संबंधित विभागीय अधिकारी आपसी समन्वय और पारदर्शिता के साथ कार्य करें तथा लंबित प्रकरणों को प्राथमिकता के आधार पर निपटाने की दिशा में प्रयास करें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिन मामलों में आपत्तियां लंबित हैं, उनका त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जाए और आवश्यक दस्तावेजों की पूर्ति समय रहते कर ली जाए। उन्होंने बताया कि विभिन्न परियोजनाओं के अंतर्गत परिवेश-1 पर 25 और परिवेश-2 पर 5 अपलोड मामलें अनुमति के लिए प्रक्रिया में है। बैठक में वन मंडल अधिकारी सुशील गुलेरिया, उपनिदेशक उच्च शिक्षा विकास महाजन, अधिशासी अभियंता लोक निर्माण जोगिंदर शर्मा व सहायक अभियंता संजीव अत्री उपस्थित रहे।

आयोजन चंबा में जनगणना हाउस लिस्टिंग ऑपरेशन की तैयारियों पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

मोबाइल एप्लीकेशन के जरिए सटीक डेटा संकलन पर जोर

अनंत ज्ञान

चंबा। डीसी मुकेश रेपसवाल की अध्यक्षता में जिला चंबा में जनगणना-2027 के प्रथम चरण हाउस लिस्टिंग ऑपरेशन की तैयारियों को लेकर जिला स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान डीसी ने कहा कि जनगणना प्रक्रिया दो चरणों में आयोजित की जाएगी।

पहले चरण में मकान सूचीकरण व आवासों से संबंधित जानकारी एकत्रित की जाएगी, जबकि दूसरे चरण में जनसंख्या की गणना की जाएगी। उन्होंने बताया कि जनगणना का प्रथम चरण 12 मई से 10 जून तक आयोजित किया जाएगा, जबकि दूसरा चरण 9 फरवरी से 5 मार्च 2027 तक संचालित होगा। उन्होंने

डीसी मुकेश रेपसवाल बैठक की अध्यक्षता करते हुए। अनंत ज्ञान

कहा कि जनगणना देश की सबसे महत्वपूर्ण प्रशासनिक गतिविधियों में से एक है। उन्होंने बताया कि इस बार जनगणना प्रक्रिया डिजिटल माध्यम से संचालित की जाएगी।

इसके लिए स्मार्टफोन आधारित मोबाइल एप्लीकेशन का उपयोग किया जाएगा, जिससे डेटा का संकलन व प्रसंस्करण पहले की तुलना में अधिक तेज और सटीक तरीके से किया जा सकेगा। डीसी ने जिलावासियों से अपील की कि वे जनगणना कार्य में पूरा सहयोग दें और प्रगणकों को सही जानकारी उपलब्ध करवाएं। प्रशिक्षण कार्यक्रम में सहायक निदेशक अनिल कुमार ने अधिकारियों को जनगणना से संबंधित नियमों, प्रक्रियाओं व संचालन के विभिन्न पहलुओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।

उन्होंने बताया कि जिले में एन्यूमरेटर और सुपरवाइजर इस कार्य में तैनात किए जाएंगे, जो घर-घर जाकर निर्धारित प्रपत्र के अनुसार जानकारी एकत्रित करेंगे। उपायुक्त ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे प्रशिक्षण सामग्री का गहन अध्ययन करें तथा जनगणना कार्य को गंभीरता और जिम्मेदारी के साथ संपन्न करें। कार्यक्रम के अंत में अधिकारियों द्वारा पूछे गए प्रश्नों का समाधान किया गया तथा जनगणना कार्य को सफलतापूर्वक संपन्न करने के लिए समन्वय और बेहतर योजना पर बल दिया गया।

मलबा निपटान के लिए उपयुक्त स्थलों की पहचान के दिए निर्देश

अनंत ज्ञान

सरकाघाट। उपमंडल सरकाघाट में विभिन्न सरकारी परियोजनाओं से निकलने वाले मलबे के वैज्ञानिक व सुरक्षित निपटान को लेकर सोमवार को एसडीएम कार्यालय में एक बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता एसडीएम सरकाघाट राजेंद्र कुमार गौतम ने की। बैठक में वर्तमान में चल रही तथा भविष्य में प्रस्तावित विभिन्न सरकारी परियोजनाओं से निकलने वाले मलबे के उचित निपटान के लिए उपयुक्त स्थलों की पहचान करने पर विस्तृत चर्चा की गई, ताकि पर्यावरणीय मानकों के अनुरूप इनका सुरक्षित प्रबंधन सुनिश्चित किया जा सके।

एसडीएम राजेंद्र कुमार गौतम ने निर्देश दिए कि तहसीलदार की अध्यक्षता में लोक निर्माण विभाग, जल शक्ति विभाग, नगर परिषद तथा अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों की संयुक्त टीम गठित कर संभावित स्थलों का निरीक्षण करेगी। उन्होंने कहा कि संयुक्त निरीक्षण के बाद मलबा निपटान के लिए उपयुक्त स्थानों की पहचान कर 25 मार्च से पहले इस प्रक्रिया को पूरा किया जाए, ताकि समय रहते सरकार को इसकी जानकारी भेजी जा सके। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि मलबा निपटान करते समय सभी पर्यावरणीय दिशा-निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए। साथ ही, प्रस्तावित स्थलों पर निवास कर रहे लोगों तथा स्थानीय पर्यावरण पर पड़ने वाले संभावित प्रभावों का भी समुचित आकलन किया जाए, ताकि किसी प्रकार की पर्यावरणीय या सामाजिक समस्या उत्पन्न न हो।बैठक में तहसीलदार सरकाघाट मुनीश कुमार, नायब तहसीलदार ढलवान जगदीश कुमार, नायब तहसीलदार बल्द्वाड़ा रिखी राम, सहायक अभियंता जल शक्ति आशीष देव सहित अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

जो अप्राप्त वस्तु के लिए चिंता नहीं करता और प्राप्त वस्तु के लिए सम रहता है, वह संतुष्ट कहा जा सकता है।

-महोपनिषद

संपादकीय

हिंदू समाज और जनसंख्या वृद्धि

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के क्षेत्र संघचालक डॉ. रमेशचंद्र अग्रवाल ने हिंदू समाज की घटती आबादी को लेकर एक बार फिर चर्चा को गरमा दिया है। उनके अनुसार, एक व्यक्ति के कम से कम तीन संतान होनी चाहिए, और यदि संभव हो तो चार-पांच भी चलेगी। उन्होंने यह मुद्दा उठाया है कि वर्तमान समय में हिंदू समाज की जनसंख्या में गिरावट आ रही है, और यह एक गंभीर चिंता का विषय बन सकता है। आरएसएस के अन्य वरिष्ठ नेताओं ने भी इस विषय पर अपने विचार साझा किए हैं। सर संघ चालक डॉ. मोहन भागवत ने अलग-अलग अवसरों पर वैज्ञानिक दृष्टिकोण से स्पष्ट किया है कि भारत में हिंदू समाज की जनसंख्या लगातार घट रही है। उनका तर्क है कि यह गिरावट लंबे समय में सामाजिक और आर्थिक संरचना पर प्रभाव डाल सकती है। संघ के नेतृत्व ने पहले भी जनसंख्या वृद्धि की आवश्यकता पर जोर दिया था, लेकिन इस बार यह बात और भी स्पष्ट और विवादास्पद हो गई है।

डॉ. अग्रवाल का यह कहना कि प्रत्येक व्यक्ति के तीन से अधिक बच्चे होने चाहिए, कई विशेषज्ञों और समाजशास्त्रियों के लिए चिंता का विषय है। उनका विचार यह है कि जनसंख्या घटने पर समाज में नकारात्मक प्रभाव पड़ सकते हैं। हालांकि, इस दृष्टिकोण को लेकर कई विरोधी भी हैं। उनके तर्क के अनुसार, अगर हर व्यक्ति तीन से अधिक बच्चे पैदा करना शुरू कर देगा, तो देश में संसाधनों की कमी, रोजगार की समस्या और जीवनयापन की कठिनाइयां और गंभीर हो जाएंगी।

वास्तविकता यह है कि जनसंख्या वृद्धि और असंतुलन का मुद्दा केवल हिंदू समाज तक सीमित नहीं है। भारत की कुल जनसंख्या में वृद्धि ने देश को विकास की दिशा में कई जटिलताओं का सामना कराया है। 2025 में भारत की जनसंख्या 1.46 अरब को पार कर गई है, जबकि चीन की आबादी अब 1.41 अरब है। पहले चीन की आबादी भारत से अधिक थी, लेकिन अब भारत दुनिया का सबसे अधिक आबादी वाला देश बन गया है। यह तथ्य अपने आप में कई आर्थिक और सामाजिक प्रश्न खड़े करता है। जनसंख्या वृद्धि का असर अर्थव्यवस्था पर भी पड़ता है। यदि किसी देश की आबादी बहुत तेजी से बढ़ती है, तो रोजगार के अवसर कम पड़ने लगते हैं। रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य और आवास जैसी बुनियादी सुविधाओं पर दबाव बढ़ जाता है। इस स्थिति में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रस्तुत 'विकसित भारत' के सपने को साकार करना चुनौतीपूर्ण हो जाता है। देश की संसाधनों की सीमितता और बढ़ती जनसंख्या के बीच संतुलन बनाए रखना अत्यंत आवश्यक है।

सवाल उठता है कि क्या किसी समुदाय की जनसंख्या बढ़ाने की नीति उचित है? जनसंख्या वृद्धि केवल एक समुदाय तक सीमित रहती है तो इससे सामाजिक असमानता भी बढ़ सकती है। ऐसे में नीति-निर्माताओं और समाज के बुद्धिजीवियों को इस विषय पर खुलकर और वैज्ञानिक दृष्टिकोण से चर्चा करनी चाहिए। केवल जनसंख्या बढ़ाने पर जोर देने की बजाय, यह देखना जरूरी है कि हर नागरिक के लिए जीवन-स्तर, स्वास्थ्य, शिक्षा और रोजगार सुनिश्चित हो।

जनसंख्या वृद्धि के मामले में केवल हिंदू समाज ही नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए संतुलित नीति आवश्यक है। यदि किसी समुदाय की आबादी अत्यधिक बढ़ती है और संसाधनों पर दबाव बढ़ता है, तो इसका प्रभाव पूरे समाज पर पड़ता है। उदाहरण के लिए, पहले चीन ने अपने 'वन बच्चा नीति' से जनसंख्या नियंत्रण की कोशिश की थी। इसके परिणामस्वरूप सामाजिक संरचना में बदलाव आया और वृद्ध जनसंख्या की संख्या बढ़ी। भारत में भी यदि बिना संतुलन के जनसंख्या वृद्धि होती है, तो भविष्य में यही चुनौती उत्पन्न हो सकती है।

ध्यान रखना होगा कि भारत पहले से ही दुनिया के सबसे अधिक जनसंख्या वाले देशों में शामिल है। सरकारी आंकड़े और शोध बताते हैं कि भारत में जनसंख्या वृद्धि दर घट रही है, लेकिन कुल जनसंख्या अभी भी वृद्धि के क्रम में है। इसलिए, केवल किसी समुदाय की आबादी बढ़ाने का आग्रह संतुलित और दीर्घकालिक नीति के बिना जोखिम भरा हो सकता है। इसलिए समाज और सरकार को मिलकर एक संतुलित दृष्टिकोण अपनाना होगा। यह दृष्टिकोण केवल बच्चों की संख्या बढ़ाने तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और सामाजिक सुरक्षा जैसे पहलुओं को भी ध्यान में रखना चाहिए। ■

अनंत ज्ञान दैनिक समाचार पत्र | **आज की प्रमुख हस्ती**

भारत की अंतरिक्ष की पहली महिला

कल्पना चावला (जन्म-17 मार्च 1962, करनाल, हरियाणा; मृत्यु-1 फरवरी 2003) भारतीय अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री और अंतरिक्ष शटल मिशन विशेषज्ञ थीं। वे कोलंबिया अंतरिक्ष शटल आपदा में मारे गए सात दल सदस्यों में से एक थीं और अंतरिक्ष जाने वाली पहली भारतीय महिला थीं। उनके पिता का नाम बनारसी लाल चावला और माता का नाम संज्योती था। वह अपने चार भाई-बहनों में सबसे छोटी थीं।

कल्पना चावला
जन्म : 17 मार्च, 1962
मृत्यु : 1 फरवरी, 2003

कल्पना ने 1976 में करनाल के टैगोर स्कूल से स्नातक किया। 1982 में चंडीगढ़ से एरोनॉटिकल इंजीनियरिंग और 1984 में टेक्सास विवि से एरोस्पेस इंजीनियरिंग में एमए किया। 1988 में कोलोरेडो विवि से उन्होंने डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी की डिग्री प्राप्त की और इसी वर्ष नासा के एम्स रिसर्च सेंटर में काम करना शुरू किया। 1994 में उनका चयन अंतरिक्ष यात्री के रूप में हुआ। उन्होंने फ्रांसीसी व्यक्ति जीन पियर से विवाह किया। कल्पना की पहली उड़ान एस.टी.एस.-87 कोलंबिया शटल से 19 नवंबर से 5 दिसंबर 1997 तक हुई। दूसरी और अंतिम उड़ान 16 जनवरी 2003 को हुई, जिसमें उन्होंने अपने सहयोगियों के साथ लगभग 80 प्रयोग किए। 1 फरवरी 2003 को कोलंबिया शटल दुर्घटना में कल्पना समेत सभी यात्री मारे गए। कल्पना चावला को मरणोपरांत कई सम्मान दिए गए, जिनमें शामिल हैं- कांग्रेशनल अंतरिक्ष पदक। नासा अंतरिक्ष उड़ान पदक, नासा विशिष्ट सेवा पदक, प्रतिरक्षा विशिष्ट सेवा पदक। कल्पना चावला ने न केवल भारतीय महिलाओं के लिए अंतरिक्ष में नया मार्ग खोला, बल्कि उनकी बहादुरी और समर्पण आज भी लोगों के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं। ■

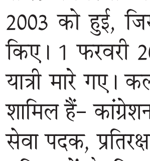

कविता

तन्हाइयां

नमिता शर्मा, शिक्षिका, सेराथाना तहसील, नगरोटा बगवां, जिला कांगड़ा

भीड़ में भी पाती हूं खुद को अकेला
खुद ही खुद में कहीं खोई हूं
बहुत शोर है मेरे आस पास
अपनी ही रूह से दूर हुई हूं
सब हैं आस पास पर चाहूं अब रुकना
अपनी यादों की गलियों में बस अब मैं ढल जाऊं
गुस्सा भी बहुत आता जुबान पर
चोट भी बहुत पहुंचाई है
इस हर तरफ के शोर में बस सुकून तलाशती हूं
दोषी हूं अपनों की ये सब जानूं
चाहती हूं शांति कैसे यह समझाऊं
अब न मानू खुद को दोषी
अब सिर्फ होंगी हर तरफ यादें
और इन्हीं यादों की महफिल में सुकून तलाशती हूं

पाठकों से अनुरोध है कि वे अपनी प्रतिक्रिया, सुझाव, आलेख कविताएं और अपनी बात कॉलम के लिए सामग्री *editoranantgyaan@gmail.com* पर या व्हाट्सऐप नंबर 8894521702 व 8091450407 पर भेज सकते हैं।

रसोई गैस की किल्लत और घर-घर का गृहयुद्ध

राजेंद्र पालमपुरी
वरिष्ठ साहित्यकार, 7018903315

ईरान ने युद्ध क्या छेड़ा हमारे आम घरों में भी गृह युद्ध छिड़ा लगने लगा है।

'जाओ जी सिलेंडर ले आओ पता नहीं कब खत्म हो जाए, यह जो लगा है।' और गैस की सप्लाई आने से पूर्व ही घरों के मर्द अपना अपना बोरिया बिस्तर संभालकर सिलेंडर कंधे पर उठाए हुए निकल पड़ते हैं अपनी मंजिल की तरफ जिसका कोई ठौर ठिकाना नहीं होता।

शासन प्रशासन की मानें तो देशभर में ईंधन की कोई कमी नहीं है। यह सुनते ही भारतभर की गृहणियों का बैठा जाता 'जी' कुछ संभल पाया, क्योंकि गैस सिलेंडर न मिलने की स्थिति में वह रसोई कैसे बना पाएंगी सोचने भर से ही रूह कांप जाती महिलाओं की, लेकिन धन्य थीं वह गृहणियां जिन्होंने ताउम्र घर का चूल्हा तीन तीन वक्त लकड़ियों से जलाया।

और उस पर घर के बारह चौदह सदस्यों का खाना बनाया। बुझते हुए चूल्हे में लकड़ी या लोहे की धौंकनी से फूंक मार मारकर चूल्हा जलाने का कौशल तो कोई उनसे सीखता। चूल्हे के धुएं से आंखों में मोटी धार का बहना तो आम बात थी, लेकिन फिर भी घर की रसोई में स्वाद या जायका न हो ऐसा कभी हो ही न सका।और यहां देखिए जरा सी ईंधन की किलत क्या हुई गृहणियों की जान पर बन आई है। सौ सौ बददुआएं और न जाने क्या क्या न कहने लगी हैं वह गैस एजेंसी वालों को। अब तो यहां तक भी सुनने को मिलने लगा था कि 'चाहे जितनी भी कीमत ले लो बस सिलेंडर दे दो।' इन्हें क्या पड़ी है कितने का भी हो जाए सिलेंडर पैसा तो मर्द ही को भरना है न। हां व्यावसायिक और नौकरी पेशा गृहणियों की बात तो कुछ और है। जंग विभिन्न देशों के साथ साथ ही इन दिनों हर घर में भी जारी है । मैंने देखा है कई घरों में ईंधन के लिए गृह युद्ध होते हुए। यहां यह बात भी उभर कर सामने आती है कि सच में ही यदि रसोई गैस मिलना बंद हो जाए तो हमारी गृहणियों का क्या होगा। मतलब वह अपनी रसोई कैसे संभाल पाएंगी। दूसरी तरफ देखें तो ईंधन सप्लाई करने वाली गैस एजेंसी में काम करते पांचवीं पास पढ़े लिखे लोगों के कंधे उसी दिन से उचके पड़े हैं जिस दिन से ईंधन की कमी की बात उजागर हुई है। वह अपने मोबाइल पर इतने व्यस्त दिखाई दे रहे हैं जैसे पूरे देश के ईंधन की जिम्मेदारी इन्हीं के कंधों पर है।

ईंधन से भरा सिलेंडर देने की बात पर वह कहते 'ओटीपी' आया है क्या? कुछ लोग कहते 'हां आया है' वह फिर पूछते 'आज का है क्या' हां 'टुडे का है' कहां है टुडे। वह मोबाइल देखते मैसेज में टुडे उनसे शायद इंग्लिश में पढ़ा नहीं जाता। और सिलेंडर लेने आए लोगों के मुंह लटक जाते। वे महिलाएं

जो पहले सिलेंडर लेने आती थीं और जिनका मिजाज और अंदाज पहले सातवें आसमान पर होता था अब खिसियानी बिल्ली की तरह नजर आता। वह बार बार फरियाद मनुहार लगाए रहतीं, दे दो न भैया कल से खत्म हुआ पड़ा है सिलेंडर। वह इतना निवेदन करतीं ईंधन सप्लाई करने वाले लोगों से कि यमराज भी उनकी प्रार्थना सुन ले, लेकिन मूए गैस एजेंसी वाले हैं कि इनके कान पर जूं तक नहीं रेंगती और उनका वजन आज गैस सिलेंडर से भी दस गुणा ज्यादा लगता। खैर जो भी हो हम आते हैं रसोई गैस की कमी की ओर। हम सोचते और देखते भालते कुछ भी नहीं बस सुनी सुनाई बात को हवा देते हैं और उसे खूब चूना मलाई लगाकर अफवाहें लोगों में परोस देते हैं फिर नतीजा हम सबके सामने ही होता है। बेवजह अच्छी भली किसी चीज की कीमत को आसमान की ऊंचाइयों तक पहुंचाना हमारी फितरत में शामिल है। और यह सब सिर्फ चंद गिनी चुनी महिलाएं ही नहीं हम मर्दों में भी यह आदत अब आम हो गई है। इधर की उधर करने में हम पुरुष भी कुछ कम नहीं रह गए हैं। और यही वजह है कि अच्छे भले और सही समय पर आसानी से मिल रही रसोई गैस को हमने सिर पर उठा लिया। फिर उसका खामियाजा हमारे सामने है। जिनके भी घर में भला चंगा रसोई सिलेंडर अगले महीनाभर चलने वाला था उन्होंने भी अपने दूसरे सिलेंडर की आज ही रिफिल करवाने की कसम खा ली, लेकिन आखिर सच्चा तो वह भी है ही न, क्योंकि उसने भी ईरान में लगे युद्ध को रसोई गैस में लगने वाला युद्ध जो समझ लिया है। आज मिले कल न मिली रसोई गैस तो क्या होगा मर जाएंगे न बनी बनाई रोटी के बिना, लेकिन अगर सच में कुछ ऐसा ही हो जाए कि रसोई गैस मिलना ही बंद हो जाए तो सोचिए हमारे घर की आम गृहणी का क्या होगा। या फिर हमारा हम सबका क्या होगा।

आज हम सब उस स्थिति में आ चुके हैं कि न घर के रहे हैं न घाट के, क्योंकि जबसे हमने सुख सुविधाओं की डोर अपने हाथों में दे रखी है तभी से हम सब निकम्मे और आलसी हो गए हैं। आज के दौर में वैसे तो गृहणियां चूल्हा जला पाने की स्थिति में ही नहीं हैं, किंतु फिर भी मान लिया जाए और ऐसा ही कुछ संभव भी हो जाए कि बाजार हाट में रसोई हेतु ईंधन मिल भी जाए तो क्या हम इतने क्रियाशील हैं कि हम अपनी रसोई आराम से बना खा पाएंगे?

संभवत: हमारा जबाव कुछ ऐसा भी होगा कि हम बिजली इस्तेमाल में ला सकते हैं। इंडक्शन और हीटर हमारे पास हैं, लेकिन क्या ऐसा भी हर घर के लिए संभव हो सकता है इसके लिए हमारे पास यही हल रह जाता है कि हम हर चीज का सही इस्तेमाल करने की आदत डालें। भले ही चाहे वह पानी बिजली हो या फिर रसोई गैस। हम सबको इन सभी जरूरत की वस्तुओं को आवश्यकतानुसार ही खर्च और इस्तेमाल करने पर ध्यान देना होगा। वरना गृहणियां तैयार रहें चूल्हा जलाने के लिए और मर्द कमर कस लें रसोई गैस सिलेंडर का सिर पर बोझा उठाने के लिए।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

पर्यावरण संरक्षण की दुहाई देने वाले आखिर कहां हैं ?

डॉ. दमन आहूजा
लेखक राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम के रिसोर्स पर्सन हैं

पिछले 16 दिन से ईरान पर हमले करते बिग बॉस अमेरिका और इसराइल के बारूद एवं तेल के जहाजों पर मिसाइल अटैक से उत्पादित कार्बन से अब ईरान में एसिड की बारिश तक होने लगी है। नागरिकों को सांस लेने की दिक्कत, सिरदर्द, खांसी व सोचने समझने की शक्ति पर असर होने लगा है।

एक अनुमान के अनुसार अभी गजा के युद्ध से उत्पन्न कार्बनडाइऑक्साइड की मात्रा एक साल में 76 लाख कारों से निकलने वाले धुएं के बराबर थी थमी भी नहीं थी कि ईरान पर ये युद्ध शुरू कर दिया गया। खैर छोटे बच्चों, बुजुर्गों एवं महिलाओं पर होने वाले असर की चिंता तो छोड़ ही दीजिए, पेड़-पौधों, वनस्पतियों, वन्य जीवों एवं जैव विविधता के बैगर हम जीने की सोच भी रहे हों तो ये भारी भूल होगी। पर्यावरण को संरक्षित करने के लिए बनी हुई विश्व समितियां जो कल तक एसडीजी (सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल्स) 13 - 14 एवं 15 की दुहाई देती हुई विकासशील देशों को कठघरे में खड़ी करती थीं आज सभी चुप हैं। दो विकसित देशों द्वारा पूरे विश्व पर पर्यावरणीय भोकाल थोपने पर कोई कारवाही नहीं की जा रही है । संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (NEP), वर्ल्ड वाइड फंड फॉर नेचर (WWF), और IPCC जैसे प्रमुख अंतरराष्ट्रीय संगठन जलवायु परिवर्तन, जैव विविधता संरक्षण, प्रदूषण नियंत्रण और सतत विकास के लिए काम कर रही थीं । ये संस्थाएं नीतियां बनाने, शोध करने, वन्यजीवों की रक्षा और प्लास्टिक प्रदूषण को कम करने हेतु वैश्विक स्तर पर सक्रिय थीं।

समय समय पर वैश्विक सम्मेलन करना, दिशा-निर्देश देना एवं उनकी अनुपालना की देखरेख करते हुए विश्व

स्तर पर ओजोन लेयर में छेद से अल्ट्रावायलेट किरणों से मनुष्य जाति के भयंकर नुकसान की बात कर के पूरे विश्व में जागरूकता फैलाना इनका मुख्य कार्य था। आज दो नहीं, बल्कि चार विकसित देशों के द्वारा इनके इन सारी गाइडलाइंस की धज्जियां उड़ा दी गई हैं, लेकिन इनकी तरफ से कोई उफ तक नहीं कर रहा है।

संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम 1972 में स्थापित, यह वैश्विक पर्यावरण एजेंडा तय करता है और 'मेकिंग पीस विद नेचर' जैसी रिपोर्ट जारी करता है। वर्ल्ड वाइड फंड फॉर नेचर यह दुनिया की सबसे बड़ी संरक्षण संस्था है, जो लगभग 100 देशों में जैव विविधता और वन्यजीवों के संरक्षण पर कार्य करती है।

इंटरगवर्नमेंटल पैनल ऑन क्लाइमेट चेंज (IPCC) जलवायु परिवर्तन के विज्ञान का आकलन करता है और वैश्विक तापमान वृद्धि पर रिपोर्ट देता है। इंटरनेशनल यूनियन फॉर कंजर्वेशन ऑफ नेचर (IUCN), ग्रीनपीस और ओशियाना जैसी संस्थाएं प्रजातियों, महासागरों और प्राकृतिक आवासों के संरक्षण के लिए काम करती हैं और सतत विकास लक्ष्यों (SDG 13, 14, 15) के तहत सरकारों के साथ जुड़ी हैं, लेकिन यूक्रेन-रूस युद्ध और मध्यपूर्व संघर्ष ने गंभीर पर्यावरणीय नुकसान पहुंचाया है। ब्लैक सी में लगभग 50,000 डॉल्फिन मरे, गाजा में भूमि का उत्पादन वर्षों तक प्रभावित होगा, और पर्शियन गल्फ एवं श्रीलंका के पास तेल रिसाव ने समुद्री जीवन को बर्बाद किया। हजारों कछुए और अन्य जीव जंतु मृत हुए।

ये प्रभाव केवल प्रभावित देशों तक सीमित नहीं हैं। वातावरण और जलवायु पर पड़ने वाले असर—एसिड बारिश, तूफान, बर्फबारी, बाढ़ और ज्वालामुखी गतिविधि- विश्व स्तर पर महसूस होंगे। यदि विकसित देश और पर्यावरण संस्थाएं समय रहते नहीं जागीं, तो यह संकट व्यापक और असाध्य हो सकता है, जैसा कि भारत के प्रधानमंत्री ने चेतावनी दी है- 'यह युद्ध हम सबको प्रभावित करेगा।'

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

संत शिरोमणि गुरु श्री रविदास जी का 650वां प्राकट्य वर्ष

प्रताप समयाल
स्वतंत्र लेखक, शिमला

भारत भूमि सदैव ऋषि, मुनियों, साधु-संतों एवं समाज सुधारकों से परिपूर्ण रही है। समय समय पर यहां महान विभूतियों ने समाज कल्याण में अपना श्रेष्ठ योगदान दिया है। इसी श्रृंखला में एक ऐसे संत शिरोमणि हुए जिन्होंने अपना जीवन समाज को एकता, समरसता के सूत्र में पिरोने में लगा दिया।

ऐसे संत शिरोमणि सद्गुरु रविदास जी के 650वें प्राकट्य वर्ष के अवसर पर हम उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित करते हैं। हमारी श्रेष्ठ संत परंपरा ईश्वर की भारत को एक विशिष्ट देन है। इस महान संत ने जहां समाज में ईश्वर की उपासना और भक्ति भाव का जागरण किया, वहीं सामाजिक कुरीतियां और भेदभाव का उन्मूलन करते हुए समरस समाज के सुदृढ़ीकरण के प्रयास किए। साथ ही उन्होंने विदेशी शासकों के अत्याचारों के विरुद्ध संघर्ष के लिए समाज को जागृत किया है। संत रविदास (जिन्हें रैदास, गुरु रविदास भी कहा जाता है) 15वीं-16वीं सदी के भक्तिकाल के कवि-संत, समाज-सुधारक और आध्यात्मिक गुरु थे। उनका जन्म वाराणसी के पास सीर गोवर्धनपुर (अब श्री गुरु रविदास जन्मस्थान मंदिर) में पिता संतोख दास, माता कलसां देवी के परिवार में हुआ।

भक्ति और दर्शन : निर्गुण भक्ति के पक्षधर, ईश्वर में सीधा प्रेम, बाहरी कर्मकांड से ज्यादा मन की शुद्धि को महत्व। उनका प्रसिद्ध दोहा: 'मन चंगा तो कठौती में गंगा' (यदि मन शुद्ध है तो बर्तन का पानी भी गंगा के समान)।

सामाजिक संदेश : जात-पात, छूत-अछूत का कड़ा विरोध। सभी इंसानों को बराबर माना, एक ऐसे समाज की कल्पना की जिसे उन्होंने बेगमपुरा कहा जहां दु:ख, भय, और जातिभेद न हो।

शिक्षा-प्रभाव : गुरु रविदास को मीरा बाई का गुरु माना जाता है; परंपराएं उन्हें कबीर के समकालीन और रामानंद के शिष्य भी बताती हैं। इस महान संत परंपरा में संत श्री

रविदास जी का विशिष्ट स्थान है। उनका कर्मशील जीवन और कार्य हम सबके लिए प्रेरणास्त्रोत है। गृहस्थ होते हुए भी सांसारिक बातों से अलिप्त रहकर साधु-संतों के प्रति श्रद्धा और दीन-हीनों के प्रति सेवा उनका सहज स्वभाव था, जो आध्यात्मिक दृष्टि से परिपूर्ण था। उन्होंने अपने जीवन से समाज में श्रम की प्रतिष्ठा और शुद्ध, सात्विक एवं पारदर्शी आचरण की महत्ता पुनर्स्थापित की। संत रविदास भक्ति की भाव-धारा के महान संत थे, जिन्होंने समाज में एक नई चेतना प्रवाहित की। उन्होंने जन्म के आधार पर ऊंच-नीच के भेद को नकारते हुए आचरण को ही श्रेष्ठता की कसौटी माना। रूढ़ियों और कुरीतियों से समाज की मुक्ति तथा कालबाह्य परंपराओं को त्यागने और काल सुसंगत सामाजिक परिवर्तनों को अंगीकार करने हेतु समाज का मानस बनाने में उनकी ऐतिहासिक भूमिका रही है। उनके विचारों का महत्व समझकर श्री गुरुग्रंथ साहिब में उनकी 41 वाणियों को 'शबद' रूप में समाहित किया गया है। सामान्य पारिवारिक पृष्ठभूमि से आने वाले संत रविदास का ईश्वर-भक्ति, सेवा भाव तथा समाज के प्रति निश्छल प्रेम के कारण काशी के विद्वत्जनों सहित समाज के सभी वर्गों ने उनकी महानता को स्वीकृत किया। काशी नरेश, झाली रानी तथा मीराबाई जैसे राजपरिवारों के सदस्यों ने भी उनको अपना गुरु माना। गुरु और शिष्य के रूप में रविदास जी और मीराबाई का नाता निर्गुण और सगुण भक्ति धाराओं का मिलन है तथा जातिभेद मानने वालों के लिए अनुकरणीय सीख।

मुस्लिम आक्रमणकारियों के आतंक के उस कठिन काल में भक्ति की निर्मल धारा को प्रवाहित करते हुए संत रविदास ने धर्म की श्रेष्ठता की उद्घोषणा की और लोगों से धर्मपालन का आग्रह किया। सद्गुरु संत श्री रविदास जी को मतांतरित कर मुस्लिम बनाने के अनेक प्रयास हुए, किंतु उनकी भक्ति और आध्यात्मिक साधना से प्रभावित होकर उन्हें मतांतरित करने वाले ही उनके अनुयायी बन गए। वर्तमान समय में जब विविध विभाजनकारी शक्तियां जन-मानस को वर्ग और जाति के आधार पर बांटने का प्रयास कर रही हैं, तब संत रविदास के जीवन-संदेश को समझकर समाज की एकता और समरसता के लिए कार्य करने का संकल्प लेना चाहिए।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

हिमाचल का पर्यटन विकास : तीन जिलों की चमक, बाकी अंधेरा

डॉ. मयंक राणा
सहायक प्राध्यापक, शहीद कै. विक्रम बत्तरा कॉलेज, पालमपुर

जिसे प्रकृति ने अपनी खूबसूरती से नवाजा है और जिसे देवभूमि के नाम से जाना जाता है वह हिमाचल प्रदेश दशकों से देश-विदेश के पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र रहा है। बर्फ से ढके पहाड़ बहती नदियां घने जंगल और शांत वादियां हर किसी को अपनी ओर खींचती हैं, लेकिन इस खूबसूरत तस्वीर के पीछे एक कड़वा सच भी छिपा है।

दो वर्ष पहले महाराजा अग्रसेन विश्वविद्यालय सोलन में शोध के दौरान शोधकर्ता के रूप में मुझे एक व्यापक डॉक्टरेट अध्ययन को प्रस्तुत करने का अवसर मिला, जिसमें हिमाचल प्रदेश के पर्यटन विकास की असली तस्वीर पेश करते हुए कई चौंकाने वाले तथ्य उजागर हुए। 'ग्रोथ एंड डेवलपमेंट ऑफ टूरिज्म इन हिमाचल प्रदेश एन एनालिसिस' शीर्षक वाले इस शोध में पिछले दो दशकों के पर्यटन विकास की पड़ताल की गई । इस लेख में इस शोध की तुलना वर्तमान परिस्थितियों के संबंध में की गई है।

तीन जिलों का दबदबा, बाकी उपेक्षित : अध्ययन के अनुसार, पर्यटन अवसंरचना और पर्यटकों का आगमन मुख्यत: कुल्लू, शिमला और कांगड़ा में केंद्रित है। 2019 में कुल्लू में 1012, कांगड़ा में 729 और शिमला में 509 होटल दर्ज हुए।

इसके विपरीत हमीरपुर, ऊना, किन्नौर और लाहौल-स्पीति जैसे जिले संभावनाओं के बावजूद सुविधाओं की कमी और कमजोर कनेक्टिविटी के कारण पर्यटन विकास में पीछे हैं।

पर्यटन और अर्थव्यवस्था का गणित : अध्ययन बताता है कि पर्यटन और आर्थिक विकास के बीच गहरा संबंध है। हर नया होटल या रेस्टोरेंट राज्य के जीएसडीपी में योगदान देता है, लेकिन जब पर्यटन गतिविधियां केवल कुल्लू, शिमला और कांगड़ा तक सीमित रहती हैं, तो क्षेत्रीय असमानता बढ़ती है। 2024 में हमीरपुर में विदेशी पर्यटक केवल 2 और बिलासपुर में शून्य दर्ज होना इसी असंतुलन को दर्शाता है।

होमस्टे योजना : आंशिक सफलता :

हिमाचल प्रदेश की होमस्टे योजना (2008) ने पर्यटन को बढ़ावा दिया। 2012 में 522 होमस्टे से बढ़कर 2019 में यह संख्या 2189 हो गई, परंतु लाभ मुख्यत: कुल्लू, शिमला और कांगड़ा को मिला। कुल्लू में 26.40% होमस्टे रहे, जबकि हमीरपुर का हिस्सा मात्र 0.31% था। हालांकि लाहौल-स्पीति ने 13.39% हिस्सेदारी के साथ उल्लेखनीय प्रदर्शन किया।

हितधारकों की आवाज : उत्साह और चिंता : 308 हितधारकों के सर्वे में पर्यटन को लेकर उत्साह दिखा। 96.8% लोगों ने माना कि पर्यटन स्थानीय समाज को लाभ देता है। लेकिन लगभग एक-तिहाई ने अपर्याप्त बुनियादी ढांचे के कारण विकास पर असंतोष जताया, जबकि 40% ने बढ़ते पर्यटक दबाव से स्थानीय संसाधनों के ह्रास पर चिंता व्यक्त की।

कोविड के बाद की चुनौतियां : 2018 के बाद की घटनाओं ने पर्यटन असमानता को उजागर किया। कोविड-19 और 2023-25 की प्राकृतिक आपदाओं ने क्षेत्र को झकझोर दिया; 2025 में कमरे का अधिभोग 10.20% तक गिरा। इस दौरान कांगड़ा उभरा और एशियाई विकास बैंक के 16 करोड़ रुपए निवेश से इसे पर्यटन राजधानी बनाने की योजनाएं शुरू हुईं।

सरकार की पहल और संतुलित विकास की आवश्यकता : हिमाचल प्रदेश सरकार ने सीमा पर्यटन, 77 नए ईको-टूरिज्म स्थल और पौंग बांध झील के पक्षी दर्शन जैसी पहलें की हैं। प्रस्तावित 'शी ट्रेवल पॉलिसी 2026' महिला सुरक्षा और सुविधाओं पर केंद्रित है, लेकिन मुख्य चुनौती क्षेत्रीय असमानता है। दूरस्थ जिलों में सड़क, हवाई और डिजिटल कनेक्टिविटी बढ़ाना तथा होमस्टे योजनाओं को प्रोत्साहित करना जरूरी है, ताकि पर्यटन का लाभ पूरे प्रदेश तक पहुंचे।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

अनंत ज्ञान

प्रकाशक, मुद्रक एवं मुख्य संपादक डॉ. दिलीप धाकड़ द्वारा फोकस हिमाचल मीडिया प्रा. लि. के लिए बायोसर्ट इंटरनेशनल प्रा. लि. प्लॉट नंबर 8, फेज-2 इंडस्ट्रियल एरिया, नगरोटा बगवां, जिला कांगड़ा (हि.प्र.), पिन नंबर-176047 से मुद्रित एवं प्रकाशित। समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन के लिए पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।

आरएनआई संदर्भ संख्या-HPHIN/25/A0284
ई-मेल : anantgyaanmedia@gmail.com
फोन नंबर : 01892-299098

न्यूज ब्रीफ

दिवाली के बाद जाजर कुकैण में नहीं पहुंची गैस

अनंत ज्ञान, सरकाघाट। उपमंडल सरकाघाट की ग्राम पंचायत चौक ब्रारता के अंतर्गत गांव जाजर कुकैण में दिवाली के बाद से घरेलू गैस की सप्लाई नहीं मिलने से ग्रामीणों में भारी रोष व्याप्त है। गांव के उपभोक्ताओं का कहना है कि त्योहार के समय मिली गैस के बाद आज तक गांव में गैस की गाड़ी नहीं पहुंची, जिससे लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों हेम सिंह, गांधी राम, कौरां देवी, प्रताप सिंह और रतन चंद सहित अन्य लोगों ने बताया कि गैस की नियमित सप्लाई न होने से उन्हें मजबूरन लकड़ी और अन्य वैकल्पिक साधनों से खाना बनाना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि इस समस्या को लेकर कई बार संबंधित गैस एजेंसी और प्रशासन को अवगत करवाया जा चुका है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। ग्रामीणों का कहना है कि अगर जल्द ही जाजर कुकैण गांव में घरेलू गैस की सप्लाई बहाल नहीं की गई तो वे मजबूर होकर धरना-प्रदर्शन करने को बाध्य होंगे, जिसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

न्यू क्रिसेंट के दो बच्चे सैनिक स्कूल में चयनित

अनंत ज्ञान, जोगिंद्रनगर। न्यू क्रिसेंट सीनियर सेकेंडरी पब्लिक स्कूल जोगिंद्रनगर के दो विद्यार्थियों ने सैनिक स्कूल की प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण कर

विद्यालय और क्षेत्र का नाम रोशन किया है। विद्यालय के छात्र विक्रमादित्य (पुत्र महेंद्र सिंह व सोनू ठाकुर) और अंशुमन (पुत्री हरिश चंद व मंजू कुमारी) का सैनिक स्कूल के लिए चयन हुआ है। दोनों विद्यार्थियों ने कड़ी मेहनत और लगन के बल पर परीक्षा सफलतापूर्वक पास कर अपने माता-पिता, विद्यालय और क्षेत्र को गौरवान्वित किया है। स्कूल की प्रधानाचार्या शशिकिरण ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह विद्यालय के लिए गर्व का विषय है। इस अवसर पर स्कूल निदेशक विजय शर्मा और प्रधानाचार्या ने दोनों विद्यार्थियों व उनके अभिभावकों को बधाई दी।

भाजपा नेताओं ने गिनाई सरकार की विफलताएं

अनंत ज्ञान, सरकाघाट। लोक निर्माण विभाग विश्राम गृह सरकाघाट में भाजपा पूर्व कर्मचारी प्रकोष्ठ मंडल सरकाघाट और मंडल बलद्वाड़ा की संयुक्त बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिला संयोजक चमन लाल शर्मा ने की। इसमें सरकाघाट विधानसभा के विधायक दिलीप ठाकुर और मंडलाध्यक्ष पवन ठाकुर विशेष रूप से उपस्थित रहे। बैठक में दोनों मंडलों के करीब पांच दर्जन पूर्व कर्मचारियों ने भाग लिया। विधायक दिलीप ठाकुर ने प्रदेश की कांग्रेस सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि सरकार जनता को गुमराह कर रही है और प्रदेश में अधिकांश विकास कार्य ठप पड़े हैं। उन्होंने कहा कि जो विकास कार्य चल रहे हैं, वे केंद्र सरकार की योजनाओं के तहत ही पूरे हो रहे हैं। जिला संयोजक चमन लाल शर्मा ने कर्मचारियों के डीए और एरियर फ्रीज करने के फैसले पर भी सरकार की आलोचना की।

गोवंश को चिप लगाने का किया स्वागत

अनंत ज्ञान, मंडी। हिमाचल किसान यूनियन के प्रदेशाध्यक्ष एवं भारतीय जीव जंतु कल्याण बोर्ड से मनोनीत भारतीय जीव जंतु कल्याण प्रतिनिधि डॉ. सीता राम वर्मा ने कृषि एवं पशुपालन मंत्री प्रो. चंद्र कुमार की उस घोषणा का स्वागत किया है कि अब प्रदेश के बेसहारा गोवंश को माइक्रो चिप लगाई जाएगी। डॉ. वर्मा का मानना है कि स्वार्थी पशुपालक गाय के टैग को निकाल कर बेसहारा छोड़ देते थे। टैग के स्थान पर माइक्रोचिप लगाने की व्यवस्था की जाएगी जिससे बेसहारा गोवंश को नियंत्रित किया जाएगा। यह चिप पशु की चमड़ी में स्थापित की जाएगी। सीता राम वर्मा ने बताया कि पशु अत्याचार निवारण समिति मंडी कई वर्षों से चिप लगाने की मांग कर रही थी जिसे प्रदेश सरकार ने अब स्वीकार कर लिया है।

पुरानी सड़कों को लोनिवि को सौंपने की मांग

अनंत ज्ञान, सरकाघाट। धाड़ता क्षेत्र से संबंध रखने वाले सामाजिक कार्यकर्ता और सरकाघाट विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी रमेश चंद भारद्वाज ने सोमवार को अतिरिक्त उपायुक्त मंडी के माध्यम से केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी को ज्ञापन भेजा। उन्होंने मांग की कि राष्ट्रीय उच्च मार्ग संख्या-3 के निर्माण के दौरान जहां-जहां बायपास बने हैं और जहां पुरानी सड़कें छूट गई हैं, उन्हें जल्द लोक निर्माण विभाग को मुरम्मत के लिए सौंपा जाए। उन्होंने बताया कि इन सड़कों की करीब पांच वर्षों से मरम्मत नहीं हुई है, जिससे क्षेत्र के लोगों को भारी परेशानी झेलनी पड़ रही है और निजी वाहनों व परिवहन निगम की बसों को भी नुकसान हो रहा है। उन्होंने मसेरन निवासी ब्यासा देवी के साथ हाल ही में हुए हादसे का भी उल्लेख किया। स्थानीय लोगों ने लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह से भी जल्द मरम्मत करवाने की मांग की है।

झूला मैदान की नीलामी टली, अब 18 को

अनंत ज्ञान, जोगिंद्रनगर। राज्य स्तरीय लघु शिवरात्रि मेला जोगिंद्रनगर के तहत झूला मैदान की नीलामी निर्धारित तिथि पर नहीं हो सकी। सोमवार को किसी भी व्यापारी द्वारा टेंडर आवेदन जमा नहीं करवाया गया, जिसके चलते प्रशासन को नीलामी प्रक्रिया की तिथि आगे बढ़ानी पड़ी। अब यह प्रक्रिया 18 मार्च को आयोजित की जाएगी। एसडीएम एवं मेला अध्यक्ष मनीश चौधरी ने बताया कि इच्छुक व्यापारी 18 मार्च को सुबह 11 बजे तक एसडीएम कार्यालय से टेंडर फार्म प्राप्त कर सकते हैं और दोपहर 12 बजे तक भरे हुए टेंडर जमा करवा सकते हैं। प्राप्त टेंडरों को उसी दिन शाम 3 बजे प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी में खोला जाएगा।

नलवाड़ मेला व्यवस्थाओं के लिए निविदा प्रक्रिया अब एक दिन बाद होगी आयोजित

अनंत ज्ञान, सरकाघाट। एसडीएम (अध्यक्ष), नलवाड़ एवं देवता मेला समिति धर्मपुर ने जानकारी देते हुए बताया कि नलवाड़ एवं देवता मेला धर्मपुर के आयोजन के लिए डोम, झूला, ऑर्केस्ट्रा, लाइट/टेंट, साउंड आदि व्यवस्थाओं हेतु आयोजित की जाने वाली निविदाएं (टेंडर)/खुली बोली, जो पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 19 मार्च 2026 को रखी जानी थी, उसे प्रशासनिक कारणों के चलते अब 20 मार्च को आयोजित किया जाएगा। मेला समिति ने सभी संबंधित ठेकेदारों और इच्छुक व्यक्तियों से अनुरोध किया है कि वे नई निर्धारित तिथि के अनुसार उपस्थित होकर निविदा प्रक्रिया में भाग लें।

मझारनू क्षेत्र में तूफान से खेतों में बिछी गेहूं की फसल

किसानों ने प्रशासन से नुकसान का आकलन और मुआवजे की मांग की

अनंत ज्ञान

जोगिंद्रनगर। उपमंडल जोगिंद्रनगर के मझारनू क्षेत्र में रविवार रात आए तेज तूफान के कारण गेहूं की खड़ी फसल को भारी नुकसान पहुंचा है। तेज हवा के झोंकों से खेतों में लहलहा रही गेहूं की फसल जमीन पर ही लेट गई, जिससे किसानों की मेहनत पर पानी फिरता नजर आ रहा है। स्थानीय किसानों ने बताया कि पिछले कई महीनों से कड़ी मेहनत के बाद तैयार हुई गेहूं की फसल को अचानक आए तेज तूफान ने खेतों में ही गिरा दिया। फसल के गिर जाने से उत्पादन प्रभावित होने की आशंका है और किसानों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है। कई खेतों में गेहूं पूरी तरह जमीन पर बिछ गई है, जिससे किसानों में चिंता का माहौल बना हुआ है। इसके अलावा क्षेत्र में की जा रही सब्जियों की खेती की हालत भी खराब हो गई है। तेज हवाओं और बारिश के कारण कई जगहों पर सब्जियों की फसल को भी नुकसान पहुंचा है, जिससे किसानों की मुश्किलें और बढ़ गई हैं। स्थानीय किसानों ने प्रशासन से क्षेत्र में हुए नुकसान का आकलन करवाने और प्रभावित किसानों को उचित मुआवजा देने की मांग की है। किसानों का कहना है कि प्राकृतिक आपदा के कारण हुए इस नुकसान की भरपाई के लिए सरकार को उनकी सहायता करनी चाहिए।

तूफान से खेतों में बिछी गेहूं की फसल। अनंत ज्ञान

बारिश के कारण गेहूं के खेतों में भरा पानी

अनंत ज्ञान, भीम बसेडू राजपूत, महादेव। रविवार और सोमवार को हुई लगातार बारिश ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। वहीं, गेहूं के खेत भी जलभराव से प्रभावित हुए हैं। कीरतपुर-मनाली फोरलेन का एक बड़ा हिस्सा, जिसका निर्माण कई तकनीकी खामियों के चलते अभी तक अधूरा है, बारिश के पानी से भर गया है। इस वजह से फोरलेन का यह अहम हिस्सा सत्यानाश के कगार पर है। विशेषज्ञों के अनुसार, अगर जल्द सुधार कार्य नहीं किए गए, तो सड़क की स्थिति गड्ढों से भरी हुई राह जैसी हो सकती है। बुद्धिजीवियों ने भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण और मंडी की सांसद कंगना रनौत से आग्रह किया है कि अधूरे पड़े फोरलेन निर्माण कार्यों को शीघ्र पूर्ण किया जाए, ताकि आम जनता को होने वाली समस्याओं से निजात मिल सके।

बारिश और हिमपात से किसानों के चेहरे खिले

रूपी ठाकुर, अनंत ज्ञान, बरोट। चौहार घाटी और छोटाभंगाल घाटी में हुई बारिश और हिमपात से किसानों के चेहरे खिल उठे हैं।

लंबे समय से सूखे की मार झेल रही जौ, सरसों, लहसुन, प्याज और मटर की फसलों को इस बारिश से संजीवनी मिली है। ऊंची पर्वतमालाओं में थमसर जोत, ढूंढणी धार, लाघा जोत और टीकागढ़ में 15 मार्च से हिमपात का सिलसिला जारी है। छोटाभंगाल घाटी के कई गांवों में आधा इंच से पौना फुट तक हिमपात हुआ, जबकि चौहार घाटी में हल्का हिमपात दर्ज किया गया। बारिश और बर्फबारी के कारण दुर्गम गांवों और निचले क्षेत्रों में ठंड का प्रकोप बढ़ गया, जिससे अधिकांश लोग अपने घरों में ही रुके रहे।

बर्फबारी से गुराहला सड़क मार्ग बाधित

अनंत ज्ञान, बरोट। सोमवार को हुई बारिश और बर्फबारी के कारण चौहार और छोटाभंगाल घाटी को जोड़ने वाला मार्ग गुराहला में भारी ल्हासा गिरने से दलदल में तब्दील हो गया। छोटे वाहन जोखिम लेकर गुजरते रहे, लेकिन बड़े वाहनों की आवाजाही लगभग बंद रही। परिणामस्वरूप बरोट और मुल्थान तक बसें केवल ल्हासे तक ही चल सकीं, यात्रियों को छोटी गाड़ियों में अतिरिक्त किराया देकर सफर करना पड़ा। स्थानीय लोगों ने घाटियों में सिविल अस्पताल खोलने की मांग फिर उठाई। धरमान पंचायत के प्रधान संजय ठाकुर और बरोट पंचायत के पूर्व प्रधान सुभाष ठाकुर ने कहा कि बड़े अस्पताल न होने से लोगों को 40-60 किलोमीटर दूर इलाज के लिए जाना पड़ता है। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग और क्षेत्रीय विधायकों से अस्पताल स्थापना की अपील की।

जोगिंद्रनगर सहकारी विपणन संघ के चुनाव के लिए 19 तक करें नामांकन

अनंत ज्ञान

- 5 जोन से चुने जाएंगे सदस्य
- 16 अप्रैल को होगा मतदान

अभिषेक शर्मा, जोगिंद्रनगर। जोगिंद्रनगर उप-मंडलीय सहकारी विपणन एवं उपभोक्ता संघ समिति के चुनाव को लेकर अधिसूचना जारी कर दी गई है। निर्वाचन अधिकारी द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार समिति के चुनाव के लिए पांच जोन निर्धारित किए गए हैं और प्रत्येक जोन से एक-एक सदस्य का चुनाव किया जाएगा। चुनाव प्रक्रिया को पारदर्शी और नियमों के अनुरूप संपन्न कराने के लिए पूरा कार्यक्रम भी घोषित कर दिया गया है। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार मतदान 16 अप्रैल को सुबह 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक संघ मुख्यालय स्थित कार्यालय में कराया जाएगा। मतदान की प्रक्रिया समाप्त होने के बाद उसी दिन मतगणना की जाएगी और चुनाव परिणाम भी घोषित कर दिए जाएंगे।

चुनाव प्रक्रिया के तहत नामांकन पत्र भरने की प्रक्रिया 17 से 19 मार्च तक चलेगी। इन तीन दिनों में इच्छुक उम्मीदवार सुबह 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक अपने नामांकन पत्र दाखिल कर सकेंगे। इसके बाद 23 मार्च को सुबह 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक नामांकन पत्रों की जांच की जाएगी। जांच के उपरांत वैध रूप से नामांकन दाखिल करने वाले उम्मीदवारों की सूची भी उसी दिन जारी की जाएगी। नामांकन पत्रों के संबंध में किसी प्रकार की आपत्ति दर्ज कराने के लिए 25 मार्च की तिथि निर्धारित की गई है। इन आपत्तियों पर सुनवाई 27 से 30 मार्च तक की जाएगी। इसके पश्चात उम्मीदवारों को नाम वापस लेने का अवसर भी दिया जाएगा, जिसके लिए 1 अप्रैल अंतिम तिथि तय की गई है।

इसके बाद 2 अप्रैल को वैध उम्मीदवारों को चुनाव चिन्ह आवंटित किए जाएंगे। चुनाव प्रचार के लिए निर्धारित अवधि 13 अप्रैल को शाम 3 बजे समाप्त हो जाएगी। इसके बाद 16 अप्रैल को मतदान करवाया जाएगा। निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि यह चुनाव प्रदेश सहकारी सभाएं नियम 1971 के प्रावधानों के तहत करवाए जा रहे हैं।

सिलेंडर में आग लगने से मकान जलकर राख, महिला झुलसी

बड़ेहड़ गांव में पेश आई वारदात, महिला का जोगिंद्रनगर अस्पताल में चल रहा इलाज

अनंत ज्ञान

- एसडीएम ने प्रभावित परिवार को हर संभव मदद का आश्वासन दिया

जोगिंद्रनगर। जोगिंद्रनगर क्षेत्र के बड़ेहड़ गांव में रविवार देर शाम गैस सिलेंडर में आग लगने से बड़ा हादसा हो गया। आग लगने से एक रिहायशी मकान पूरी तरह जलकर राख हो गया, जबकि घर में मौजूद एक महिला झुलस गई।

जानकारी के अनुसार बड़ेहड़ गांव की मेहत बस्ती में कमला देवी रविवार देर शाम अपने घर की रसोई में गैस चूल्हा जलाने की तैयारी कर रही थीं। जैसे ही उन्होंने गैस चालू की, अचानक सिलेंडर में आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और रसोई से पूरे मकान में फैल गई। आग की लपटें इतनी तेज थीं कि घर में रखा सामान भी तेजी से जलने लगा। महिला के शोर मचाने पर आसपास के लोग तुरंत मौके पर पहुंचे और आग बुझाने का प्रयास शुरू कर दिया। ग्रामीणों ने अपने स्तर पर पानी और मिट्टी डालकर आग को काबू करने की कोशिश की और साथ ही दमकल विभाग व पुलिस को भी घटना की सूचना दी। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीम मौके के लिए रवाना हुई, लेकिन गांव का रास्ता संकरा होने के कारण दमकल का छोटा वाहन ही घटनास्थल तक पहुंच सका। आग की तीव्रता अधिक होने के कारण दमकल कर्मियों को आग पर काबू पाने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ी। इस दौरान स्थानीय लोगों ने भी दमकल कर्मियों का पूरा सहयोग किया। बताया जा रहा है कि दमकल वाहन में मौजूद पानी खत्म होने के बाद भी ग्रामीणों ने हार नहीं मानी और बाल्टियों के माध्यम से लगातार पानी डालकर आग बुझाने में मदद की। करीब एक घंटे की कड़ी मेहनत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। हालांकि तब तक मकान में रखा अधिकांश सामान जलकर राख हो चुका था और लाखों रुपए के नुकसान का अनुमान लगाया जा रहा है।

इस हादसे में कमला देवी आग की चपेट में आने से झुलस गईं, जिन्हें तुरंत उपचार के लिए जोगिंद्रनगर अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। बताया जा रहा है कि महिला की हालत फिलहाल स्थिर है। आग बुझाने में स्थानीय लोगों शशि, संजय, राजेंद्र, नीक राम सहित कई ग्रामीणों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। यदि समय रहते ग्रामीण और दमकल विभाग की टीम मौके पर नहीं पहुंचती तो आग आसपास के अन्य मकानों तक भी फैल सकती थी।घटना की सूचना मिलने के बाद तहसीलदार रजत सेठी मौके पर पहुंचे और नुकसान का जायजा लिया। उन्होंने बताया कि आग की घटना में एक रिहायशी मकान को भारी नुकसान हुआ है और प्रभावित परिवार को प्रशासन की ओर से फौरी राहत प्रदान कर दी गई है।

वहीं एसडीएम मनीष चौधरी ने कहा कि आग से प्रभावित परिवार को प्रशासन की ओर से हर संभव सहायता उपलब्ध करवाई जाएगी। प्रशासनिक अधिकारियों ने अस्पताल पहुंचकर उपचाराधीन महिला का हालचाल भी जाना और परिवार को हर संभव मदद का आश्वासन दिया।

आग लगने से रिहायशी मकान जलकर राख। अनंत ज्ञान

मुख्यमंत्री कहते हैं विकास हुआ और बल्ह की जनता झेल रही मूलभूत सुविधाओं का संकट : इंद्र सिंह गांधी

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, मंडी। बल्ह विधानसभा क्षेत्र के विधायक इंद्र सिंह गांधी ने क्षेत्र की विभिन्न विकास समस्याओं को लेकर उपायुक्त मंडी को ज्ञापन सौंपा। इंद्र सिंह गांधी ने कहा कि क्षेत्र में कई सड़कें अधूरी पड़ी हैं, पेयजल योजनाएं प्रभावित हैं और अनेक विकास कार्य बजट के अभाव में रुके हुए हैं। जनता को मूलभूत सुविधाओं के लिए भी परेशान होना पड़ रहा है। गांधी ने कहा कि जब भी इन कार्यों के बारे में अधिकारियों से बात की जाती है तो उनका सीधा जवाब होता है कि इन कार्यों के लिए बजट उपलब्ध नहीं है। ऐसे में यह स्पष्ट हो जाता है कि प्रदेश सरकार के दावे केवल कागजों और भाषणों तक ही सीमित हैं। उन्होंने कहा कि सीएम कह रहे हैं कि विकास हुआ है, लेकिन बल्ह की जनता मूलभूत सुविधाओं का संकट क्षेल रही है।

विधायक ने कहा कि क्षेत्र में कई सड़कों का निर्माण व सुधार लंबे समय से लंबित है। टांवा-कुम्मी, भियूरा स्टोह दोहल, रत्ती ढागू, लूनापानी से हवेली मांडल, जीरो प्वाइंट हनुमान मंदिर-बटाहण तथा गम्भर पुल-पतरेंग कोटीघेरी सड़क जैसे अन्य और सड़कों के कार्य अभी तक अधूरे पड़े हैं। इसके अलावा चंडयाल सुहैल पुल और पेडी पस्ता पुल के कार्यों को भी जल्द पूरा करने की मांग की गई है।

उन्होंने कहा कि कई गांवों में पेयजल संकट बना हुआ है और बल्ह घाटी मध्यम सिंचाई परियोजना को भी सुचारु रूप से चलाने की आवश्यकता है। साथ ही मुख्यमंत्री लोक भवन लेदा, वेटनरी भवन, आईटीआई गगल (बल्ह) तथा ई-किसान भवन लुपाणानी जैसे अधूरे भवनों के कार्यों को भी जल्द पूरा किया जाना चाहिए। गांधी ने कहा कि केवल अपने करीबी लोगों को लाभ पहुंचाना विकास नहीं है, बल्कि जनता तक बुनियादी सुविधाएं पहुंचाना ही असली विकास है।

उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द इन समस्याओं का समाधान नहीं किया गया तो जनता के साथ मिलकर आंदोलन किया जाएगा। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष कुलदीप ठाकुर, मंडल महामंत्री पवन, सुकन्या, रजत, ऋषभ सहित अन्य कार्यकर्ता भी उपस्थित रहे।

समस्याओं को लेकर उपायुक्त को ज्ञापन सौंपते हुए। अनंत ज्ञान

प्रदेश के विकास कार्यों पर पूरी तरह लगा ताला: जम्वाल

अनंत ज्ञान, सुंदरनगर। प्रदेश में विकास कार्यों पर पूरी तरह ताला लग चुका है। भाजपा के मुख्य प्रवक्ता एवं सुंदरनगर के विधायक राकेश जम्वाल ने कहा कि प्रदेश की कांग्रेस सरकार लगातार जनविरोधी निर्णय लेकर हिमाचल की जनता को परेशान करने का काम कर रही है। उन्होंने कहा कि एक ओर सरकार बच्चों को बसों में मिलने वाली रियायतें समाप्त कर रही है, दूसरी ओर नए-नए टैक्स और शुल्क लगाकर आम लोगों की कमर तोड़ने का काम किया जा रहा है। राकेश जम्वाल अपने विधानसभा क्षेत्र सुंदरनगर की ग्राम पंचायत कंदार में जनसंपर्क अभियान के दौरान स्थानीय लोगों से मिले और उनकी समस्याएं व सुझाव सुने। इस दौरान ग्रामीणों ने प्रदेश सरकार की नीतियों को लेकर भारी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने कहा कि जनता का स्नेह और विश्वास ही हमारी सबसे बड़ी ताकत है, लेकिन आज प्रदेश की जनता सरकार के फैसलों से खुद को ठगा हुआ महसूस कर रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार की नीतियों के कारण आज हिमाचल में विकास की गति थम गई है।

गो हत्या पर बने सख्त कानून, गोवंश को छोड़ने वालों की संपत्ति हो कुर्क : हीरापाल

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, मंडी। कांग्रेस नेता हीरापाल ठाकुर ने गो हत्या और सड़कों पर बढ़ते बेसहारा गोवंश को लेकर केंद्र सरकार तथा स्वयं को गो संरक्षण और सनातन की बात करने वाले संगठनों पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि वर्षों से गो माता के नाम पर भावनात्मक राजनीति की जा रही है, लेकिन जमीनी स्तर पर गोवंश की स्थिति लगातार खराब होती जा रही है। उन्होंने कहा कि विडंबना यह है कि कई लोग दूध देना बंद होने के बाद अपने पशुधन को सड़कों पर छोड़ देते हैं, जिससे गोवंश दुर्घटनाओं का शिकार होता है और लोगों को भी परेशानी उठानी पड़ती है।

हीरापाल ठाकुर ने कहा कि यदि कोई व्यक्ति गोवंश को सड़कों पर छोड़ता है तो उसके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए और जरूरत पड़ने पर उसकी चल-अचल संपत्ति तक कुर्क की जानी चाहिए, ताकि इस प्रवृत्ति पर रोक लग सके। उन्होंने कहा कि गो हत्या पर प्रभावी नियंत्रण तभी संभव है जब सरकार कड़े कानून लागू करे और पशु हत्या के मामलों में कठोर दंड का प्रावधान हो। साथ ही देश में चल रहे बूचड़खानों और बीफ उद्योग पर भी कड़ा नियंत्रण लगाया जाए। उन्होंने आरोप लगाया कि कई बार एक विशेष समुदाय को बदनाम किया जाता है, जबकि वास्तविकता यह है कि इस कारोबार से जुड़े बड़े उद्योगों और कंपनियों पर सवाल नहीं उठाए जाते। हीरापाल ने कहा कि चुनाव के समय गौ माता को बड़ा मुद्दा बनाया जाता है, लेकिन बाद में गो संरक्षण के लिए ठोस व्यवस्था नहीं की जाती। उन्होंने केंद्र सरकार से मांग की कि देशभर में गौवंश की सुरक्षा के लिए सख्त कानून बनाए जाएं, अवैध बूचड़खानों को बंद किया जाए और बेसहारा गोवंश की देखभाल के लिए प्रभावी नीति लागू की जाए।

लघु शिवरात्रि मेले की तैयारियां तेज, एंटी चिट्टा थीम पर होंगी खेल प्रतियोगिताएं

मेले की तैयारियों को लेकर एसडीएम ने बैठक की। अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान

जोगिंद्रनगर। राज्य स्तरीय लघु शिवरात्रि मेला जोगिंद्रनगर की तैयारियों को लेकर एसडीएम कार्यालय जोगिंद्रनगर में स्पोर्ट्स कमेटी और व्यापार मंडल के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता मेला अध्यक्ष एवं एसडीएम मनीष चौधरी ने की। बैठक में मेले के दौरान निकलने वाली देवताओं की भव्य जलेब के निर्धारित मार्ग को लेकर विस्तृत चर्चा की गई, ताकि श्रद्धालुओं और आम जनता को किसी प्रकार की असुविधा न हो और मेला सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हो सके।

बैठक के दौरान स्पोर्ट्स कमेटी के साथ आगामी खेलकूद प्रतियोगिताओं की तैयारियों की भी समीक्षा की गई। एसडीएम ने निर्देश दिए कि इस वर्ष मेले के अंतर्गत आयोजित होने वाली खेल प्रतियोगिताओं को विशेष रूप से एंटी चिट्टा और एंटी ड्रग थीम से जोड़ा जाए, ताकि युवाओं में नशे के खिलाफ जागरूकता बढ़ाई जा सके।

उन्होंने बताया कि इस बार वॉलीबाल प्रतियोगिता को बड़े स्तर पर आयोजित किया जाएगा, जिसमें प्रदेशभर की प्रमुख टीमें भाग लेंगी। प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली टीम को 51 हजार रुपए, द्वितीय को 31 हजार रुपये और तृतीय स्थान के लिए 21 हजार रुपए की पुरस्कार राशि दी जाएगी। मेले के दौरान विभिन्न स्थानों पर नशा विरोधी जागरूकता फ्लेक्स भी लगाए जाएंगे।

मेला मैदान 40 लाख 31 हजार में नीलाम

अनंत ज्ञान, जोगिंद्रनगर। एक से पांच अप्रैल तक आयोजित होने वाले राज्य स्तरीय लघु शिवरात्रि मेला जोगिंद्रनगर के लिए मेला ग्राउंड की नीलामी प्रक्रिया सोमवार को संपन्न हुई। नीलामी के दौरान संपूर्ण मेला मैदान के लिए बोली लगाई गई, जिसमें सबसे अधिक 40 लाख 31 हजार रुपए की बोली लगाकर चौधरी एसोसिएशन ने मेला मैदान अपने नाम किया। जानकारी देते हुए मेला समिति के अध्यक्ष एवं एसडीएम जोगिंद्रनगर मनीश चौधरी ने बताया कि निर्धारित समय के भीतर तीन बोलीदाताओं ने लिखित रूप से नीलामी प्रक्रिया में भाग लिया। उन्होंने बताया कि मेला ग्राउंड के लिए प्रशासन द्वारा 40 लाख रुपए का आधार मूल्य निर्धारित किया गया था, जबकि चौधरी एसोसिएशन ने 40 लाख 31 हजार रुपए की सबसे अधिक बोली लगाकर यह नीलामी प्राप्त की। एसडीएम ने बताया कि मेला ग्राउंड के अतिरिक्त संपर्क मार्गों की नीलामी प्रक्रिया अभी शेष है, जिसे भी शीघ्र ही पूरा कर लिया जाएगा। इस अवसर पर तहसीलदार जोगिंद्रनगर रजत सेठी भी उपस्थित रहे।

पहल प्रारंभिक से उच्च शिक्षा तक दिव्यांग विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति का प्रावधान, शिक्षा में आगे बढ़ेंगे दिव्यांग छात्र

दिव्यांग छात्रों की शिक्षा के लिए सरकार की दूरदर्शी पहल

अनंत ज्ञान

रितेश चौहान, सरकाघाट। राज्य सरकार द्वारा दिव्यांग छात्र-छात्राओं को शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ाने के लिए शुरू की गई छात्रवृत्ति योजना एक दूरदर्शी और संवेदनशील कदम सिद्ध हो रहा है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य दिव्यांग विद्यार्थियों को शिक्षा ग्रहण करने के लिए प्रोत्साहित करना और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में सशक्त बनाना है। योजना के अंतर्गत ऐसे दिव्यांग छात्र-छात्राएं जो सरकार द्वारा संचालित शैक्षणिक संस्थानों में अध्ययनरत हैं और जिनकी दिव्यांगता चिकित्सा बोर्ड द्वारा 40 प्रतिशत या उससे अधिक प्रमाणित की गई है, उन्हें बिना किसी आय सीमा के छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है। पहली से पांचवीं कक्षा तक के दिव्यांग छात्र-छात्राओं को 625 रुपए प्रतिमाह छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है।

वहीं छठी से आठवीं कक्षा तक के विद्यार्थियों को 750 रुपए प्रतिमाह, नौवीं और दसवीं कक्षा के छात्र-छात्राओं को 950 रुपए प्रतिमाह छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है। पहली से दसवीं कक्षा तक के जो दिव्यांग विद्यार्थी छात्रावास में रह रहे हैं, उन्हें 1,875 रुपए प्रतिमाह छात्रवृत्ति भी दी जाती है।

इसी तरह जमा एक, जमा दो तथा पोस्ट मैट्रिक कोर्स करने वाले विद्यार्थियों को 1,250 रुपए प्रतिमाह छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है, जबकि छात्रावास में रहने के लिए 2,500 रुपये प्रतिमाह दिए जाते हैं। कक्षा जमा दो के बाद डिप्लोमा कोर्स, स्नातक, जेबीटी या आईटीआई करने वाले लाभार्थियों को 1,875 रुपए प्रतिमाह छात्रवृत्ति दी जाती है। वहीं छात्रावास में रहने वालों के लिए यह राशि 3,750 रुपए प्रतिमाह निर्धारित है।

इसके अतिरिक्त एलएलबी, बीएड, एमए, एमएससी, एमएड आदि कोर्स करने वाले दिव्यांग विद्यार्थियों को 2,250 रुपए प्रतिमाह छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है, जबकि छात्रावास में रहने वालों को 3,750 रुपए प्रतिमाह दिए जाते हैं। अन्य व्यावसायिक कोर्स जैसे बीई, बीटेक, एमबीबीएस आदि के लिए 3,750 रुपये प्रतिमाह छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है तथा छात्रावास में रह रहे विद्यार्थियों के लिए यह राशि 5,000 रुपये प्रतिमाह निर्धारित है।

योजना का लाभ लेने के लिए पात्र दिव्यांग छात्र/छात्रा का निर्धारित प्रार्थना पत्र शिक्षण संस्थान के प्रधानाचार्य/मुख्याध्यापक द्वारा, संबंधित कक्षा में प्रवेश की तिथि सहित, सत्यापित होना अनिवार्य है। योजना का लाभ लेने के लिए चिकित्सा बोर्ड द्वारा जारी दिव्यांगता प्रमाण पत्र, जिसमें दिव्यांगता 40 प्रतिशत या उससे अधिक दर्शाई गई हो, संलग्न करना आवश्यक है। साथ ही हिमाचली प्रमाण पत्र, आधार कार्ड तथा बैंक पासबुक की छायाप्रति संलग्न करना अनिवार्य है।

दिव्यांग छात्रा रितिका को मिल रहा है लाभ

मनोज कुमार निवासी गांव योह तहसील सरकाघाट का कहना है कि उनकी दो बेटियां हैं। बड़ी बेटी रितिका दसवीं कक्षा में पढ़ती है और 60 प्रतिशत दिव्यांग है और छात्रवृत्ति का लाभ मिला है। उन्होंने प्रदेश सरकार और मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू का धन्यवाद व्यक्त किया जिन्होंने दिव्यांग बच्चों के लिए ऐसी योजनाएं चलाई हैं।

श्रवण बाधित रिवांशु को मिली आर्थिक मदद

गांव खरोह तहसील सरकाघाट की रहने वाली ममता बन्याल ने बताया कि उनकी बेटी रिवांशु पपलोग स्कूल में बारहवीं कक्षा में पढ़ती है और 80 प्रतिशत श्रवण बाधित है। योजना के तहत रिवांशु को छात्रवृत्ति मिल रही है। उन्होंने राज्य सरकार और मुख्यमंत्री आभार जताया।

कनिका को भी मिल रही दिव्यांग छात्रवृत्ति

खरोह गांव की रजनी कुमारी ने बताया कि उनकी बेटी कनिका शर्मा श्रवण बाधित और 70 प्रतिशत दिव्यांग है। उन्हें प्रदेश सरकार की इस दिव्यांग छात्रवृत्ति योजना के बारे में पता चला तो उन्होंने इसके लिए आवेदन किया। अब उनकी बेटी को छात्रवृत्ति अब मिल रही है। उन्होंने कहा कि यह प्रदेश सरकार की बहुत अच्छी योजना है।

बिलासपुर में अचानक बदला मौसम, ओलावृष्टि से बढ़ी ठंड

दिन में लाइट जला कर चलते वाहन। अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, बिलासपुर। जिला बिलासपुर में सोमवार को मौसम ने अचानक करवट ले ली। घने काले बादलों, धुंध व तेज हवाओं के कारण दिन में ही अंधेरे जैसा माहौल बन गया, जिससे सड़कों पर चल रहे वाहन चालकों को दिन के समय ही गाड़ियों की लाइटें जलाकर सफर करना पड़ा। सुबह से ही आसमान में बादल छाए रहे व कई क्षेत्रों में हल्की बूंदाबांदी के साथ ओलावृष्टि भी हुई। ओले गिरने के कारण तापमान में अचानक गिरावट दर्ज की गई, जिससे जिले में ठंड एकदम से बढ़ गई व लोगों को फिर से गर्म कपड़ों का सहारा लेना पड़ा। मौसम के इस अचानक बदलाव से जनजीवन भी प्रभावित हुआ। बाजारों व सार्वजनिक स्थानों पर सामान्य दिनों की तुलना में कम चहल-पहल देखने को मिली। वहीं, धुंध और कम दृश्यता के कारण वाहन चालकों को भी सावधानी के साथ सफर करना पड़ा। स्थानीय लोगों का कहना है कि पिछले कुछ दिनों से मौसम सामान्य था, लेकिन सोमवार को अचानक बादल छाने, बारिश और ओलावृष्टि के कारण ठंड फिर से बढ़ गई है।

भारी बारिश व ओलावृष्टि से मौसम में ठंडक, गेहूं की अच्छी पैदावार की उम्मीद

अनंत ज्ञान

ऊना में बारिश के बाद मौसम के कारण आसमान पर कुछ ऐसा दिखा नजारा। अनंत ज्ञान

ऊना/जोल। जिले भर में सोमवार को हुई बारिश व ओलावृष्टि के बाद मौसम अचानक ठंडा हो गया है। लंबे समय से सूखी चल रही मौसम की स्थिति के बीच हुई इस बारिश को किसानों के लिए राहत भरी माना जा रहा है। खासकर गेहूं की फसल के लिए यह बारिश काफी लाभदायक साबित हो सकती है, क्योंकि फसल को इस समय खेतों में नमी की सख्त आवश्यकता थी। कृषि विशेषज्ञों का कहना है कि इस समय हुई बारिश से खेतों में पर्याप्त नमी बनी है, जो गेहूं की बालियों के विकास व दानों के भरने के लिए बेहद महत्वपूर्ण होती है।

कृषि विशेषज्ञ व विषयवाद विशेषज्ञ बंगाणा सतपाल धीमान के अनुसार यदि आने वाले दिनों में मौसम इसी तरह अनुकूल बना रहता है, तो इस वर्ष गेहूं की फसल से किसानों को बेहतर उत्पादन मिलने की संभावना है। जोल उपतहसील क्षेत्र में पिछले दो दिनों से हुई बारिश व ओलावृष्टि के कारण तापमान में भी गिरावट दर्ज की गई है। अचानक बढ़ी ठंडक के चलते लोगों को एक बार फिर से गर्म कपड़े निकालने पड़े हैं। स्थानीय लोगों राजीव कुमार, सूरज, महक, अश्वनी, कुलदीप और राजन का कहना है कि मौसम में आए बदलाव के कारण ठंड दोबारा सर्दी का अहसास होने लगा है। दूसरी ओर बारिश के साथ हुई हल्की ओलावृष्टि ने बागवानी से जुड़े किसानों की चिंता भी कुछ बढ़ा दी है। फलदार पौधों पर ओलावृष्टि का मामूली प्रभाव देखने को मिल सकता है। वहीं, तेज आंधी के कारण आम, नींबू और अन्य फलदार प्रजातियों को हल्का नुकसान होने की भी आशंका जताई जा रही है। हालांकि, अभी तक किसी बड़े नुकसान की सूचना सामने नहीं आई है। स्थानीय किसान कर्नल रघवीर सिंह, जीवन मोदगिल, जोगेंद्र ठाकुर, पवन कुमार, विनोद कुमार, शंकर दास, मदनलाल, तरसेम लाल, विक्रम सिंह, शिवम कुमार और मक्खन सिंह का कहना है कि लंबे समय से बारिश का इंतजार किया जा रहा था। समय पर हुई इस बारिश से जहां सिंचाई की आवश्यकता कम हो गई है, वहीं फसल को प्राकृतिक रूप से पर्याप्त पानी मिल गया है। किसानों को उम्मीद है कि यदि आगे भी मौसम इसी तरह सहयोग करता रहा तो इस बार गेहूं की फसल अच्छी होगी व उन्हें आर्थिक रूप से भी राहत मिलेगी। वहीं, मौसम विभाग के अनुसार आने वाले दिनों में मौसम सामान्य बने रहने का अनुमान है।

जरूरतमंद परिवार की मदद को बढ़ाया हाथ

अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर। मानव सेवा की मिसाल पेश करते हुए जन जागरूकता कल्याण मंच कोट, देहरा हटवाड़ ने आर्थिक संकट से जूझ रहे एक परिवार की सहायता के लिए सराहनीय पहल की। मंच की ओर से श्रीमती जमुना देवी, पत्नी स्वर्गीय विनोद कुमार, निवासी कोट टांडा, को 5000 रुपए का चेक सहायता स्वरूप प्रदान किया गया। बताया गया कि कुछ समय पहले जमुना देवी के पति विनोद कुमार का हृदयाघात के कारण अचानक निधन हो गया था। उनके इलाज के दौरान परिवार की जमा पूंजी विभिन्न अस्पतालों में खर्च हो गई, जिससे परिवार आर्थिक तंगी से गुजर रहा है। इस स्थिति को देखते हुए मंच के पदाधिकारियों ने उनके घर पहुंचकर सहायता राशि का चेक भेंट किया। इस अवसर पर मंच के संस्थापक एवं प्रधान डॉ. रवींद्र कुमार ठाकुर ने लोगों से अधिक से अधिक संख्या में मंच से जुड़ने की अपील की। उन्होंने कहा कि मंच जरूरतमंदों की मदद करने के साथ-साथ समाज में फैली सामाजिक बुराइयों के प्रति भी लोगों को जागरूक करने का कार्य कर रहा है। इस दौरान महासचिव एएन शर्मा, कोषाध्यक्ष हंसराज और प्रकाश चंद शर्मा भी उपस्थित रहे।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण शिविर का समापन, कार्यकर्ताओं में भरा उत्साह

अनंत ज्ञान

अंब। चिंतपूर्णी विधानसभा क्षेत्र के ग्राम पंचायत कटोहड़ खुर्द के पक्का परोह स्थित देवी दास शास्त्री सरस्वती विद्या मंदिर स्कूल में पंडित दीनदयाल उपाध्याय दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का विधिवत समापन किया गया।

इस शिविर में चिंतपूर्णी विधानसभा के अपर मंडल की कार्यकारिणी के सदस्यों के साथ-साथ विभिन्न मोर्चों और प्रकोष्ठों के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। शिविर के दौरान संगठन की कार्यप्रणाली, पार्टी की विचारधारा, कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारियों व केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को आम जनता तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने पर विस्तृत चर्चा की गई। वक्ताओं ने कहा कि ऐसे प्रशिक्षण शिविर कार्यकर्ताओं के ज्ञान और नेतृत्व क्षमता को बढ़ाने के साथ-साथ संगठन को मजबूत बनाने में भी अहम भूमिका निभाते हैं। जिला भाजपा अध्यक्ष शाम मिन्हास ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए 'मन की बात' कार्यक्रम और बूथ प्रबंधन के महत्वपूर्ण टिप्स दिए। उन्होंने कहा कि बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत बनाना पार्टी की सफलता की कुंजी है। पूर्व जिला अध्यक्ष एवं विधायक बलबीर सिंह ने पार्टी के इतिहास, संगठनात्मक विकास और विचारधारा के बारे में विस्तार से जानकारी दी और कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे पार्टी की नीतियों और जनकल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने में समर्पित भाव से काम करें।

इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष कृपाल ठाकुर, प्रदेश आईटी संयोजक अनिल डडवाल, अपर मंडल प्रभारी रमेश चौधरी, राज कुमार धनोटिया, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य शंभु गोस्वामी, नगर पंचायत अध्यक्ष हंस धीमान, महामंत्री कुलदीप ठाकुर, मीडिया प्रभारी विवेक शर्मा, सोशल मीडिया संयोजक संजीव कुमार केनेडी सहित अपर मंडल के कई भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे। समापन अवसर पर सभी कार्यकर्ताओं ने संगठन को मजबूत बनाने और पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया।

न्यूज ब्रीफ

फ्लाइंग स्क्वायड ने सभी केंद्रों पर परीक्षा शांतिपूर्ण पाई

अनंत ज्ञान ब्यूरो, ऊना। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड धर्मशाला द्वारा आयोजित 10वीं और 12वीं कक्षा की वार्षिक परीक्षाओं के तहत सोमवार को दसवीं कक्षा के कंप्यूटर साइंस विषय की परीक्षा आयोजित की गई। परीक्षा की पारदर्शिता और निष्पक्षता बनाए रखने के लिए शिक्षा विभाग की ओर से गठित फ्लाइंग स्क्वायड ने विभिन्न परीक्षा केंद्रों का औचक निरीक्षण किया। शिक्षा उपनिदेशक (शिक्षा गुणवत्ता नियंत्रण) जिला ऊना नीलम कुमार की अध्यक्षता में गठित फ्लाइंग स्क्वायड टीम में प्रवक्ता डॉ. किशोरी लाल शर्मा, सुनीता (टीजीटी) तथा कुलदीप चंद (डीएम) शामिल रहे। टीम ने डीएवी सीनियर सेकेंडरी स्कूल ऊना, एमएम लाल सीनियर सेकेंडरी स्कूल जलग्रां व राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बहडाला के परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान टीम ने परीक्षा कक्षों की व्यवस्थाओं का जायजा लेने के साथ-साथ केंद्रों पर लगाए गए सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी जांची। जांच के दौरान पाया गया कि सभी परीक्षा केंद्रों पर परीक्षाएं शांतिपूर्ण एवं सुचारू रूप से संचालित हो रही हैं। फ्लाइंग स्क्वायड टीम ने जहां-जहां छोटी-मोटी कमियां पाई गईं, वहां परीक्षा समन्वयकों को आवश्यक सुधार करने के निर्देश भी दिए। शिक्षा विभाग ने स्पष्ट किया है कि बोर्ड परीक्षाओं को निष्पक्ष और नकलमुक्त वातावरण में संपन्न कराने के लिए विभाग पूरी तरह सतर्क है और परीक्षा केंद्रों पर लगातार निगरानी रखी जा रही है।

टक्का में पितृपक्ष पर भंडारा आज

अनंत ज्ञान, ऊना। पितृपक्ष चौदस के उपलक्ष्य पर 17 मार्च को गांव टक्का के देहरी माता जी मंदिर में विधिवत मंत्र उच्चारण से पितृ-पूजन किया जाएगा। इसके उपरांत भंडारा के प्रसाद वितरित किया जाएगा। पितृ चौदस के अवसर पर मौदगिल परिवार के लोग देश-विदेश से टक्का मे पहुंचकर इस दिन पितरों के आगे नतमस्तक होते हैं ओर आशीर्वाद प्राप्त करते हैं।

उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले स्टूडेंट्स सम्मानित

अनंत ज्ञान, झंडूता। राजकीय महाविद्यालय झंडूता में वार्षिक पारितोषिक वितरण समारोह उत्साहपूर्वक आयोजित किया गया। कार्यक्रम में झंडूता के प्रमुख कांग्रेस नेता व हिमाचल प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व महासचिव विवेक कुमार ने मुख्यातिथि के रूप में शिरकत की। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने हिमाचली लोकनृत्य, गीत व अन्य सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से समां बांधा। समारोह के दौरान शैक्षणिक, खेलकूद, एनएसएस, एनसीसी व सांस्कृतिक गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले स्टूडेंट्स को मुख्य अतिथि द्वारा ट्रॉफी और प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं, शिक्षकों और अभिभावकों ने भाग लिया।

वन आग के सुरक्षा उपायों पर जानकारी दी

अनंत ज्ञान, चिंतपूर्णी। हंस संस्था ने बाबा श्री माईदास सदन में कठपुतली शो आयोजित किया, जिसका उद्देश्य वन आग के प्रति लोगों को जागरूक करना था। शो में दिखाया गया कि कैसे एक छोटी चिंगारी पूरे जंगल को राख कर सकती है, जिससे वनस्पति और वन्यजीव नष्ट हो जाते हैं। हंस संस्था की टीम ने कठपुतली शो के जरिए आम लोगों से जंगलों की सुरक्षा में अपनी भूमिका निभाने का आह्वान किया। वन आग रोकने के सरल उपाय जैसे सूखी पत्तियों को न जलाना, आग के प्रति सतर्क रहना, पर्यटकों को जागरूक करना और तुरंत रिपोर्ट करना भी दर्शाया गया। हंस संस्था, जो शिक्षा, स्वास्थ्य और पर्यावरण संरक्षण में काम करती है, ने इस अभिनव पहल से समाज में जागरूकता फैलाने का कार्य सफलतापूर्वक किया।

लोक कलाकारों को मिले उचित मानदेय : सतपाल

अनंत ज्ञान, बिलासपुर। इंटक हिमाचल प्रदेश के जनरल सेक्रेटरी सतपाल शर्मा ने कहलूर उत्सव के आयोजन को लेकर प्रशासन व मेला समिति के समक्ष कुछ महत्वपूर्ण मुद्दे उठाए हैं। उन्होंने कहा कि मेले के मैदान में लगने वाली दुकानों के किराए अधिक होने के कारण वस्तुओं के दाम बढ़ जाते हैं, जिसका सीधा असर बिलासपुर के दर्शकों पर पड़ता है। उन्होंने बताया कि लोक कलाकारों को मिलने वाला मानदेय अभी भी बहुत कम है, जो लगभग 300 रुपए प्रति कलाकार है। उन्होंने मांग की कि इसे बढ़ाकर कम से कम 1000 रुपए किया जाए और कलाकारों के लिए भोजन की उचित व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाए। सतपाल शर्मा ने यह भी कहा कि मेले की मूल पहचान रहे पशुधन को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहन राशि को 5000 रुपए से बढ़ाकर 20000 रुपए किया जाना चाहिए, ताकि अधिक से अधिक लोग पशुधन मेले में भाग लें। उन्होंने आयोजकों व दर्शकों से भी अपील की कि वे मेले के दौरान प्रशासन का सहयोग करें और किसी भी प्रकार के नशे से दूर रहें।

बीटन कॉलेज में वार्षिक समारोह धूमधाम से मनाया

अनंत ज्ञान ब्यूरो, ऊना। संत डांगू वाले गुर्जर राजकीय महाविद्यालय, बीटन में 20वां वार्षिक पारितोषिक वितरण समारोह हर्षोल्लास के साथ आयोजित हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने की। उन्होंने विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ खेलकूद में भी भाग लेने की सलाह दी, क्योंकि खेल मानसिक विकास, आत्मविश्वास व टीम भावना को मजबूत करते हैं। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि हरोली विधानसभा क्षेत्र शिक्षा में लगातार नई ऊंचाइयां छू रहा है। महाविद्यालय की स्थापना संत बाबा डांगू वाले ने की थी, जिसे सरकार ने राजकीय कॉलेज में परिवर्तित किया। हरोली और खड्ड में नए कॉलेज भवनों के निर्माण से छात्रों को घर के पास गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध हो रही है। उन्होंने 2027 तक हरोली को प्रदेश का सबसे विकसित विधानसभा क्षेत्र बनाने का लक्ष्य बताया और खेल, सड़क, बिजली, पानी तथा पर्यटन परियोजनाओं का उल्लेख किया। बीटन और नग्नोली मैदानों में फ्लड लाइट्स और तालाबों के सौंदर्यीकरण के लिए स्वीकृत राशि की जानकारी दी। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए, जिसे देखकर उपमुख्यमंत्री ने 51 हजार रुपए की सहायता देने की घोषणा की। इस अवसर पर एसडीएम हरोली, कांग्रेस नेता रणजीत राणा व अशोक ठाकुर, प्रिंसिपल डॉ. समीक्षा, कॉलेज स्टाफ और अभिभावकगण उपस्थित थे।

'द केरला स्टोरी' फिल्म का मेगा शो आयोजित

विवेक शर्मा, अनंत ज्ञान, अंब। स्वामी विवेकानंद सेवा ट्रस्ट चिंतपूर्णी और शाश्वत हिंदू जागृति के संयुक्त तत्वावधान में अंब के अंबेडकर भवन में फिल्म 'द केरला स्टोरी' का मेगा शो आयोजित किया गया, जो सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम में क्षेत्र की मातृशक्ति की विशेष भागीदारी देखने को मिली और बड़ी संख्या में महिलाओं व स्थानीय नागरिकों ने इसमें हिस्सा लिया। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि यह फिल्म समाज को जागरूक करने का एक महत्वपूर्ण माध्यम है। फिल्म के माध्यम से युवाओं को सही मार्गदर्शन देने, परिवारों को सतर्क रहने और समाज में जागरूकता बढ़ाने का संदेश दिया गया। उपस्थित लोगों ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम समाज को सही दिशा देने में सहायक सिद्ध होते हैं। कार्यक्रम में मुख्य रूप से डॉ. विवेक, स्वामी विवेकानंद सेवा ट्रस्ट चिंतपूर्णी के अध्यक्ष गौरव, सुरेश सोनी, गौरव, विशाल कुमार, सीमा पटियाल, मीना व पलक विशेष रूप से उपस्थित रहे।

चिंतपूर्णी मंदिर में नए मंदिर अधिकारी संजीव प्रभाकर ने संभाला कार्यभार

अनंत ज्ञान

विकास शर्मा, चिंतपूर्णी। धार्मिक स्थल माता श्री चिंतपूर्णी मंदिर में सोमवार को प्रशासनिक स्तर पर बड़ा बदलाव देखने को मिला। संजीव प्रभाकर ने रविवार देर शाम मंदिर अधिकारी के रूप में विधिवत अपना कार्यभार संभाल लिया है। कार्यभार संभालने से पहले उन्होंने माता के दरबार में हाजिरी भरी। बताते चलें कि इससे पूर्व मंदिर अधिकारी के पद पर तैनात अजय मंडियाल का स्थानांतरण प्रसिद्ध शक्तिपीठ ज्वाला जी के लिए हो गया था।

सोमवार को ही वे अपने पद से रिलीज हुए, जिसके तुरंत बाद संजीव प्रभाकर ने पदभार ग्रहण किया। इस अवसर पर कांग्रेस नेता तिलक राज कालिया भी विशेष रूप से उपस्थित रहे और नए अधिकारी को शुभकामनाएं दीं। कार्यभार संभालने के बाद मीडिया से रूबरू होते हुए मंदिर अधिकारी संजीव प्रभाकर ने आगामी नवरात्रि मेले को लेकर अपनी प्राथमिकताएं स्पष्ट कीं। उन्होंने कहा 'आज ही मैंने चिंतपूर्णी दरबार में मंदिर अधिकारी के रूप में अपनी उपस्थिति दर्ज की है। दो दिन बाद ही माता रानी के पावन नवरात्रि शुरू हो रहे हैं। हमारी सबसे बड़ी प्राथमिकता यही रहेगी कि नवरात्रि के दौरान आने वाले सभी श्रद्धालुओं और यात्रियों के लिए उचित व्यवस्थाएं की जाएं। मंदिर प्रशासन पूरी निष्ठा से प्रयास करेगा कि किसी भी श्रद्धालु को किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

मांगों को लेकर सड़कों पर उतरे पेंशनर्स

अनंत ज्ञान

उपायुक्त के माध्यम से ज्ञापन सौंपते पेंशनर। अनंत ज्ञान

ब्यूरो, बिलासपुर। हिमाचल प्रदेश पेंशनर्स संयुक्त संघर्ष समिति जिला बिलासपुर के बैनर तले तयशुदा कार्यक्रम के तहत सोमवार को पेंशनर्स ने जिला संयोजक चेत राम वर्मा की अगुवाई में मुख्यालय स्थित परिधि गृह के प्रांगण में धरना-प्रदर्शन दिया व प्रदेश सरकार के विरुद्ध प्रदर्शन करते हुए अपना रोष प्रकट किया।

पेंशनर्स ने डीसी कार्यालय तक रोष रैली भी निकाली व उपायुक्त राहुल कुमार के माध्यम से मांगों को लेकर मुख्यमंत्री को ज्ञापन प्रेषित किया। इस धरने में ओम प्रकाश गर्ग, जेके नड्डा, रविंदर भट्टा, जय कृष्ण शर्मा, ओम प्रकाश शर्मा, पुलिस पेंशनर्स एसोसिएशन के प्रधान रविंद्र, त्रिलोक शर्मा, एचआरटीसी के प्रधान प्रेम लाल ठाकुर, किशोरी लाल शर्मा, बिजली बोर्ड पेंशनर्स के प्रधान तिलक राज शर्मा, प्रकाश चंद ठाकुर, होशियार सिंह, हिमाचल पेंशनर्स फेडरेशन प्रधान सदा राम शर्मा, अमर नाथ, कॉर्पोरेट सेक्टर से सरवन, नगर निकाय से किशोरी लाल शर्मा तथा अन्य संगठनों के पदाधिकारियों ने भाग लेकर सरकार को चेताया भी तथा पेंशनरों को संबोधित भी किया।

जिला संयोजक चेत राम वर्मा ने कहा कि सरकार के समक्ष बार-बार अनुरोध करने के बावजूद पेंशनर्ज की कई सालों से करोड़ों रुपए की लंबित देनदारियों की अदायगी नहीं की गई है। छठे वेतन आयोग के एरियर से आज तक वंचित हैं तथा करोड़ों रुपए के चिकित्सा बिलों की अदायगी नहीं हो पाई है। 13 प्रतिशत महंगाई भत्ते की किस्तें देय हो गईं, जिससे हर महीने चार हजार से लेकर बारह हजार तक का नुकसान हो रहा है और अभी तक दो किस्तों का बकाया एरियर भी लंबित हैं। यही कारण है कि अपने हकों के लिए सड़कों पर उतरने को मजबूर होना पड़ रहा है। इन मांगों के पूर्ण होने के इंतजार में लगभग आठ सौ पेंशनर्स का स्वर्गवास भी हो चुका है। 21 फरवरी को पेश होने वाले बजट में सभी पेंशनर्स की देनदारियों को ध्यान में रखते हुए उनके लंबित आर्थिक लाभ व हकों की अदायगी के लिए बजट में प्रावधान करें यदि सरकार की ओर से को सकारात्मक कदम नहीं उठाया गया, तो 30 मार्च को प्रदेश के पेंशनर्ज शिमला में अपने हकों के लिए प्रदेश स्तरीय रोष रैली का आयोजन करके विधानसभा का घेराव करेंगे।

उपमुख्यमंत्री ने समनाल-पूबोवाल सड़क मार्ग का किया शिलान्यास

अनंत ज्ञान

उपमुख्यमंत्री और उद्योग मंत्री कार्यक्रम में उपस्थित। अनंत ज्ञान

ऊना। उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने सोमवार को हरोली विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत समनाल से पूबोवाल चौक वाया बालीवाल सड़क मार्ग के निर्माण कार्य का शिलान्यास किया। इस अवसर पर उद्योग मंत्री हर्षवर्धन सिंह चौहान भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। इस सड़क परियोजना पर लगभग 15.25 करोड़ रुपए व्यय किए जाएंगे, जिससे क्षेत्र की सड़क कनेक्टिविटी को मजबूत बनाने में मदद मिलेगी।

उपमुख्यमंत्री ने बताया कि समनाल से पूबोवाल चौक वाया बालीवाल सड़क मार्ग सीधे हरोली औद्योगिक कॉरिडोर से जुड़ता है, जिसके कारण इसकी उपयोगिता और अधिक बढ़ जाती है। सड़क के सुदृढ़ीकरण से औद्योगिक गतिविधियों के लिए आवागमन सुगम होगा और स्थानीय लोगों को बेहतर संपर्क मार्ग उपलब्ध होगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार लोगों को मजबूत और बेहतर सड़क कनेक्टिविटी प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। हरोली विधानसभा क्षेत्र में सड़क, पुल और अन्य आधारभूत ढांचागत सुविधाओं को सुदृढ़ करने के लिए कई विकास परियोजनाएं क्रियान्वित की जा रही हैं, जिनसे क्षेत्र के विकास को नई गति मिल रही है। इस अवसर पर जिला कांग्रेस अध्यक्ष देशराज गौतम, राज्य औद्योगिक विकास निगम के उपाध्यक्ष अनुराग, उद्योग विभाग के निदेशक डॉ. यूनुस खान, डीसी जतिन लाल, एसपी ऊना सचिन हिरेमठ आदि मौजूद रहे।

हर्षवर्धन ने बल्क ड्रग पार्क परियोजना का किया निरीक्षण

सड़क मार्ग के भूमिपूजन के उपरांत उद्योग मंत्री हर्षवर्धन सिंह चौहान ने पोलियां में निर्माणाधीन बल्क ड्रग पार्क परियोजना का निरीक्षण कर निर्माण कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। उन्होंने परियोजना स्थल पर चल रहे लेवलिंग कार्य की समीक्षा की और संबंधित अधिकारियों से विस्तृत जानकारी प्राप्त की। निरीक्षण के बाद उद्योग मंत्री ने लोक निर्माण, जल शक्ति, विद्युत, वन विभाग तथा सिगल इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के अधिकारियों के साथ बैठक कर परियोजना से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि निर्माण कार्यों में तेजी लाते हुए परियोजना को निर्धारित समयसीमा के भीतर और गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरा किया जाए।

नशा निवारण अभियान हुआ लॉन्च युवाओं ने ली नशा मुक्ति की शपथ

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, बिलासपुर। औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) बिलासपुर में आर्ट ऑफ लिविंग फाउंडेशन के माध्यम से आयोजित छह दिवसीय यूथ लीडरशिप ट्रेनिंग प्रोग्राम का सफलतापूर्वक समापन हो गया।

समापन समारोह में तकनीकी शिक्षा मंत्री राजेश धर्माणी ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में कुल 126 प्रशिक्षुओं ने भाग लिया। इस अवसर पर मुख्यातिथि ने कहा कि ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम युवाओं में आत्मविश्वास, आत्मसम्मान व नेतृत्व क्षमता विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने युवाओं को जीवन में स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित कर कड़ी मेहनत व निरंतर कौशल विकास के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। साथ ही युवाओं से नशे जैसी सामाजिक बुराइयों से दूर रहने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान प्रशिक्षुओं को नेतृत्व क्षमता, तनाव प्रबंधन, सकारात्मक सोच व जीवन प्रबंधन से जुड़ी विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षु कोमल, तानिया, वंदना, प्रतिभा, प्रीति और राहुल ने कार्यक्रम से जुड़े अपने अनुभव साझा किए। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों ने नशा मुक्ति की शपथ भी ग्रहण की। इस दौरान सुकांत पाल चौहान, इंटरनेशनल टीचर, आर्ट ऑफ लिविंग फाउंडेशन ने बताया कि मुख्यातिथि द्वारा नशा निवारण अभियान भी लॉन्च किया गया है।

नशे के दुष्प्रभावों पर दी जानकारी

अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर। राजकीय महाविद्यालय बिलासपुर में रेड रिबन क्लब के तत्वावधान में साइबर फ्रॉड, एचआईवी रोकथाम व एचआईवी एवं एड्स (रोकथाम एवं नियंत्रण) अधिनियम 2017 पर विधिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. पीसी कटवाल ने की। मुख्यातिथि प्रतीक गुप्ता, सचिव सह अतिरिक्त मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बिलासपुर ने विद्यार्थियों को एचआईवी रोकथाम, नशे के दुष्प्रभाव तथा 'ड्रग फ्री हिमाचल' ऐप की जानकारी दी। वहीं, नीना शुक्ला ने एचआईवी जागरूकता, राकेश कुमार ने साइबर फ्रॉड से बचाव और अनिल शर्मा ने मोटर वाहन अधिनियम व सड़क सुरक्षा नियमों पर जानकारी दी। कार्यक्रम में करीब 150 विद्यार्थियों ने भाग लिया। अंत में डॉ. सोनिया राठौर ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया।

चर्चा | बिलासपुर का ऐतिहासिक नलवाड़ी मेला : बसंतोत्सव से बना सांस्कृतिक पहचान

अखाड़ों की कुश्तियां और पशु व्यापार की पुरानी परंपरा

अनंत ज्ञान

अरुण डोगरा रीतू, ब्यूरो, बिलासपुर। हिमाचल के बिलासपुर में लगने वाला ऐतिहासिक नलवाड़ी मेला आज केवल एक मेला नहीं, बल्कि क्षेत्र की सांस्कृतिक पहचान बन चुका है। सैकड़ों वर्ष पहले बसंतोत्सव के रूप में शुरू हुई यह परंपरा समय के साथ पशु व्यापार के बड़े केंद्र में बदल गई। शाही दौर में राजा की सवारी से लेकर अखाड़ों की रोमांचक कुश्तियों और बाद में भाखड़ा बांध बनने के कारण मेले का स्थान बदलने तक, नलवाड़ी मेले के इतिहास में कई ऐसी रोचक घटनाएं दर्ज हैं जिनकी चर्चा बहुत कम होती है। स्थानीय इतिहासकार बताते हैं कि नलवाड़ी मेले की शुरुआत मूल रूप से बसंतोत्सव के रूप में हुई थी, जब कहलूर रियासत के लोग बसंत ऋतु के आगमन का उत्सव मनाते थे। बाद में इसे पशु मेले का स्वरूप दिया गया, ताकि किसान अच्छी नस्ल के बैल खरीद-फरोख्त कर सकें और खेती के लिए बेहतर पशु उपलब्ध हो सकें।

भाखड़ा बांध बनने के बाद बदला मेला स्थल

पुराने समय में नलवाड़ी मेला बिलासपुर के प्रसिद्ध सांडू मैदान में आयोजित होता था, लेकिन जब भाखड़ा बांध के निर्माण के बाद गोविंद सागर झील बनी, तो पुराना बिलासपुर और सांडू मैदान जलमग्न हो गए। इसके बाद मेले का आयोजन नए बिलासपुर के लुहणू मैदान में शुरू किया गया, जहां आज भी यह ऐतिहासिक परंपरा जारी है। नलवाड़ी मेले की सबसे अनोखी परंपरा यह रही कि यहां पशुओं की खरीद-फरोख्त अक्सर बिना किसी लिखित दस्तावेज के केवल विश्वास और हाथ मिलाकर तय होती थी। किसान अपनी प्रतिष्ठा और भरोसे के आधार पर सौदे करते थे, जो इस मेले की विशेष पहचान बन गई।

आजादी से पहले की मशहूर कुश्तियां

नलवाड़ी मेला केवल पशु व्यापार का केंद्र नहीं था, बल्कि यहां कुश्ती व खेल प्रतियोगिताओं की भी बड़ी परंपरा रही है। आजादी से पहले यहां पंजाब और पहाड़ के नामी अखाड़ों के पहलवानों के बीच कई रोमांचक मुकाबले होते थे। इन कुश्तियों को देखने के लिए दूर-दूर से लोग मेले में पहुंचते थे और विजेता पहलवान को विशेष सम्मान दिया जाता था।

बैलों की पूजा से शुरू होता था मेला

पुराने समय में मेले की शुरुआत एक विशेष परंपरा से होती थी। मेला मैदान में खूंटा गाड़कर बैलों को बांधा जाता था और उनकी पूजा की जाती थी, ताकि आने वाले वर्ष में अच्छी फसल और समृद्धि बनी रहे। यही परंपरा नलवाड़ी मेले को केवल व्यापारिक आयोजन नहीं बल्कि सांस्कृतिक और धार्मिक उत्सव का स्वरूप भी देती है।

जब राजा का हाथी भी पहुंचता था मेले में

कहलूर रियासत के दौर में नलवाड़ी मेला शाही भव्यता का भी प्रतीक हुआ करता था। बुजुर्ग बताते हैं कि उस समय राजा की शाही सवारी और हाथी भी मेले में पहुंचते थे। राजा अपने दरबारियों के साथ मेले का निरीक्षण करते थे व अच्छे बैलों तथा पशुओं के मालिकों को सम्मानित किया जाता था। यह दृश्य मेले का सबसे बड़ा आकर्षण माना जाता था।

अंग्रेज अधिकारी ने दिया 'नलवाड़ी' नाम

सन् 1889 के आसपास शिमला हिल स्टेट्स के ब्रिटिश सुपरिंटेंडेंट गोल्डस्टीन ने अच्छी नस्ल के बैलों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से इस मेले को व्यवस्थित रूप दिया। उसी समय से इस मेले को 'नलवाड़ी मेला' के नाम से जाना जाने लगा और धीरे-धीरे यह पूरे क्षेत्र में प्रसिद्ध हो गया।

चार रियासतों का साझा उत्सव

नलवाड़ी मेला केवल बिलासपुर तक सीमित नहीं था। इसकी तिथि तय करने में सुकेत, हंडूर और कांगड़ा जैसी रियासतों की भी सहमति ली जाती थी। पंजाब के रोपड़ व पटियाला क्षेत्रों से भी व्यापारी अपने पशु लेकर यहां आते थे, जिससे यह मेला बड़े व्यापारिक केंद्र के रूप में विकसित हुआ।

नलवाड़ी मेले की सांस्कृतिक संध्याओं में गूंजेंगे बब्बू मान और गिप्पी ग्रेवाल व काका के सुर

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, बिलासपुर। जिला मुख्यालय के लुहणू मैदान में 17 मार्च से शुरू होने वाले राज्य स्तरीय नलवाड़ी मेले में इस बार सांस्कृतिक संध्याएं खास आकर्षण का केंद्र रहेंगी।

मेले के दौरान प्रसिद्ध पंजाबी गायक बब्बू मान, गिप्पी ग्रेवाल और काका सहित कई नामी कलाकार अपनी प्रस्तुतियों से दर्शकों का मनोरंजन करेंगे। इसके साथ ही हिमाचली कलाकारों को भी इस बार विशेष प्राथमिकता दी गई है। मेले का शुभारंभ 17 मार्च को भव्य शोभायात्रा के साथ होगा, जो श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर से लुहणू मैदान स्थित मेला स्थल तक निकाली जाएगी। शोभायात्रा में बाहरी जिलों के सांस्कृतिक दलों के कलाकार, महिला मंडल सदस्य, होमगार्ड बैंड और लोक वाद्य यंत्र दल भाग लेंगे। मेला स्थल पर बैलों की खूंटी गाड़ने की पारंपरिक रस्म के साथ मेले का विधिवत शुभारंभ किया जाएगा। मेले का शुभारंभ तकनीकी शिक्षा मंत्री राजेश धर्माणी द्वारा किया जाएगा, जबकि मेले का समापन मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू करेंगे। डीसी एवं मेला आयोजन समिति के अध्यक्ष राहुल कुमार ने बताया कि सात दिवसीय इस राज्य स्तरीय मेले के लिए जिला प्रशासन ने सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। इस वर्ष पहली बार 17 मार्च को बनारस की सतलुज आरती, नाट्य उत्सव, लिट फेस्ट, फोटोग्राफी प्रतियोगिता, मिस बिलासपुर, वॉइस ऑफ बिलासपुर और शतरंज प्रतियोगिता जैसी कई रोचक गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। इसके अलावा भाषा व संस्कृति विभाग के माध्यम से 18 से 20 मार्च तक कहलूर उत्सव का आयोजन भी किया जाएगा। वहीं, 20 मार्च से शुरू होने वाली सांस्कृतिक संध्याओं में 20 मार्च को पंजाबी गायक काका, 21 मार्च को हिमाचली नाटी किंग कुलदीप शर्मा, 22 मार्च को गिप्पी ग्रेवाल और 23 मार्च को प्रसिद्ध गायक बब्बू मान अपनी प्रस्तुति देंगे। डीसी ने बताया कि इस बार मेले में प्रदर्शनी के माध्यम से बिलासपुर के इतिहास और परंपराओं को भी प्रदर्शित किया जाएगा। साथ ही मेले में आने वाले लोगों की सुविधा के लिए विशेष प्रबंध किए गए हैं। उन्होंने आमजन से मेले में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील की।

अटल टनल में फंसे करीब 2000 वाहनों में से 1700 निकाले

24 घंटे से बर्फबारी के कारण फंसे हैं वाहन, रेस्क्यू अभियान जारी, एसडीएम व डीएसपी मनाली रातभर टीम के साथ डटे रहे

अनंत ज्ञान

कमलेश वर्मा, केलांग/कुल्लू। जिला कुल्लू व लाहौल-स्पीति में दो दिनों से बारिश व बर्फबारी का क्रम लगातार जारी है। एक ओर जहां बारिश- बर्फबारी से किसान और पर्यटन व्यवसासियों के चेहरे खिले, लेकिन बागवानों के लिए बर्फबारी मुसीबत बनकर आई है।

जिले में कई जगह सेब के पेड़ों को नुकसान हुआ है। बर्फबारी के चलते मनाली-अटल टनल मार्ग पर धुंधी के पास बीती रात को एक 2000 के करीब वाहनों में हजारों पर्यटक सड़क पर फंस गए थे। मनाली पुलिस-प्रशासन की ओर से लगातार 24 घंटे से ही रेस्क्यू अभियान लगातार जारी है। बीती देर रात से ही पर्यटकों के लिए रेस्क्यू कार्य शुरू कर दिया था। सोमवार शाम तक हालांकि करीब 80 फीसद वाहनों को अटल टनल से मनाली की ओर निकाल दिया गया है, लेकिन बार-बार हो रही बर्फबारी और सड़क पर फिसलन के चलते करीब 20 फीसदी वाहनों को निकालने का काम अभी भी जारी है। भारी बर्फबारी के चलते अटल टनल के भीतर भी सैकड़ों वाहन फंस गए थे। इसके कारण कई वाहन चालकों को भूखे प्यासे ही गाड़ियों में रात गुजारनी पड़ी। सुबह के समय फिर से रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया, लेकिन एक बार फिर से मौसम खराब हो गया और बर्फबारी का दौर शुरू हो गया है। ऐसे में प्रशासन ने गाड़ी में फंसे वाहन चालकों को जूस और खाने पीने का सामान भी उपलब्ध करवाया है।

डीसी कुल्लू अनुराग चंद्र शर्मा ने बताया कि कल अचानक हुई भारी बर्फबारी के कारण अटल टनल के साउथ पोर्टल के समीप लगभग 1500 के अधिक वाहन फंस गए थे। जिला प्रशासन, पुलिस, तथा बॉर्डर रोड ऑर्गनाइजेशन (बीआरओ) की टीमों द्वारा तुरंत राहत एवं बचाव अभियान शुरू किया गया। इस दौरान लगभग 4 बजे तक करीब 1100 से 1200 वाहनों को सुरक्षित रूप से मनाली की ओर निकाल लिया गया। इसके अतिरिक्त साउथ पोर्टल पर फंसे लगभग 300 वाहनों को भी बाद में सुरक्षित रूप से मनाली की ओर रवाना किया गया है। डीसी ने बताया कि सोमवार सुबह से बचाव अभियान पुन: शुरू किया गया सुबह सिस्सू की ओर से आए लगभग 300 वाहनों को भी धीरे-धीरे सुरक्षित रूप से मनाली की ओर भेजा जा रहा है। मौके पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कुल्लू तथा डीएसपी मनाली अपनी टीमों सहित मौजूद हैं। इसके अलावा बीआरओ के मेजर एमएस परमार अपनी टीम के साथ मौके पर तैनात हैं और सभी फंसे वाहनों को सुरक्षित रूप से मनाली की ओर भेजने का कार्य किया जा रहा है। साउथ पोर्टल की सुरक्षा के लिए तैनात 20 जवान भी पिछले 24 घंटों से लगातार राहत एवं बचाव कार्य में सहयोग कर रहे हैं। डीसी ने आम लोगों और पर्यटकों से अपील करते हुए कहा कि मौसम खराब होने की स्थिति में बिना आवश्यक जानकारी के ऊंचाई वाले क्षेत्रों की यात्रा न करें। यात्रा से पहले मौसम और सड़क की स्थिति की जानकारी अवश्य लें तथा प्रशासन और पुलिस द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करें, ताकि किसी भी प्रकार की असुविधा या जोखिम से बचा जा सके।

बर्फबारी के चलते फंसे वाहन। अनंत ज्ञान

सड़कें व बिजली आपूर्ति ठप

मनाली में भी बर्फबारी का दौर शुरू हो गया है। हालांकि, शहर में बर्फ की परत नहीं जमी लेकिन आसपास के गांवों में एक से दो इंच तक बर्फ जम गई है। सोमवार को देर रात तक बर्फबारी का दौर जारी रहा। उधर, लाहुल स्पीति जिला में जहां करीब एक फुट बर्फबारी होने के कारण सभी सड़कें बाधित हो गई हैं वहीं विद्युत आपूर्ति भी ठप्प है। उधर, कुल्लू जिला में बारिश बर्फबारी के चलते 9 सड़कें बंद हो गई हैं, जबकि 118 डीटीआर प्रभावित होने के कारण कई गांव अंधेरे में डूब गए हैं।

अटल टनल में फंसे हजारों पर्यटकों की मदद को आगे आए सिस्सू के लोग

केलांग। अटल टनल के साउथ और नॉर्थ पोर्टल के पास हुई बर्फबारी के कारण हजारों पर्यटक, वाहन चालक च यात्री घंटों तक टनल और उसके आसपास फंसे रहे। कड़ाके की ठंड व लंबे जाम के कारण लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। ऐसे मुश्किल समय में सिस्सू के स्थानीय संगठनों ने आगे आकर सेवा व सहयोग की मिसाल पेश की। एडवेंचर स्पोर्ट्स एंड टूरिज्म सोसाइटी सिस्सू और राजा घेपन कमेटी सिस्सू के सदस्यों ने संयुक्त रूप से राहत कार्य शुरू किया। सुबह के समय टनल में फंसे हजारों पर्यटकों और वाहन चालकों के लिए चाय, पानी और बिस्कुट की व्यवस्था की गई, जिससे ठंड के बीच फंसे लोगों को काफी राहत मिली। एसटीएस के प्रधान जितेंद्र कटौच व राजा घेपन कमेटी के सदस्य विकास शाशनी ने बताया कि सुबह के समय अटल टनल के भीतर हजारों लोग मौजूद थे, जो बर्फबारी के कारण फंस गए थे व काफी परेशान थे, ऐसे में स्थानीय संगठनों के सदस्यों ने स्थिति को समझते हुए तुरंत राहत पहुंचाने का निर्णय लिया। उन्होंने बताया कि फिलहाल भी दोनों संस्थाओं के सदस्य लगातार मौके पर मौजूद हैं और टनल में फंसे पर्यटकों, वाहन चालकों और अन्य यात्रियों के लिए चाय, पानी, मैगी और बिस्कुट की व्यवस्था कर रहे हैं। इस पहल से फंसे हुए लोगों को काफी राहत मिल रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि कठिन परिस्थितियों में जिस तरह से सिस्सू के युवाओं और सामाजिक संगठनों ने आगे बढ़कर सेवा भावना का परिचय दिया है, वह देवभूमि की परंपरा और मानवता की सच्ची मिसाल है। उनकी इस पहल की हर ओर सराहना हो रही है।

बंजार के जिभी की पहाड़ियों से खिलौने की तरह लुढ़की कार

अनंत ज्ञान, बंजार। पर्यटन नगरी कुल्लू के बंजार उपमंडल के अंतर्गत आने वाले बंजार के जिभी में रविवार शाम एक ऐसा कार हादसा पेश आया, जिसका सीसीटीवी फुटेज देखकर किसी की भी रूह कांप जाए। 15 मार्च की शाम करीब 5 बजे, दिल्ली नंबर की एक कार अनियंत्रित होकर ऊपरी सड़क से नीचे की ओर लुढ़क गई। चश्मदीदों व सीसीटीवी वीडियो के अनुसार, कार इतनी तेज रफ्तार से नीचे की ओर पलटी कि वह एक सड़क से उछलकर सीधे दूसरी सड़क पर जा गिरी, जब कार पहाड़ी से लुढ़क रही थी, तो उसमें सवार एक महिला गाड़ी से छिटककर पहाड़ी के बीच में ही जा गिरी। गाड़ी जब नीचे वाली सड़क पर जाकर रुकी, तो उसमें दो मासूम बच्चों समेत पूरा पर्यटक परिवार फंसा हुआ था। स्थानीय लोगों के अनुसार, मलबे व टूटी गाड़ी के बीच से एक बच्चे की जोर-जोर से चिल्लाने और मदद मांगने की आवाजें सुनाई दीं। चीख-पुकार सुनकर पास ही मौजूद एक स्थानीय व्यक्ति देवदूत बनकर मौके की ओर भागा और तुरंत बचाव कार्य शुरू किया। गनीमत यह रही कि इतने बड़े और डरावने हादसे के बावजूद, कार में सवार सभी सदस्यों को केवल हल्की-फुल्की चोटें आई हैं और कोई जानी नुकसान नहीं हुआ। इस चमत्कारिक बचाव ने एक बार फिर साबित कर दिया कि 'जाको राखे साइयां मार सके न कोय'। फिलहाल, पुलिस मामले की जांच कर रही है और पहाड़ों पर गाड़ी चलाते समय अतिरिक्त सावधानी बरतने की सलाह दी जा रही है।

न्यूज ब्रीफ

ट्रेडिशनल मॉडलिंग व समूहगान की प्रस्तुतियां दीं

अनंत ज्ञान आनी। राजकीय महाविद्यालय आनी में सोमवार को महाविद्यालय केंद्रीय छात्र संघ के वार्षिक सांस्कृतिक कार्यक्रम 'उमंग' का आयोजन धूमधाम से किया गया। कार्यक्रम के मुख्यातिथि प्राचार्य डॉ. दायक राम ठाकुर और विशिष्टातिथि जवाहर ठाकुर, प्रधानाचार्य राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय आनी, उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत छात्र संघ की अध्यक्ष रंजना कौशल ने अतिथियों का स्वागत करके की। महाविद्यालय के विभिन्न विभागों, क्लब और सोसायटी के छात्रों ने संगीत, क्लासिकल ऑर्केस्ट्रा, नृत्य, लघु नाटिका, ट्रेडिशनल मॉडलिंग और समूहगान जैसी आकर्षक प्रस्तुतियां दीं। डॉ. दायक राम ठाकुर ने छात्रों की प्रतिभा की सराहना की और इस प्रकार के आयोजनों को प्राचीन संस्कृति के संरक्षण में महत्वपूर्ण बताया। जवाहर ठाकुर ने छात्रों से नशे से दूर रहने और पढ़ाई एवं रचनात्मक कार्यों में रुचि दिखाने की अपील की। कार्यक्रम में पीटीए कार्यकारिणी, केंद्रीय छात्र संघ, शिक्षक, कर्मचारी और छात्रगण उपस्थित रहे।

सिलेंडर वापस लाहौल भेजे जाएंगे: अनुराधा

अनंत ज्ञान ब्यूरो, केलांग। विधायक अनुराधा राणा ने स्पष्ट किया कि लाहौल से कुल्लू-मनाली भेजे गए गैस सिलेंडर किसी अनियमितता के कारण नहीं, बल्कि आपातकालीन परिस्थितियों को देखते हुए उठाया गया कदम था। उन्होंने कहा कि अस्पतालों, स्कूलों व अन्य आवश्यक संस्थानों में गैस की कमी को ध्यान में रखते हुए यह व्यवस्था की गई थी। विधायक ने बताया कि लाहौल-स्पीति के निवासी जो वर्तमान में कुल्लू-मनाली में रह रहे हैं, उनकी जरूरतों को भी ध्यान में रखा गया। उन्होंने आश्वासन दिया कि जितने सिलेंडर बाहर भेजे गए हैं, उससे अधिक संख्या में जल्द ही लाहौल में वापस लाए जाएंगे, ताकि घाटी में गैस आपूर्ति पूरी तरह सामान्य रहे। अनुराधा राणा ने इस मुद्दे पर राजनीति करने वालों पर भी निशाना साधा और कहा कि असफल वैश्विक नीतियों के कारण पूरे देश को इस स्थिति का सामना करना पड़ रहा है।

पेंशनर्स ने सरकार के खिलाफ की नारेबाजी

अनंत ज्ञान ब्यूरो, कुल्लू। पेंशनर्स संयुक्त संघर्ष समिति के बैनर तले सोमवार को पेंशनर्स ने कुल्लू में रैली निकालकर जोरदार प्रदर्शन किया और लंबित मांगों को लेकर धरना दिया। पेंशनर्स ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और शीघ्र समाधान की मांग उठाई। धरने को संबोधित करते हुए पेंशनर्ज फेडरेशन के जिला अध्यक्ष इंद्र दत्त शर्मा ने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने लंबित मांगें पूरी नहीं कीं, तो 30 मार्च को शिमला में विशाल आंदोलन और विधानसभा का घेराव किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पेंशनर्स के सैकड़ों करोड़ रुपए लंबित हैं, जिससे आर्थिक परेशानियां बढ़ रही हैं। धरने के दौरान बड़ी संख्या में पेंशनर्स ने भाग लिया और सरकार से लंबित वित्तीय लाभों का भुगतान और अन्य मांगों पर सकारात्मक निर्णय की मांग की।

मंडी में होगा 'आप' का कार्यकर्ता सम्मेलन

अनंत ज्ञान, सैंज। 22 मार्च को मंडी जिला मुख्यालय में आम आदमी पार्टी का विशेष कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित किया जाएगा, जिसमें दिल्ली सरकार के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे। गत विधानसभा चुनाव में बंजार क्षेत्र से पार्टी के प्रत्याशी रहे नीरज सैनी ने बताया कि इस सम्मेलन में कुल्लू और मंडी से सैकड़ों कार्यकर्ता, पदाधिकारी और आम कार्यकर्ता भाग लेंगे। सम्मेलन का उद्देश्य आगामी विधानसभा चुनावों के लिए नेताओं का मार्गदर्शन प्राप्त करना और पार्टी की रणनीति तय करना है। नीरज सैनी ने कहा कि यह आयोजन हिमाचल प्रदेश में राजनीति में नया मोड़ लाएगा। दिल्ली और पंजाब सरकार के मॉडल का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी की पारदर्शी और ईमानदार राजनीति जनता के लिए एक विकल्प बन चुकी है। सम्मेलन में मनीष सिसोदिया प्रदेश में चुनाव लड़ने की औपचारिक घोषणा भी कर सकते हैं।

सिरिंज के माध्यम से नशे का सेवन करने वालों को लत से मिलेगी निजात

अनंत ज्ञान

मनाली। सिरिंज के माध्यम से नशे का सेवन करने वाले अब इस लत से निजात पा सकेंगे। मनाली में सरकार ने ओएसटी (ओपिएड सब्सिट्यूशनल थेरेपी) केंद्र खोल दिया है। रावत क्लिनिक के साथ खुले इस केंद्र में शुरूआती चरण में दस लोगों का थेरेपी के माध्यम से नशा छुड़ाने का प्रयास होगा।

मनाली के विधायक भुवनेश्वर गौड़ ने सोमवार को इस केंद्र का रिबन काटकर विधिवत शुभारंभ किया। केंद्र में इंजेक्शन से नशा कर रगों में जहर घोल रहे लोगों को इस लत से आजादी मिलेगी। केंद्र में दस लोगों का इलाज शुरू किया जाएगा। इस पर मानस कल्याण बहुउद्देश्य सोसायटी कार्य कर रही है। सोसायटी ने दस लोगों को काउसलिंग के लिए चुना है। नशे की लत में फंसे लोगों को रोजाना यहां आकर चिकित्सकों की देखरेख में दवाइयां लेनी होंगी, जो लोग संगत में नशे की लत से अपनी सेहत बिगाड़ चुके हैं, उनका समुचित उपचार किया जाएगा। इस अवसर पर खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. करण ने बताया कि यह केंद्र नाको कि सहायता से खोला गया है। इसमें नशे की लत में फंसे लोगों का उपचार होगा। वहीं, लोग यहां आकर नशा छुड़ा सकते हैं, जो सीरिंज से नशा लेते हैं। उन्होंने कहा कि इंजेक्शन की लत से कई गंभीर बीमारियों का खतरा होता है, जो समूह बनाकर एक ही इंजेक्शन से आपस में नशा करते हैं। उनमें गंभीर रोग होने की भी आशंका होती है। एचआईवी, हेपेटाइटिस बी, क्षय रोग समेत कई बीमारियां हो सकती हैं। विधायक भुवनेश्वर गौड़ ने कहा कि हिमाचल में तीन केंद्र खोले गए हैं।

19 मार्च को कैंपस इंटरव्यू

अनंत ज्ञान ब्यूरो, कुल्लू। जिला रोजगार अधिकारी विनोद कुमार ने बताया कि आर्य आदर्श हाई स्कूल, अखाड़ा बाजार और आवर लेडी ऑफ द स्नोज स्कूल, कुल्लू में विभिन्न रिक्त पदों के लिए 19 मार्च 2026 को प्रात: 10:30 बजे जिला रोजगार कार्यालय कुल्लू में कैंपस इंटरव्यू आयोजित किया जाएगा। खाली पदों में शास्त्री अध्यापक (1), पीटीआई महिला (1), संगीत अध्यापक (1) और सुरक्षा गार्ड (1) शामिल हैं। शास्त्री अध्यापक के लिए शास्त्री डिप्लोमा, बी.एड. और टीईटी अनिवार्य हैं। पीटीआई पद के लिए बीपीएड./एमपीएड, महिला उम्मीदवार को प्राथमिकता दी जाएगी। संगीत अध्यापक के लिए संगीत में स्नातक या स्नातकोत्तर योग्यता जरूरी है। सुरक्षा गार्ड का पद केवल भूतपूर्व सैनिकों के लिए आरक्षित है। इन पदों के लिए वेतनमान 9,000 से लेकर 14,500 रुपए तक निर्धारित किया गया है।

बिजली महादेव रोप-वे को लेकर झूठे आरोप लगा रहे विधायक सुंदर ठाकुर: संजू पंडित

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, कुल्लू। भाजपा पार्वती मंडल के अध्यक्ष संजीव पंडित ने सोमवार को प्रेस वार्ता में कहा कि बिजली महादेव रोपवे को लेकर कुल्लू के विधायक सुंदर सिंह ठाकुर झूठ बोल रहे हैं। उन्होंने बताया कि रोपवे को लेकर किसी ने भी डीसी कुल्लू से कोई मुलाकात नहीं की है। संजीव पंडित ने साफ किया कि किसी भी हालत में यह रोपवे नहीं लगाया जाएगा और वे अपनी आखिरी सांस तक इस मुद्दे पर संघर्ष जारी रखेंगे।

सड़क की खराब स्थिति को लेकर पंडित ने सरकार और प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने भुंतर से मणिकर्ण सड़क के रखरखाव और मरम्मत के लिए 39 करोड़ रुपये जारी किए थे, लेकिन विभाग और राज्य सरकार ने इस राशि का सही उपयोग नहीं किया। सड़क की स्थिति आज भी बेहद खराब है, जिससे स्थानीय लोग और पर्यटक दोनों प्रभावित हो रहे हैं।

पंडित ने कुल्लू विधायक पर भी निशाना साधते हुए कहा कि मणिकर्ण घाटी की जनता को उन्होंने अकेला छोड़ दिया है। उन्होंने सवाल उठाया कि पिछले एक वर्ष में विधायक घाटी में कितनी बार आए और लोगों की समस्याओं को समझने का प्रयास किया। उन्होंने आरोप लगाया कि पंचायतों के भंग होने के बाद उनकी धनराशि आईपीएच विभाग की ओर डायवर्ट की जा रही है, जबकि इसे विकास कार्यों पर खर्च किया जाना चाहिए। संजीव पंडित ने मणिकर्ण घाटी में पेयजल की गंभीर किल्लत और कई स्कूल भवनों के जर्जर व ध्वस्त होने की बात कही।

इसके कारण बच्चों को खुले आसमान या टीन शेड में पढ़ाई करनी पड़ रही है। ग्रामीण क्षेत्रों की सड़कें भी लंबे समय से खस्ता बनी हुई हैं। अंत में पंडित ने सरकार और प्रशासन से मांग की कि मणिकर्ण घाटी की समस्याओं को गंभीरता से लिया जाए और सड़क, पेयजल और शिक्षा जैसी मूलभूत सुविधाओं को तुरंत दुरुस्त किया जाए, ताकि स्थानीय जनता को राहत मिल सके।

बीएसएफ पर्वतारोहण दल ले रहा प्री-एवरेस्ट और प्री-माउंट ल्होत्से अभियान प्रशिक्षण

अनंत ज्ञान

प्रशिक्षण प्राप्त कर रही बीएसएफ की टीम। अनंत ज्ञान

मनाली। बीएसएफ के पर्वतारोहण दल के लिए प्री-एवरेस्ट और प्री-माउंट ल्होत्से अभियान प्रशिक्षण तथा रिफ्रेशर प्रशिक्षण कार्यक्रम अटल बिहारी वाजपेयी पर्वतारोहण एवं संबद्ध खेल संस्थान (एबीवीआईएमएएस), मनाली के तत्वावधान में आयोजित किया जा रहा है।

इस प्रशिक्षण में कुल 18 बीएसएफ कार्मिक भाग ले रहे हैं, जिनमें चार महिला पर्वतारोही और बाकी पुरुष शामिल हैं। दल में तीन एवरेस्ट विजेता भी शामिल हैं, जिनमें सात बार माउंट एवरेस्ट आरोहण कर चुके पदमश्री से सम्मानित लवराज सिंह धर्मसकाटू भी हैं। उनका व्यापक उच्च हिमालयी अनुभव दल के अन्य सदस्यों के लिए प्रेरणा और मार्गदर्शन का स्रोत बनेगा। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रतिभागियों को उनके आगामी अभियानों माउंट एवरेस्ट (8848.86 मीटर) और माउंट लोहत्से (8516 मीटर) के लिए तैयार करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया है। प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में एडवांस स्नो एवं आइस क्राफ्ट, ग्लेशियर ट्रैवल तकनीक, क्रेवास रेस्क्यू, फिक्स्ड रोप प्रबंधन, हिमस्खलन जागरूकता, उच्च हिमालयी अनुकूलन, अभियान योजना एवं लॉजिस्टिक्स, उच्च ऊंचाई चिकित्सा प्रबंधन तथा कठिन परिस्थितियों में नेतृत्व और टीम समन्वय जैसे महत्वपूर्ण विषय शामिल हैं। रिफ्रेशर प्रशिक्षण का उद्देश्य प्रतिभागियों को नवीनतम तकनीकी कौशल और सुरक्षा मानकों से अपडेट करना है। एबीवीआईएमएएस के निदेशक ने बताया कि संस्थान उच्च हिमालयी प्रशिक्षण के लिए अत्यंत उपयुक्त स्थान है। वास्तविक पर्वतीय परिस्थितियों में प्रशिक्षण से पर्वतारोहियों का आत्मविश्वास, तकनीकी दक्षता और सहनशक्ति बढ़ती है, जो किसी भी उच्च हिमालयी अभियान की सफलता के लिए अहम है। उन्होंने कहा कि हिमालयी अभियान समय, प्रयास और आर्थिक दृष्टि से महंगे होते हैं, इसलिए सही प्री-अभियान प्रशिक्षण बेहद आवश्यक है।

एबीवीआईएमएएस हिमालयी क्षेत्र में क्षमता निर्माण, पेशेवर पर्वतारोहण प्रशिक्षण और सुरक्षित साहसिक गतिविधियों को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है, जिससे राष्ट्रीय पर्वतारोहण दलों की सफलता सुनिश्चित होती है।

सघन डायरिया न्यूमोनिया नियंत्रण पखवाड़ा शुरू

अनंत ज्ञान ब्यूरो, कुल्लू। जिला स्तरीय सघन डायरिया व न्यूमोनिया नियंत्रण पखवाड़े का आयोजन क्षेत्रीय अस्पताल कुल्लू में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. रणजीत ठाकुर की अध्यक्षता में किया गया। यह पखवाड़ा 16 मार्च से 30 मार्च तक चलाया जाएगा, जिसके तहत जिले भर में बच्चों को डायरिया और न्यूमोनिया से बचाव के लिए जागरूक किया जाएगा। डॉ. रणजीत ने बताया कि इस अभियान के दौरान आशा कार्यकर्ता घर-घर जाकर 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों को ओआरएस के दो पैकेट और 14 दिनों के लिए जिंक की दवा उपलब्ध करवाएंगी। उन्होंने बताया कि 0 से 6 माह तक के बच्चों को जिंक की आधी गोली दी जाएगी, जबकि 6 माह से 5 वर्ष तक के बच्चों को जिंक की पूरी गोली दी जाएगी। उन्होंने बताया कि ज़िला कुल्लू में कुल 3086 गांव हैं, जिनमें लगभग 25,844 घर शामिल हैं। इन घरों में 0 से 5 वर्ष आयु वर्ग के लगभग 29,142 बच्चे हैं, जो डायरिया और न्यूमोनिया जैसी बीमारियों के प्रति अधिक संवेदनशील होते हैं।

मनाली की बेटी योगिंद्रा ठाकुर ने एमसीए में जीता स्वर्ण पदक

अनंत ज्ञान

मोहन कपूर, पतलीकूहल। शिक्षा के क्षेत्र में मनाली की एक और बेटी ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। विधानसभा क्षेत्र की बस्तोरी पंचायत के नथान गांव की रहने वाली योगिंद्रा ठाकुर ने हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय में एमसीए की परीक्षा में पूरे विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त कर स्वर्ण पदक अपने नाम किया है।

योगिंद्रा की इस असाधारण सफलता ने न केवल उनके परिवार, बल्कि पूरी पंचायत व मनाली क्षेत्र को गौरवान्वित किया है। ग्रामीण परिवेश से निकलकर तकनीकी शिक्षा के शीर्ष तक पहुंचना उनकी अटूट लगन व कड़ी मेहनत को दर्शाता है। विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में उन्हें इस उपलब्धि के लिए सम्मानित किया गया।

क्षेत्र में जश्न का माहौल

स्वर्ण पदक जीतने की खबर मिलते ही बस्तोरी पंचायत व नथान गांव में खुशी का माहौल है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि योगिंद्रा ने यह साबित कर दिया है कि संसाधनों के अभाव के बावजूद अगर संकल्प दृढ़ हो, तो किसी भी लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है।

पूर्व शिक्षा मंत्री गोविंद सिंह ठाकुर ने दी बधाई

प्रदेश के पूर्व शिक्षा मंत्री व वरिष्ठ भाजपा नेता गोविंद सिंह ठाकुर ने योगिंद्रा की सफलता पर हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें व उनके परिवार को बधाई दी। उन्होंने कहा योगिंद्रा ठाकुर ने गोल्ड मेडल हासिल कर मनाली का नाम रोशन किया है। यह उपलब्धि सिद्ध करती है कि हमारी बेटियों में अपार क्षमता है। यदि उन्हें सही अवसर व प्रोत्साहन मिले, तो वे आसमान की बुलंदियों को छू सकती हैं। योगिन्द्रा की यह सफलता अन्य छात्राओं के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बनेगी।

लाइव डेमो कचरे से बनेगी स्वच्छ और सस्ती ऊर्जा, एलपीजी पर निर्भरता कम करने की दिशा में नई पहल

तीर्थन घाटी में पोर्टेबल बायोमास बुखारी का प्रदर्शन

अनंत ज्ञान

तीर्थन। कुल्लू जिले की तीर्थन घाटी में स्वच्छ और सस्ती ऊर्जा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बायोमास ऊर्जा प्रणाली पर आधारित पोर्टेबल हाईटेक बुखारी का प्रदर्शन किया गया।

डेमो के दौरान दिखाया व बताया गया कि कैसे इस तकनीक के माध्यम से कृषि अपशिष्ट और लकड़ी के छोटे टुकड़ों जैसे स्थानीय ईंधन का उपयोग कर खाना पकाने, कमरे को गर्म रखने और पानी गर्म करने जैसी कई जरूरतें एक ही उपकरण से पूरी की जा सकती हैं। प्रज्ञानम प्राइवेट लिमिटेड कंपनी, हमीरपुर के सहयोग से यह प्रदर्शन आयोजित किया गया। कंपनी के को-फाउंडर अश्वनी शर्मा ने बताया कि तीर्थन घाटी के गुशैनी नागनी स्थित कलियुगा रिसॉर्ट और बठाहड़ क्षेत्र में लोगों के बीच इस प्रणाली का लाइव डेमो दिया गया। इस दौरान पर्यटन कारोबारियों, होमस्टे संचालकों और स्थानीय लोगों को इस नई तकनीक बुखारी तंदूर की कार्यप्रणाली और

पोर्टेबल बायोमास बुखारी के बारे में जानकारी देते हुए। अनंत ज्ञान

इसके लाभों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। जिला हमीरपुर के बाहली गांव निवासी रोहित शर्मा और अश्वनी शर्मा ने बताया कि पहाड़ी और बर्फीले इलाकों में ऊर्जा के बेहतर उपयोग व पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक अनोखा नवाचार सामने लाया गया है। इन दोनों युवकों ने पारंपरिक तंदूर बुखारी को आधुनिक तकनीक के साथ जोड़कर एक हाईटेक पोर्टेबल बुखारी तैयार की है। इस बुखारी की खासियत यह है कि इसमें ओवन, स्टीमर और गीजर जैसी कई सुविधाएं एक साथ उपलब्ध हैं।

इसके साथ ही यह लकड़ी की खपत को लगभग 40 प्रतिशत तक कम कर सकती है। इन्होंने बताया कि इस हाईटेक बुखारी का उपयोग पानी गर्म करने, खाना बनाने व कमरे को गर्म रखने के लिए किया जा सकता है। एक बार खाना बनाने के बाद यह कमरे को लगभग 7 से 8 घंटे तक गर्म रख सकती है। तीन फुट ऊंची इस बुखारी में लगभग 20 लीटर पानी गर्म करने की क्षमता है। इसमें पानी निकालने के लिए नल भी लगाया गया है। इसके साथ ही इसमें स्टीम के लिए अलग सिस्टम भी दिया गया है। बुखारी को आसानी से एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाने के लिए इसमें चार पहिए लगाए गए हैं, जिससे यह पूरी तरह पोर्टेबल बन गई है। हमीरपुर जिले के बाहली निवासी रोहित शर्मा अव अश्वनी शर्मा ने इस हाईटेक बुखारी का प्रोटोटाइप तैयार किया है। दोनों ने अपने इस नवाचार को एनआईटी हमीरपुर में आयोजित राष्ट्रीय स्टार्टअप शिखर सम्मेलन 2026 में प्रस्तुत किया। इस प्रोटोटाइप को इन्क्यूबेशन के लिए चयनित किया गया व प्रतियोगिता में इसे दूसरा स्थान प्राप्त हुआ। इसके लिए दोनों युवकों को 30 हजार रुपए का पुरस्कार भी दिया गया। उन्होंने बताया कि बाजार में उपलब्ध टर्किश बुखारी भी कुछ समान सुविधाएं देती है, लेकिन उसमें पानी के भंडारण और इनबिल्ट स्टीमर जैसी सुविधाएं नहीं होतीं। टर्किश बुखारी की कीमत बाजार में लगभग एक लाख रुपए तक होती है, जबकि इस हाईटेक बुखारी की कीमत करीब 40 हजार रुपए तक रखी गई है। इस नवाचार को ऊर्जा के बेहतर उपयोग और पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है। इन्क्यूबेशन सेंटर में इसे निशुल्क इन्क्यूबेशन सुविधा दी जाएगी व प्रोटोटाइप को विकसित कर पेटेंट फाइल करने में भी सहायता प्रदान की जाएगी। तीर्थन घाटी में आयोजित डेमो के दौरान स्थानीय पर्यटन कारोबारियों व होमस्टे संचालकों ने इस तकनीक में खास रुचि दिखाई। उनका कहना है कि यदि यह प्रणाली घाटी में अपनाई जाती है, तो इससे एलपीजी की बढ़ती कीमतों से राहत मिलेगी और पर्यटन क्षेत्र को सस्ती तथा स्वच्छ ऊर्जा का नया विकल्प मिल सकेगा। इस संबंध में अधिक जानकारी प्राप्त करने के लिए इच्छुक व्यक्ति कंपनी के फोन नंबर 8219501996 पर संपर्क या मैसेज कर सकते हैं।

कांग्रेस के नुमाइंदे प्रदेश सरकार की नाकामियां छुपाने को केंद्र सरकार पर लगा रहे आरोप: रवि

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, केलांग। लाहौल-स्पीति के पूर्व विधायक एवं प्रदेश भाजपा कार्यसमिति के सदस्य रवि ठाकुर ने कहा है कि प्रदेश सरकार ने अपनी कमजोरी छुपाने को लेकर नया राग अलापना शुरू कर दिया है। उन्होंने जनजातीय जिला लाहौल-स्पीति से गैस सिलेंडर अन्य जिलों में भेजने को लेकर लाहौल-स्पीति की विधायक अनुराधा राणा के बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि लाहौल-स्पीति से इनके नुमाइंदे और चुने हुए जनता के प्रतिनिधि सरकार की कारगुजारी को छुपाने के लिए केंद्र सरकार को दोषी मान रहे हैं।

रवि ने कहा कि यह केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीतियों का ही प्रतिफल है कि खाड़ी देशों में इतना बड़ा युद्ध जारी है, लेकिन फिर भी भारत पर इसका कोई असर नहीं है। उन्होंने कहा कि केंद्र से गैस और ऑयल की सप्लाई निरंतर आ रही है, लेकिन प्रदेश में इसके वितरण पर लाहौल-स्पीति से ही क्यों गैस सिलेंडर दूसरे जिलों को भेजे गए। उन्होंने कहा कि लाहौल-स्पीति की विधायक दूसरे जिलों में अस्पतालों में गैस सिलेंडर की कमी की बात कर रही हैं, तो वहां पर विकल्प उपलब्ध हैं, लेकिन जनजातीय जिलों में कई क्षेत्र ऐसे दूरदराज स्थित हैं, जहां पर आने जाने के भी साधन नहीं हैं और ऐसे में चीन की सीमा से सटे स्पीति घाटी से मूलभूत सुविधाओं को दूसरी जगह शिफ्ट करना सरकार का गलत कदम है। रवि ठाकुर ने कहा कि लाहौल-स्पीति में बीआरओ सहित आईटीबीपी और सेना बेस कैंप में गैस की सख्त जरूरत होती है। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा है कि क्या पता स्वास्थ्य सुविधाओं के नाम पर लाहौल स्पीति से स्थानांतरित गैस सिलेंडर सरकार के वीआईपी लोगों के घरों में पहुंचाए जा रहें हों।

आर्ट ऑफ लिविंग संस्था कुल्लू ने फैलाई खुशी

अनंत ज्ञान ब्यूरो, भुंतर। पिछले छह दिनों से चले आ रहे आर्ट ऑफ लिविंग का हैप्पीनेस प्रोग्राम (आनंद उत्सव) शमशी में त्र्यंबिका निवास में संपन्न हुआ। आर्ट ऑफ लिविंग के वरिष्ठ प्रशिक्षक सुंदर ठाकुर ने बताया कि इस शिविर में समाज के विभिन्न श्रेणी के प्रतिभागियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। इस शिविर में प्रतिभागियों ने योग, प्राणायाम की उचित शिक्षा से लेकर विश्वप्रसिद्ध सुदर्शन क्रिया भी सीखी। इस के अतिरिक्त सभी प्रतिभागियों ने जीवन जीने की कला से संबंधित पौराणिक ज्ञान की भी खूब चर्चा की। सुंदर ठाकुर ने बताया कि इस शिविर में प्रतिभागियों ने समाज के अन्य लोगों में भी इसी तरह के शिविर में भाग लेने के लिए उत्साहित करने का संकल्प भी लिया, ताकि समाज के हर व्यक्ति के चेहरे पर अच्छी सेहत व समझ के साथ सदैव मुस्कान रहे। सुंदर ठाकुर ने सभी स्वयंसेवकों व प्रतिभागियों तथा त्रयंबिका निवास के मालिक विकास सूद को भी धन्यवाद दिया। इस शिविर में आर्ट ऑफ लिविंग के वरिष्ठ प्रशिक्षक सुंदर ठाकुर, सोनम डोलमा, सरिता शर्मा तथा अन्य कई वरिष्ठ स्वयंसेवकों ने सेवा प्रदान की।

नाहन का बढ़ाया मान, प्रणव गौतम ने झटका 'हिमाचल अचीवर्स अवार्ड-2026'

अनंत ज्ञान

नाहन। देश के विभिन्न राज्यों में फैले बंजारा राइडर्स क्लब के संस्थापक नाहन निवासी प्रणव गौतम को शिमला में रविवार को हिमाचल अचीवर्स अवार्ड से नवाजा गया है। शिमला के विख्यात गेयटी थियेटर में डी डॉलफिन समूह द्वारा आयोजित भव्य समारोह में विधायक जनारथा ने विभूतियों को सम्मानित किया। प्रणव गौतम ने बंजारा राइडर्स क्लब की स्थापना वर्ष 2024 में की थी। क्लब की शुरुआत से ही सामाजिक कार्यों, महिला सशक्तिकरण और सड़क सुरक्षा से मुद्दे जुड़े रहे हैं। संस्थापक प्रणव गौतम बाइक राइड्स के माध्यम से सिरमौर जिले में पर्यटन को बढ़ावा देने में सक्रिय रूप से भूमिका निभा रहे है। प्रणव बाइक राइडर्स के साथ सिरमौर जिले के छिपे हुए रत्नों यानी अज्ञात स्थलों की खोज कर रहे हैं। बंजारा राइडर्स के अन्य मुख्य स्तंभ, जो पहले दिन से ही राकेश मिगलानी पेशे से आईटी सलाहकार रोहित एक आईटी पेशेवर के रूप में कार्यरत हैं, कल्ब से जुड़े हुए हैं।

◆ **शिमला के गेयटी थियेटर में विधायक जनारथा ने सम्मानित कीं विभूतियां**

यह क्लब पूरे भारत के विभिन्न राज्यों में फैला हुआ है। मध्य प्रदेश में तरुण और अभिषेक नेतृत्व करते हैं, जबकि हिमाचल प्रदेश के लिए शिवम तोमर मुख्य हैं। क्लब की उल्लेखनीय योगदान को देखते हुए क्लब को 'हिमाचल अचीवर्स अवार्ड 2026' से सम्मानित किया गया है। इन उपलब्धि से नाहन व प्रदेश का नाम रोशन हुआ है।

नहीं रहे प्रदेश उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश सुरेंद्र सिंह ठाकुर

न्यायिक जगत और सिरमौर जिले में शोक की लहर

अनंत ज्ञान

सोलन/नाहन। हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश सुरेंद्र सिंह ठाकुर के आकस्मिक निधन से प्रदेश के न्यायिक जगत सहित जिला सिरमौर में शोक की लहर दौड़ गई है। मूल रूप से सिरमौर जिले के राजगढ़ उपमंडल के बखोग गांव के निवासी सुरेंद्र सिंह ठाकुर वर्तमान में सोलन में रह रहे थे। सुरेंद्र सिंह ठाकुर का न्यायिक जीवन अत्यंत गौरवशाली और प्रेरणादायक रहा। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत वकालत से की और अपनी काबिलियत, निष्पक्षता तथा कानून की गहरी समझ के बल पर हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय के न्यायाधीश पद तक का सफर तय किया। उनके अनुभव और कार्यक्षमता को देखते हुए सरकार ने हाल ही में उन्हें जुवेनाइल जस्टिस (केयर एंड प्रोटेक्शन ऑफ चिल्ड्रन) अधिनियम के तहत गठित राज्य चयन समिति का दोबारा अध्यक्ष नियुक्त किया था।

पूर्व न्यायाधीश स्व. सुरेंद्र सिंह ठाकुर।

निधन पर सीएम ने जताया शोक

मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू, उद्योग मंत्री हर्षवर्धन चौहान, नाहन के विधायक अजय सोलंकी और पूर्व विधानसभा अध्यक्ष जीआर मुसाफिर ने गहरा शोक व्यक्त किया है।

सोलर लाइटें खराब, पंचायत के पास ठीक करवाने को बजट नहीं

छह माह से अंधेरे में माजरा गांव, विभाग मौन

अनंत ज्ञान

अनुराग गुप्ता, पावंटा साहिब। उपमंडल पावंटा साहिब की माजरा पंचायत क्षेत्र में सोलर लाइटों की खराब स्थिति लोगों के लिए परेशानी का कारण बन गई है। पंचायत क्षेत्र में कई स्थानों पर लगी सोलर लाइटें पिछले करीब छह महीने से खराब पड़ी हैं। रात के समय गलियों और रास्तों में अंधेरा होने से स्थानीय लोगों को आवाजाही में कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस समस्या को लेकर कई बार पंचायत और संबंधित विभाग को अवगत करवाया गया, लेकिन स्थिति जस की तस बनी हुई है।

शिकायत दर्ज करवाई, जवाब मिला वारंटी समाप्त

सात नवंबर को मुख्यमंत्री हेल्पलाइन पर शिकायत भी दर्ज करवाई थी। शिकायत का जवाब लगभग चार माह बाद मार्च में प्राप्त हुआ। बताया गया कि हिमुर्जा द्वारा लगाई लाइटों की वारंटी समाप्त हो चुकी है। फिलहाल पंचायत के पास ठीक कराने को कोई बजट उपलब्ध नहीं है।

रखरखाव की उचित व्यवस्था जरूरी

ग्रामीणों का कहना है कि सरकार द्वारा गांवों में सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए सोलर लाइटें लगाई गई थीं, तो उनकी देखरेख व रखरखाव की भी उचित व्यवस्था होनी चाहिए थी। वारंटी खत्म होने के बाद भी इनके रखरखाव के लिए कोई बजट या योजना नहीं है, तो इसका खामियाजा सीधे तौर पर आम जनता को भुगतना पड़ रहा है।

अपील : जल्द ठीक हों सोलर लाइटें

ग्रामीणों ने संबंधित विभाग और प्रशासन से मांग की है कि पंचायत को आवश्यक बजट उपलब्ध कराया जाए और खराब पड़ी सोलर लाइटों को जल्द से जल्द ठीक कराया जाए, ताकि गांव के लोगों को अंधेरे में आने-जाने की समस्या से राहत मिल सके।

प्रशासन की पहल : जिला सोलन की हर पंचायत में होगी पेयजल की जांच

गांव-गांव पहुंचाई जाएगी जल परीक्षण किट, लोगों को स्वच्छ पानी मिलने की उम्मीद

अनंत ज्ञान

आर मोहन चौहान, सोलन। जिला सोलन की सभी ग्राम पंचायतों में लोगों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध करवाने के लिए गांव-गांव में जल परीक्षण किट से पानी की शुद्धता की जांच होगी। प्रशासन ने जिला की सभी ग्राम पंचायतों में फील्ड जल परीक्षण किट उपलब्ध करवाने के निर्देश जारी किए हैं, ताकि जिला की हर पंचायत और हर गांव में पानी की गुणवत्ता की जांच हो सके। इससे आने वाले दिनों में लोगों को स्वच्छ पानी मिलने की उम्मीद है। वहीं यह कदम जिला में डायरिया और अन्य जलजनित रोगों की रोकथाम के लिए भी महत्वपूर्ण मना जा रहा है।

'स्टॉप डायरिया 2026' अभियान के तहत भी जिला के हर गांव में जल परीक्षण के लिए फील्ड टेस्टिंग किट उपलब्ध करवाई जाएंगी। इन किट्स की मदद से ग्रामीण स्वयं अपने स्तर पर पानी की गुणवत्ता की जांच कर सकेंगे। एक किट से 100 तक सैंपल की जांच संभव है। इसका उद्देश्य डायरिया की रोकथाम, सुरक्षित पेयजल की उपलब्धता और साफ-सफाई के प्रति लोगों को जागरूक करना है। प्रशासन ने संबंधित विभागों को वर्षा ऋतु के दौरान तैयारियां पूर्ण रखने और जलजनित रोगों की रोकथाम के लिए लगातार निरीक्षण करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही ग्रामीणों से अपील की गई है कि वे स्वच्छ पेयजल के उपयोग और आसपास की सफाई पर विशेष ध्यान दें।

जल शक्ति विभाग को निर्देश

लोगों को किसी प्रकार की बीमारी न हो, इसके लिए प्रशासन ने जल शक्ति विभाग को तत्काल प्रभाव से निर्देश जारी किए है कि वे विभिन्न पेयजल योजना व पानी के भंडारण टैंकों में ब्लीचिंग पाउडर डाल दें। खासकर स्कूलों की टकिया में तो तात्कालीन प्रभाव से ब्लीचिंग पाउडर डालने के निर्देश हुए हैं। विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि वे संबंधित क्षेत्रों का निरीक्षण कर सुनिश्चित करें कि निर्धारित मानकों के अनुसार ब्लीचिंग पाउडर का उपयोग किया जाए।

स्वास्थ्य सुरक्षा की दिशा में महत्वपूर्ण कदम

डेंगू जैसे रोगों से बचाव के लिए यह भी सुनिश्चित किया जाएगा कि किसी भी स्थान पर पानी जमा न हो। यह पहल स्वास्थ्य सुरक्षा की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है, जिससे गांवों में जलजनित बीमारियों पर प्रभावी नियंत्रण पाया जा सकेगा। गौरतलब है कि बरसात के मौसम में जिला सोलन में डायरिया के मामले लगातार सामने आने शुरू हो जाते हैं। पिछले वर्ष भी कुछ ऐसा ही जिला में देखने को मिला था। इसको लेकर सोलन स्थानीय प्रशासन अव सतर्क है।

ढाबों, रेस्तरां में भी होगी पानी की जांच

खास बात यह है कि जाम पंचायत के अलावा सोलन स्थानीय प्रशासन इस बार ढाबों और रेस्तरां में भी पानी की जांच करने की प्लानिंग बना रहा है। विभाग की मानें तो वह आने वाले दिनों में किसी भी हाने में औचक निरिक्षण करेगा, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि यहां परोसा जाने वाला पानी कितना स्वच्छ है। यदि पानी की गुणवत्ता में कुछ कमी पाई गई तो जहां एक तरफ चालान काटा जाएगा तो वहीं दूसरी तरफ और सख्ती बढ़ाने की दिशा में भी ठोस कदम उठाए जा सकते है।

> **जिला** की सभी पचायतों में फील्ड जल परीक्षण किट उपलब्ध करवाई जाएंगी ताकि ग्रामीण अपने स्तर पर ही पानी की गुणवत्ता जांच लें। इसके अलावा होटल, ढाबे और रेस्तरां में भी कैसा पानी उपयोग हो रहा है, इसकी जांच की जाएगी। जलशक्ति विभाग को विभिन्न पेयजल योजनाओं में भी ब्लीचिंग पाउडर डालने के निर्देश दिए गए हैं।
> **मनमोहन सर्मा, डीसी, सोलन**

पेड़ों के अवैध कटान पर दोषियों को बचाने में लगी सरकार : डॉ. बिंदल

दोषियों पर कार्रवाई न होने पर प्रदेशव्यापी आंदोलन की चेतावनी

अनंत ज्ञान

नाहन। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल ने सिरमौर जिले के शिलाई विधानसभा क्षेत्र में सैकड़ों चीड़ के पेड़ों के अवैध कटान के मामले को गंभीर बताते हुए प्रदेश सरकार पर दोषियों को बचाने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि दिन-दहाड़े आरा मशीन लगाकर पेड़ों की कटाई किए जाने और इसके बावजूद प्रशासन द्वारा लंबे समय तक कोई कार्रवाई न किए जाने से पूरे मामले में सत्ता के संरक्षण की आशंका दिखाई देती है। डॉ. बिंदल ने कहा कि 5 तारीख को दोपहर के समय आरा मशीन लगाकर चीड़ के पेड़ों का कटान किया गया, जिसकी तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आए। इसके बावजूद संबंधित विभाग ने उसी दिन कोई कार्रवाई नहीं की। अगले दिन कुछ लोगों ने स्वयं सोशल मीडिया पर आकर यह स्वीकार किया कि उन्होंने पेड़ काटे हैं और उनके पास 25 पेड़ों की अनुमति है, जबकि बाकी अनुमति प्रक्रिया में है।

उन्होंने कहा कि भाजपा ने तुरंत इस मुद्दे को उठाया और स्पष्ट किया कि इस प्रकार का अवैध कटान बिना प्रशासनिक संरक्षण के संभव नहीं है। इसके बाद 6 तारीख की देर रात एफआईआर दर्ज की गई, जिसमें लगभग 307 पेड़ों के कटान का उल्लेख किया गया, जबकि अंधेरा होने के कारण पूरी गणना नहीं हो पाई थी। उन्होंने कहा कि हैरानी की बात है कि आज तक भी पेड़ों की संख्या की गणना उसी आंकड़े पर अटकी हुई है। डॉ. बिंदल ने कहा कि संबंधित मंत्री द्वारा इस मामले को भाजपा से जोड़ने का प्रयास किया गया, जो कि निराधार है। उन्होंने यह भी कहा कि 25 पेड़ों की अनुमति 25 फरवरी को समाप्त हो चुकी थी, इसके बावजूद बड़े पैमाने पर कटान किया गया। जिस स्थान पर यह घटना हुई वह एसडीएम कार्यालय, पुलिस थाना और फॉरेस्ट रेंज कार्यालय से मात्र 500 मीटर की दूरी पर है, फिर भी अधिकारियों को इसकी जानकारी न होना गंभीर सवाल खड़े करता है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने चेतावनी दी कि यदि दोषियों पर सख्त कार्रवाई नहीं हुई तो भाजपा इस मुद्दे को लेकर प्रदेशभर में आंदोलन करेगी।

भाजपा का मूल मंत्र एकात्म मानववाद : डॉ. सहजल

अनंत ज्ञान, सोलन। भारतीय जनता पार्टी सोलन शहरी मंडल द्वारा आयोजित दो दिवसीय पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान का समापन पूर्व मंत्री डॉ. राजीव सहजल के समापन सत्र के साथ संपन्न हुआ। यह कार्यक्रम संगठनात्मक मजबूती और वैचारिक प्रशिक्षण के उद्देश्य से आयोजित किया गया था। समापन सत्र में मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. राजीव सहजल ने 'वैचारिक अधिष्ठान' विषय पर विस्तार से अपने विचार रखे। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी का मूल मंत्र एकात्म मानववाद है, जिसकी परिकल्पना पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी ने की थी।

न्यूज ब्रीफ

सुबाथू-वाकनाघाट मार्ग पर ट्रॉला फंसने से यातायात ठप, बाद में बहाल

अनंत ज्ञान, सोलन। सुबाथू-वाकनाघाट सड़क मार्ग पर एक भारी ट्रॉला के पहाड़ी मोड़ पर तिरछा फंस जाने से यातायात पूरी तरह बाधित हो गया। संकरी सड़क और तीखे मोड़ के कारण ट्रॉला आगे बढ़ नहीं पाया, जिससे दोनों दिशाओं में वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। स्थानीय लोगों और चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। घंटों चले प्रयासों के बाद ट्रॉला को हटाया गया और यातायात सामान्य हो गया।

42 गांवों में रक्तचाप, मधुमेह जांच का नि:शुल्क जांच शिविर आयोजित

अनंत ज्ञान, दाड़लाघाट। गैर संचारित रोग नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत अंबुजा फाउंडेशन दाड़लाघाट की सामुदायिक स्वास्थ्य परियोजना के तहत 42 गांवों में मधुमेह और रक्तचाप जांच शिविरों का आयोजन किया गया। इन शिविरों में 2260 से अधिक लोगों का रक्तचाप और मधुमेह की नि:शुल्क जांच की गई। पिछले तीन महीनों से समुदाय के बीच जाकर उच्च रक्तचाप और मधुमेह के बारे में लोगों को जागरूक किया गया तथा उन्हें स्वास्थ्य जांच के लिए प्रेरित किया गया। इस कार्यक्रम में स्वास्थ्य परियोजना से जुड़ी स्वास्थ्य सखियों, आशा कार्यकर्ताओं, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, सीएचओ, आरोग्य केंद्रों से जुड़े चिकित्सकों तथा ग्राम पंचायत प्रतिनिधियों ने सहयोग दिया। सामुदायिक स्वास्थ्य परियोजना समन्वयक अजीत कुमार सिंह ने बताया कि शिविरों में 18 वर्ष से अधिक आयु के 2260 से अधिक लोगों की नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच और परामर्श दिया गया। क्षेत्रीय प्रबंधक संजय शर्मा ने कहा कि अंबुजा फाउंडेशन दाड़लाघाट ऐसे स्वास्थ्य जांच और परामर्श शिविर नियमित रूप से आयोजित करता रहेगा।

श्री सनातन चैरिटेबल वेलफेयर सोसायटी की पहली वर्षगांठ पर नाहन में हिंदू सम्मेलन

अनंत ज्ञान, नाहन। श्री सनातन चैरिटेबल वेलफेयर सोसायटी द्वारा सोमवार को सिरमौर जिला मुख्यालय नाहन में हिंदू सम्मेलन का आयोजन किया गया। श्री सनातन चैरिटेबल वेलफेयर सोसायटी के महासचिव राजीव शर्मा ने बताया कि सोमवार को समिति की पहली वर्षगांठ मनाई जा रही है। इस दौरान हिंदू समाज के हित में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 23 लोगों को हिंदू शौर्य सम्मान से सम्मानित किया गया। हिंदू सम्मेलन में राष्ट्रीय अध्यक्ष हिंदू फोर्स दीपक सिंह हिंदू और ओजस्विनी अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद की राष्ट्रीय अध्यक्ष रजनी ठुकराल ने विशेष रूप से शिरकत की। दीपक सिंह हिंदू ने कहा कि ईरान के भीतर घटित हो रही घटनाओं को लेकर देश के भीतर प्रदर्शन करना और सरकारी संपत्ति का नुकसान करना हैरानीजनक है, जो साफ तौर पर कुछ लोगों की मानसिकता को उजागर करता है। वही ओजस्विनी अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद की राष्ट्रीय अध्यक्ष और रजनी ठुकराल ने कहा कि हिमाचल प्रदेश में प्रवासी लोग बिना पंजीकरण लगातार बढ़ रहे हैं जो बेहद चिंताजनक है। इसे लेकर सरकार गंभीर नहीं है, जो प्रदेश की सुरक्षा के लिए भी चिंता का विषय है।

औषधीय एवं सुगंधित पौधों से जैव विविधता संरक्षण पर जागरूकता शिविर आयोजित

अनंत ज्ञान, राजगढ़। इटरनल यूनिवर्सिटी, बड़ू साहिब में ग्रीन इनोवेशन क्लब द्वारा इंस्टीट्यूशन्स इनोवेशन काउंसिल के सहयोग से 'औषधीय एवं सुगंधित पौधों द्वारा जैव विविधता संरक्षण' विषय पर एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ ग्रीन इनोवेशन क्लब के संयोजक डॉ. अमित सौरभ ने किया। उन्होंने अपने संबोधन में जैव विविधता संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए औषधीय पौधों के प्रति जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता पर बल दिया। इस अवसर पर अकाल कॉलेज ऑफ बेसिक साइंसेज के वनस्पति विज्ञान विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. राकेश जोशी ने मुख्य वक्ता के रूप में विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए जैव विविधता की अवधारणा, उसके महत्व तथा संरक्षण के विभिन्न उपायों पर विस्तार से जानकारी दी।

राजगढ़ के सेर गांव में आयुष किसान मेला आयुर्वेद व योग के प्रति किया जागरूक

अनंत ज्ञान

राजगढ़। राजगढ़ से सटे गांव सेर (पंचायत सेर जगास) में आयुष किसान मेले का सफल आयोजन किया गया। भारत सरकार के आयुष मंत्रालय के आयुष मिशन के तहत आयोजित इस मेले का आयोजन आयुष विभाग के राजगढ़ कार्यालय द्वारा किया गया। इस मेले का शुभारंभ उपमंडलीय आयुष चिकित्सा अधिकारी डाक्टर प्रियंका सुद द्वारा दीप प्रज्वलित करके किया गया। मेले बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लेकर नि:शुल्क स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया। मेले का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में आयुर्वेद और योग के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा लोगों को पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों से जोड़ना रहा।

मेले के दौरान अनुभवी आयुर्वेदिक चिकित्सकों द्वारा नि:शुल्क चिकित्सा शिविर लगाया गया, जिसमें लोगों की स्वास्थ्य जांच कर उन्हें उचित परामर्श दिया गया। विशेष रूप से मधुमेह (डायबिटीज) और हीमोग्लोबिन की जांच नि:शुल्क की गई। इस अवसर पर योग विशेषज्ञों द्वारा योग शिविर भी आयोजित किया गया, जिसमें उपस्थित लोगों को विभिन्न योगासन, प्राणायाम और स्वस्थ जीवनशैली के बारे में जानकारी दी गई। मेले में लोगों को नि:शुल्क आयुर्वेदिक दवाइयों का वितरण भी किया गया। साथ ही औषधीय पौधों की प्रदर्शनी लगाई गई, जिसमें किसानों और ग्रामीणों को इन पौधों के औषधीय गुणों तथा इन्हें घर और खेतों में उगाने की विधि के बारे में विस्तार से बताया गया।

मेले में किसानों को जैविक खाद व दवा बनाने प्रशिक्षण का दिया। अनंत ज्ञान

उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने चालदा महासू महाराज के किए दर्शन

अनंत ज्ञान, सोलन। हिमाचल सरकार में उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री सिरमौर जिला के एक दिवसीय दौरे पर हैं, उपमुख्यमंत्री सिरमौर जिला के शिलाई पहुंचे, जहां उन्होंने पश्मी में छत्रधारी चालदा महासू महाराज के दर्शन किए। उपमुख्यमंत्री का स्थानीय लोगों ने ढोल-नगाड़ों के साथ स्वागत किया। इस मौके पर उपमुख्यमंत्री के साथ स्थानीय विधायक और उद्योग मंत्री हर्षवर्धन चौहान रहे। अपने संबोधन में उपमुख्यमंत्री ने कहा कि लंबे समय से उनकी चालदा महासू महाराज के दर्शन की इच्छा थी। क्षेत्रवासियों के लिए यह बेहद सौभाग्य की बात है कि चालदा महासू महाराज एक साल के प्रवास के लिए इस क्षेत्र में आए हुए हैं और यहां लंबे समय तक लोगों को चालदा महासू महाराज का आशीर्वाद मिलेगा।

पीसीसी अध्यक्ष पर भाजपा प्रवक्ता रावत का हमला

रेणुका में थमे विकास के पहिए, वादे किए, पूरा करें

अनंत ज्ञान

नाहन। सिरमौर भाजपा जिला प्रवक्ता प्रताप सिंह रावत ने रेणुका के कांग्रेसी विधायक एवं पीसीसी अध्यक्ष विनय कुमार पर तंज कसते हुए कहा कि आप अपने आपको सिक्के में तुलवाकर रेणुका की भोली-भाली जनता को क्या संदेश देना चाहते हैं। रावत ने कहा कि पंचायत अलग करना कोई बहुत बड़ी बात नहीं है। उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने अपने कार्यकाल के दौरान प्रदेश में 412 नई पंचायतो का गठन किया था, लेकिन उन्होंने तो अपने आपको कहीं पर भी सिक्के में नहीं तुलवाया। रावत ने कहा कि प्रदेश की कांग्रेस सरकार चौथे साल में प्रवेश हो गई है, लेकिन रेणुका विधानसभा चुनाव क्षेत्र में विकास के पहिए पूरी तरह से थम गए हैं। रेणुका की जनता आपसे जानना चाहती है कि आपने अपने तीन साल के कार्यकाल में रेणुका में कौन से विकास कार्य किए हैं। रावत ने बताया कि इतना ही नहीं रेणुका में सड़कों एवं स्वास्थ्य सुविधाओं के हालत भी सबको पता है।

पिछले दिनों हरिपुरधार के समीप एक निजी बस सड़क ठीक न होने के कारण दुर्घटनाग्रस्त हुई थी एवं हरिपुरधार में स्वास्थ्य सुविधा ठीक न होने के कारण 14 लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी, जबकि आपने हरिपुरधार मेले के दौरान बतौर मुख्य अतिथि सिविल हॉस्पिटल खोलने की घोषणा की थी जो अभी तक भी पूरी नहीं हो पाई है।

नई पंचायत के गठन पर सरकार, विधायक का आभार व्यक्त किया

अनंत ज्ञान, दाड़लाघाट। कांग्रेस कमेटी ग्राम पंचायत धुन्दन की एक बैठक प्रधान पूरन चंद ठाकुर की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में नई पंचायत के गठन के निर्णय पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रदेश सरकार और अर्की के विधायक संजय अवस्थी का आभार व्यक्त किया। बैठक में वक्ताओं ने कहा कि धुन्दन से टुयरू पंचायत और चमाकड़ी पंचायत अलग करने के फैसले से क्षेत्र के लोगों को बड़ी राहत मिलेगी और विकास कार्यों को नई गति मिलेगी। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कहा कि भाजपा सरकार के कार्यकाल में भी कई बार प्रयास किए गए, लेकिन उस समय यह कार्य संभव नहीं हो पाया। बैठक में पूर्व प्रधान धुन्दन शकुंतला शर्मा, पूर्व उपप्रधान मदन शर्मा, कांग्रेस कमेटी प्रधान पूरन चंद ठाकुर, सोशल मीडिया प्रभारी नागेश कपिल, सचिव गंगा राम, उपप्रधान सोहन लाल सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

समाधान | कर्नल धनीराम शांडिल की अध्यक्षता में 20 सूत्री कार्यक्रम समीक्षा समिति की बैठक आयोजित

समयबद्ध लक्ष्य पूरे करने से योजनाओं का लाभ आमजन तक पहुंचेगा

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, सोलन। सोलन में जिला योजना, विकास एवं 20-सूत्री कार्यक्रम समीक्षा समिति की बैठक आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता तथा सैनिक कल्याण मंत्री कर्नल डॉ. धनीराम शांडिल ने की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि 20-सूत्री कार्यक्रम के अंतर्गत आने वाली योजनाओं के लक्ष्य समय पर पूरे किए जाने से ही समाज के विभिन्न वर्गों को समुचित लाभ मिल सकता है। उन्होंने कहा कि बैठक का मुख्य उद्देश्य उन योजनाओं की समीक्षा करना है जो समाज के कमजोर और वंचित वर्गों के उत्थान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। डॉ. शांडिल ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी लाई जाए और निर्धारित समयसीमा के भीतर कार्यों को पूरा किया जाए। उन्होंने कहा कि समय पर पूरी होने वाली योजनाएं जहां सरकारी धन की बचत करती हैं, वहीं लाभार्थियों को भी समय पर विकास की मुख्यधारा से जोड़ने में मदद मिलती है। स्वास्थ्य मंत्री ने जिला में सुरक्षित खाद्य पदार्थों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए नियमित औचक निरीक्षण करने के निर्देश भी दिए। साथ ही उन्होंने अधिकारियों को आमजन की समस्याओं का संवेदनशीलता के साथ स्थायी समाधान करने पर बल दिया।

बैठक की अध्यक्षता करते मंत्री कर्नल शांडिल। अनंत ज्ञान

विकास कार्यों की जानकारी की साझा

बैठक में विभिन्न विभागों द्वारा चलाए जा रहे विकास कार्यों की प्रगति की भी जानकारी दी गई। इस वित्त वर्ष में खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग ने राशन कार्ड धारकों को लगभग 53,536 टन खाद्य पदार्थ उचित मूल्य पर उपलब्ध कराए हैं। वन विभाग द्वारा 1 अप्रैल 2025 से 31 दिसंबर 2025 तक जिले में लगभग 267 हेक्टेयर भूमि पर पौधारोपण किया गया है। मनरेगा के तहत अप्रैल से दिसंबर 2025 तक जिले में 626 जॉब कार्ड बनाए गए और लगभग 4 लाख 2 हजार कार्य दिवस सृजित किए गए, जिन पर करीब 15 करोड़ रुपये खर्च हुए। प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के अंतर्गत जिले में 90 किलोमीटर सड़क का निर्माण किया गया है। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा जिले में 1281 आंगनबाड़ी केंद्र संचालित किए जा रहे हैं, जिनमें लगभग 5600 बच्चों को पूर्व-प्राथमिक शिक्षा दी जा रही है। इसके अलावा स्वास्थ्य विभाग द्वारा इस अवधि में सरकारी संस्थानों में 8168 प्रसव करवाए गए हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत जिले में 817 मकानों का निर्माण कार्य जारी है। बैठक में कसौली के विधायक विनोद सुल्तानपुरी सहित विभिन्नजनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने भी अपने सुझाव प्रस्तुत किए।

यूएई में 19 भारतीय गिरफ्तार फेक न्यूज फैलाने का आरोप

एजेंसी, तेल अवीव। इसराइल-ईरान जंग के बीच यूएई ने 35 लोगों को गिरफ्तार करने का आदेश दिया है। इनमें 19 भारतीय शामिल हैं। न्यूज एजेंसी पीटीआई के मुताबिक इन पर सोशल मीडिया पर फेक न्यूज फैलाने का आरोप है। यूएई के अटॉर्नी जनरल डॉ. हमद सैफ अल शम्स ने कहा कि डिजिटल प्लेटफॉर्म की निगरानी के बाद यह कार्रवाई की गई, ताकि झूठी खबरों से फैलने वाली अफवाह और अशांति को रोका जा सके।

वहीं, इसराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने अपनी मौत की अफवाहों के बीच सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया है। इसमें वे यरुशलम के एक रेस्टोरेंट में कॉफी पीते नजर आ रहे हैं। वीडियो में वे मजाक में कहते हैं, 'क्या आप मेरी अंगुलियां गिनना चाहते हैं?' दरअसल 13 मार्च के एक वीडियो में कुछ लोगों ने उनके हाथ में 6 अंगुलियां दिखने की बात

ईरान बोला- सुप्रीम लीडर मुजतबा पूरी तरह ठीक

ईरान ने कहा कि देश के नए सुप्रीम लीडर मुजतबा खामेनेई पूरी तरह ठीक हैं और उन्हें कोई चोट नहीं लगी है। इससे पहले ब्रिटिश मीडिया द सन ने अपनी रिपोर्ट में दावा किया था कि मुजतबा 28 फरवरी को अमेरिका-इजराइल के हमले में घायल हो गए थे। इसके बाद से वे कोमा में हैं और उनका एक पैर भी काटना पड़ा है।

कही थी। इसके बाद कई यूजर्स ने उस वीडियो को एआई और डीपफेक बताकर उनकी मौत की अफवाह फैलानी शुरू कर दी थी। नेतन्याहू ने 13 मार्च को भाषण दिया था, इसमें उनकी 6 अंगुलियां दिख रहीं थी। इसके बाद सोशल मीडिया पर अफवाह फैल गई थी नेतन्याहू की मौत हो गई है। नेतन्याहू ने आज जारी वीडियो में अपने हाथ की 5 अंगुलियां दिखाईं। (अनंत ज्ञान)

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का यूरोपीय देशों को कड़ा संदेश

नाटो ने होर्मुज की सुरक्षा नहीं की तो भविष्य बहुत बुरा होगा

एजेंसी, वाशिंगटन

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने चेतावनी दी है कि अगर अमेरिका के सहयोगी देश होर्मुज स्ट्रेट को खोलने में मदद नहीं करते हैं तो नाटो का भविष्य बहुत बुरा होगा। इसके साथ ही उन्होंने यूरोपीय देशों को एक कड़ा संदेश दिया है कि वे ईरान के खिलाफ उनके युद्ध प्रयासों में शामिल हों।

ट्रंप ने फाइनेंशियल टाइम्स को दिए इंटरव्यू में कहा कि वह इस महीने चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग के साथ होने वाली शिखर बैठक को टाल सकते हैं। दरअसल, वह हॉर्मुज स्ट्रेट को खुलवाने को लेकर चीन पर दबाव डाल रहे हैं। ट्रंप ने इशारा किया कि वह यूरोपीय कमांडो टीमों या अन्य सैन्य मदद चाहते हैं, ताकि खाड़ी क्षेत्र में ड्रोन और नौसैनिक माइंस के जरिए परेशानी खड़ी करने वाले ईरानियों को खत्म किया जा सके। ट्रंप ने कहा कि हम उन पर बहुत जोरदार हमला कर रहे हैं। उनके पास स्ट्रेट में थोड़ी बहुत गड़बड़ करने के अलावा कुछ नहीं बचा है लेकिन यह लोग इससे फायदा उठाने वाले हैं और इसकी निगरानी के लिए उन्हें हमारी मदद करनी चाहिए।

हम उनकी मदद करेंगे लेकिन उन्हें भी वहां मौजूद रहना चाहिए। कुछ लोगों पर नजर रखने के लिए आपको काफी लोगों की जरूरत होती है। (अनंत ज्ञान)

यूरोप और चीन ज्यादा निर्भर

ट्रंप ने कहा कि 'यह बिलकुल सही है कि जो लोग इस जलडमरूमध्य से फायदा उठाते हैं, वे यह सुनिश्चित करने में मदद करें कि वहां कुछ भी बुरा न हो। उन्होंने यह तर्क दिया कि अमेरिका के विपरीत यूरोप और चीन खाड़ी क्षेत्र से आने वाले तेल पर बहुत ज्यादा निर्भर हैं। उन्होंने कहा कि अगर कोई जवाब नहीं आता है या फिर नकारात्मक जवाब होता है तो मुझे लगता है कि यह नाटो के भविष्य के लिए बहुत बुरा होगा। अक्सर नाटो गठबंधन की आलोचना करने वाले ट्रंप ने कहा कि हमारे पास नाटो नाम की एक चीज है। हमें यूक्रेन के मामले में उनकी कोई जरूरत नहीं थी। यूक्रेन हमसे हजारों मील दूर है, लेकिन हमने उनकी मदद की। अब हम देखेंगे कि क्या वह हमारी मदद कर सकते हैं कि नहीं। मैं लंबे समय से कहता आ रहा हूं कि हम उनके लिए मौजूद रहेंगे, लेकिन वे हमारे लिए मौजूद नहीं रहेंगे।

बंगाल में चुनाव से पहले मुख्य सचिव और डीजीपी को हटाया

कोलकाता पुलिस कमिश्नर समेत 6 अधिकारी बदले

एजेंसी, नई दिल्ली

पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव की तारीखों के ऐलान के दूसरे ही दिन चुनाव आयोग ने 6 अफसरों का तबादला कर दिया। आयोग ने पीयूष पांडे की जगह सिद्धनाथ गुप्ता को डीजीपी बनाया है। वहीं, आयोग ने राज्य की मुख्य सचिव नंदिनी चक्रवर्ती को पद से हटा दिया है। उनकी जगह 1993 बैच के आईएएस दुष्मंत नारियाला को नया मुख्य सचिव नियुक्त किया है। सुप्रतिम सरकार की जगह अजय कुमार नंद को कोलकाता पुलिस कमिश्नर बनाया गया है। साथ ही राज्य के गृह सचिव जगदीश प्रसाद मीणा की जगह 1997 बैच की आईएएस अफसर संघमित्रा घोष को गृह सचिव बनाया गया है।

चुनाव आयोग के आदेश के मुताबिक यह निर्देश तत्काल प्रभाव से लागू होगा। नटराजन रमेश बाबू को सुधार सेवा महानिदेशक बनाया गया है। अजय मुकुंद रानाडे को अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक और आईजीपी (कानून-व्यवस्था) का पद दिया गया है। आदेश में कहा गया है कि जिन अधिकारियों का ट्रांसफर किया गया है, उन्हें चुनाव प्रक्रिया पूरी होने तक किसी भी चुनाव से जुड़े पद पर तैनात नहीं किया जाएगा। चुनाव आयोग ने रविवार को बंगाल, तमिलनाडु, केरल, असम और पुडुचेरी में विधानसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान किया। बंगाल की 294 सीटों पर 2 फेज में 23 और 29 अप्रैल को वोटिंग होगी। 4 मई को रिजल्ट आएगा।

चुनाव आयोग ने आदेश में कहा कि पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव की घोषणा के बाद लगातार प्रशासनिक तैयारियों की समीक्षा कर रहा है। इसी क्रम में यह फैसला लिया गया है। आयोग का कहना है कि चुनाव प्रक्रिया को निष्पक्ष और पारदर्शी बनाने के लिए आवश्यक प्रशासनिक बदलाव किए जा रहे हैं। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने इस्तीफा दे दिया था। उनकी जगह तमिलनाडु के गवर्नर रहे आरएन रवि को बंगाल भेजा गया है। बोस 23 नवंबर 2022 को बंगाल के राज्यपाल बने थे। (अनंत ज्ञान)

सेंसेक्स 938 अंक चढ़कर 75,502 पर हुआ बंद, निफ्टी 257 अंक उछला

ऑटो और प्राइवेट बैंक शेयर्स में सबसे ज्यादा तेजी रही

एजेंसी, मुंबई

शेयर बाजार में सोमवार को तेजी देखने को मिली। सेंसेक्स 938 अंक की तेजी के साथ 75,502 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 257 अंक की तेजी रही, ये 23,408 के स्तर पर बंद हुआ। ऑटो, फाइनेंशियल सर्विसेज और प्राइवेट बैंक सेक्टर के शेयरों में सबसे ज्यादा तेजी रही। आईडीबीआई बैंक के शेयर में 15.87 रुपए (17.22%) की गिरावट रही। इसका शेयर 76.31 रुपए पर आ गया है। बाजार में ऐसी खबरें आ रही हैं कि सरकार इस बैंक में अपनी ज्यादातर हिस्सेदारी बेचने का प्लान रद्द कर सकती है। इसी वजह से निवेशकों में डर दिखा और शेयरों में बिकवाली बढ़ गई। जापान का निक्केई इंडेक्स 0.13% गिरकर 53,751 पर कारोबार बंद हुआ। वहीं, चीन का शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.26% नीचे 4,084 के स्तर पर और साउथ कोरिया का कोस्पी इंडेक्स 1.14% चढ़कर 5,549 पर बंद हुआ। हांगकांग का हैंगसेंग इंडेक्स 1.45% चढ़कर 25,834 पर बंद हुआ। इससे पहले 13 मार्च को शेयर बाजार में गिरावट रही थी। सेंसेक्स 1470 अंक (1.93%) की गिरावट के साथ 74,564 पर बंद हुआ था। वहीं निफ्टी में भी 488 अंक (2.06%) की गिरावट रही, ये 23,151 पर बंद हुआ था। (अनंत ज्ञान)

थोक महंगाई 12 महीने में सबसे ज्यादा

फरवरी में 2.13% पर पहुंची, खाने-पीने की चीजें और रोजाना जरूरत का सामान महंगा

एजेंसी, नई दिल्ली

फरवरी में थोक महंगाई बढ़कर 2.13% पर पहुंच गई है। यह महंगाई का 12 महीने का हाई लेवल है। फरवरी 2025 में ये 2.38% पर पहुंच गई थी। इससे पहले जनवरी 2026 में थोक महंगाई 1.81% पर थी। वहीं, दिसंबर में थोक महंगाई 0.83% पर थी। कॉमर्स मिनिस्ट्री ने 16 मार्च को थोक महंगाई के आंकड़े जारी किए हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि अगर अमेरिका-इसराइल और ईरान जंग लंबी चली तो कच्चे तेल के दाम 150 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच सकते हैं।

इससे पेट्रोल-डीजल महंगा हो सकता है, जिससे माल ढुलाई का खर्च बढ़ेगा और फल-सब्जी समेत हर जरूरी सामान की कीमतें बढ़ जाएंगी। रोजाना की जरूरत वाले सामानों (प्राइमरी आर्टिकल्स) की महंगाई 2.21% से बढ़कर 3.27 हो गई। खाने-पीने की चीजों (फूड इंडेक्स) की महंगाई माइनस 1.41% से बढ़कर 1.85% हो गई। फ्यूल और पावर की थोक महंगाई दर माइनस 4.01% से बढ़कर माइनस 3.78 हुई। मैन्युफैक्चरिंग प्रोडक्ट्स की थोक महंगाई दर 2.86% से बढ़कर 2.92% रही। प्राइमरी आर्टिकल, जिसका वेटेज 22.62% है। फ्यूल एंड पावर का वेटेज 13.15% और मैन्युफैक्चर्ड प्रोडक्ट का वेटेज सबसे ज्यादा 64.23% है। प्राइमरी आर्टिकल के भी चार हिस्से हैं। फरवरी में रिटेल महंगाई बढ़कर 3.21% पहुंच गई है। इससे पहले जनवरी में यह 2.74% थी। महंगाई में यह बढ़ोतरी ऐसे समय में हुई है, जब इसराइल-अमेरिका और ईरान के बीच जंग चल रही है।

होलसेल प्राइस इंडेक्स का आम आदमी पर असर: थोक महंगाई के लंबे समय तक बढ़े रहने से ज्यादातर प्रोडक्टिव सेक्टर पर इसका बुरा असर पड़ता है। अगर थोक मूल्य बहुत ज्यादा समय तक ऊंचे स्तर पर रहता है तो प्रोड्यूसर इसका बोझ कंज्यूमर्स पर डाल देते हैं। (अनंत ज्ञान)

सोना 2 हजार रुपए गिरकर 1.56 लाख पर आया, चांदी दो दिन में 16 हजार सस्ती

एजेंसी, नई दिल्ली। सोने-चांदी में सोमवार को लगातार दूसरे कारोबारी दिन गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के मुताबिक 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 1,963 रुपए गिरकर 1.56 लाख रुपए पर आ गया है। इससे पहले 13 मार्च को सोना 1.58 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम था। वहीं, एक किलो चांदी की कीमत 7,695 रुपए घटकर 2.53 लाख रुपए पर आ गई है। इससे पहले शुक्रवार को इसकी कीमत 2.60 लाख रुपए किलो थी। अमेरिका-ईरान जंग के कारण सोना दो कारोबारी दिन में 3,867 और चांदी 15,508 सस्ती हुई है। इससे पहले 12 मार्च को सोना 1.60 लाख और चांदी 2.68 लाख पर थी। इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। 31 दिसंबर 2026 को सोने के दाम 1.33 लाख रुपए थे, जो 29 जनवरी को बढ़कर 1.76 लाख रुपए के सबसे ऊपरी स्तर पर पहुंच गए थे। तब से अब तक सोना 19,685 रुपए सस्ता हो चुका है। वहीं, चांदी के कीमत 31 दिसंबर 2025 को 2.30 लाख रुपए थी, जो 29 जनवरी को 3.86 लाख रुपए के ऑल टाइम हाई पर पहुंच गई थी। तब से अब तक 46 दिन में चांदी 1.33 लाख रुपए सस्ती हो गई है। (अनंत ज्ञान)

ईडी की कॉल सेंटर मामले में बंगाल के 10 ठिकानों पर छापेमारी

एजेंसी, कोलकाता। पश्चिम बंगाल में प्रवर्तन निदेशालय (इडी) ने सोमवार को बड़ी कार्रवाई की। जांच एजेंसी की टीमों ने राज्य के अलग-अलग कई इलाकों में छापेमारी की। यह पूरी कार्रवाई एक अवैध कॉल सेंटर चलाने और लोगों से धोखाधड़ी करने के मामले से जुड़ी है। अधिकारियों ने बताया कि सिलीगुड़ी, हावड़ा, बिधाननगर और दुर्गापुर जैसे इलाकों में करीब 10 जगहों पर तलाशी ली गई। इस मामले में सुरश्री कर, सम्राट घोष और सुभजीत चक्रवर्ती के नाम मुख्य रूप से सामने आए हैं। एजेंसी इन लोगों और इनके साथियों के ठिकानों पर जरूरी सबूत तलाश रही है। इन लोगों पर आरोप है कि इन्होंने कॉल सेंटर के जरिए बहुत से मासूम लोगों को अपना शिकार बनाया और उनसे बड़ी रकम ठगी है। जांच एजेंसी हर पहलू से मामले की पड़ताल कर रही है। ईडी के अधिकारी जब्त किए गए दस्तावेजों और सामानों की जांच की। (अनंत ज्ञान)

कार-मोटरसाइकिल की टक्कर में दो युवकों की मौत, तीसरा गंभीर

अनंत ज्ञान, चंडीगढ़। जिले के गांव मटदादू के पास कार व मोटरसाइकिल की टक्कर में दो युवकों की मौत हो गई, जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और सभी को डबवाली के नागरिक अस्पताल में पहुंचाया, जहां गंभीर रूप से घायल युवक को प्राथमिक उपचार के बाद रेफर कर दिया गया है। बताया जा रहा है कि गोंडा निवासी संतोष, फिरोजाबाद निवासी जीतू व एक अन्य युवक डबवाली की बेकरी में काम करते थे और रविवार की छुट्टी के चलते तीनों गांव गोरीवाला में किसी रिश्तेदार से मिलने गए थे। तीनों युवक एक ही मोटरसाइकिल पर रात को डबवाली लौट रहे थे। गांव मटदादू के पास कार व मोटरसाइकिल की सीधी टक्कर हो गई। स्थानीय लोगों ने हादसे की सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही डबवाली सदर थाना प्रभारी टीम सहित मौके पर पहुंचे और तीनों को नागरिक अस्पताल में पहुंचाया जहां चिकित्सकों ने संतोष व जीतू को मृत घोषित कर दिया, जबकि तीसरा युवक गंभीर रूप से घायल था, जिसे प्राथमिक उपचार के बाद रेफर कर दिया गया है। पुलिस के अनुसार हादसे के बाद कार चालक कार को मौके पर छोड़कर से फरार हो गया। पुलिस ने कार को अपने कब्जे में ले लिया है। सोमवार को दोनों शवों का पोस्टमार्टम करने के बाद परिजनों को सौंप दिए हैं।

सीएम की घोषणाओं को गंभीरता से लें अधिकारी

अनंत ज्ञान

चंडीगढ़। जिला उपायुक्त अपराजिता ने कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा की गई घोषणाओं को सभी विभाग गंभीरता से लें और जिन परियोजनाओं पर कार्य प्रगति पर है, उन्हें निर्धारित समयावधि में पूरा करवाया जाए। ज्यादा समय से लंबित घोषणाओं को पूरा करने में तकनीकी या विभागीय बाधाओं को दूर करवाते हुए, उन्हें जल्द से जल्द पूरा करवाएं, ताकि लोगों को इन प्रोजेक्टस का लाभ मिल सके। सभी विभाग आपसी तालमेल के साथ कार्य करें और विकास कार्यों में अनावश्यक देरी न होने दें।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री घोषणाओं के क्रियान्वयन में किसी प्रकार की लापरवाही या देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। डीसी अपराजिता सोमवार को लघु सचिवालय के सभागार में मुख्यमंत्री घोषणाओं के क्रियान्वयन की प्रगति की समीक्षा बैठक के दौरान अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दे रहीं थीं। डीसी ने मुख्य रूप से सिटी स्क्वायर, क्योड़क में बन रहे पशु विश्वविद्यालय के रीजनल केंद्र, धनौरी के महिला कॉलेज, संस्कृत विश्वविद्यालय, कबड्डी अकादमी पाई सहित कई परियोजनाओं की प्रगति की बारीकी से समीक्षा की और आवश्यक निर्देश जारी किए। उन्होंने गांव धेरड़ू में पूरी तरह से बनकर तैयार हो चुके फार्मेसी कॉलेज के मामले में आगामी पत्राचार के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि वे अपनी-अपनी परियोजनाओं की प्रगति रिपोर्ट समय-समय पर संबंधित पोर्टल पर अपडेट करें और लंबित मामलों को प्राथमिकता के आधार पर निपटाएं।

बैठक में बताया गया कि जिले में मुख्यमंत्री की अब तक कुल 405 घोषणाएं हुई हैं, जिनमें से 261 कार्य पूरे हो चुके हैं, जबकि 97 परियोजनाओं पर कार्य प्रगति पर है। वहीं 26 घोषणाओं को गैर-व्यवहार्य घोषित किया गया है तथा 21 परियोजनाएं अभी लंबित हैं। समीक्षा के दौरान विभिन्न विकास कार्यों पर भी चर्चा की गई। धनौरी गांव में लंगर हॉल के निर्माण के लिए टेंडर की तकनीकी प्रक्रिया जल्द पूरी हो जाएगी। वहीं फतेहपुर और पूंडरी में सीसीटीवी कैमरे लगाने की परियोजना के लिए प्रशासनिक स्वीकृति लंबित होने पर उच्च अधिकारियों को पत्र लिखने के निर्देश दिए गए। बैठक के दौरान अधिकारियों से विभिन्न परियोजनाओं की तकनीकी जानकारी भी ली गई। डीसी ने निर्देश दिए कि जिन कार्यों का टेंडर या वर्क ऑर्डर जारी हो चुका है, उन्हें निर्धारित समय सीमा के भीतर शुरू किया जाए और कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित की जाए। इसके अलावा गुहला क्षेत्र में प्रस्तावित बाईपास निर्माण परियोजना की भी समीक्षा की गई। अधिकारियों ने बताया कि इस परियोजना के लिए करीब 90 प्रतिशत भूमि खरीदी जा चुकी है। शेष भूमि के अधिग्रहण की प्रक्रिया जारी है और 25 मार्च तक अधिसूचना जारी करने का लक्ष्य रखा गया है।

ऑटो-ट्रॉले की टक्कर में 11 वर्षीय बच्चे की मौत

अनंत ज्ञान, चंडीगढ़। हरियाणा के रेवाड़ी शहर में दिल्ली-जयपुर हाईवे पर कसौला चौक के पास रविवार रात को एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। ऑटो और ट्रॉले की टक्कर में ऑटो पलट गया, जिससे उसमें सवार 11 वर्षीय बच्चे की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई और आसपास के लोग तुरंत मौके पर पहुंच गए। मिली जानकारी के अनुसार मृतक बच्चा मध्यप्रदेश का रहने वाला था। परिवार धार्मिक यात्रा पर खाटू श्याम मंदिर में पूजा-अर्चना करने गया था और वहां से वापस मानेसर लौट रहा था। इसी दौरान रेवाड़ी में दिल्ली-जयपुर हाईवे पर कसौला चौक के पास ट्रॉले और ऑटो की जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी तेज थी कि ऑटो सड़क पर पलट गया और उसमें सवार लोग घायल हो गए। हादसे में 11 वर्षीय बच्चे को गंभीर चोटें आईं, जिसके कारण उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने के बाद मॉडल टाउन थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया। पुलिस ने बच्चे के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी होने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। जांच अधिकारी राजेश ने बताया कि मृतक बच्चे के मामा की शिकायत पर ट्रॉला चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस ने हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी है। वहीं दुर्घटना के बाद ट्रॉला चालक मौके से फरार हो गया, जिसकी तलाश के लिए पुलिस की टीम छापेमारी कर रही है।

ठेकेदार की हत्या के जुर्म में 11 को उम्रकैद व 75-75 हजार का जुर्माना

अनंत ज्ञान

चंडीगढ़। एडीजे जयबीर सिंह की अदालत ने कॉन्ट्रैक्टर की गोलियां मार कर हत्या करने तथा उसके भतीजे पर जानलेवा हमला करने के जुर्म में 11 लोगों को उम्र कैद तथा 75 -75 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है। जुर्माना न भरने की सूरत में दोषियों को दो साल का अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा।

अभियोजन पक्ष के अनुसार चौड़ी गली निवासी हन्नी ने 23 नवंबर 2021 को पुलिस को दी शिकायत में बताया था कि उसके ताऊ, कॉन्ट्रैक्टर श्याम सुंदर सुबह अपने आवास में बने कार्यालय में बाहर खड़ा हुए थे और चाय पी रहे थे। वह भी उनके साथ खड़ा हुआ था। उसी दौरान चौड़ी गली की तरफ से मास्क लगाए तीन युवक आए और अंधाधुंध फायरिंग कर दी। जिससे गोलियां लगने से श्याम सुंदर तथा वह गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना को अंजाम देकर बदमाश रोहतक रोड की तरफ फरार हो गए। परिजनो द्वारा दोनों घायलों को गंभीर हालात में सामान्य अस्पताल लाया गया। जहां चिकित्सकों ने श्याम सुंदर को मृत घोषित कर दिया। घायल हन्नी ने पुलिस को बताया था कि 17 अप्रैल 2016 को उसके पिता पुरूषोतम पर जानलेवा हमला किया गया था। जिसमें उसके ताऊ श्यामसुंदर मुख्य गवाह थे। गवाही की तारीख 24 नवंबर लगी थी। उसके पिता पुरूषोत्तम पर जानलेवा हमला करने वाले लोगों ने ही उसके ताऊ श्याम सुंदर की योजनाबद्ध तरीके से सुपारी देकर हत्या करवाई है।

शहर थाना पुलिस ने हन्नी की शिकायत पर सुभाष नगर निवासी धर्मेंद्र पहलवान, गांव पोंकरीखेड़ी निवासी बलजीत, रोशन, नरेश, गांव अमरगढ़ निवासी जगदीश, गांव खदराई निवासी कुलदीप, गांव सिसाय निवासी राजेश, सचिन, प्रदीप गट्टा, पवन, गांव मुंढाल निवासी मनजीत के खिलाफ हत्या, शस्त्र अधिनियम, जानलेवा हमला करने समेत विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया था। तभी से मामला अदालत में विचाराधीन था। सोमवार को अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश जयबीर सिंह की अदालत ने सभी 11 दोषियों को आजीवन कारावास तथा 75 -75 हजार रुपए जुर्माने की सजा सुनाई है।

तेज हवा और बारिश से खेतों में गिरी गेहूं की फसल, किसानों की बढ़ी चिंता

अनंत ज्ञान

चंडीगढ़। यमुनानगर के रादौर क्षेत्र में रविवार देर रात चली तेज हवाओं और हुई बारिश के बाद कई स्थानों पर गेहूं की फसल खेतों में गिरने की सूचना मिली है।

फसल के जमीन पर झुक जाने से किसानों में उत्पादन को लेकर चिंता बढ़ गई है। किसानों के अनुसार इस समय गेहूं की फसल दाने की अवस्था में है और अधिकांश खेतों में फसल पकने के करीब पहुंच चुकी है। ऐसे में अचानक मौसम बदलने से कई खेतों में खड़ी फसल प्रभावित हुई है। कुछ स्थानों पर तेज हवा के कारण पौधे झुक गए, जिससे किसानों को पैदावार घटने की आशंका सता रही है। ग्रामीण क्षेत्रों के किसानों का कहना है कि यदि फसल लंबे समय तक जमीन पर गिरी रहती है तो कटाई के समय परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। इसके अलावा नमी अधिक रहने पर दानों की गुणवत्ता भी प्रभावित होने की संभावना रहती है। ऐसे में किसान मौसम साफ होने और फसल के फिर से खड़ी होने की उम्मीद लगाए हुए हैं।

किसानों ने बताया कि पिछले कुछ दिनों से मौसम में बदलाव का असर फसलों पर दिखाई दे रहा है। तेज हवा के साथ हुई बारिश ने कई खेतों में गेहूं की फसल को नुकसान पहुंचाया है। हालांकि अधिकांश किसान अभी स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं और मौसम सामान्य होने का इंतजार कर रहे हैं। इस संबंध में कृषि विकास अधिकारी सुरेंद्र कुमार ने बताया कि देर रात आई तेज हवा और बारिश के कारण क्षेत्र के कुछ हिस्सों से फसल के गिरने की जानकारी मिली है। उन्होंने कहा कि फिलहाल इससे उत्पादन पर बड़े स्तर पर असर पड़ने की संभावना नहीं है। उन्होंने किसानों को सलाह दी कि मौजूदा मौसम को देखते हुए इस समय गेहूं की फसल में सिंचाई करने से बचें। मौसम पूरी तरह साफ होने तक इंतजार करना उचित रहेगा। साथ ही किसानों को खेतों का नियमित निरीक्षण करते रहने की भी सलाह दी गई है, ताकि किसी प्रकार की समस्या सामने आने पर समय रहते उसका समाधान किया जा सके।

गैस एजेंसियों के बाहर लगी कतारें

अनंत ज्ञान, चंडीगढ़। फरीदाबाद में घरेलू गैस सिलेंडर लेने के लिए लोगों की परेशानी लगातार बरकरार है। शहर की कई गैस एजेंसियों के बाहर सोमवार को सिलेंडर लेने वालों की लंबी-लंबी कतारें लगी देखी गई। हालात ऐसे हैं कि लोग सुबह-सवेरे से ही एजेंसियों के बाहर लाइन में खड़े होकर अपनी बारी का इंतजार करते दिखे। डबुआ इलाके में 17 नंबर चुंगी स्थित गैस एजेंसी के बाहर भी लोगों की लंबी लाइन देखने को मिली। कई लोग पिछले कई दिनों से सिलेंडर लेने के लिए एजेंसियों के चक्कर लगा रहे हैं। स्थानीय निवासी प्रकाश ने बताया कि उनकी पर्ची शुक्रवार को कट गई थी, लेकिन इसके बावजूद अभी तक उन्हें सिलेंडर नहीं मिल पाया है। उन्होंने कहा कि रोज एजेंसी पर आने के बाद भी उन्हें खाली हाथ लौटना पड़ रहा है। इसी तरह सोहना रोड स्थित गैस एजेंसी के बाहर भी बड़ी संख्या में लोग लाइन लगाकर खड़े नजर आए। भीड़ को देखते हुए वहां व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस कर्मियों को भी तैनात किया गया है। फरीदाबाद के डीसी आयुष सिन्हा का कहना है कि गैस एजेंसियों के पास पर्याप्त मात्रा में स्टॉक उपलब्ध है।

सरकार व बीमा कंपनियों पर लगाए गंभीर आरोप

अनंत ज्ञान

चंडीगढ़। जिले के किसानों की समस्याओं को लेकर अखिल भारतीय किसान सभा खाराखेड़ी का एक प्रतिनिधिमंडल जिला प्रधान विष्णुदत्त के नेतृत्व में डीसी से मिला।

किसानों ने अपनी ज्वलंत समस्याओं और लंबे समय से लंबित मांगों को लेकर मुख्यमंत्री, हरियाणा सरकार के नाम एक मांग पत्र सौंपा। किसान सभा ने ज्ञापन के माध्यम से सरकार और बीमा कंपनियों पर गंभीर आरोप लगाए। किसानों ने सेम और अधिक बरसात के कारण हुए जलभराव से खराब फसलों, ढाणियों को हुए नुकसान का बीमा क्लेम व मुआवजा दिए जाने की मांग की। प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को बताया कि फतेहाबाद जिले के लगभग दो दर्जन गांवों जैसे खाराखेड़ी, चिंदड़, भोड़ा होशनाक, बड़ोपल, कुम्हारिया से लेकर भट्टूकलां, जांडवाला बागड़ तक में वर्ष 2023 से लेकर 2025 तक का सेम व अधिक वर्षा के कारण हुआ बीमा क्लेम अभी तक बकाया है। किसानों का आरोप है कि बीमा कंपनियों ने प्रीमियम तो काट लिया, लेकिन नुकसान की भरपाई नहीं की। छुट-पुट जलभराव का मुआवजा

किसानों को बरगलाना भरा है। सीएम ने 7 से 15 हजार रुपए प्रति किला मुआवजा व ढाणियों को नुकसान की भरपाई की घोषणा महज कौरी घोषणा ही साबित हुई है। किसानों ने आरोप लगाया कि बीमा कंपनियां सीएससी सेंटरों के माध्यम से कराई गई पॉलिसियों को बेवजह रिजेक्ट कर रही हैं। मांग की गई है कि इन रिजेक्टेड पॉलिसियों को तुरंत अप्रूव किया जाए और दोषी कंपनियों पर कानूनी कार्रवाई हो। सेम की ड्रेन को पक्का किया जाए और जो भूमि पिछले 8-10 वर्षों से खाली पड़ी है, उसके लिए 50 हजार रुपए प्रति एकड़ मुआवजा दिया जाए। ज्ञापन में बुढ़ापा पेंशन को बिना शर्त बहाल करने और गांवों में स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित करने की भी मांग की गई है। वर्ष 2025 में कपास की फसल में 80 प्रतिशत से 95 प्रतिशत तक नुकसान हुआ था, लेकिन बीमा कंपनियां केवल 25 प्रतिशत नुकसान दिखाकर खानापूर्ति कर रही हैं। किसानों ने वास्तविक नुकसान के आधार पर पूर्ण मुआवजे की मांग की है। प्रतिनिधिमंडल में जिला प्रधान विष्णुदत्त के साथ मुख्य रूप से फकीर चंद, रमेश कुमार, धर्मपाल, रामकिशन, मुकेश, विष्णु, रामकुमार, संत लाल, मियाराम, पाला राम, सुशील कुमार, रामफल, राम सिंह, रामस्वरूप, प्रेम कुमार, घासीराम, संदीप, कुलदीप, दीपक कुमार, भजन लाल और संजय कुमार सहित बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे। किसानों ने स्पष्ट किया है कि यदि उनकी मांगों पर जल्द विचार नहीं किया गया, तो वे अपने आंदोलन को और तेज करने के लिए मजबूर होंगे।

पिता ने दो साल की बेटी को 23वीं मंजिल से फेंका, फिर खुद कूदा

अनंत ज्ञान, चंडीगढ़। सोसायटी की 23वीं मंजिल से कूदकर एक पिता ने जान दे दी। खुद कूदने से पहले उसने अपनी दो साल की बेटी को भी नीचे फेंका, जिससे उसकी भी मौत हो गई। घटना की सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची। फिर इस बात का खुलासा नहीं हो पाया है कि आखिर उसने ऐसा क्यों किया। घटना की सूचना पाकर धनकोट चौकी से पुलिस मौके पर पहुंची। चौकी इंचार्ज जगमाल सिंह बताया कि राहुल की पत्नी से पूछताछ की जा रही है। जानकारी के अनुसार यहां सेक्टर-102 स्थित जॉयविले सोसायटी में दिल्ली के नांगलोई निवासी राहुल अपनी पत्नी व बेटी के साथ रहता था। वे सोसायटी के टावर नौ में 2 बीएचके के फ्लैट में रहते थे। सोमवार को वह अपनी बेटी को लेकर अपने टावर से निकलकर टावर नंबर-5 में पहुंचा। वहां लिफ्ट से वह टावर की 23वीं मंजिल पर पहुंचा। इसके बाद उसने बेटी को नीचे फेंक दिया और खुद भी छलांग लगा दी। मौके पर मौजूद सुरक्षाकर्मियों व अन्य लोग उन्हें अस्पताल ले जाने लगे। राहुल की तो पहले ही मौत हो चुकी थी।

स्पोर्ट्स विंडो

न्यूजीलैंड के स्पिनर ईश सोढ़ी दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज से बाहर

एजेंसी, माउंट माउंगानुई। न्यूजीलैंड के लेग स्पिनर ईश सोढ़ी दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी-20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज के बाकी मैचों से बाहर हो गए हैं। प्रशिक्षण सत्र के दौरान गेंदबाजी करते समय उनके अंगूठे में चोट लग गई थी और स्कैन में अंगूठा टूटने की पुष्टि हुई है। डॉक्टरों के अनुसार उन्हें पूरी तरह ठीक होने में करीब चार सप्ताह का समय लगेगा। टीम प्रबंधन के अनुसार, चोट के कारण सोढ़ी सीरीज के शेष मुकाबलों में उपलब्ध नहीं रहेंगे। इस बीच तेज गेंदबाज लॉकी फर्ग्युसन दूसरे और तीसरे मैच के लिए टीम से जुड़ चुके हैं, जो क्रमशः हैमिल्टन और ऑकलैंड में खेले जाएंगे। चयनकर्ताओं ने सोढ़ी की जगह किसी नए खिलाड़ी को टीम में शामिल नहीं किया है। स्पिन विभाग की जिम्मेदारी अब मिचेल सैंटनर और कोल मैककॉन्ची संभालेंगे। न्यूजीलैंड टीम के मुख्य कोच रॉब वॉल्टर ने कहा, 'ईश न्यूजीलैंड के लिए खेलने को लेकर बेहद उत्साहित रहते हैं और विश्व कप अभियान के बाद घरेलू दर्शकों के सामने खेलने के लिए भी वे काफी उत्सुक थे। टी-20 प्रारूप में उनका अनुभव टीम के लिए बहुत अहम है, इसलिए उनका बाहर होना निश्चित रूप से बड़ा नुकसान है।' (अनंत ज्ञान)

नॉर्थ जोन ने जीती आईडीसीए 7वीं वनडे नेशनल जोनल डेफ क्रिकेट चैंपियनशिप

एजेंसी, इंदौर। इंडियन डेफ क्रिकेट एसोसिएशन (आईडीसीए) द्वारा आयोजित 7वीं वनडे नेशनल जोनल डेफ क्रिकेट चैंपियनशिप का रविवार को समापन इंदौर में हुआ, जिसमें रोमांचक मुकाबलों के बाद नॉर्थ जोन ने खिताब अपने नाम किया, जबकि साउथ जोन उपविजेता रहा। प्रतियोगिता में देश के पांच जोन की डेफ पुरुष टीमों ने हिस्सा लिया। फाइनल मुकाबले में नॉर्थ जोन ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 24.1 ओवर में 120 रन बनाए। टीम की ओर से कुलदीप सिंह ने 31 रन की अहम पारी खेली। साउथ जोन की तरफ से यशवंत नायडू ने शानदार गेंदबाजी करते हुए पांच विकेट हासिल किए। लक्ष्य का पीछा करते हुए साउथ जोन ने 25.5 ओवर में छह विकेट के नुकसान पर 127 रन बनाकर मुकाबला जीत लिया। टीम की जीत में वैभव ने 42 रन की महत्त्वपूर्ण पारी खेली, जबकि रोहित सैनी ने गेंदबाजी में पांच विकेट लेकर अहम योगदान दिया। चैंपियनशिप के अन्य मुकाबले में सेंट्रल जोन ने ईस्ट जोन को 55 रन से हराया। पहले बल्लेबाजी करते हुए सेंट्रल जोन ने 20 ओवर में पांच विकेट पर 187 रन बनाए, जिसमें विराज कोल्टे ने 30 गेंदों में 50 रन की शानदार पारी खेली। जवाब में ईस्ट जोन की टीम 18.1 ओवर में 132 रन पर सिमट गई। (अनंत ज्ञान)

पाकिस्तान ने अंपायर के फैसले पर उठाए सवाल, मैच रेफरी से की शिकायत

एजेंसी, मीरपुर। मीरपुर में खेले गए तीसरे वनडे में अंपायर के एक फैसले को लेकर पाकिस्तान क्रिकेट टीम ने मैच रेफरी नियामुर राशिद से शिकायत की है। पाकिस्तान का कहना है कि ऑन-फील्ड अंपायर कुमार धर्मसेना ने बांग्लादेश को गलत तरीके से एलबीडब्ल्यू का रीव्यू लेने की अनुमति दी। पाकिस्तान टीम मैनेजमेंट का आरोप है कि बांग्लादेश ने रीव्यू उस समय लिया जब गेंद का रिप्ले पहले ही स्टेडियम की बड़ी स्क्रीन पर दिखाया जा चुका था। घटना मैच की आखिरी दो गेंदों में से जुड़ी है। उस समय पाकिस्तान को जीत के लिए दो गेंदों में 12 रन चाहिए थे। रिशाद हुसैन की गेंद शाहीन अफरीदी के पास से लेग साइड की तरफ निकल गई, जिस पर अंपायर ने वाइड दे दिया। इसके बाद बांग्लादेश के खिलाड़ियों ने आपस में चर्चा की और एलबीडब्ल्यू का रीव्यू लिया। सामान्य नियमों के अनुसार रिव्यू लेने का फैसला खिलाड़ियों को रिप्ले दिखने से पहले करना होता है, ताकि स्क्रीन पर दिखाई देने वाली जानकारी से निर्णय प्रभावित न हो। पाकिस्तान का आरोप है कि इस मामले में यह प्रोटोकॉल सही तरीके से नहीं अपनाया गया। (अनंत ज्ञान)

'क्वाइट असैसिन' एलेना रायबाकिना

एलेना रायबाकिना टेनिस में कजाकिस्तान का प्रतिनिधित्व करती हैं। इनका जन्म रूस की राजधानी मॉस्को में 1999 हुआ था। रायबाकिना बहुत आक्रामक खेल और बड़ी सर्विस के लिए जानी जाती हैं। रायबाकिना को मीडिया द्वारा 'क्वाइट असैसिन' (शांत हत्यारा) कहा जाता है क्योंकि वह अपनी आक्रामक खेल शैली के साथ बेहद शांत रहती हैं।

सिनर बने इंडियन वेल्स चैंपियन

फाइनल में मेदवेदेव को सीधे सेटों में हराया

एजेंसी, कैलिफोर्निया

कैलिफोर्निया में रविवार को खेले गए प्रतिष्ठित इंडियन वेल्स 2026 टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल में इटली के स्टार खिलाड़ी यानिक सिनर ने रूस के दानिल मेदवेदेव को सीधे सेटों में हराकर अपना पहला इंडियन वेल्स खिताब जीत लिया। कैलिफोर्निया के रेगिस्तानी मौसम में खेले गए इस मुकाबले में सिनर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पूरे मैच में दबदबा बनाए रखा। उन्होंने मैच के दौरान 28 विनर्स और 10 ऐस लगाए तथा नेट पर खेले गए सभी आठ अंकों में सफलता हासिल की। साल का यह उनका पहला खिताब है। इसके साथ ही वह 1990 के बाद पहले खिलाड़ी बन गए हैं जिन्होंने लगातार दो मास्टर्स 1000 खिताब बिना एक भी सेट गंवाए जीते हैं। पेरिस में पिछले वर्ष जीते खिताब से शुरू हुई उनकी जीत की लय इस श्रेणी में 11 मैचों तक पहुंच गई है।

सिनर इतिहास में ऐसे तीसरे खिलाड़ी बन गए हैं, जिन्होंने सभी छह एटीपी मास्टर्स 1000 हार्ड-कोर्ट खिताब जीते हैं। इस उपलब्धि के साथ वह टेनिस के दिग्गज नोवाक जोकोविच और रोजर फेडरर के विशेष क्लब में शामिल हो गए। (अनंत ज्ञान)

सिनर ने पूरे टूर्नामेंट में एक भी सेट नहीं हारा

जैनिक सिनर ने फाइनल में पहला सेट टाईब्रेक में 7-6 (8-6) से जीता। इसके बाद दूसरे सेट में भी कड़ा मुकाबला हुआ, लेकिन सिनर ने इसे 7-6 (7-4) से अपने नाम कर लिया। खास बात यह रही कि सिनर ने पूरे टूर्नामेंट में एक भी सेट नहीं गंवाया और सीधे सेटों में जीत दर्ज करते हुए पहली बार इंडियन वेल्स मास्टर्स वेल्स की ट्रॉफी अपने नाम की।

महिला वर्ग में सबालेंका ने जीता खिताब

एजेंसी, कैलिफोर्निया

◆ फाइनल में एलिना रायबाकिना को 3-6, 6-3, 7-6 (8-6) से हराया

बेलारूस की स्टार खिलाड़ी आर्यना सबालेंका ने महिला सिंगल्स के फाइनल में एलिना रायबाकिना को 3-6, 6-3, 7-6 (8-6) से हराया। सबालेंका पहला सेट हार गई थीं, लेकिन उन्होंने जबरदस्त वापसी की। तीसरे सेट के टाइ-ब्रेकर में मुकाबला इतना फंस गया था कि रायबाकिना के पास चैंपियनशिप पॉइंट था, लेकिन सबालेंका ने उसे बचाया और जीत हासिल की। यह सबालेंका का पहला इंडियन वेल्स खिताब है। इससे पहले वह दो बार इस टूर्नामेंट के फाइनल में हार चुकी थीं। एलिना रायबाकिना रनरअप और आर्यना सबालेंका ट्रॉफी के साथ। एलिना रायबाकिना रनरअप और आर्यना सबालेंका ट्रॉफी के साथ। (अनंत ज्ञान)

रायबाकिना से पुराना हिसाब किया चुकता

साल 2023 के इंडियन वेल्स फाइनल में एलिना रायबाकिना ने ही सबालेंका को हराकर खिताब जीता था। इस बार सबालेंका ने उस हार का बदला ले लिया। इतना ही नहीं रायबाकिना ने 31 जनवरी, 2026 को ऑस्ट्रेलियन ओपन के फाइनल में भी आर्यना सबालेंका को हराकर सनसनीखेज जीत दर्ज की थी।

एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम को आईपीएल मैचों की इजाजत

एजेंसी, बेंगलुरु

◆ गत वर्ष आरसीबी की विक्ट्री सेरेमनी में भगदड़ मचने के बाद लगी थी रोक

◆ यहां आरसीबी और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच होगा उद्घाटन मैच

कर्नाटक सरकार ने सोमवार को कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ (केएससीए) और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में इस साल होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मैचों की मेजबानी करने की औपचारिक मंजूरी दे दी। इसके साथ ही इस स्टेडियम में आईपीएल मैचों के आयोजन को लेकर पिछले लंबे समय से चली आ रही अनिश्चितता भी समाप्त हो गई। पिछले साल आरसीबी के चैंपियन बनने के बाद यहां आयोजित किए गए समारोह के दौरान मची भगदड़ में कुछ लोगों की जान चली गई थी।

आईपीएल 28 मार्च से शुरू होगा, जिसमें मौजूदा चैंपियन आरसीबी उद्घाटन मैच में सनराइजर्स हैदराबाद का सामना करेगा। यह मैच पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेला जाएगा। कर्नाटक के गृह मंत्री परमेश्वर की अध्यक्षता में राज्य सरकार द्वारा गठित विशेषज्ञ समिति तथा केएससीए, आरसीबी और उनकी प्रबंधन कंपनी डीएनए के प्रतिनिधियों के बीच बैठक के बाद कर्नाटक सरकार ने औपचारिक मंजूरी दी।

केएससीए के प्रवक्ता विनय मृत्युंजय ने कहा, 'बैठक के दौरान विशेषज्ञ समिति ने एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में की गई तैयारियों और उपायों के संबंध में रिपोर्ट पेश की। समिति की सिफारिश के आधार पर गृहमंत्री ने स्टेडियम में आईपीएल मैचों के आयोजन के लिए औपचारिक मंजूरी दे दी है।' आरसीबी ने इससे पहले घोषणा कर दी थी कि वह अपने सात घरेलू मैचों में से पांच मैच बेंगलुरु में खेलेगा। (अनंत ज्ञान)

न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका करेंगे एफआईएच हॉकी कप की मेजबानी

एजेंसी, लॉजान

अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) ने सोमवार को घोषणा की है कि न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका क्रमशः महिला और पुरुष वर्ग के एफआईएच हॉकी नेशंस कप 2025-26 के चौथे संस्करण की मेजबानी करेंगे। इस प्रतियोगिता के विजेता को एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2026-27 सत्र में शामिल होने का अवसर मिलेगा। पुरुष वर्ग की प्रतियोगिता दक्षिण अफ्रीका के केप टाउन शहर में आयोजित की जाएगी, जिसमें दुनिया की कई मजबूत टीमें भाग लेंगी।

इन टीमों में मेजबान दक्षिण अफ्रीका, न्यूजीलैंड, फ्रांस, कोरिया, जापान, वेल्स, मलेशिया, स्कॉटलैंड और आयरलैंड शामिल हैं। स्कॉटलैंड ने एफआईएच हॉकी नेशंस कप-2 के माध्यम से पदोन्नति हासिल की है, जबकि आयरलैंड 2024-25 सत्र की एफआईएच हॉकी प्रो लीग से बाहर होकर इस टूर्नामेंट में उतरेगा।

अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ के अनुसार, एफआईएच हॉकी पुरुष नेशंस कप का आयोजन 11 से 20 जून 2026 तक किया जाएगा। यह प्रतियोगिता एक बार फिर दक्षिण अफ्रीका में आयोजित होगी, जिसने 2022 में पोटचेफस्ट्रूम शहर में पुरुष वर्ग के पहले संस्करण की मेजबानी की थी। महिला वर्ग की प्रतियोगिता न्यूजीलैंड के ऑकलैंड शहर में 15 से 21 जून 2026 तक खेली जाएगी। इस टूर्नामेंट में मेजबान न्यूजीलैंड के अलावा अमेरिका, जापान, कोरिया, चिली, स्कॉटलैंड, फ्रांस और भारत की टीमें भाग लेंगी। फ्रांस ने एफआईएच हॉकी नेशंस कप-2 से पदोन्नति हासिल की है। (अनंत ज्ञान)

टेस्ट क्रिकेट खेलना चाहूंगा, लेकिन टी-20 में 'सेट है हाथ' : सूर्यकुमार

एजेंसी, नई दिल्ली

भारत के विश्व कप विजेता कप्तान सूर्यकुमार यादव का कहना है कि वह टेस्ट क्रिकेट खेलना चाहते हैं, वनडे क्रिकेट उन्हें रास नहीं आता, लेकिन टी-20 उनकी ताकत है क्योंकि उसमें उनका हाथ सेट हो गया है। सूर्यकुमार पीटीआई के साथ एक विशेष पॉडकास्ट साक्षात्कार में कभी-कभी मुंबई की आकर्षक हिंदी का उपयोग करते हुए नजर आए जैसे कि 'हाथ सेट हो गया है'। सरल शब्दों में कहें तो उनका मतलब था कि वह अब क्रिकेट के सबसे छोटे प्रारूप के उस्ताद बन चुके हैं और इसे खेलने में सहज महसूस करते हैं।

सूर्यकुमार ने इस साक्षात्कार के दौरान याद दिलाया कि उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एक टेस्ट मैच खेला था, जिसमें वह केवल एक पारी खेल पाए थे। सूर्यकुमार ने कहा कि मैंने भी लाल गेंद से क्रिकेट खेलना शुरू किया था और 10-12 साल तक रणजी ट्राफी खेली। मैंने मुंबई में लाल गेंद से बहुत क्रिकेट खेली है क्योंकि अगर आप मुंबई में पले बढ़े होते हैं तो आप लाल गेंद से ही शुरुआत करते हैं, इसलिए सब कुछ लाल गेंद के इर्द-गिर्द ही घूमता है।' (अनंत ज्ञान)

फुटबॉल कप में हिस्सा लेगा ईरान : विंडसन

एजेंसी, कुआलालंपुर। एशियाई फुटबॉल परिसंघ के महासचिव विंडसन जॉन ने कहा है कि ईरान जून में अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको में होने वाले विश्व कप में भाग लेगा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बयान के जवाब में ईरान की राष्ट्रीय फुटबॉल टीम ने पिछले सप्ताह सोशल मीडिया पोस्ट पर लिखा था कि उसे विश्व कप से कोई बाहर नहीं रख सकता। सोमवार को जॉन ने कहा कि महासंघ ने ऐसा कुछ नहीं सुना है जिससे यह आशय निकाला जाए कि ईरान विश्व कप नहीं खेलेगा। उन्होंने यहां एक प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि वे हमारे सदस्य हैं और हम चाहते हैं कि वे खेलें। जहां तक मुझे पता है, ईरान खेल रहा है। अभी तक तो उन्होंने हमें यही कहा है कि वे विश्व कप खेलने जा रहे हैं। ट्रंप ने सोशल मीडिया पर कहा था कि ईरान से जारी जंग के बावजूद विश्व कप में ईरान की टीम का स्वागत है लेकिन यह भी कहा ,'मेरा मानना है कि उनकी अपनी जिंदगी और सुरक्षा के लिये यह सही नहीं होगा कि वे विश्व कप में आएं।' (अनंत ज्ञान)

चुराह के राजेश ने ओपन इंडिया पावरलिफ्टिंग में जीता सोना

होशियारपुर में आयोजित चैंपियनशिप में 110 प्लस ओपन वर्ग में किया शानदार प्रदर्शन

अनंत ज्ञान

चंबा। हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले के दूरदराज क्षेत्र चुराह के प्रतिभाशाली खिलाड़ी राजेश ठाकुर ने राष्ट्रीय स्तर पर अपनी ताकत का लोहा मनवाते हुए बड़ी उपलब्धि हासिल की है। पंजाब के होशियारपुर में 15 मार्च को आयोजित ओपन इंडिया पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप में राजेश ठाकुर ने 110 प्लस ओपन वर्ग में शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त कर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच राजेश ठाकुर ने बेहतरीन तकनीक, जबरदस्त ताकत और आत्मविश्वास का परिचय देते हुए सभी प्रतिद्वंद्वियों को पीछे छोड़ दिया। प्रतियोगिता में उनके दमदार प्रदर्शन ने न केवल स्वर्ण पदक दिलाया, बल्कि ट्रॉफी पर भी कब्जा जमाया। इस उपलब्धि से पूरे चुराह क्षेत्र और चंबा जिले में खुशी और गर्व का माहौल है।

राजेश ठाकुर इससे पहले भी कई राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर चुके हैं और लगातार अपनी मेहनत और लगन से पावरलिफ्टिंग के क्षेत्र में मजबूत पहचान बना रहे हैं। सीमित संसाधनों के बावजूद उनका समर्पण और संघर्ष आज उन्हें राष्ट्रीय स्तर के मंच तक ले आया है। राजेश ठाकुर का सपना है कि वह आने वाले समय में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का प्रतिनिधित्व करें और देश के लिए पदक जीतकर तिरंगे का मान बढ़ाएं। राजेश ठाकुर ने अपनी इस जीत का श्रेय अपने परिवार, कोच और समर्थकों को देते हुए कहा कि उनकी प्रेरणा और सहयोग के बिना यह उपलब्धि संभव नहीं थी।

उन्होंने कहा कि वह आगे भी लगातार कड़ी मेहनत करते रहेंगे ताकि हिमाचल प्रदेश और भारत का नाम खेल जगत में और ऊंचा कर सकें। चुराह-चंबा के इस होनहार खिलाड़ी ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि मजबूत इरादे, मेहनत और लगन के दम पर छोटे से क्षेत्र से निकलकर भी राष्ट्रीय मंच पर बड़ी पहचान बनाई जा सकती है।

जमीनी स्तर पर खेलों के विकास की जरूरत : उषा

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) अध्यक्ष पीटी ऊषा ने भारतीय खेलों में एथलीट केंद्रित शासन व्यवस्था को मजबूत करने की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि देश के खेल पारिस्थितिकी तंत्र का भविष्य ऐसी नीतियों से तय होना चाहिए, जिनमें खिलाड़ियों को निर्णय प्रक्रिया के केंद्र में रखा जाए। आईओए की अध्यक्ष पीटी उषा ने रविवार को स्पोर्ट्स जर्नलिस्ट फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसजेएफआई) के स्वर्ण जयंती राष्ट्रीय सम्मेलन के तीसरे दिन इंडिया हैबिटेट सेंटर में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि खिलाड़ियों की तैयारी, कल्याण और विकास खेल प्रशासकों तथा खेल संस्थाओं की सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए।

पीटी उषा ने कहा, 'एथलीट-फर्स्ट गवर्नेंस भारतीय खेलों के भविष्य का मार्गदर्शन करनी चाहिए।

खिलाड़ियों की तैयारी, उनका कल्याण और विकास हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता होना चाहिए।'

भारतीय खेलों के बदलते परिदृश्य पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि देश इस समय अपने खेल सफर के एक महत्वपूर्ण दौर से गुजर रहा है। बेहतर बुनियादी ढांचा, वैज्ञानिक प्रशिक्षण और संस्थागत समर्थन के कारण भारतीय खिलाड़ी अब वैश्विक मंच पर अधिक आत्मविश्वास के साथ प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। पिछले एक दशक में हमने देखा है कि देश में खेलों को समर्थन और सम्मान देने के तरीके में बड़ा बदलाव आया है। आज खिलाड़ियों को बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर, वैज्ञानिक प्रशिक्षण और मजबूत संस्थागत समर्थन मिल रहा है। पीटी उषा ने जमीनी स्तर पर खेलों के विकास के महत्व पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि भारतीय खेलों की असली ताकत गांवों, कस्बों और स्कूलों में छिपी हुई प्रतिभाओं में है, जिन्हें पहचानने और आगे बढ़ाने की जरूरत है।

यदि हम कोचिंग, बुनियादी ढांचे और प्रतिभा पहचान में लगातार निवेश करते रहें, तो भारत लगातार विश्वस्तरीय खिलाड़ी तैयार कर सकता है। पीटी उषा ने खेल पत्रकारिता की भूमिका को भी महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि खेल पत्रकार केवल परिणाम बताने वाले नहीं होते, बल्कि वे खिलाड़ियों के संघर्ष, भावनाओं और उपलब्धियों की कहानियों को सामने लाते हैं। जिम्मेदार और गहन खेल पत्रकारिता देश में खेलों की मजबूत नींव तैयार करती है। (अनंत ज्ञान)

पांच बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस ने आईपीएल के लिए शुरू की प्रैक्टिस

एजेंसी, मुंबई

पांच बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस ने सोमवार से आईपीएल -2026 के लिए अपनी ट्रेनिंग शुरू कर दी है। मुंबई में आयोजित इस प्री-सीजन कैंप के पहले दिन खिलाड़ियों ने फिटनेस और कंडीशनिंग पर फोकस किया। हेड कोच महेला जयवर्धने की देखरेख में खिलाड़ियों ने मैदान पर पसीना बहाया। इस कैंप में गेंदबाजी कोच लसिथ मलिंगा और पारस म्हाम्ब्रे भी मौजूद रहे। पहले ट्रेनिंग सेशन में शार्दुल ठाकुर, मयंक मार्कंडे, अल्लाह गजनफर, नमन धीर, राजा अंगद बावा, रोबिन मिन्ज, रघु शर्मा, मयंक रावत, दानिश मलेवार, मोहम्मद इजहार और अश्विनी कुमार शामिल हुए। सेशन की शुरुआत फिटनेस और कंडीशनिंग ड्रिल से हुई। खिलाड़ियों ने मूवमेंट ड्रिल, एजिलिटी एक्सरसाइज और फिटनेस टेस्ट में हिस्सा लिया। कोच जयवर्धने बोले- पहले दिन की एनर्जी स्पेशल होती है। (अनंत ज्ञान)

अंडर-19 विश्व कप में विशेष थी फाइनल की पारी : वैभव सूर्यवंशी

एजेंसी, जयपुर

भारतीय क्रिकेट की युवा सनसनी वैभव सूर्यवंशी ने अंडर-19 विश्व कप फाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ बनाए गए शतक को अपने करियर की 'विशेष' पारी करार दिया जिसने भारत को खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाई। सूर्यवंशी ने महज 80 गेंद में 175 रन की शानदार पारी खेली जिससे भारत छठी बार अंडर-19 विश्व कप जीतने में सफल रहा। राजस्थान रॉयल्स की नई जर्सी के अनावरण के अवसर पर सूर्यवंशी ने कहा, 'मेरे लिए करियर का अभी तक का यादगार पल अंडर-19 विश्व कप (हरारे में) की फाइनल पारी है। मैं पहली बार अंडर-19 विश्व कप में खेल रहा था। फाइनल में शतक बनाना मेरे लिए गर्व का क्षण था। फाइनल में मैंने टीम के लिए जो योगदान दिया वह विशेष था।' इस साल के आईपीएल में अपने लक्ष्य के बारे में पूछे जाने पर सूर्यवंशी ने कहा कि वह केवल प्रक्रिया पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं और अन्य चीजों के बारे में नहीं सोच रहे हैं। (अनंत ज्ञान)

अनंत ज्ञान
दैनिक समाचार पत्र
'अनंत ज्ञान' की प्रति प्राप्त करने
समाचार, विज्ञापन, शुभकामना संदेश
एवं निविदा प्रकाशित करने के लिए संपर्क करें।
"अनंत ज्ञान - आपकी आवाज, आपका समाचार पत्र"
शिमला - सत्यदेव भारद्वाज, ब्यूरो चीफ, मो. 70181-60595
धर्मशाला - राजेश कुमार, जिला प्रभारी, मो. 98164-48474
सोलन - मोहन चौहान, जिला प्रभारी, मो. 94181-57519
मंडी - अनिल शर्मा, ब्यूरो चीफ, मो. 94189-80288
हमीरपुर - विक्रम ढटवालिया, ब्यूरो चीफ, मो. 94180-03422
बिलासपुर - अरुण डोगरा, जिला प्रभारी, मो. 90159-09310
चंबा - राहुल सहगल, वरिष्ठ संवाददाता, मो. 78278-66759
ऊना - राजेश शर्मा, ब्यूरो चीफ, मो. 98163-96500
कुल्लू एवं लाहौल/स्पीति - कमलेश वर्मा, जिला प्रभारी, मो. 86298-97600
पठानकोट - अशोक ठाकुर, विशेष संवाददाता, मो. 94184-85666
चंडीगढ़/मोहाली - गुरनाम सागर, स्टाफ रिपोर्टर, मो. 99153-26615
Head Office:- Plot No.8, Phase-II, Ind. Area Nagrota Bagwan, Distt. Kangra (H. P.)- 176047
Contact: 01892-299098, 98168-75517
Email: anantgyaanmedia@gmail.com

इंडियन ओपन को पीडब्ल्यूआर 1000 स्पर्धा के रूप में मान्यता

एजेंसी, नई दिल्ली। भारतीय पिकलबॉल संघ (आईपीए) ने अप्रैल में हैदराबाद में होने वाले इंडियन ओपन के चौथे सत्र को पीडब्ल्यूआर 1000 स्पर्धा के रूप में मान्यता दी है। ग्लोबल स्पोर्ट्स द्वारा आयोजित इस टूर्नामेंट के पिछले तीन सत्र में सभी वर्गों में 19 देशों के चार हजार से अधिक खिलाड़ी हिस्सा ले चुके हैं। चौथे सत्र में 1500 से अधिक खिलाड़ी हिस्सा लेंगे और 56 वर्गों में इसकी कुल इनामी राशि 50 हजार डॉलर है। आयोजकों ने विज्ञप्ति में कहा, 'आईपीए से मंजूरी मिलने से उस व्यवस्था को वैधता मिल गई है जिसकी भारतीय पिकलबॉल के पारिस्थितिकी तंत्र में कमी थी।' उन्होंने कहा, 'ग्लोबल स्पोर्ट्स और आईपीए के बीच इस तालमेल से देश की सबसे बड़ी निजी टूर्नामेंट सीरीज आधिकारिक राष्ट्रीय प्रशासनिक ढांचे में शामिल हो गई है। साथ ही यह इस बात की भी शुरुआत है कि भविष्य में ग्लोबल स्पोर्ट्स द्वारा आयोजित होने वाले सभी प्रतियोगिताएं अब भारतीय पिकलबॉल संघ के तत्वावधान में ही होंगी।' (अनंत ज्ञान)

पोलो | नाहरगढ़ को 9-4½ से हराकर सीजन का 11वां खिताब किया अपने नाम

जयपुर की टीम ने जीता श्री सीमेंट पोलो कप

एजेंसी, जयपुर

जयपुर पोलो टीम ने यहां आरपीसी ग्राउंड पर खेले गए श्री सीमेंट कप के फाइनल में नाहरगढ़ को 9-4½ से हराकर सीजन का अपना 11वां खिताब जीत लिया। जयपुर की जीत के नायक रहे महाराजा सवाई पद्मनाभ सिंह, जिन्होंने शानदार प्रदर्शन करते हुए सात गोल दागे। उनकी अगुवाई में जयपुर ने मैच की शुरुआत से ही दबदबा बनाए रखा और अंत तक बढ़त कायम रखते हुए मुकाबला अपने नाम कर लिया। मुकाबले की शुरुआत में नाहरगढ़ को ½ गोल का हैंडीकैप बढ़त मिली थी, लेकिन जयपुर ने जल्दी ही मैच पर नियंत्रण कर लिया। महाराजा सवाई पद्मनाभ सिंह ने पहला फील्ड गोल दागकर टीम का खाता खोला और फिर एक और गोल कर बढ़त दोगुनी कर दी। इसके बाद उन्होंने तेजी से हैट्रिक पूरी करते हुए जयपुर को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया।

दूसरे चुक्कर में नाहरगढ़ ने वापसी की कोशिश की। हालांकि जयपुर ने तुरंत जवाब दिया और महाराजा पद्मनाभ सिंह ने एक और गोल दागकर टीम की बढ़त कायम रखी। इसके बाद विशाल सिंह राठौड़ ने नाहरगढ़ के लिए एक गोल कर अंतर कम किया, लेकिन चुक्कर के अंत में फिर से महाराजा पद्मनाभ सिंह ने गोल कर जयपुर को मजबूती दी। तीसरे चुक्कर में नाहरगढ़ ने शुरुआती मिनटों में फिर से दबाव बनाने की कोशिश की और तरुण बिलवाल ने दूसरा गोल कर टीम का स्कोर 3½ तक पहुंचाया। इसके जवाब में प्रताप सिंह कनोटा ने शानदार फील्ड गोल कर जयपुर की बढ़त फिर बढ़ा दी। इसके कुछ देर बाद महाराजा सवाई पद्मनाभ सिंह ने मैच का अपना छठा गोल दागते हुए जयपुर को निर्णायक बढ़त दिला दी। आखिरी चुक्कर में महाराजा सवाई पद्मनाभ सिंह ने एक और गोल कर टीम का स्कोर नौ तक पहुंचा दिया। नाहरगढ़ की ओर से एक पेनल्टी कन्वर्जन के जरिए स्कोर 4½ तक पहुंचा, लेकिन जयपुर की मजबूत रक्षा पंक्ति ने विशाल सिंह राठौड़ के नेतृत्व में आए आखिरी दबाव को भी झेलते हुए जीत सुनिश्चित कर ली। (अनंत ज्ञान)